राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

बजट में होगा दूसरे दौर के सुधारों का आगाज

>> 10


# दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 7

मूल्य ₹5 .00, नई दिल्ली, सोमवार, 17 जून 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

## लोकतंत्र के प्रहरी

आपातकाल के 44 साल

### सत्ता विरोधी जंग में उतर गया था बीएचयू का यह छात्र

**वाराणसी :** आपातकाल के दौर में डॉ. राममनोहर लोहिया को आदर्श मान उस समय प्रथम वर्ष के छात्र कुंवर सुरेश सिंह सत्ता विरोधी जंग में उतर गए थे। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के आदेश पर एक उन्होंने पुस्तिका की प्रतियां छपवाकर लोगों में वितरित करवाई। पुस्तिका में लेख से लोकनायक ने इंदिरा गांधी को चेताया था। ● पेज 13

## हमारी सरकार

**राजनाथ सिंह**
केंद्रीय रक्षा मंत्री

देश में नई सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विशाल जनादेश से बनी सरकार के सामने अपेक्षाओं का ऊंचा पहाड़ है। ऐसे में प्रधानमंत्री सहित टीम मोदी की कड़ी परीक्षा तय है। 17वीं लोकसभा का पहला सत्र भी शुरू हो चुका है। यही मौका है 'सरकार' को समझने का। सरकार को जानने-समझने के लिए दैनिक जागरण सोमवार से 'हमारी सरकार' सीरीज शुरू कर रहा है। केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों को बताते हुए इसका आगाज किया जा रहा है। ● पेज 5

## सरोकार

### ग्वालियर की नसीमा से जानें तालीम के मायने

**ग्वालियर :** शिंदे कालोनी की नसीमा बेगम ने सही मायने में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के नारे को साकार किया है। लोगों के घरों में काम किया, तमाम मुसीबतें झेलीं, लेकिन बेटियों की तालीम से कोई समझौता नहीं किया। पांच-पांच बेटियों को पढ़ा-लिखाकर काबिल बना दिया। (पेज-13)

## न्यूज गैलरी

**राज-नीति** ▶ पृष्ठ 4

### हरियाणा में एससी आरक्षण के लिए बनेंगी दो श्रेणियां

**जींद :** हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने रविवार को अनुसूचित जाति समाज के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा, अगले साल से शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले के समय एससी की ए व बी कैटेगरी बनाई जाएंगी। इसके लिए एक्ट बनाने पर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है।

**नेशनल न्यूज** ▶ पृष्ठ 5

### डॉक्टरों के समर्थन में आइएमए की देशव्यापी हड़ताल आज

**नई दिल्ली :** कोलकाता में डॉक्टरों से मारपीट के बाद देशभर के डॉक्टर लामबंद हो गए हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने सोमवार को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है।


क्रिकेट महाकुंभ
बांग्लादेश vs वेस्टइंडीज
दोपहर 3:00 बजे से
स्थान : टांटन
स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क


# पाक पर भारत की 'क्रिकेट स्ट्राइक'

विश्व कप में दैनिक जागरण
अभिषेक त्रिपाठी ● मैनचेस्टर

1992, 1996, 1999, 2003, 2011, 2015 और 2019...ये साल भले ही बदलते गए, लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप में होने वाले मुकाबलों का निर्णय नहीं बदला। पिछली छह बार की तरह इस बार भी भारतीय टीम ने उमड़ते-घुमड़ते बादलों के बीच भारतीय दर्शकों से खचाखच भरे ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में पाकिस्तान को डकवर्थ-लुइस नियम के आधार पर 89 रनों से हराकर इस विश्व कप में तीसरी जीत हासिल की। भारत ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया को पराजित किया, जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबला बारिश के कारण रद हो गया था। विराट सेना की अगली भिड़ंत अब शनिवार को अफगानिस्तान से होगी।

### शानदार जीत

- भारत ने विश्व कप में पाकिस्तान को लगातार सातवीं बार हराया
- रोहित के शतक की बदौलत भारत 89 रनों से जीता

**रोहित का जलवा :** भारत ने पहले खेलते हुए इस मैदान का और इंग्लैंड में पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर बनाया। रोहित ने इस विश्व कप में दूसरा, इंग्लैंड में चौथा और करियर का 24वां शतक बनाया। वह विश्व कप में पाक के खिलाफ शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। विराट कोहली ने 2015 विश्व कप में पाक के खिलाफ 107 रनों की पारी खेली थी।

**हर विभाग शानदार :** भारतीय टीम ने पहले रोहित शर्मा के शतक (140) और विराट कोहली (77) व केएल राहुल (57) के अर्धशतकों की बदौलत पांच विकेट पर 336 रन बनाए और उसके बाद पाक को 40 ओवरों में 212/6 पर सीमित कर दिया। पाकिस्तान ने 35 ओवर में छह विकेट पर 166 रन बना लिए थे, लेकिन तभी बारिश आई और उसके बाद जब मैच शुरू हुआ तो अंपायरों ने उसे डकवर्थ-लुइस नियम के आधार पर 40 ओवरों में 302 रनों का लक्ष्य दिया। पाक को आखिरी 30 गेंदों पर 136 रन बनाने थे, जो वह नहीं बना सकी। भारत की ओर से कुलदीप, हार्दिक और विजय शंकर ने दो-दो विकेट लिए।

**रोहित-राहुल की शानदार साझेदारी :** पूर्व कप्तान और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की ट्विटर पर दी गई पहले बल्लेबाजी करने की सलाह को दरकिनार करते हुए कप्तान सरफराज अहमद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय किया। लेकिन भारतीय ओपनरों ने 136 रनों तक कोई विकेट नहीं गिरने दिया। (विशेष सामग्री पेज-12)

पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते रोहित शर्मा। साथ में हैं कप्तान विराट कोहली ● एपी

**11,000** रन कोहली के वनडे में पूरे। यह उपलब्धि पाने वाले दुनिया के नौवें और तीसरे भारतीय बने। भारतीयों में सचिन, गांगुली के उनसे ज्यादा रन हैं

**17** साल तक कायम रहा सचिन तेंदुलकर का सबसे तेज 11000 वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड

**222** पारियों में ये रन बनाए कोहली ने। सबसे कम पारियां खेलीं उन्होंने। अभी तक 276 पारियों के साथ सचिन के नाम था रिकॉर्ड

### विश्व कप में पाक के खिलाफ भारत की शतकीय साझेदारी

| | मैदान | जोड़ी |
|---|---|---|
| 2003 | सेंचुरियन | सचिन-कैफ |
| 2015 | मेलबर्न | शिखर-विराट |
| 2015 | मेलबर्न | विराट-रैना |
| 2019 | मैनचेस्टर | रोहित-राहुल |

### विश्व कप में भारत की पाकिस्तान पर सात जीत

- 1992 विश्व कप में तेंदुलकर के नाबाद 54 रनों की मदद से सात विकेट से जीत
- 1996 विश्व कप में क्वार्टर फाइनल में सिद्धू के 93 रनों की बदौलत 39 रनों से विजय
- 1999 विश्व कप में वेंकटेश के पांच विकेट की मदद से 47 रनों की जीत
- 2003 विश्व कप में सचिन के 98 रनों की बदौलत छह विकेट से जीत
- 2011 विश्व कप के सेमीफाइनल में तेंदुलकर के 85 रनों की बदौलत 29 रनों से जीत
- 2015 विश्व कप में विराट (107) के शतक के दम पर 76 रनों की जीत
- 2019 विश्व कप मे रोहित शर्मा (140) के शतक की बदौलत 89 रनों से जीत

# बिहार में लू से दूसरे दिन 116 की मौत

**प्रकृति की मार** ▶ लू के कहर से मरने वालों की संख्या 176 हुई

सबसे अधिक मौत मगध और शाहाबाद क्षेत्र में हुईं, 82 की गई जान

**जागरण टीम, गया**

बिहार में लू ने जैसा कहर बरपाया है वैसा शायद ही पहले कभी देखा-सुना गया हो। दो दिन के भीतर राज्य में लू की चपेट में आकर 176 लोगों की मौत हो गई है। शनिवार को लू से 60 लोगों की जान जाने के बाद रविवार को 116 की मौत लू के कारण हो गई। औरंगाबाद में 35, गया में 28, नवादा 6, भभुआ 2 और सासाराम में 11, पटना में 10, जहानाबाद, छपरा व बक्सर में तीन-तीन, शेखपुरा, नालंदा में दो-दो, आरा, बेगूसराय में एक-एक, पूर्वी चंपारण में दो, सीतामढ़ी और दरभंगा में एक-एक, जमुई में दो, बांका, खगड़िया और लखीसराय में एक-एक की जान गई। इतनी मौतों के बाद गया के विष्णुपद श्मशान में रविवार को 72 लाशें जलाई गईं। डोमराजा ने कहा कि एक दिन में इतनी संख्या पहली बार देख रहे हैं।

**300 से अधिक मरीज भर्ती :** गया, नवादा और औरंगाबाद के विभिन्न अस्पतालों में तीन सौ से भी ज्यादा मरीज भर्ती हैं। साथ ही नए मरीजों के भर्ती होने का सिलसिला जारी है। गया में रविवार को 28 की जान गई। हालांकि, जिलाधिकारी अभिषेक सिंह ने दो दिनों में 25 की ही पुष्टि की है। औरंगाबाद के जिलाधिकारी राहुल रंजन महिवाल ने रविवार को 30 की जान जाने की पुष्टि की। हालांकि यहां पांच और लोगों के भी मरने की सूचना है, जो अस्पताल नहीं पहुंच सके थे। नवादा में अभी तक छह के मरने की सूचना है। विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, प्रशासन इसकी पुष्टि नहीं कर रहा है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य उप निदेशक डॉ. विजय कुमार ने कहा कि अभी तक उनके रिकार्ड में 54 लोगों की मौत की सूचना है, लेकिन यह संख्या अधिक हो सकती है। बहरहाल, ये अस्पतालों में होने वाली मौत के आंकड़े हैं।

**महामारी की तरह हुआ हमला :** लू के कहर ने यहां महामारी का रूप ले लिया है। लगभग सभी मरीजों के प्रारंभिक लक्षण यही हैं कि अचानक चक्कर आया और बुखार 105 डिग्री फारेनहाइट तक पहुंच गया। डॉ. विजय कुमार ने इसे हीटस्ट्रोक (लू) ही बताया है। उन्होंने कहा कि लू की ही दवा दी जा रही है और कम प्रभावित मरीज ठीक भी हो रहे हैं। वहीं, मगध प्रमंडल के आयुक्त पंकज कुमार पॉल ने हेलीकाप्टर से नवादा और औरंगाबाद का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। पूरे प्रमंडल में अलर्ट घोषित कर दिया गया है। दूसरी ओर, रविवार को शाहाबाद क्षेत्र में भभुआ और सासाराम से भी लू से मौत की सूचना आई है। भभुआ में दो और सासाराम में 11 की मौत की पुष्टि स्थानीय मुखिया व चिकित्सकों ने की है। जिला मुख्यालय अभी पुष्टि नहीं कर रहा है।

बिहार में लू से प्रभावितों की बढ़ती संख्या की वजह से मगध मेडिकल कॉलेज के मेन गेट के हॉल में ही मरीजों के लिए बेड की व्यवस्था की गई है। जागरण

### गर्म हवाओं से लोगों को अभी नहीं मिलेगी निजात

**जागरण संवाददाता, पटना :** मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी पटना, गया, औरंगाबाद, नालंदा, राजगीर, मुजफ्फरपुर, छपरा और मोतिहारी लू की चपेट में रहेंगे। हालांकि राज्य में 18 जून को तेज हवा के साथ कुछ जगहों पर बूंदाबांदी की संभावना है। पटना, छपरा और मुजफ्फरपुर 18 जून तक लू की चपेट में रहेंगे। औरंगाबाद, गया, नालंदा और राजगीर सोमवार तक लू की चपेट में रहेंगे। पटना में रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 9 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। सामान्यतः अधिकतम तापमान 36 डिग्री होना चाहिए, लेकिन यह 45 डिग्री पर पहुंच गया था।

# 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर पीएम करेंगे विपक्ष से चर्चा

नई दिल्ली में रविवार को लोकसभा सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। साथ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंदोपाध्याय और अन्य नेता। प्रेट्र

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

भारतीय जनता पार्टी ने अपने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे को आगे बढ़ाने और इसमें विपक्ष समेत सभी पक्षों को शामिल करने के लिए बैठक बुलाई है। इस मुद्दे पर सभी दलों के अध्यक्षों के साथ 19 जून को चर्चा होगी। सोमवार से शुरू हो रहे 17वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र की पूर्व संध्या पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। संसद के इस सत्र में तीन तलाक समेत कई अहम बिल सरकार ला सकती है।

सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री प्रहलाद जोशी ने बताया कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मसले पर चर्चा के लिए 19 जून की बैठक के लिए उन्होंने सभी राजनीति दलों को पत्र लिखकर आमंत्रित किया है। इस बैठक में वर्ष 2022 में भारत की आजादी के 75वें साल और महात्मा गांधी की 150वीं जयंती वर्ष की तैयारियों पर भी चर्चा होगी। 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे को भाजपा पहले से ही जोर-शोर से उठाती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सार्वजनिक मंचों से कई बार इस मुद्दे को उठा चुके हैं।

संसदीय कार्यमंत्री ने बताया कि 20 जून को प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा और राज्यसभा के सभी सदस्यों को डिनर पर आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री सांसदों के साथ सभी मुद्दों पर खुलकर बातचीत करना चाहते हैं। इसके लिए सभी सांसदों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी दलों के प्रतिनिधियों से जनहित में काम करने की अपील की। संसद के दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए सरकार ने विपक्ष से सहयोग मांगा है। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2022 तक नए भारत के निर्माण के लिए सभी दलों से मिलकर काम करने की अपील भी की है।

सर्वदलीय बैठक के बाद पीएम मोदी ने भी ट्वीट किया, 'हमने आज लाभप्रद सर्वदलीय बैठक की, जो चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद पहली और संसद सत्र के शुरू होने से पहले पहली बैठक थी। मूल्यवान सुझावों के लिए सभी सदस्यों का आभारी हूं। हम सभी संसद के सुचारू संचालन को लेकर सहमत हैं, ताकि लोगों की उम्मीदों को पूरा कर सकें।'

**26 जुलाई तक चलेगा संसद सत्र:** संसद का बजट सत्र 26 जुलाई तक चलेगा। पहले दो दिन 17 और 18 जून को लोकसभा के निर्वाचित सभी सदस्यों को शपथ दिलाई जाएगी। इसके लिए प्रोटेम स्पीकर के रूप में डॉ. वीरेंद्र कुमार का चयन कर लिया गया है। 19 जून को लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। 20 को राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। पांच जुलाई को सरकार अपना पूर्ण बजट पेश करेगी।

### सर्वदलीय बैठक

- 19 जून की बैठक के लिए संसद सदस्यों वाले सभी दलों के अध्यक्षों को भेजा गया न्योता
- प्रधानमंत्री ने सभी दलों से सहयोग की अपील की, आज से शुरू हो रहा है संसद का बजट सत्र

### पहले होते रहे एक साथ चुनाव

- 1952 में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए गए, 1957, 1962, 1967 तक यह प्रक्रिया जारी रही।
- क्षेत्रीय दलों के उभार से बिगड़ा संतुलन। 1971 में इंदिरा गांधी ने लोस का मध्यावधि चुनाव कराया।
- 1980, 1991, 1998, 1999 में लोस को पहले ही भंग कर दिया गया।
- 1971 और 1984 में कांग्रेस ने लोस को एक साल पहले ही भंग कर दिया।
- 1999 में विधि आयोग ने भी पांच साल में एक साथ चुनाव की सलाह दी।

# एफएटीएफ के सामने फिर फंसा पाक

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** पाकिस्तान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) के सामने फंस गया है। एफएटीएफ ने कहा है कि उसकी तरफ से दिए गए 27 में से 25 मानकों पर पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों और जमात-उद-दावा (जेयूडी) और फलह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (एफआइएफ) जैसे उनके मुखौटा संगठनों को वित्तीय मदद रोकने के लिए कार्रवाई करने में विफल रहा है।

फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की इस कार्रवाई ने पाकिस्तान की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, क्योंकि इस कार्रवाई के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ), विश्व बैंक(डब्ल्यूबी) और यूरोपीय संघ(ईयू) जैसे संस्थान भी पाकिस्तान को डाउनग्रेड करेंगे, जिससे उसकी आर्थिक स्थिति और खराब होने की संभावना है। पेरिस स्थित एफएटीएफ ने पाकिस्तान से यह पूछा है कि क्या उसने लश्कर ए तोइबा, जैश-ए-मुहम्मद, जमात उद दावा और फलह-ए-इंसानियत फाउंडेशन जैसे आतंकी संगठनों द्वारा संचालित स्कूलों, मदरसों, क्लीनिक और एंबुलेंस के लिए आवंटित 70 लाख डॉलर (लगभग चार हजार आठ सौ करोड़ रुपये) की कोई जांच शुरू कराई है। उल्लेखीय है कि भारत के प्रयासों का ही नतीजा है कि अब दुनिया इस बात को मानने लगी है कि पाकिस्तान ही दहशतगर्दी का सबसे बड़ा पोषक है। वह ही इस्लाम के नाम पर लोगों को गुमराह कर रहा है।

- 27 में से 25 मानकों पर कार्रवाई करने में फेल
- आइएमएफ और विश्व बैंक जैसे संस्थान कर सकते हैं डाउनग्रेड

भारत अभी पाकिस्तान से बातचीत के लिए तैयार नहीं होगा पेज>>3

### ग्रे सूची में है पाकिस्तान

एफएटीएफ ने पाकिस्तान को जून 2018 में अपनी ग्रे सूची में डाला था और उसे 27 बिंदुओं पर कार्रवाई करने को कहा था। अक्टूबर, 2018 में आखिरी प्लेनरी में इस योजना की समीक्षा की गई। इस साल फरवरी में दूसरी बार, भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूहों के बारे में नई जानकारी प्रस्तुत करने के बाद पाकिस्तान को फिर से ग्रे सूची में डाल दिया गया। एफएटीएफ के पाकिस्तान को ग्रे सूची में जारी रखने का मतलब आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक, एडीबी, ईयू द्वारा डाउनग्रेड करना और मूडीज, एसएंडपी और फिच द्वारा जोखिम रेटिंग में कमी करना है।

# स्विस बैंक खाताधारकों पर शिकंजा कसा, 50 भारतीयों को नोटिस

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** स्विस अधिकारियों ने कम से कम 50 भारतीयों के स्विटजरलैंड के बैंकों में खाते की जानकारी साझा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों देशों की नियामक एवं प्रवर्तन एजेंसियों ने गैरकानूनी धन जमा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ नकेल कसना शुरू कर दिया है। ऐसे लोगों में ज्यादातर जमीन-जायदाद, वित्तीय सेवा, प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, पेंट, इंटीरियर डेकोरेशन, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के कारोबार से जुड़े कारोबारी और कंपनियां शामिल हैं। इनमें से कुछ डमी कंपनियां भी हो सकती हैं। दोनों देशों के बीच आपसी प्रशासनिक सहायता की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। स्विटजरलैंड ने कालाधन की पनाहगाह की छवि सुधारने के लिए कुछ वर्षों में कई सुधार किए हैं। यह मुद्दा भारत सहित कई देशों में राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। (पेज-10)

## मौसम की बेरुखी

चक्रवात वायु के कारण पड़ा विपरीत असर, उत्तर भारत में दो-तीन दिन में दस्तक दे सकता है मानसून, देश की कृषि काफी हद तक मानसून पर निर्भर रहती है

# देश भर में मानसून की वर्षा में 43 फीसद की कमी

**नई दिल्ली,प्रेट्र :** मौसम विभाग के मुताबिक देशभर में कुल मिलाकर मानसून की बारिश में 43 फीसद की कमी दर्ज की गई है। इसके साथ ही विभाग ने कहा कि चक्रवात वायु के कमजोर पड़ने के कारण मानसून उत्तर भारत में दो-तीन दिन में दस्तक दे सकता है।

मौसम विभाग के सेंट्रल डिवीजन के मुताबिक मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा में 59 फीसद बारिश में कमी दर्ज की गई जबकि पूर्वी तथा उत्तरपूर्वी भारत में वर्षा में 47 फीसद की कमी दर्ज की गई। पश्चिमी क्षेत्र, पूर्वी मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ में यह कमी क्रमशः 75, 70 और 72 फीसद रही। विदर्भ में 87 प्रतिशत तक बारिश में कमी दर्ज की गई।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक अब तक मानसून को मध्य भारत के अधिकांश भागों- मध्य प्रदेश, राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा गुजरात तक पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन यह अभी महाराष्ट्र तक भी नहीं पहुंचा है। मानसून अभी तक दक्षिण भारत के मेंगलुरु तथा उसके आसपास के इलाकों के साथ-साथ उत्तर पूर्वी भारत के अगरतला तक ही सीमित है।

मौसम विभाग के मुताबिक देश के पश्चिमी तट महाराष्ट्र से लेकर गुजरात तक चक्रवात के कारण बारिश हो रही है। मानसून के कारण केवल तटीय कर्नाटक तथा केरल में ही वर्षा हो रही है। केरल में आठ जून को मानसून आया था जो अपने समय से एक सप्ताह की देरी से पहुंचा था।

मौसम विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक देवेंद्र प्रधान ने कहा कि चक्रवात वायु के कारण मानसून कमजोर पड़ गया था। अब हमें उम्मीद है कि यह दो से तीन दिन के अंदर फिर मजबूती पकड़ेगा।

तेलंगाना में 20 और आंध्र प्रदेश में 18 जून को पहुंचेगा मानसून : मौसम विभाग के मुताबिक तेलंगाना में 20 जून के आसपास और आंध्र प्रदेश में 18 जून को मानसून दस्तक दे सकता है। चक्रवात वायु के कारण मानसून के यहां पहुंचने में विलंब हुआ है।

उत्तराखंड में आज आकाशीय बिजली की चेतावनी : मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि सोमवार को उत्तराखंड में ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिर सकती है। आंधी और तेज हवाओं की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रति घंटे की हो सकती है। विभाग के मुताबिक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वी राजस्थान, झारखंड तथा बिहार में भी बिजली गिरने तथा 40 से 50 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को पश्चिम बंगाल, सिक्किम तथा गुजरात में भारी बारिश की चेतावनी दी है। इसके साथ ही विभाग ने अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, कोंकण, गोवा, कर्नाटक, अंडमान निकोबार एवं उत्तराखंड में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

बारिश के लिए आसमान को ताकता किसान। फाइल

मानसून से तय होगी शेयर बाजार की चाल पेज>>10

# विदेश से मिले धन से ऐश करते हैं अलगाववादी

**नई दिल्ली, प्रेट्र/आइएएनएस :** कश्मीर में युवाओं को भड़काकर घाटी का चैन छीनने वाले अलगववादी नेता खुद विदेश से मिले धन से ऐशो-आराम और सुख-चैन की जिंदगी जीते हैं। उन्होंने न सिर्फ उस धन से निजी संपत्ति बनाई है, बल्कि अपने बच्चों को विदेशों में भेजकर ऊंची तालीम भी दिला रहे हैं। अलगाववादियों से पूछताछ के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने यह जानकारी दी है।

कश्मीर घाटी में युवाओं को भड़काने, आतंकी गतिविधियों को बढ़ाने और देश के खिलाफ युद्ध छेड़ने के आरोप में एनआइए ने अलगाववादी नेता शब्बीर शाह, यासिन मलिक, आसिया अंद्राबी, पत्थरबाजों के पोस्टर बॉय मसरत आलम और हवाला एजेंट जहूर वटाली को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के आला अधिकारियों के मुताबिक मुस्लिम लीग का नेता मसरत आलम ने पूछताछ में बताया कि हवाला एजेंटों के जरिए पाकिस्तान से हुर्रियत कांफ्रेंस के चेयरमैन सैयद शाह गिलानी समेत अलगाववादी नेताओं को धन मिलता है। यही कारण है कि गिलानी समेत अलगाववादी नेता जम्मू-कश्मीर का पाकिस्तान में विलय की वकालत करते हैं। मसरत के मुताबिक विदेश से धन एकत्र करने और उसके इस्तेमाल को लेकर हुर्रियत कांफ्रेंस में दरार भी है।

एनआइए की ओर से रविवार को जारी बयान में कहा है कि विदेश से मिले धन से आसिया आंद्राबी कश्मीर घाटी में मुस्लिम महिलाओं के जरिए विरोध प्रदर्शनों का आयोजन करती थी। यही नहीं, आसिया ने वटाली से मिले धन से अपने बेटे मोहम्मद बिन कासिम को मलयेशिया के एक विश्वविद्यालय में दाखिला भी कराया है।

अब सुरक्षा एजेंसी ने कासिम के बैंक खातों के बारे में पता लगाने के लिए संबंधित विभाग से संपर्क किया है। अलगाववादी और कट्टरपंथी नेता शब्बीर शाह ने हवाला के जरिए विदेश से मिले धन से पहलगाम में अपने लिए होटल खोल लिया। जम्मू, श्रीनगर और अनंतनाग भी निजी संपत्ति बनाई है। हवाला के जरिए धन लेकर घाटी में अशांति पैदा करने के मामले में एनआइए ने मई, 2017 में जमात-उद-दावा, दुख्तरान-ए-मिलत, लश्कर-ए-तैयबा, हिजबुल मुजाहिद्दीन और अलगाववादी नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया था।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी के मुताबिक जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के नेता यासिन मलिक ने पूछताछ में इस बात को स्वीकार किया है कि उसने हुर्रियत कांफ्रेंस के विभिन्न धड़ों को साथ लाकर ज्वाइंट रेसिस्टेंट लीडरशिप (जेआरएल) का गठन किया है। यही समूह 2016 से कश्मीर घाटी में विरोध प्रदर्शन कर बंद कराता रहा है। इतना ही नहीं मलिक ने यह भी बताया कि जेआरएल और हुर्रियत कांफ्रेंस विदेशों से धन लेकर कश्मीर घाटी में बंद और हिंसक विरोध प्रदर्शनों का आयोजन करते हैं। इस काम को अंजाम तक पहुंचाने के लिए घाटी के युवाओं और कम उम्र के बच्चों को पैसों और अन्य चीजों का लालच देकर हथियार बनाया जाता है।

- शब्बीर शाह ने पहलगाम में होटल खोला, अंद्राबी ने बेटे को पढ़ने विदेश भेजा
- हुर्रियत कांफ्रेंस में विदेश से धन एकत्र करने और उसके उपयोग को लेकर दरार

**21** जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दिन बड़े स्तर पर एम्स में योग कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके मद्देनजर सेंटर फॉर इंटिग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च सेंटर में कार्याशाला का आयोजन किया गया।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 17 जून 2019

## न्यूज गैलरी

### हर पांचवें ट्रैफिक पुलिसकर्मी को सांस की परेशानी

**नई दिल्ली :** ट्रैफिक पुलिसकर्मियों में सांस की परेशानी बड़ी समस्या के रूप में सामने आ रही है। बीएलके अस्पताल द्वारा की गई जांच में यह बात सामने आई है कि हर पांचवें ट्रैफिक पुलिसकर्मी को सांस की परेशानी है। डॉक्टर इसका कारण प्रदूषण व जीवनशैली को बता रहे हैं। अस्पताल के डॉक्टरों ने 200 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान उनकी रक्त जांच, वजन, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, ईसीजी व हड्डियों से संबंधित जांच की गई। इसके अलावा फेफड़े की कार्यक्षमता की जांच के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट भी किया गया। जांच में पाया गया कि करीब 40 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को सांस से संबंधित परेशानी थी। करीब 20 पुलिसकर्मी मध्यम से लेकर गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति असुरक्षित पाए गए। अस्पताल के श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप नायर ने कहा कि उन पुलिसकर्मियों के फेफड़े में कंजेशन, अस्थमा और गले में जलन की समस्याएं पाई गईं। कई कर्मी उच्च कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर, शुगर की समस्या से पीड़ित पाए गए। (राब्यू)

### बढ़ा ऑटो किराया लागू होने में लग सकता है एक सप्ताह

**नई दिल्ली :** दिल्ली में ऑटो का किराया जरूर बढ़ा दिया गया है, मगर इसे अभी लागू नहीं किया गया है। इसके लागू होने में एक सप्ताह और लग सकता है। किराया बढ़ाने की अधिसूचना 12 जून को जारी हो गई है, मगर इसे लागू करने के लिए राज्य परिवहन प्राधिकरण से अनुमति नहीं मिली है। इसके लिए प्राधिकरण के सभी सदस्यों से दस्तखत कराए जा रहे हैं। सदस्य विधायक मदन लाल ने दस्तखत कर दिए हैं। अभी कुछ सदस्यों के दस्तखत होने हैं। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि किराया बढ़ने से ऑटो मीटर का सॉफ्टवेयर बदलना होगा क्योंकि किराये के पहले के चार्ट में वेटिंग का फिक्स चार्ज था। मगर अब रनिंग में हो गया है। एक ऑटो दस किलोमीटर से कम की रफ्तार पर चलेगा या बीच रास्ते में खड़ा होगा तो वेटिंग चार्ज शुरू हो जाएगा। ऐसे में मीटर का सॉफ्टवेयर बदलने के बाद ही बढ़ा हुआ किराया लागू होगा। (राब्यू)

### इंदिरापुरम हैबिटेट सेंटर के निदेशकों पर केस दर्ज

**गाजियाबाद :** रिटेल शॉप और स्टूडियो यूनिट देने के एवज में चार करोड़ रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए दिल्ली के टायर कारोबारी ने इंदिरापुरम स्थित हैबिटेट सेंटर के निदेशकों पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामला सितंबर 2018 का है। विवेक विहार दिल्ली निवासी टायर कारोबारी अमरजीत सिंह ने बताया कि सितंबर 2018 में मैसर्स तनेजा बिल्डकन प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स इंदिरापुरम हैबिटेट सेंटर के बीच एग्रीमेंट हुआ था। इसमें हैबिटेट सेंटर के निदेशकों ने रिटेल शॉप और नौ स्टूडियो यूनिट देने पर सहमति जताई थी। इसकी एवज में 4.08 करोड़ रुपये की मांग की गई थी। उसने कई बार में पेमेंट कर दिया गया था। इसी दौरान निदेशक प्रमोद गोयल ने उन्हें प्रतिमाह सात लाख रुपये एश्योर्ड रिटर्न के लिए 24 चेक, 2.40 करोड़ के सिक्योरिटी चेक और निजी गारंटी के लिए 4.08 करोड़ रुपये के चेक देकर कहा कि पजेशन मिलने तक उन्हें पास रखें। मार्च 2019 तक उन्हें पजेशन नहीं मिला, तो उन्होंने बैंक में चेक डालकर कैश कराना चाहा। खाता बंद होने के कारण चेक बाउंस हो गए। उसका खाता भी बंद हो चुका था। इस बारे में बात करने पर निदेशक ने उन्हें धमकी दी। (जासं)

### गाजियाबाद में भी बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पर नहीं मिला पेट्रोल

गाजियाबाद : प्रशासन के आदेश के बाद जिले में पेट्रोल पंपों पर रविवार को दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल नहीं दिया गया। पेट्रोल पंप कर्मियों ने बिना हेलमेट के आने वाले चालकों को वापस लौटा दिया। हालांकि इस दौरान पंप कर्मचारियों और चालकों में कुछ विवाद भी हुआ। वहीं कुछ पंपों पर आदेशों का असर नहीं दिखाई दिया। बिना हेलमेट के भी पेट्रोल दिया गया। जिला आपूर्ति अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने शास्त्रीनगर स्थित ऑटो केअर पर जाकर बिना हेलमेट आए वाहन चालकों को फूल दिए। (जासं)

# एएसआइ पर हमला, सिपाही के पैर पर चढ़ा दी गाड़ी

**असुरक्षित खाकी** ▶ मुखर्जी नगर थाने के ठीक समाने हुई वारदात, आरोपित चालक ने अन्य पुलिसकर्मियों पर भी तलवार से किया हमला

## ग्रामीण सेवा वाहन के ईआरवी जिप्सी में टक्कर मारने पर हुआ विवाद

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

मुखर्जी नगर इलाके में रविवार शाम ग्रामीण सेवा चालक ने पुलिस के आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहन (ईआरवी जिप्सी) में टक्कर मारने का विरोध करने पर एक एएसआइ के सिर पर तलवार से हमला कर दिया। उसके नाबालिग बेटे ने सिपाही के पैर पर गाड़ी चढ़ा दी। इसी दौरान किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया। इसके बाद से यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो गया।

मुखर्जी नगर थाने के ठीक समाने हुई इस घटना में आरोपित चालक ने थाने के अंदर से उसे काबू करने आए अन्य पुलिसकर्मियों पर भी तलवार से हमला कर दिया। कड़ी मशक्कत करने के बाद पुलिसकर्मी चालक और उसके बेटे को काबू कर सके। इसके बाद दोनों को पुलिसकर्मियों ने जमकर पीटा। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के समय एक शख्स ने अपने मोबाइल से वीडियो भी बना कर वायरल कर दिया। उत्तर-पश्चिम जिले के आला पुलिस अधिकारी मुखर्जी नगर थाने पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गए हैं।

जानकारी के अनुसार, सरबजीत सिंह रविवार शाम अपने नाबालिग बेटे के साथ ग्रामीण सेवा वाहन लेकर मुखर्जी नगर थाने के सामने से गुजर रहा था। तभी वहां उनके वाहन से मुखर्जी नगर थाने की ईआरवी की टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि एएसआइ ने सरबजीत को ठीक से वाहन चलाने की नसीहत दी। इस पर वह भड़क गया और एएसआइ से भिड़ गया। मामला बढ़ने पर उसने तलवार निकाल ली और एएसआइ के सिर पर वार कर दिया। थाने के सामने हुई इस घटना को लेकर पुलिस की साख पर भी सवाल उठ रहे हैं।

### तलवार देख पीछे हट गए पुलिसकर्मी

थाने से निकले पुलिसकर्मियों ने जब सरबजीत को पकड़ने की कोशिश की तो उसने तलवार तान दी। इससे पुलिस कर्मियों को पीछे हटना पड़ा। इस दौरान सादी वर्दी में एएसआइ योगराज ने उसे पीछे से पकड़ने की कोशिश की तो चालक ने तलवार से उनके सिर पर वार कर दिया। इस दौरान अपना वाहन लेकर भागने की कोशिश कर रहे उसके नाबालिग बेटे ने सिपाही महेश के पैर पर पहिया चढ़ा दिया।

### लात घूंसों और डंडों से पिटाई

एएसआइ पर तलवार से हमले से तिलमिलाए पुलिसकर्मियों ने बाप-बेटे की लात-घूंसों और डंडों से जमकर पिटाई की। पुलिस कर्मियों ने पहले सरबजीत को दबोच कर पिटाई शुरू की तो उसने उल्टे एएसआइ को पकड़ लिया और उनके कपड़े फाड़ दिए। पुलिसकर्मी उसे तब तक जमीन पर लिटाकर पीटते रहे, जब तक उसने एएसआइ को छोड़ नहीं दिया। दूसरी तरफ कुछ पुलिसकर्मी उसके नाबालिग बेटे की भी पिटाई करते हुए थाने ले गए। घायल पुलिसकर्मियों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

## झगड़ा सुलझाने गए पुलिसकर्मियों की पिटाई

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- देशबंधु गुप्ता रोड इलाके में सड़क पर शौच को लेकर भिड़े दो पक्षों को समझाने पहुंचे थे
- दो महिलाओं सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देशबंधु गुप्ता (डीबीजी) रोड थाना इलाके में बीच सड़क पर शौच करने को लेकर हुए दो पक्षों के झगड़े में बीच-बचाव करना दो पुलिसकर्मियों को भारी पड़ा। पति-पत्नी के दो जोड़ों समेत पांच लोगों ने बीच सड़क पर एसएचओ के चालक और वायरलेस ऑपरेटर की बुरी तरह पिटाई कर दी। इस दौरान उनकी वर्दी भी फाड़ दी गई। बाद में आरोपितों ने थाने में भी जमकर हंगामा काटा। वहां भी एक महिला ने सिपाही को थप्पड़ जड़ दिए। डीबीजी रोड थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो महिलाओं सहित पांच को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों की पहचान पारस सहगल, उसकी पत्नी अन्नू सहगल, जतिन कुमार आहुजा, उसकी पत्नी अन्नू आहुजा और एक रिश्तेदार यशदीप के रूप में हुई है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, घटना 14 जून की रात की है। सरकारी गाड़ी से खाना खाने जा रहे एसएचओ के चालक रशीश और वायरलेस ऑपरेटर विकास को किसी ने बताया कि तिबिया कॉलेज के पास दो पक्षों में सड़क पर शौच करने को लेकर झगड़ा हो रहा है। जानकारी पर दोनों पुलिसकर्मी वहां बीच-बचाव करने चले गए। उनके हस्तक्षेप के बाद एक पक्ष वहां से चला गया। इससे दूसरा पक्ष पुलिसकर्मियों से ही भिड़ गया। आरोप है कि नशे में धुत पुरुषों ने पुलिसकर्मियों से गाली-गलौज की। पुलिसकर्मियों ने जब विरोध किया तो कार में बैठीं दो महिलाएं बाहर आईं और उन पर टूट पड़ीं। आरोप है कि अन्नू अहुजा और अन्नू सहगल ने कांस्टेबल विकास को थप्पड़ मारे और रशीश से भिड़ गईं। जतिन और परस ने भी हाथापाई करते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को पीटना शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों की वर्दी भी फाड़ दी। पीड़ितों ने थाने में फोन कर अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को बुलवाया। मौके पर पहुंची पुलिस टीम पुरुष आरोपितों को थाने ले गई। पीछे से आरोपितों के साथ मौजूद महिलाएं भी थाने पहुंच गईं और हंगामा शुरू कर दिया।

आरोप है कि थाने के अंदर भी एक महिला ने कांस्टेबल विकास को दोबारा थप्पड़ मारा। आरोपितों ने कहा कि उनके साथ मारपीट कर रहे एक पक्ष को पुलिसकर्मियों ने जानबूझकर भगा दिया। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और सरकारी कर्मी के साथ मारपीट करने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। फिलहाल सभी आरोपित जमानत पर बाहर हैं।

## रात दस बजे तक कर सकेंगे पुराना किला झील का दीदार

पुराना किला के पास झील का मनोरम नजारा। जागरण

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

पर्यटक अब रात 10 बजे तक पुराना किला झील का दीदार कर सकेंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण रात्रि में इस झील के दीदार का समय बढ़ाने पर विचार कर रहा है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) का मानना है कि समय बढ़ाए जाने से गर्मी के मौसम में यहां और पर्यटक आकर आनंद ले सकेंगे। अभी यह झील रात आठ बजे तक पर्यटकों के लिए खोली जा रही है। यहां विशेष तौर पर रंग-बिरंगी लाइटें लगाई गई हैं। झील के साफ पानी के बीचों-बीच लगाए गए फव्वारे उनका ध्यान खींचते हैं।

गौरतलब है कि कि पुराना किला झील में 2016 से पहले तक नौकायन होता रहा है। इसके पास ही इंडिया गेट है। इंडिया गेट घूमने आने वाले पर्यटक या फिर बिल्कुल नजदीक स्थित पुराना किला व चिड़ियाघर देखने आने वाले पर्यटक परिवार सहित बड़ी संख्या में यहां पहुंचते थे। लेकिन मुगलकालीन पुराने किले की यह ऐतिहासिक झील 2016 में सूख गई थी। उस समय इसके जीर्णोद्धार के लिए एएसआइ ने नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (एनबीसीसी) से करार किया था। तब कहा गया था कि झील में फिर से नौकायन शुरू करवाया जाएगा। मगर झील की गहराई बढ़ जाने के कारण यह योजना अभी विचाराधीन है। झील देखने के लिए अलग से 20 रुपये का टिकट लगता है। मध्य दिल्ली में उपलब्ध रोशनी से नहाई इस झील के किनारे लोग चहलकदमी करते हैं और देर तक इसके किनारे लगीं बेंचों पर बैठकर सुकून महसूस करते हैं।

## विदेशी महिला के साथ यौन उत्पीड़न में दो कस्टम अधिकारी निलंबित

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** आइजीआइ एयरपोर्ट पर विदेशी महिला के साथ यौन उत्पीड़न मामले में कस्टम के दो कस्टम अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। दोनों आरोपित एयरपोर्ट पर अधीक्षक के पद पर तैनात थे। पीड़ित महिला उज्बेकिस्तान की रहने वाली हैं। वह इलाज करा रहे रिश्तेदार को देखने दिल्ली आई थीं। आरोपित अधिकारी तस्करी के शक में जांच के लिए महिला को एयरपोर्ट के एक कमरे में ले गए थे। आरोप है कि इस दौरान दोनों ने पीड़िता का यौन उत्पीड़न किया था। इस दौरान वहां कोई महिला अधिकारी मौजूद नहीं थीं। वहीं जब विदेशी महिला ने घटना की शिकायत करनी चाही तो उन्हें धमकाने सहित जान से मारने की धमकी तक दी गई। बाद में मामला सामने आने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर जांच के बाद आरोपितों के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई।

एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक घटना गत तीन मई की है। उज्बेकिस्तान की महिला ताशकंद से आइजीआइ एयरपोर्ट पर उतरी थीं। उनकी बहन के बेटे का दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। वह बच्चे को देखने के लिए दिल्ली आई थीं। यौन उत्पीड़न से महिला सदमें में आ गईं। बाद में वह घटना की शिकायत के लिए कस्टम अधिकारियों के पास गईं। उनकी शिकायत सुनने की बजाय उल्टा उन्हें तस्करी के झूठे मामले में फंसाने सहित जान से मरवाने की धमकी दी गई थी।

## शादी से इन्कार करने पर युवती ने फेंका था तेजाब

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- स्कूटी के पीछे बैठी युवती ने हेलमेट हटवाकर की थी वारदात
- गुनाह किया स्वीकार, पुलिस ने आरोपित युवती को किया गिरफ्तार

विकासपुरी थाना क्षेत्र में स्कूटी से जा रहे युवक-युवती पर तेजाब फेंकने के मामले को पुलिस ने सुलझा लिया है। युवक पर किसी और ने नहीं, बल्कि उसी युवती ने तेजाब फेंका था जो उसके साथ स्कूटी पर थी। पुलिस ने आरोपित युवती को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में युवती ने बताया कि वह पीड़ित से शादी करना चाहती थी, लेकिन वह इसके लिए राजी नहीं था इसलिए उसने तेजाब फेंका था।

पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त मोनिका भारद्वाज ने बताया कि 11 जून को शाम चार बजे विकासपुरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि स्कूटी सवार युवक और युवती पर किसी ने तेजाब डाल दिया है। दोनों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से युवक को राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। जांच में पता चला कि 24 वर्षीय युवक मोहन गार्डन इलाके का रहने वाला है। उसकी 19 वर्षीय युवती से दोस्ती थी। घटना के समय पीड़ित युवक आरोपित युवती को अलीपुर से परीक्षा दिलाकर स्कूटी से आ रहा था। विकास नगर नाला के पास किसी ने उन पर तेजाब डाल दिया। तिलक नगर के एसीपी राजेंदर भाटिया की देखरेख में हो रही जांच में पुलिस ने पाया कि युवती इस घटना में मामूली रूप से झुलसी थी। पुलिस ने युवती से पूछताछ की तो उसने बताया कि मोटरसाइकिल सवार युवकों ने तेजाब डाला है। पुलिस ने उसके बताए रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की, लेकिन कोई भी युवक उनका पीछा करते नहीं दिखा। पुलिस ने पीड़ित से पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि घटना से पहले युवती ने उन्हें हेलमेट हटाने को कहा था और जैसे ही उन्होंने हेलमेट हटाया किसी ने उनके चेहरे पर तेजाब डाल दिया। इस बात की जानकारी के बाद पुलिस का युवती पर शक गहरा गया। पुलिस ने युवती से कड़ाई से पूछताछ की, जिसमें युवती ने गुनाह कुबूल कर लिया। युवती ने पुलिस को बताया कि तीन साल से उसकी युवक से दोस्ती थी। वह उससे शादी करना चाहती थी, लेकिन वह दोस्ती भी खत्म करना चाहता था इसलिए उसने साजिश रची। घटना के दिन उसने साइकिल वाले से तेजाब की बोतल खरीदी और बोतल को पर्स में रख लिया। अलीपुर से विकासपुरी के बीच जब युवक ने कहीं भी हेलमेट नहीं उतारा तब युवती ने युवक से कहा कि उसे हेलमेट के कारण दिक्कत हो रही है। युवक के हेलमेट उतारने के बाद उसने तेजाब फेंक दिया।

## अब दिल्ली में भी मिलेगी ताजी बीयर

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** दिल्ली में ताजी बीयर उपलब्ध कराने की योजना को केंद्र सरकार ने हरी झंडी दे दी है। केंद्र सरकार के निर्देश पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने कुछ समय पहले इस बारे में अधिसूचना जारी कर दी थी। इसमें कहा गया है कि दिल्ली में ताजी बीयर उपलब्ध कराने के लिए माइक्रो ब्रेवरी लगाई जा सकती हैं। अब तक एक लाइसेंस प्राप्त बार संचालक ने माइक्रो ब्रेवरी के लिए आवेदन किया है। अभी तक हरियाणा के कुछ शहरों में ताजी बीयर उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

अधिसूचना के अनुसार एक माइक्रो ब्रेवरी में प्रतिदिन अधिक से अधिक 500 लीटर तक बीयर एकत्रित करने की क्षमता होगी। जिनके पास बार का लाइसेंस है, वही माइक्रो ब्रेवरी लगा सकेंगे। ज्ञात हो कि दिल्ली कैबिनेट ने 11 जून 2015 को दिल्ली में ताजी बीयर परोसने की योजना को हरी झंडी दी थी। इसके बाद से माना जा रहा था कि शीघ्र ही दिल्ली के होटलों व बार में अब ताजी बीयर परोसी जाएगी। योजना के अनुसार लाइसेंस लेकर शहर के होटल व बार संचालक अपने यहां माइक्रो ब्रेवरी लगा सकेंगे। दिल्ली सरकार इस योजना को शीघ्र लागू के प्रयास में थी। मगर इसी बीच डीडीए का पत्र आबकारी विभाग को पहुंच गया। इसमें कहा गया था कि इस प्रकार की योजना को लेकर मास्टर प्लान-2021 में प्रावधान नहीं है। इसके लिए दिल्ली सरकार को केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद दिल्ली सरकार ने केंद्र के पास अनुमति के लिए आवेदन किया था।

## यस बैंक के असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट को सरेराह लूटा

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** यस बैंक के असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट से सरेराह पिस्टल के बल पर लूटपाट की गई। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की तो उन्हें टरकाया गया। इस पर उन्होंने दिल्ली पुलिस कमिश्नर अमूल्य पटनायक को ई-मेल पर शिकायत भेजी। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर लूट का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

नोएडा सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक सोसायटी में शंभू शाह परिवार समेत रहते हैं। वह यस बैंक के असिस्टेंट वाइस प्रेसीडेंट हैं और लाजपत नगर स्थित दफ्तर में बैठते हैं। शनिवार सुबह वह घर से दफ्तर जाने के लिए निकले थे। करीब 9.15 बजे वह आश्रम फ्लाइओवर उतर रहे थे। इसी बीच स्कूटी सवार दो युवकों ने उन्हें इशारा करके बताया कि कार का टायर पंक्चर हो गया है। इस पर उन्होंने कार साइड में लगाने के लिए धीमी की। इसी बीच स्कूटी सवार भी ड्राइवर साइड में बराबर में ही चलने लगे और मौका पाते ही चलती कार में शीशे से हाथ डालकर चाबी का अनलॉक बटन दबा दिया। इससे सेंट्रल लॉक सिस्टम के चलते कार के लॉक खुल गए। कार रुकते ही स्कूटी पर पीछे बैठा बदमाश ड्राइवर के बराबर वाली सीट पर बैठ गया और उन पर पिस्टल तान दी।

## नकली नोट की गड्डी थमा ठगते थे गहने, दो गिरफ्तार

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

आइपी एस्टेट थाने की एलएनजेपी चौकी पुलिस ने अस्पतालों में नकली नोट की गड्डी थमा महिलाओं से गहने ठगने वाले दो ठगों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान नांगलोई निवासी विजय कुमार और सोनू शर्मा के तौर पर हुई है। हालांकि गिरोह की महिला सदस्य अभी भी फरार है। पुलिस लोगों द्वारा ठगे गए गहनों की बरामदगी के साथ ही फरार आरोपित की तलाश में जुट गई है। आरोपित अस्पताल में मौजूद महिला तीमारदारों को बहाने से नकली नोट की गड्डी दे उनसे पहने हुए गहने ले लेते थे और फरार हो जाते थे। बाद में पीड़ित महिलाएं जब गड्डी खोलतीं तो ठगी का पता चलता था। गड्डी के ऊपर असली नोट, जबकि नीचे कागज के टुकड़े होते थे।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि लोनी निवासी नसरीन गत 13 जून को अपने एक रिश्तेदार को देखने लोक नायक अस्पताल गई हुई थीं। वहां उनसे एक युवक मिला। उसने नसरीन को दो हजार रुपयों के नोटों की गड्डी से भरा एक बैग दिखाते हुए कहा कि वह मेडिकल स्टोर से दवाई लेने जा रहा है। उसका बैग कोई छीन सकता है। ऐसे में वह ये दो लाख रुपये कुछ देर अपने पास रख लें। वापस लौटने पर वह इन रुपयों को रखने के एवज में उन्हें पांच हजार रुपये दे देगा। साथ ही आरोपित ने कहा कि वह अपने गहने उतारकर उसे दे दें ताकि उसका भी विश्वास उन पर कायम रहे। दो लाख रुपये रखने के बदले पांच हजार रुपये पाने की लालच में नसरीन ने अपने गहने उतार कर आरोपित को दे दिए। जब आरोपित काफी देर तक नहीं लौटा तो नसरीन ने बैग खोला। बैग में ऊपर सिर्फ दो हजार का एक असली नोट, जबकि बाकी कागज का बंडल था। इसकी शिकायत उन्होंने बाद में आइपी एस्टेट थाने में की।

एसएचओ राजीव गुणवंत और एलएनजेपी चौकी इंचार्ज विजेंद्र सिंह की टीम ने बदमाशों की पहचान के प्रयास शुरू किए। इसी दौरान पुलिस ने जीबी पंत अस्पताल के समीप से पहले विजय और बाद में उसकी निशानदेही पर नांगलोई से सोनू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे अब तक इस तरह की करीब 40 वारदात को अंजाम दे चुके हैं। वे दिल्ली के बड़े अस्पतालों के पास सक्रिय रहते थे। इसी दौरान वे अस्पताल में गहने पहनकर आईं महिलाओं को झांसे में लेकर उन्हें नकली नोटों की गड्डी थमा देते थे।

## कई इलाकों में हल्की बारिश से मौसम हुआ सुहाना, गर्मी से मिली राहत

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

रविवार को तापमान में गिरावट के बाद इंडिया गेट पर लोगों की भीड़ उमड़ गई। संजय

पिछले कई दिनों की भीषण गर्मी के बाद रविवार को कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। इस वजह से दिल्ली का मौसम सुहाना हो गया। अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में धूल भरी आंधी भी चली। मौसम विभाग का कहना है कि सोमवार को भी कई इलाकों में धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। हल्की बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया गया। यह समान्य से तीन डिग्री सेल्सियस कम है। न्यूनतम तापमान 28.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से दिल्ली-एनसीआर में भीषण गर्मी थी। कुछ इलाकों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक पहुंच गया था। इस वजह से हीट स्ट्रॉक का खतरा बना हुआ था। फिलहाल लोगों को इससे राहत मिली है। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ व हरियाणा में साइक्लोनिक डिस्टर्वेंस के कारण हल्की बारिश व धूल भरी आंधी चली। दिल्ली में 0.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक नजफगढ़ में दो मिलीमीटर व जाफरपुर में एक मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अधिकतम आर्द्रता 75 फीसद व न्यूनतम आर्द्रता 28 फीसद दर्ज की गई।

## जागरूकता

कनॉट प्लेस में खादी इंडिया आउटलेट्स के पास बाबा खड्ग सिंह मार्ग पर स्थित सब-वे पर योग के विभिन्न आसनों को पेंटिंग्स के जरिये दर्शाया गया है

# इस सब-वे से निकलती है योग की रोशनी

**नेमिष हेमंत, नई दिल्ली**

कनॉट प्लेस के योग सब-वे में आपका स्वागत है। खादी इंडिया आउटलेट्स के पास बाबा खड्ग सिंह मार्ग पर स्थित इस सब-वे की साफ-सुथरी और चमकती दीवारें बहुत कुछ बोलती हैं। इसके ऊपर योग के विभिन्न आसनों को पेंटिंग्स के जरिये दर्शाया गया है, जो यहां से गुजरने वाले हर व्यक्ति को योग के महत्व की जानकारी देती हैं। साथ ही उन्हें दिल्ली की ऐतिहासिक धरोहरों से भी परिचित कराती हैं।

इन तस्वीरों को ध्यान से देखती देहरादून से दिल्ली घूमने आईं आरती कहती हैं कि यह प्रयास वाकई अद्भुत है। इसके माध्यम से योग के विभिन्न आसनों के बारे में चलते-फिरते जाना जा सकता है। कुछ साल पहले तक यह सब-वे गंदा था, आज इसकी हालत पूरी तरह से बदल चुकी है। यहां कुछ देर ठहरने का मन हो रहा है। यहां कुल 24 पेंटिंग्स लगी हैं, जिनमें आसन के साथ उसको करने से होने वाले लाभ के बारे में भी बताया गया है।

कनॉट प्लेस खादी इंडिया के नजदीक बने सब-वे में योग से परिचय कराती लगाई गईं तस्वीरें। जागरण

इन पेंटिंग्स को एक संस्था दिल्ली स्ट्रीट आर्ट (डीएसए) ने नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के सहयोग से लगाया है। डीएसए ने दिल्ली के सार्वजनिक भवनों की दीवारों, फ्लाईओवर, सब-वे व स्कूल समेत अन्य स्थानों को पेंटिंग से न सिर्फ आकर्षक बनाया है, बल्कि दीवारें अब सामाजिक संदेश भी देने लगी हैं। इस बारे में डीएसए के संस्थापक योगेश सैनी बताते हैं कि यह अनूठा प्रयास इसलिए किया गया कि लोग सब-वे का इस्तेमाल करने के साथ ही योग व दिल्ली की ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में भी जानें। हर आसन को दिल्ली की किसी न किसी ऐतिहासिक धरोहर से जोड़ा गया है। जैसे ताड़ासन करते युवक की पेंटिंग में हुमायूं का मकबरा, लोटस टेंपल के साथ ध्यान, लालकिला में पवन मुक्त आसन, संसद भवन के साथ वक्रासन, विजय पथ पर अर्द्धचक्रासन और इंडिया गेट पर प्रार्थना आसन शामिल है।

सैनी के मुताबिक इन पेंटिंग्स को वर्ष 2016 में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दिन कनॉट प्लेस में आयोजित योग महोत्सव में भी प्रदर्शित किया गया था। उसके बाद इन्हें सब-वे में लगाया गया। पहले योजना थी कि हर रविवार को इस सब-वे में सुबह योग भी कराया जाए। यह सिलसिला कुछ हफ्ते चला, लेकिन फिर बंद हो गया।

यह सब-वे पहले अच्छी स्थिति में नहीं था। टाइल्स टूटी थीं तो अंदर अंधेरा रहता था। इस कारण लोग इसका इस्तेमाल करने की जगह ऊपर से ही सड़क पार करने में बेहतरी समझते थे। एनडीएमसी के एक अधिकारी के मुताबिक योगासनों की तस्वीरें लगाने के पीछे यह भी मकसद था कि लोग सब-वे के इस्तेमाल में दिलचस्पी लें। इस कारण सब-वे में काफी बदलाव किया गया है। इसमें नई टाइल्स लगाई गई हैं और यहां रोशनी व सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसमें नशेड़ियों और भिखारियों को बैठने नहीं दिया जाता। नतीजतन, यह कनॉट प्लेस के सबसे अधिक प्रयोग में लाए जाने वाले सब-वे में से एक हो गया है।

## डीयू में स्नातक में दाखिले के लिए अब 22 जून तक आवेदन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

- हाई कोर्ट के निर्देश का दिल्ली विश्वविद्यालय ने लिया फैसला
- संशोधित पात्रता मानदंड आज शाम दाखिला पोर्टल पर होंगे उपलब्ध

दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख 22 जून तक बढ़ा दी है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 14 जून तक ही थी। इसके साथ ही डीयू ने उन स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित की गई योग्यता को भी बदलने का निर्णय लिया है, जिनको आवेदन शुरू होने से पहले विवि प्रशासन द्वारा बदल दिया गया था। अब संशोधित पात्रता मानदंड (एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया) 17 जून को शाम पांच बजे के बाद डीयू के दाखिला पोर्टल पर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह जानकारी दाखिला समिति की 15 जून को हुई बैठक के बाद डीयू के पोर्टल पर जारी की गई है।

डीयू ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 30 मई को ऑनलाइन पंजीकरण शुरू किए थे। उसी दिन बताया गया था कि बीकॉम ऑनर्स और अर्थशास्त्र ऑनर्स सहित कई पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने की योग्यता में बदलाव किया गया है। इसको लेकर कुछ विद्यार्थी हाई कोर्ट चले गए थे। उन्हीं विद्यार्थियों की याचिकाओं पर कोर्ट ने डीयू के फैसले पर रोक लगाते हुए उसको दाखिले की योग्यताओं को शैक्षणिक सत्र 2018-19 जैसे ही रखने के निर्देश दिए। कहा कि पंजीकरण की तिथि को 22 जून तक किया जाए। डीयू ने हाई कोर्ट के इन्हीं निर्देशों को पालन किया है।

**बदलेगा कटऑफ कार्यक्रम :** अब कटऑफ कार्यक्रम में भी बदलाव करना होगा। पहले जारी कार्यक्रम के मुताबिक पहली कटऑफ 20 जून को आनी थी, लेकिन अब ऐसा संभव नहीं है।

**4.2** फीसद हिस्सेदारी है बिहार की केंद्र के आपदा मोचन कोष में। महाराष्ट्र का हिस्सा 13.4 फीसद, राजस्थान का 10, मध्य प्रदेश का 7.9, तमिलनाडु का 6.1 और उत्तर प्रदेश का 6.1 प्रतिशत है।



# सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने दिखाए तेवर

**रुख** ▶ महिला आरक्षण, सूखा और किसानों से जुड़ी समस्या पर चर्चा कराने की उठाई मांग

## सरकार को जनता से जुड़े प्रत्येक बिलों में समर्थन देने का दिया वादा

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

राजग सरकार के दूसरे कार्यकाल में सोमवार से शुरू होने जा रहे संसद के सत्र के लिए रविवार को तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी इस दौरान एक सर्वदलीय बैठक में विपक्ष के साथ कामकाज को लेकर चर्चा की गई। हालांकि विपक्ष ने कड़े तेवर दिखाते हुए महिला आरक्षण, किसान संकट, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर चर्चा की मांग कर सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की है। साथ ही जनता से जुड़े प्रत्येक बिल पर सरकार को पूरा समर्थन देने का भरोसा दिया है। बैठक में विपक्ष की ओर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद, नेशनल कांफ्रेस के फारूक अब्दुल्ला और तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ-ब्रायन आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बड़े बहुमत के साथ दोबारा जीत कर सत्ता में आई मोदी सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के कामकाज को लेकर है, जहां उसके पास बहुमत नहीं है। ऐसे में विपक्षी दलों को साथ लेकर चलना उसकी बड़ी मजबूरी भी है। यही वजह है कि रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सरकार का पूरा फोकस विपक्ष को साधने में रहा। वैसे भी सरकार ने जिस तरीके से संसद में लंबित अहम बिलों को पास कराने को लेकर रुचि दिखाई है, उससे साफ है कि विपक्ष को भी पूरा तवज्जो देते ही आगे बढ़ेगी।

**जम्मू-कश्मीर में जल्द चुनाव कराने की उठाई मांग :** सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव जल्द कराने की मांग की। कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेस दोनों ने यह मुद्दा उठाया और सरकार से पहल करने को कहा। हालांकि अभी वहां राष्ट्रपति शासन लगे पर होने पर गुलाम नबी आजाद ने कहा कि राष्ट्रपति शासन में भी चुनाव हो सकता है। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से विचार करना चाहिए। जब संसदीय चुनाव हो सकते हैं तो विधानसभा चुनाव क्यों नहीं कराए जा सकते। पिछले सप्ताह कैबिनेट ने तीन जुलाई से अगले छह महीने तक राज्य में राष्ट्रपति शासन बढ़ाने की मंजूरी दे दी है।

नई दिल्ली में रविवार को लोकसभा सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में जाते नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुला, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ ब्रायन, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह, एनसीपी की सुप्रिया सुले( सभी दाएं)। प्रेट्र

**राज्य सरकारों के काम में हस्तक्षेप बंद करे केंद्र : तृणमूल**

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा और डॉक्टरों की हड़ताल के बीच तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि राज्य सरकारों को केंद्र की ओर से बिना किसी हस्तक्षेप के अपने कर्तव्य का निर्वाह करने दिया जाए। डेरेक ओ-ब्रायन ने कहा कि वास्तविक संघीय ढांचे में राज्यों में हस्तक्षेप बंद होना चाहिए। निर्वाचित राज्य सरकार को स्वतंत्र रूप से राज्य और संस्थानों को चलाने की अनुमति दी जाए।

## हेल्थकेयर कौंसिल विधेयक पर हर्षवर्धन का वेंकैया को पत्र

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू को पत्र लिखकर स्वास्थ्यकर्मियों के लिए शिक्षा और सेवाओं से संबंधित मानदंड तय करने के सिलसिले में संसदीय समिति के पुनर्गठन की मांग की है। यह समिति स्वास्थ्यकर्मियों से संबंधित विधेयक पर विचार करके उसे राज्यसभा से पारित कराने पर विचार करेगी। 31 दिसंबर, 2018 को यह विधेयक तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में पेश किया था।

डॉ. हर्षवर्धन

इसके बाद इसे विचार के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मामले की स्थायी समिति के पास विचार के लिए भेज दिया गया था। अब इस स्थायी समिति का पुनर्गठन होना है और उसके बाद ही इस लंबित विधेयक पर विचार किया जाएगा। इसलिए स्वास्थ्य मंत्री ने उस विषय में राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा है। विधेयक में एलाइड एंड हेल्थकेयर कौंसिल गठन करने का प्रावधान है, जो राज्य स्तर पर गठित होने वाले कौंसिल के साथ मिलकर कार्य करेगा। यह कौंसिल स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका और उसके स्तर को निर्धारित करेगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं और कर्मियों को काफी लाभ होगा।

# पीएम मोदी में निर्णय लेने की हिम्मत, कानून बनाकर हो मंदिर का निर्माण : उद्धव

राम की पावन नगर अयोध्या में रविवार को पार्टी सांसदों के साथ रामजन्मभूमि का दर्शन कर वापस आते समय लोगों का अभिवादन करते शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे। साथ में उनके पुत्र आदित्य ठाकरे और अन्य नेता। जीतू निषाद

**जागरण संवाददाता, अयोध्या**

▶ **शिवसेना प्रमुख ने कहा, आवश्यकता हुई तो हम भी कर सकते हैं मंदिर निर्माण की पहल**

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा हो या शिवसेना दोनों ही हिंदुत्ववादी संगठन हैं और सरकार भी हिंदुत्ववादी। यही वजह है कि इस बार पिछली बार से भी ज्यादा सीटें भाजपा को मिली हैं। राममंदिर के मुद्दे पर भी उन्होंने खुलकर अपनी राय रखी। कहा, राममंदिर का मामला अदालत में पिछले कई साल से चल रहा है। इस समय देश में मजबूत सरकार है। निर्णय लेने से कोई रोकने वाला भी नहीं है। हम चाहते हैं कि कानून बनाकर मंदिर का निर्माण किया जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में निर्णय लेने की हिम्मत व क्षमता है। यदि वह राममंदिर पर निर्णय लेते हैं तो शिवसेना और विश्वभर का हिंदू उनका पूरा साथ देगा।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि आवश्यकता हुई तो शिवसेना भी मंदिर निर्माण की पहल कर सकती है। ठीक उसी तरह जैसे विवादित ढांचे के ध्वंस के लिए की थी। शिवसेना प्रमुख ने भरोसा जताया कि जल्द ही अयोध्या में राममंदिर का निर्माण शुरू होगा। रामलला का दर्शन करने के बाद पत्रकारों से कहा कि छह महीने पहले तक यह मामला ठंडे बस्ते में था, लेकिन पिछले साल नवंबर में जब हमने 'पहले मंदिर फिर सरकार' का नारा दिया तो पूरे देश में मंदिर के पक्ष में माहौल बना।

उद्धव ने अयोध्या से अपना रिश्ता और मजबूत करने की भी बात कही। कहा, पिछली बार आया था तो कहा गया था कि दोबारा आएंगे या नहीं। इसीलिए इस बार लोकसभा सत्र के पहले अपनी पार्टी के सभी सांसदों के साथ रामलला के दर्शन करने के लिए आया हूं। उन्होंने कहा, अयोध्या ऐसी जगह है, जहां बार-बार आने का मन करता है। यह सिलसिला लगातार आगे बढ़ेगा।

महाराष्ट्र के बाहर भाजपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ने के सवाल पर उद्धव ने कहा कि ये दोनों ही दलों पर निर्भर करेगा। हिंदुओं की एकजुटता के लिए बाला साहेब ने महाराष्ट्र के बाहर चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया था, हालांकि उन्होंने इस सवाल के जवाब को भी मंदिर से जोड़ दिया। हमारे लिए भी हिंदुओं की एकजुटता महत्वपूर्ण है और इस भावना को आगे ले जाना है तो मंदिर बनाना ही होगा।

### इकबाल अंसारी बोले, यह धर्म नहीं, राजनीति है

रविवार को पूर्वाह्न उस समय अजीबोगरीब स्थिति पैदा हो गई, जब रामलला का दर्शन करने आ रहे शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का इंतजार कर रहे मीडियाकर्मियों को रंगमहल बैरियर पर बाबरी मस्जिद के मुद्दई मो. इकबाल अंसारी नजर आए। एक पल को उद्धव को भूल मीडियाकर्मी इकबाल की बाइट लेने के लिए दौड़े। मीडिया के जबरदस्त दबाव से हक्का-बक्का इकबाल ने एक बार तो दूर भागने की कोशिश की पर अंततः मीडियाकर्मी उनकी बाइट लेने में कामयाब रहे। अदालत अथवा वार्ता से इतर मंदिर मुद्दा हल करने के प्रयासों के आलोचक इकबाल ने उद्धव के आगमन पर टिप्पणी करते हुए कहा, भारी लाव-लश्कर और सांसदों की फौज के साथ रामलला का दर्शन करना धर्म नहीं, राजनीति है। धर्म तो वैयक्तिक आस्था की चीज है। इकबाल, दरअसल विवाद से जुड़े पक्षकारों की मीटिंग के लिए अधिग्रहीत परिसर में जा रहे थे।

# लोकसभा में कांग्रेस का नेता तय नहीं

**नई दिल्ली, एएनआइ / प्रेट्र :** संसद के बजट सत्र की शुरुआत सोमवार को भले ही होने जा रही है, लेकिन अभी तक लोकसभा में कांग्रेस के नेता का नाम नहीं तय हो पाया है। कांग्रेस ही नहीं, कई अन्य विपक्षी पार्टियां भी लोकसभा में अपने नेता के नाम को लेकर उधेड़बुन में हैं। पहले चर्चाएं थीं कि पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी लोकसभा में कांग्रेस का नेतृत्व सकते हैं, लेकिन पद छोड़ने पर उनके अड़े रहने के कारण इस पर संशय पैदा हो गया है। 16वीं लोकसभा में पार्टी का नेतृत्व करने वाले वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे इस बार चुनाव हार गए हैं। अब पार्टी लोकसभा में नेता पद के लिए एक ऐसे सांसद की खोज कर रही है जो गांधी परिवार के विश्वस्त होने के साथ-साथ हिंदी और अंग्रेजी में अपनी बात रखने में सक्षम हो।

सूत्र बताते हैं कि इसके लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी के नाम की चर्चा सबसे ज्यादा है। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर, मावेलिकारा के सांसद के. सुरेश तथा पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी के नाम भी चर्चा में हैं, लेकिन इनकी सीमाएं हैं। थरूर के रास्ते में सुनंदा पुष्कर मामला बाधा है तो दलित नेता सुरेश के लिए भाषाओं पर पकड़ का अड़ंगा है। हालांकि, राज्यसभा में नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद के साथ चौधरी और सुरेश की सर्वदलीय बैठक में रविवार की उपस्थिति इस बात का इशारा करती है कि लोकसभा में कांग्रेस का नेता इन दोनों में से ही कोई हो सकता है।

## कांग्रेस में बड़ी सर्जरी की जरूरत : मोइली

**नई दिल्ली. प्रेट्र :** हाल के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार पर चिंता व्यक्त करते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली ने कहा कि हमें पार्टी में बड़ी सर्जरी करनी होगी। राहुल गांधी को कदम उठाने की जरूरत है। उन्हें सख्ती दिखानी होगी। बिना किसी दया के कार्रवाई करनी होगी। उन्हें यह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्तर पर भी करना होगा। मोइली ने कहा कि राहुल गांधी ही पार्टी चला सकते हैं। उन्हें अध्यक्ष बना रहना चाहिए। पार्टी की हार पर राहुल ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की। जवाबदेही राहुल गांधी की नहीं, बल्कि दूसरे नेताओं की तय होनी चाहिए। जिन राज्यों में हम हारे हैं वहां के प्रभारियों और प्रदेश अध्यक्षों को जवाबदेह ठहराना चाहिए। दूसरे नेताओं को भी नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

**नेताओं की आपसी कलह खत्म हो :** उन्होंने कहा कि सभी स्तरों पर चुनाव कराए जाएं। निर्वाचित हुए लोगों को जिम्मेदारी मिले। अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो पार्टी में जो नेता जमे हुए हैं वही आगे भी बने रहेंगे और नए लोग आगे नहीं आ पाएंगे। नेताओं की आपसी कलह को भी खत्म करना होगा।

**चुनाव में हार की जवाबदेही राहुल गांधी की नहीं, बल्कि दूसरे नेताओं की तय हो**

**राहुल के नेतृत्व का फायदा नहीं उठा सकी पार्टी :** उन्होंने कहा कि राहुल जी ने अच्छी तरह नेतृत्व किया। पार्टी उनके नेतृत्व का फायदा नहीं उठा सकी। उन्होंने ऐसा माहौल तैयार किया जिससे यह लगने लगा था कि कांग्रेस सत्ता में आ रही है। राहुल गांधी ने डेढ़ साल पहले अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी ली। उनको भी समय मिलना चाहिए और वह खुद को साबित करेंगे।

**प्रियंका को मिलना चाहिए समय :** पार्टी में प्रियंका गांधी वाड्रा की भूमिका पर मोइली ने कहा कि यह उन (परिवार) पर है। प्रियंका को महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वह कुछ समय पहले आई हैं और उन्हें समय मिलना चाहिए। वह उत्तर प्रदेश में काम कर रही हैं। एक बार कांग्रेस उत्तर प्रदेश में आ गई तो पूरे देश में आ जाएगी।

## नदारद रहेंगे चर्चित चेहरे

सोमवार से शुरू हो रहे 17वीं लोकसभा के पहले सत्र में इस बार कई बड़े चेहरे नजर नहीं आएंगे। इनमें से कई ऐसे हैं, जिनकी आवाज सदन में पक्ष से लेकर विपक्ष तक लंबे समय से गूंजती रही है।

**अरुण जेटली :** नरेंद्र मोदी की पहली सरकार के दौरान राज्यसभा के नेता और वित्त मंत्री थे। इस बार वह स्वास्थ्य कारणों से सरकार में शामिल नहीं हुए।

**मल्लिकार्जुन खड़गे :** पिछली लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष थे। इस बार लोकसभा चुनाव हार गए।

**ज्योतिरादित्य सिंधिया :** पिछली लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता थे। इस बार मध्य प्रदेश की गुना सीट से हार गए।

**अन्य दिग्गज**

भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, **सुषमा स्वराज** और उमा भारती ने इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा।

**नहीं दिखेंगे पूर्व प्रधानमंत्री**

**मनमोहन सिंह :** राज्यसभा में 28 साल तक असम का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का कार्यकाल कुछ दिन पहले समाप्त हो चुका है।

**एचडी देवगौड़ा :** इस बार लोकसभा चुनाव हार गए।

इसके अलावा भी विभिन्न दलों के तमाम नेता इस बार संसद में दिखाई नहीं देंगे। इनमें से ज्यादातर विपक्षी दलों कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस के नेता हैं, जो चुनाव में जनता का विश्वास न जीत पाने के कारण इस बार लोकतंत्र के मंदिर में नहीं पहुंच सके। वहीं मोदी की सुनामी के बावजूद भाजपा के भी कई नेताओं को इस बार संसद में सत्ता पक्ष की बेंच में बैठने की जगह नहीं मिल सकी है।

# आयुष्मान के लाभार्थी नहीं ले सकेंगे दूसरी मेडिकल स्कीमों का लाभ

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

▶ **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने एससी-एसटी मेडिकल स्कीम में किया बदलाव**

▶ **गंभीर बीमारियों से पीड़ितों को मदद देने से पहले होगी पड़ताल**

आयुष्मान भारत की बढ़ती पहुंच को देखते हुए सामाजिक क्षेत्र की मेडिकल सहायता योजना में बड़ा बदलाव किया गया है। इसके तहत मदद अब सिर्फ उन्हीं को मिलेगी, जो आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी नहीं है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने इसे लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दोनों ही योजनाओं में गरीब परिवारों को चिकित्सकीय सहायता दी जाती है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने यह कदम उस समय उठाया है, जब उनके पास चिकित्सकीय मदद के लिए बड़ी संख्या में ऐसे आवेदन भी सामने आए जो आयुष्मान भारत योजना के भी लाभार्थी थे। मंत्रालय के मुताबिक, जब आयुष्मान के तहत उन्हें पूरी चिकित्सकीय सहायता मिल रही है, तो फिर उन्हें किसी दूसरी योजनाओं की ओर से नहीं देखना चाहिए।

मंत्रालय के मुताबिक, वैसे भी उनकी ओर से एससी -एसटी के लिए चलाई जा रही मेडिकल सहायता योजना के तहत किडनी ट्रांसप्लांट जैसी गंभीर बीमारियों में सिर्फ साढ़े तीन लाख की मदद दी जाती है, जबकि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को पांच लाख रुपये तक की चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसी तरह से डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन की ओर से चलाई जाने वाली चिकित्सकीय सहायता योजना में हार्ट सर्जरी में सिर्फ सवा लाख रुपये की ही सहायता दी जाती है।

मरीजों की फाइल फोटो।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, एससी-एसटी चिकित्सकीय सहायता योजना में यह बदलाव आयुष्मान भारत की बढ़ती पहुंच को देखते हुए लिया गया है। साथ ही यह भी तय किया गया है कि मदद जारी करने से पहले इस बात पूरी जांच की जानी चाहिए कि संबंधित परिवार आयुष्मान भारत योजना का लाभार्थी नहीं है।

खास बात यह है कि मंत्रालय की ओर से एससी-एसटी के लिए चलाई जाने वाली चिकित्सकीय सहायता योजना के तहत सिर्फ उन्हीं परिवारों को मदद दी जाती है, जिनकी सलाना आय तीन लाख रुपये से कम होती है। इसके साथ ही इस योजना में किडनी, हार्ट, लिवर, कैंसर, मस्तिष्क की सर्जरी की आदि गंभीर बीमारियों को ही शामिल किया गया है। इससे एससी-एसटी वर्ग के मरीजों को इस तरह की गंभीर बिमारी में सही इलाज मिल सकेगा।

## पीएम मोदी ने कहा, लोगों के लिए मिलकर काम करें राजग सांसद

**नई दिल्ली, प्रेट्र/आइएएनएस :** संसद सत्र से पहले सभी दलों के साथ बैठक करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और अपनी पार्टी भाजपा के सासंदों के साथ भी अलग-अलग बैठकें की। मोदी ने कहा कि देश के विकास और लोगों के कल्याण के लिए सभी एकजुट होकर काम करें।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों ने बड़ी उम्मीद के साथ राजग को दोबारा सत्ता में आने का मौका दिया है। अब सरकार में शामिल सभी लोगों का यह दायित्व बनता है कि वो देश के 130 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं, उम्मीदों और सपनों को पूरा करने के लिए मिलकर काम करें। मोदी ने राजग के सदस्यों को भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की भावना को प्रकट करने वाले कानून को सुविधाजनक बनाने में सबसे आगे होगी। भाजपा संसदीय दल और राजग की बैठकों की तस्वीर साझा करते हुए पीएम मोदी ने ट्वीट किया, 'हम क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करेंगे और देश के विकास के लिए अनथक कार्य करेंगे।' राजग की बैठक बाद प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की अलग से बैठक हुई। लगभग एक घंटे तक चली इस बैठक में इन दोनों के अलावा और कोई नहीं था।

# पाक के साथ अभी बातचीत के लिए तैयार नहीं होगा भारत

**जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली**

▶ **आतंकवाद पर पाकिस्तान पर नकेल कसना नहीं होगा बंद**

भारत अपने पड़ोसी पाकिस्तान के साथ किसी तरह की नरमी दिखाने के मूड में नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी ने पिछले हफ्ते बिश्केक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को कोई तवज्जो नहीं देकर इसका साफ संकेत भी दे दिया था। हाल फिलहाल भारत की ऐसी कोई मंशा भी नहीं है कि पड़ोसी देश के साथ बातचीत का सिलसिला शुरू किया जाए। अपने पुराने अनुभव से सीख लेते हुए भारत वास्तव में पाकिस्तान पर और दबाव बनाना की सोच रखता है। वहीं, अमेरिका के फ्लोरिडा शहर में आतंकी फंडिंग रोकने के लिए स्थापित निगरानी एजेंसी एफएटीएफ की रविवार से शुरू हुई बैठक में भी भारत ने पाकिस्तान के आतंकी कनेक्शन पर पूरा सुबूत मुहैया कराया और पाकिस्तान को एक बार फिर एफएटीएफ के सामने मुंह की खानी पड़ी।

सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान से बातचीत शुरू करने का मतलब यह होगा कि हाल के महीनों में उस पर जो अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाया गया है उसमें ढिलाई बरती जाए। इस दबाव की वजह से पाकिस्तान ने पिछले कुछ महीनों में अपने देश में छिपे आतंकी संगठनों के खिलाफ कदम उठाने शुरू किए हैं। बातचीत शुरू होते ही वह इन संगठनों को लेकर फिर ढिलाई बरतने लगेगा। पूर्व में ऐसा हुआ है। मुंबई हमले के बाद कई आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई की गई लेकिन वर्ष 2011 में जैसे ही सरकार ने दोबारा बातचीत शुरू की तो पाकिस्तान ने पुराने सारे मामलों को दबा दिया। मुंबई हमले की साजिश रचने वालों के खिलाफ आज तक पाकिस्तान ने कोई कार्रवाई नहीं की। पठानकोट हमले के दौरान पाक सरकार ने जैश के खिलाफ कार्रवाई करने का दिखावा किया था। पुलवामा हमले के बाद भी पाकिस्तान में कई आतंकी संगठनों के खिलाफ दिखावे के लिए कार्रवाई शुरू की गई है।

यही वजह है कि पिछले हफ्ते बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने और उसके अगले दिन दुशांबे में सीआइसीए सम्मलेन में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पाक सरकार की तरफ से बार-बार इच्छा जताने के बावजूद पीएम मोदी ने पूरी बैठक के दौरान पीएम इमरान खान से दूरी बनाए रखी।

## सांसदों के लिए बनेंगे 400 नए फ्लैट, मलबे का होगा इस्तेमाल

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** सरकार ने लुटियंस दिल्ली में स्थित सांसदों के 60 साल पुराने 400 फ्लैटों को ध्वस्त कर उनकी जगह पर नए फ्लैट बनाने का फैसला किया है। खास बात यह है कि इनके निर्माण में मलबे (कंस्ट्रक्शन वेस्ट) का इस्तेमाल किया जाएगा।

केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) के महानिदेशक प्रभाकर सिंह ने बताया कि ये फ्लैट राष्ट्रपति भवन के दोनों तरफ साउथ एवन्यू व नॉर्थ एवन्यू में स्थित हैं। उन्होंने कहा, 'आजादी के बाद नॉर्थ एवं साउथ एवन्यू में बनाए गए सभी फ्लैट तोड़े जाएंगे। इनकी जगह पर सांसदों के लिए बनाए जाने वाले नए फ्लैटों में मलबे का भी इस्तेमाल किया जाएगा। इन फ्लैटों का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि कोई अव्यवस्था उत्पन्न न हो।'

सीपीडब्ल्यूडी ने हाल ही में 80 करोड़ रुपये की लागत से 36 डुपलेक्स फ्लैटों का निर्माण कराया है। इन्हें नए सांसदों को आवंटित किया जाएगा। इन कम ऊंचाई वाले भवनों में सोलर पैनल व कार पार्किंग की जगह के अलावा कई अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन डुपलेक्स फ्लैटों का जल्द ही नए सांसदों को आवंटित किए जाने की संभावना है।

**कह के रहेंगे** माधव जोशी

**लेटलतीफी**

आयोग में समान नागरिक संहिता, एक साथ चुनाव और राजद्रोह कानून की समीक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे विचाराधीन

# नौ महीने से खाली है विधि आयोग का अध्यक्ष पद

**माला दीक्षित, नई दिल्ली**

पुराने पड़ चुके कानूनों की समीक्षा और नए कानूनों की जरूरत व रूपरेखा पर विचार करने वाले विधि आयोग में नौ महीने से अध्यक्ष पद खाली पड़ा है। जस्टिस बीएस चौहान के सेवानिवृत होने के बाद नए अध्यक्ष की नियुक्ति या चयन नहीं हुआ है। देश की राजनीतिक और सामाजिक दिशा तय करने वाले कई महत्वपूर्ण मुद्दे अभी आयोग में विचाराधीन हैं, लेकिन अध्यक्ष नहीं होने की वजह से लोगों को और लंबे समय तक उसका इंतजार करना पड़ सकता है।

पिछले आयोग से लोग समान नागरिक संहिता, विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ कराने और राजद्रोह कानून की समीक्षा जैसे मुद्दों पर आयोग से विस्तृत नजरिये और रिपोर्ट की उम्मीद लगाए बैठे थे। पिछले आयोग ने इन तीनों मुद्दों पर कोई अंतिम रिपोर्ट नहीं दी थी, बल्कि प्रारंभिक नजरिया पेश करते हुए परामर्श पत्र जारी कर जनता की राय मांगी थी। समय पर अध्यक्ष की नियुक्ति होने की स्थिति में इन संवेदनशील मुद्दों पर जल्द फैसला हो सकता था।

पिछले विधि आयोग का कार्यकाल 31 अगस्त 2018 को जस्टिस बीएस चौहान का कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही पूरा हो गया था। कार्यकाल समाप्ति के आखिरी दिन आयोग ने परामर्श पत्र जारी कर समान नागरिक संहिता के बजाए विभिन्न पारिवारिक विधियों (कानूनों) में संशोधन की सलाह दी थी और इस पर जनता की राय पूछी थी।

प्रतीकात्मक

शुरुआत में आयोग ने इस बारे में 16 सवालों की प्रश्नावली जारी कर लोगों से राय मांगी थी जिसमें मुस्लिमों में प्रचलित तीन तलाक, निकाह हलाला और बहुविवाह का भी मुद्दा शामिल था। बाद में तीन तलाक पर कोर्ट का फैसला आने और संसद में मामला विचाराधीन होने के कारण आयोग ने विचार के दायरे से तीन तलाक, निकाह हलाला और बहुविवाह का मुद्दा हटा दिया और समान नागरिक संहिता पर लोगों से नए सिरे से सुझाव मांगे थे। बताते चलें कि समान नागरिक संहिता में सिर्फ मुस्लिम पर्सनल ला ही नहीं, हिंदू पर्सनल ला व क्रिश्चियन पर्सनल ला जैसे विषय भी शामिल हैं।

इसके अलावा दूसरे महत्वपूर्ण मुद्दे लोकसभा और विधानसभा का चुनाव एक साथ कराने पर विधि आयोग ने जस्टिस चौहान का कार्यकाल समाप्त होने के एक दिन पहले 30 अगस्त को ड्राफ्ट रिपोर्ट जारी की थी जिसमें वह दोनों चुनाव साथ कराने के पक्ष में था। आयोग ने एक साथ चुनाव की तरफदारी करते हुए ड्राफ्ट रिपोर्ट में कहा था कि व्यापक राष्ट्रहित में भारत के लिए एक साथ चुनाव की ओर वापस जाने का समय आ गया है। हालांकि इसके लिए संविधान और मौजूदा कानून में जरूरी संशोधन करने होंगे। आयोग ने त्रिशंकु लोकसभा और विधानसभा की स्थिति में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की चुनाव प्रक्रिया के बारे में जनता से सुझाव मांगे थे ताकि इस बारे में सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी जा सके। इसके बाद आयोग का कार्यकाल समाप्त हो गया और मामला ड्राफ्ट रिपोर्ट तक ही सीमित रह गया।

तीसरे महत्वपूर्ण मुद्दे राजद्रोह (आइपीसी की धारा 124ए) पर भी आयोग ने विचार तो किया, लेकिन कानून की समीक्षा के लिए और अधिक विचार की जरूरत बताते हुए जस्टिस चौहान का कार्यकाल पूरा होने से एक दिन पहले जनता की विस्तृत राय जानने के लिए परामर्श पत्र जारी कर दिया यानी वह मामला भी अभी लंबित है।

**300** हाईटेक गोशाला खोलेगी मध्य प्रदेश सरकार राज्य में विदेशी कंपनियों की मदद से। इस संबंध में एमओयू साइन कर लिया गया है। इन गोशालाओं से गो काष्ठ (गोबर) और गोमूत्र एक्सपोर्ट किया जाएगा।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 17 जून 2019

# छत्तीसगढ़ में राज्यसभा की दो सीटों पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की निगाहें

**नईदुनिया, रायपुर**

- प्रदेश में स्पष्ट बहुमत के कारण अब कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य बढ़ेंगे
- अगले साल की शुरुआत में दो सदस्यों का कार्यकाल पूरा होगा

प्रदेश में मिला स्पष्ट बहुमत अब छत्तीसगढ़ से राज्यसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या बढ़ा देगा। इस कारण वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं की निगाहें राज्यसभा पर टिकी हैं। वहीं, दो सदस्यों का कार्यकाल अगले साल की शुरुआत में पूरा हो जाएगा, इसलिए अभी से कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने लॉबिंग शुरू कर दी है।

छत्तीसगढ़ से राज्यसभा में पांच सदस्य भेजे जाते हैं। छत्तीसगढ़ बनने के बाद 2003, 2008, 2013 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को ज्यादा सीटें मिली थीं। इस कारण राज्यसभा की पांच सीटों में से तीन तो भाजपा को मिल जाती थीं, जबकि कांग्रेस को दो सीटों से ही संतुष्ट होना पड़ता था। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बाजी पलट दी। भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस ने 90 विधानसभा सीटों में से 68 पर कब्जा करके भारी बहुमत हासिल किया। अब इस आधार पर यह तय हो गया है कि राज्यसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या दोगुनी हो जाएगी, यानी दो से चार होगी।

**वोरा व जूदेव का कार्यकाल होगा पूरा :** अगले साल की शुरुआत में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य मोतीलाल वोरा और भाजपा के राज्यसभा सदस्य रणविजय सिंह जूदेव का कार्यकाल पूरा हो जाएगा। कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि पार्टी हाईकमान वोरा को रिटायर कर सकता है। कांग्रेस की सीट बढ़ेगी, तो जूदेव की सीट भाजपा के हाथ से निकल जाएगी। बाकी तीन राज्यसभा सदस्य भाजपा की सरोज पांडेय व रामविचार नेताम और कांग्रेस की छाया वर्मा का कार्यकाल बचा हुआ है।

**कांग्रेस की हो सकती हैं पूरी पांच सीटें :** कांग्रेस को अगर जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ और बहुजन समाज पार्टी के विधायकों का समर्थन मिल गया, तो छत्तीसगढ़ के कोटे वाली पांचों राज्यसभा की सीटें कांग्रेस को मिल सकती हैं।

### संख्या बल में भाजपा बहुत कमजोर

विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों के मुताबिक, राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल पूरा होने पर दो-दो सीट का चुनाव प्रदेश में एक साथ होता है। एक सीट के लिए 45 विधायकों के समर्थन की जरूरत होती है। भाजपा के केवल 15 विधायक हैं। पहली और दूसरी वरियता के मतों को जोड़ा जाएगा, तब भी भाजपा अपना राज्यसभा सदस्य बनाने की स्थिति में नहीं पहुंच पाएगी।

# जल समाधि की अनुमति नहीं मिली तो अन्न त्याग दूंगा

**नईदुनिया, भोपाल**

- भोपाल पहुंचते ही मिर्ची बाबा को पुलिस ने होटल में किया नजरबंद
- लोकसभा चुनाव में दिग्विजय सिंह की हार पर रविवार को जल समाधि लेने की घोषणा की थी

वैराग्यानंद ऊर्फ मिर्ची बाबा रविवार को मध्य प्रदेश के भोपाल पहुंचे। लोकसभा चुनाव में भोपाल से कांग्रेस प्रत्याशी दिग्विजय सिंह के हारने पर वैराग्यानंद रविवार दोपहर 2:11 बजे शीतलदास की बगिया में जल समाधि लेने वाले थे, लेकिन वह वहां नहीं पहुंचे। उन्हें प्रशासन ने समाधि लेने की अनुमति नहीं दी। अब वैराग्यानंद ने पत्रकारों के सामने कहा कि प्रशासन अगर 20 जून तक समाधि की अनुमति नहीं देगा, तो वह अन्न त्याग देंगे।

बाबा की घोषणा को देखते हुए रविवार को शीतलदास की बगिया में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। पुलिस भी तैनात थी, लेकिन बाबा तय समय पर समाधि लेने नहीं पहुंचे। दोपहर 2:30 बजे बाद लोग वहां से चले गए। दोपहर तीन बजे बाबा ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि मैंने लोकसभा चुनाव के पहले कहा था कि भोपाल सीट से दिग्विजय सिंह जीतेंगे। यदि वो हारते हैं तो मैं समाधि ले लूंगा। दिग्विजय सिंह चुनाव हार गए। मैंने संकल्प को पूरा करने के लिए समाधि लेने की अनुमति जिला प्रशासन से मांगी थी, लेकिन मुझे अनुमति नहीं दी गई। मैं कहीं गायब नहीं हुआ न ही कहीं भागा। गुवाहाटी स्थित कामाख्या पीठ में एक अनुष्ठान कर रहा था। उन्होंने कहा कि मैं आज सुबह 7:30 भोपाल एयरपोर्ट पर पहुंचा। पुलिस व प्रशासन के अधिकरियों ने एयरपोर्ट पर रोक लिया। गाड़ी में बैठाकर सीधे होटल ले आए। मुहूर्त के हिसाब से 2:11 बजे तक जिंदा समाधि लेने जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने होटल में नजरबंद कर दिया। यदि मुझे अनुमति दी जाती तो मैं समाधि लेकर अपना संकल्प जरूर पूरा करता। मेरे पास एक हजार कॉल आए, जिसमें 250 कॉल की रिकॉर्डिंग है। लोगों ने कहा कि बाबा दिग्विजय हार गए समाधि कब ले रहे हो? इसलिए मैं अपने संकल्प पर दृढ़ रहकर समाधि की अनुमति मांग रहा हूं। 20 जून तक समाधि लेने की अनुमति मांगता रहूंगा। यदि अनुमति नहीं मिली तो अन्न त्याग दूंगा। वहीं, रविवार को दिनभर वैराग्यानंद पर पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों की निगरानी बनी रही।

**निरंजन अखाड़े से निकाला :** मिर्ची बाबा को निरंजन अखाड़े से निकालकर उनकी महामंडलेश्वर पदवी छीन ली गई है। हालांकि, बाबा ने इससे इन्कार करते हुए कहा कि पदवी छोड़ने का अखाड़े से कोई आदेश नहीं मिला है। यदि मेरी किसी बात से किसी को ठेस पहुंची है, तो क्षमा प्रार्थी हूं।

बाबा के 16 जून को जल समाधि के निर्णय को देखते हुए एयरपोर्ट पर पहुंचते ही वह पुलिस की निगरानी में ले लिए गए थे। तय समय तक उन्हें समाधि की अनुमति नहीं मिली। इसके बाद बाबा ने समाधि लेने का निर्णय वापस ले लिया। पत्रकारों से चर्चा करने के बाद बाबा भोपाल से रवाना हो गए।

–संजय साहू, एएसपी जोन-2

भोपाल में रविवार को एयरपोर्ट पर वैराग्यानंद। नईदुनिया

**एलान** ▶ हरियाणा के जींद में कबीर जयंती समारोह में सीएम मनोहर लाल ने की घोषणा

# शैक्षणिक संस्थानों में एससी कोटे के लिए बनेंगी ए और बी दो श्रेणियां

## सीएम का बड़ा दांव, विधानसभा चुनाव में दिखेगा असर

**जागरण संवाददाता, जींद**

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने प्रदेश में अनुसूचित जाति समाज के लिए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि अगले साल से शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले के समय एससी की ए व बी कैटेगरी बनाई जाएंगी। इसके लिए एक्ट बनाने पर सैद्धांतिक सहमति बन चुकी है।

मुख्यमंत्री रविवार को कबीर जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जितना इन लोगों की तरफ से मांगा जा रहा है, उतना तो नहीं दे सकते, लेकिन हर युवा की पढ़ाई-लिखाई सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों में दाखिले के समय एससी की ए व बी कैटेगरी बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि एससी समाज को 20 फीसद आरक्षण मिल रहा है। उसका बैकलॉग भी पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। 40-50 साल पुराना बैकलॉग तो नहीं भरा जा सकता, लेकिन ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि पिछले साल का बैकलॉग अगले साल भरा जाए।

हरियाणा के जींद जिले में कबीर जयंती समारोह में प्रदेश के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु से बात करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। जागरण

मुख्यमंत्री ने सिर्फ शैक्षणिक संस्थानों के लिए घोषणा कर अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बड़ा दांव खेल दिया है। राज्य में अनुसूचित जातियों को नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 20 फीसद आरक्षण मिलता है। 1994 में तत्कालीन मुख्यमंत्री भजनलाल ने एससी आरक्षण को ए और बी कैटेगरी में बांट दिया था। ए कैटेगरी में धानक, खटीक, वाल्मीकि, डेहा, सैंसी सहित सभी निम्न जातियों को शामिल किया गया था, जबकि बी कैटेगरी में सिर्फ रविदासिया समाज रह गया था। बाद में यह मामला हाई कोर्ट व सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। वर्ष 2006 में कांग्रेस की भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इन कैटेगरी को खत्म कर दिया था। तभी से ए कैटेगरी के लोग विरोध करते आ रहे हैं। इनका आरोप है कि वर्ष 2005 में मुख्यमंत्री हुड्डा ने कुमारी सैलजा व अन्य नेताओं के दबाव में आकर एससी की कैटेगरी को खत्म किया था। वहीं, बीसी ए व बी कैटेगरी अभी बरकरार हैं। लोकसभा चुनाव में भी अंबाला में ए कैटेगरी के लोगों ने कांग्रेस प्रत्याशी कुमारी सैलजा का विरोध किया था। इनका आरोप है कि रविदासिया समाज के लोग ज्यादा पढ़े-लिखे हैं, इसलिए 20 फीसद आरक्षण का ज्यादातर हिस्सा वे ले जाते हैं। इसलिए इसका वर्गीकरण करना जरूरी है।

### सीएम ने यह घोषणाएं भी कीं

प्रदेश में जुलाई के पहले सप्ताह में सवा लाख बीपीएल कार्ड धारकों के कार्ड उनके घर पंहुचा दिए जाएंगे।

हर विस क्षेत्र से 100 लोगों को हर साल संत कबीर की जन्मस्थली वाराणसी या महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली अमृतसर में रेल की द्वितीय श्रेणी के टिकट पर सरकार मुफ्त यात्रा कराएगी। एक परिवार एक बार ही इसका फायदा ले सकेगा।

समाज के शोषित व वंचित वर्ग के लोगों को शिक्षा के और अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए पूरे प्रदेश में 11 नए सरकारी छात्रावास बनाए जाएंगे।

# मुख्यमंत्री फड़नवीस ने कांग्रेस से आए राधाकृष्ण विखे पाटिल को बनाया मंत्री

**ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई**

- छह मंत्रियों को हटाकर 13 नए चेहरों को दी जगह
- मंत्रिमंडल विस्तार कर फड़नवीस ने साधे कई संतुलन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने विधानसभा चुनाव से चार माह पहले रविवार को अपने मंत्रिमंडल से विवादित व निष्क्रिय छह मंत्रियों को हटाकर 13 नए चेहरों को जगह दे दी। इनमें आठ कैबिनेट और पांच राज्यमंत्री हैं। इस विस्तार में पूर्व कांग्रेसी दिग्गज राधाकृष्ण विखे पाटिल को कैबिनेट में शामिल किया गया है। इस विस्तार के जरिये फड़नवीस ने क्षेत्रीय एवं जातीय संतुलन साधने की कोशिश की है।

शपथ लेने वाले नए मंत्रियों में सबसे चर्चित राधाकृष्ण विखे पाटिल और जयदत्त क्षीरसागर रहे। विखे पाटिल चंद दिनों पहले तक उसी विधानसभा में नेता विरोधी दल की भूमिका निभा रहे थे, जहां सोमवार से शुरू होने वाले 12 दिन के विधानमंडल सत्र में कैबिनेट मंत्री बनकर बैठेंगे। उन्होंने कांग्रेस के विधायक पद से त्यागपत्र तो दे दिया है, लेकिन भाजपा की प्राथमिक सदस्यता नहीं ली है। उनके पुत्र डॉ. सुजय विखे पाटिल भाजपा के टिकट पर अहमदनगर लोकसभा सीट से चुनाव जीते हैं। शिवसेना कोटे से मंत्री बनाए गए क्षीरसागर पहले राकांपा में थे।

भाजपा कोटे से मंत्री बने लोगों में मुंबई भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाते रहे एडवोकेट आशीष शेलार व गुजराती समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले योगेश सागर भी शामिल हैं। सागर ने प्रकाश मेहता की जगह ली है, जो गृह निर्माण मंत्री थे और कई आरोपों से घिर चुके थे।

आरपीआइ के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश महातेकर को राज्यमंत्री बनाया जाना जातीय समीकरण साधने की कोशिश माना जा रहा है। महातेकर महाराष्ट्र की दलित राजनीति का जाना-पहचाना चेहरा हैं। वह पहले वंचित बहुजन अघाड़ी के नेता प्रकाश आंबेडकर के साथी थे और कुछ वर्षों से आरपीआइ अध्यक्ष रामदास अठावले के साथ हैं। लोकसभा चुनाव में प्रकाश आंबेडकर ने एमआइएम के साथ मिलकर अच्छी ताकत दिखाई है। विधानसभा चुनाव में यदि उनका समझौता कांग्रेस-राकांपा गठबंधन से हो जाता है तो यह गठबंधन शिवसेना-भाजपा के लिए मुसीबत बन सकता है।

मंत्रिमंडल विस्तार में क्षेत्रीय संतुलन पर भी ध्यान दिया गया है। विदर्भ से पांच नए मंत्री बनाने के साथ ही पश्चिम महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र, मराठवाड़ा एवं मुंबई-कोकण से दो-दो मंत्री बनाए गए हैं। हालांकि, इन नए मंत्रियों को काम करने का अवसर लगभग 90 दिन ही मिलेगा, क्योंकि उसके बाद विधानसभा चुनाव की घोषणा हो जाएगी।

मुंबई में रविवार को प्रेस कांफ्रेंस करते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस। एएनआइ

### विपक्ष करेगा चाय पार्टी का बहिष्कार

**मुंबई, प्रेट्र :** विपक्षी पार्टियों कांग्रेस-राकांपा ने सरकार की चाय पार्टी के बहिष्कार का फैसला किया है। दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं ने यहां पत्रकारों से कहा कि सरकार ने विकास का कोई काम नहीं किया। विधानसभा में नेता विपक्ष और वरिष्ठ राकांपा नेता धनंजय मुंडे ने कहा कि हम लोग सत्र के दौरान खेती और देखभाल के लिए प्रति किसान 25 हजार रुपये भुगतान तथा कर्ज व बिजली बिल की माफी की मांग करेंगे।

# शहीदों के शौर्य को योगी ने किया सलाम

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मौके पर योगी ने उन्हें 'दिव्य कुंभ' पुस्तक भेंट की। एएनआइ

**राज्य ब्यूरो, लखनऊ**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को शहीदों के शौर्य को सलाम किया। दिल्ली प्रवास के दौरान वह इंडिया गेट स्थित राष्ट्रीय समर स्मारक (नेशनल वार मेमोरियल) पहुंचे। फिर योगी चाणक्यपुरी के नेशनल पुलिस मेमोरियल भी गए। उन्होंने इन दोनों स्थलों पर शहीदों की शौर्य गाथा और पराक्रम को नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर जाकर उन्होंने शिष्टाचार भेंट भी की।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय समर स्मारक की विजिटर बुक में लिखा 'राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्र गौरव का प्रतीक राष्ट्रीय समर स्मारक भारत के वीर सैनिकों के गौरव गाथा का जीवंत चित्रण है। इसके प्रेरक मोदी ने देश की वर्तमान एवं भावी पीढ़ी के लिए एक प्रेरणादायी स्थल प्रदान किया है। हर भारतीय को अपने सैनिकों के पराक्रम पर गौरव की अनुभूति होती है।' नेशनल पुलिस मेमोरियल में शहीदों को नमन एवं पुष्प चक्र अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्मारक भारत के वीर जवानों के 1947 से लेकर अब तक शौर्य व पराक्रम की गाथा गाते हैं।

# जम्मू-कश्मीर दौरे पर बाबा अमरनाथ के दर्शन भी करेंगे अमित शाह

**राज्य ब्यूरो, जम्मू :** केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह 30 जून को राज्य के दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह बाबा अमरनाथ के दर्शन भी करेंगे। बाबा अमरनाथ की वार्षिक यात्रा एक जुलाई से शुरू हो रही है। अमित शाह 30 जून को श्रीनगर पहुंचेंगे और वहां से बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए जाएंगे।

बाबा अमरनाथ यात्रा के शुरू होने पर एक जुलाई को पवित्र गुफा में विधिवत पूजा-अर्चना होगी। संसदीय चुनाव में भाजपा की भारी जीत और केंद्रीय गृह मंत्री बनने के बाद अमित शाह का यह राज्य का पहला दौरा होगा। भाजपा के संगठन महामंत्री अशोक कौल ने अमित शाह के दौरे की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि शाह तीस जून को राज्य के दौरे पर आ रहे हैं। बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा में दर्शन के बाद अमित शाह राज्य के सुरक्षा हालात की समीक्षा करेंगे। राज्यपाल सत्यपाल मलिक राज्य की सुरक्षा स्थिति की जानकारी देंगे। शाह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, पार्टी के सदस्यता अभियान समेत अन्य अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। सूत्र बताते हैं कि अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता भी केंद्रीय मंत्री करेंगे।

# मप्र में मंत्रियों ने किए साइन सीएम जिसे चाहें रखें या हटा दें

**नईदुनिया, भोपाल**

- जनसंपर्क मंत्री ने कहा कि सभी 121 विधायक मुख्यमंत्री के साथ
- मंत्री, विधायक और पार्टी पदाधिकारी आज जिलों में देंगे जनता को हिसाब

मध्य प्रदेश के जनसंपर्क मंत्री पीसी शर्मा ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि भले ही भाजपा नेता सरकार के अस्थिर होने का दुष्प्रचार करें पर वास्तविकता यह है कि सभी 121 विधायक चट्टान की तरह मुख्यमंत्री के साथ खड़े हैं। विधायक दल की बैठक में यह बात दस्तखत करके भी कह चुके हैं। शर्मा ने कहा कि सभी मंत्रियों ने भी हस्ताक्षर करके कह दिया है कि मुख्यमंत्री जिसे चाहें मंत्री रखें या हटा दें। हम सभी साथ-साथ हैं। हालांकि, उन्होंने मुख्यमंत्री की ओर से यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी को मंत्रियों को हटाने और निर्दलीय विधायकों को मौका देने संबंधी पत्र लिखे जाने की जानकारी होने से इन्कार किया है।

**जनता के सामने कामकाज का ब्योरा रखेगी सरकार :** कमलनाथ सरकार के छह महीने पूरे होने पर सोमवार को प्रदेश के मंत्री, विधायक और कांग्रेस पदाधिकारी जनता के बीच सरकार के कामकाज का ब्योरा रखेंगे। इसमें तीन माह (लोकसभा चुनाव की आचार संहिता को छोड़कर) में सरकार द्वारा की गई किसानों की कर्जमाफी और अन्य कार्यों की जानकारी दी जाएगी।

### भाजपा ने छोड़ा खाली खजाना

पत्रकार वार्ता में शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार खाली खजाना और पौने दो लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़कर गई थी। सीएम कमलनाथ के मैनेजमेंट से 21 लाख किसानों को कर्जमाफी मिल गई तो सामाजिक सुरक्षा पेंशन 300 से बढ़ाकर 600 रुपये महीना हो गई। किसानों का बिजली बिल आधा हो गया तो उद्योगों को भी चंद घंटों के भीतर अनुमतियां मिलना शुरू हो गईं। नीति आयोग की बैठक में भी उन्होंने किसानों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में दिए जाने वाले छह हजार रुपये सालाना को कम बताते हुए इसे बढ़ाने, ई-पेमेंट सिस्टम को सुधारने और किसान फसल बीमा योजना को सरल करने के साथ गेहूं का कोटा बढ़ाने की बात रखी।

# हरियाणा में बिखरे विपक्ष के सामने भाजपा बड़ी चुनौती

**अनुराग अग्रवाल, चंडीगढ़**

- अभय चौटाला और अजय सिंह के बीच गलतफहमियों से भाजपा की राह आसान होती दिख रही
- कांग्रेस दिग्गज नहीं छोड़ पा रहे सीएम बनने की महत्वाकांक्षा, इनेलो का चश्मा और बसपा का हाथी दिखाएगा राह

हरियाणा में बिखरे विपक्ष के सामने सत्तारूढ़ भाजपा बड़ी चुनौती बन गई है। लोकसभा चुनाव में सभी 10 सीटें हारने के बाद तमाम विपक्षी दलों को अक्टूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कड़ी अग्नि परीक्षा के दौर से गुजरना पड़ेगा। भाजपा ने जहां कम से कम 75 विधानसभा सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है, वहीं बिखरे विपक्ष के सामने खुद को साबित करने का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

भाजपा के विजय रथ को रोकने के लिए तमाम विपक्षी दल हरियाणा में महागठबंधन के हक में हैं, लेकिन इसकी पहल करने से हिचक रहे हैं। इनेलो विधायक दल के नेता अभय सिंह चौटाला ने इशारों में विपक्ष की एकजुटता के प्रयास शुरू किए हैं, लेकिन हर दल में मुख्यमंत्री पद के बढ़ते दावेदारों की महत्वाकांक्षा, इन प्रयासों में बड़ा अवरोध पैदा कर रही है। कांग्रेस दिग्गज जहां आपस की लड़ाई से नहीं उबर पा रहे, वहीं अभय चौटाला व अजय चौटाला के बीच पैदा हुई गलतफहमियों से भाजपा की राह आसान होती दिख रही है।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में अभी 100 दिन है। इस अवधि में यदि महागठबंधन के प्रयासों में सफलता नहीं मिली तो विभिन्न दलों के बीच अपनी-अपनी विचारधारा के हिसाब से गठजोड़ की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता। कुछ लोग इनेलो और जननायक जनता पार्टी के बीच सुलह को आज की सबसे बड़ी जरूरत मान रहे हैं, तो कुछ कांग्रेस की एकजुटता के हक में हैं। फिलहाल कांग्रेस छह गुटों में बंटी हुई है और इनमें पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा सबसे अधिक पावरफुल बताए जा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजों को देखकर कांग्रेस दिग्गजों को नसीहत दी जा रही कि यदि आप-जजपा के गठबंधन में कांग्रेस भी शामिल हो जाती तो कम से कम सोनीपत और रोहतक की सीटें भाजपा के खाते में जाने से रोकी जा सकती थीं। यदि विधानसभा चुनाव में भी उनका यही रुख रहा तो भाजपा को पूरे दल बल के साथ सत्ता में आने से कोई नहीं रोक सकेगा। हालांकि, भाजपा की खुद की रणनीति विपक्षी दलों से विपक्ष के नेता का पद तक छीनने की है।

लोकसभा चुनाव में जजपा और आप गठबंधन के खास नतीजे सामने नहीं आ सके। यही स्थिति बसपा और लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के गठबंधन की रही, जबकि इनेलो को भी काफी निराशा का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 58 फीसद मत हासिल किए थे, जबकि 42 फीसद में बाकी तमाम राजनीतिक दल सिमट गए। ऐसे में यदि विपक्ष एकजुट हुआ तो ही भाजपा के मत प्रतिशत को कम कर विपक्ष के मत प्रतिशत में इजाफा किया जा सकता है। ऐसा तभी संभव हो सकेगा जब विपक्ष के लोग खुद सीएम बनने की महत्वाकांक्षा को खूंटी पर टांगकर अपने वजूद को बचाए रखने की रणनीति पर काम करें।

**विपक्ष के पास खुद को साबित करने के लिए 100 दिन का समय :** हरियाणा में सभी राजनीतिक दलों के पास खुद को साबित करने के लिए 100 दिन का समय बचा है। यदि राज्य में भाजपा के विरुद्ध महागठबंधन के प्रयास सिरे नहीं चढ़ पाते तो वही दल भाजपा को चुनौती देने की स्थिति में होगा, जो इन 100 दिनों के भीतर जनता के बीच रहकर खुद को साबित कर सकेगा। इन 100 दिनों के लिए इनेलो विधायक दल के नेता अभय सिंह चौटाला ने जहां फील्ड में रहने की कार्य योजना तैयार कर ली है, वहीं जजपा संयोजक दुष्यंत चौटाला, आप के प्रांतीय प्रधान नवीन जयहिंद और लोकतंत्र सुरक्षा पार्टी के संयोजक राजकुमार सैनी ने भी दौरे तय किए हैं। कांग्रेस दिग्गज अभी अपनी अंदरूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं, जबकि बसपा ने चुप्पी साधी हुई है।

इनेलो के प्रधान महासचिव अभय चौटाला। जागरण आर्काइव

**पहल**

झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य होगा, जहां मिलेंगी बार कोड वाली पुस्तकें, इसकी मदद से विस्तृत जानकारी ऑनलाइन हासिल की जा सकेगी

# पढ़ाई को आसान बनाएंगी बार कोड वाली किताबें

**ज्ञान ज्योति, गिरिडीह**

झारखंड में इस वर्ष से स्कूलों के लिए जारी होने वाला नया पाठ्यक्रम नए अंदाज में होगा। सरकार बच्चों को बार कोड युक्त पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराएगी, जिससे शिक्षकों के साथ ही बच्चे भी पाठ्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी ऑनलाइन हासिल कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम तैयार करने वाले शिक्षकों का कहना है कि झारखंड देश का पहला राज्य होगा, जहां यह व्यवस्था लागू होगी। इस व्यवस्था के तहत आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक बार कोड मोबाइल से स्कैन करके संबंधित पाठ्य सामग्री का अध्ययन कर जानकारी हासिल कर सकते हैं, जिससे उन्हें बच्चों को पढ़ाने में सुविधा होगी। राज्य में तेजी से इस दिशा में काम चल रहा है। झारखंड काउंसिल फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रेनिंग की देखरेख में चयनित शिक्षकों के समूह पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ्य सामग्री तैयार करने में जुटे हैं। इसे रुचिकर बनाने पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। पढ़ाई का यह नया अंदाज झारखंड के छात्रों के लिए पढ़ाई को मजेदार बनाकर उन्हें पढ़ाई का नया अनुभव भी उपलब्ध कराएगा।

### नहीं होगी पाठ्य सामग्री की कमी

राज्य स्तर पर पाठ्य सामग्री तैयार कर रहे शिक्षकों ने बताया कि बच्चों को दी जाने वाली पाठ्य पुस्तकों में अब बार कोड अंकित रहेगा। साथ ही सिलेबस के अनुसार विषय वस्तु से संबंधित अन्य पाठ्य सामग्री ऑनलाइन भी उपलब्ध रहेगी। इस तरह बच्चों को भी विषय का विस्तृत ज्ञान उपलब्ध होगा। अभी पुस्तकों में जो पाठ्य सामग्री छपती है, उसी से बच्चों को पढ़ाया और समझाया जाता है, जिससे बच्चों को विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाती है। इसी समस्या को दूर करने के लिए यह नई व्यवस्था की जा रही है।

- झारखंड काउंसिल फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रेनिंग की देखरेख में तैयार की जा रही पाठ्य सामग्री

जिला स्तर पर डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स ग्रुप और प्रखंड स्तर पर ब्लॉक रिसोर्स ग्रुप गठित होगा, जिसमें चयनित शिक्षक शामिल किए जाएंगे। इनका काम शिक्षकों को ट्रेनिंग देकर उन्हें सहयोग प्रदान करना होगा। इससे शिक्षकों को पठन-पाठन में कोई परेशानी नहीं होगी।

–मनोज राय, शिक्षक सह स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सदस्य, गिरिडीह।

**जेसीईआरटी की देखरेख में तैयार हो रही सामग्री :** झारखंड काउंसिल फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रेनिंग की देखरेख में बार कोड वाले किताबों को ऑनलाइन और ऑफलाइन उपलब्ध कराने पर तेजी से काम चल रहा है। पाठ्य सामग्री को रुचिकर बनाने पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है, ताकि बच्चों को पढ़ने में उबाऊ न लगे और वे पूरी रुचि लेकर पढ़ाई करें। विषय से संबंधित अन्य जानकारियां और लिंक भी इसमें उपलब्ध रहेंगे, जिसमें आसानी से छात्र विस्तृत और अतिरिक्त जानकारी भी हासिल कर सकेंगे। शिक्षकों का कहना है कि इससे पहले देश के किसी भी राज्य में इस तरह की व्यवस्था अब तक नहीं की गई है।

# शिलांग से सिखों को उजड़ने नहीं देगी सरकार : कॉनराड

**जासं, अमृतसर :** मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने आश्वस्त किया है कि राजधानी शिलांग में रह रहे पंजाबियों व सिखों के जानमाल की सुरक्षा उनकी सरकार करेगी। उनकी समस्या का जल्द हल निकाल लिया जाएगा और वहां से उजड़ने नहीं दिया जाएगा। कॉनराड संगमा ने नई दिल्ली स्थित निवास पर सिख प्रतिनिधिमंडल को यह आश्वासन दिया है। प्रतिनिधिमंडल में एसजीपीसी अध्यक्ष गोबिंद सिंह लोंगोवाल, केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल, दिल्ली गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा, बीबी रणजीत कौर और शिलांग के सिख नेता गुरजीत सिंह शामिल थे। इन नेताओं ने बताया कि सिख वहां 200 वर्षों से रह रहे हैं। अब उनको भूमि का मालिकाना सुबूत मांग कर वहां से उजाड़ने की कोशिश की जा रही है। मेघालय के मुख्यमंत्री ने कहा कि मामला अदालत के भी विचाराधीन है। राज्य के उपमुख्यमंत्री की अगुआई में भी एक कमेटी बनाई गई है। मेघालय सरकार किसी भी कीमत पर शिलांग के सिखों से अन्याय नहीं होने देगी।

**50** हजार रुपये से भरा बैग टीचर को सौंपने वाले आठ साल के बच्चे को तमिलनाडु में किताब में जगह दी जाएगी। इरोड इलाके में रहने वाले यासीन को स्कूल में लंच के समय खेलते समय रुपयो सें भरा बैग मिला था।

**हमारी सरकार** राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री

# उसे पूरा कर गुजरते जो दिल में ठान लेते हैं

देश में नई सरकार ने काम शुरू कर दिया है। विशाल जनादेश के रूप में अपेक्षाओं के भारी भरकम बोझ को भरोसे की गठरी मानने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परीक्षा तो होगी ही, टीम मोदी के मंत्रियों की भी परख होनी तय है। 17वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार यानी आज से शुरू हो रहा है, जहां देश भर से चुनकर आए सांसद उनकी जवाबदेही को आंकेंगे। यही मौका है 'सरकार' को समझने का। इसीलिए दैनिक जागरण कुछ चुने हुए वरिष्ठ मंत्रियों के जीवन में झांककर इसकी समीक्षा करेगा कि उक्त मंत्री की सोच टीम मोदी के कितने अनुरूप है। आखिर किसी का पिछला जीवन, संघर्ष करने का हौसला, कुछ हासिल करने की ललक, कुछ बांटने की प्रवृत्ति और ईमानदारी के साथ आगे बढ़ने की क्षमता ही एक जिम्मेदार और भरोसेमंद व्यक्ति को पैदा करती है। इस कड़ी में दैनिक जागरण कई मंत्रियों के अतीत में जाएगा, उनके व्यक्तिगत पहलुओं से पाठकों को परिचित कराएगा ताकि हम 'हमारी सरकार' को जान और समझ पाएं।

आनंद राय ● लखनऊ

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अब एक ऐसे मुकाम पर हैं जहां उन्हें परिचय की जरूरत नहीं है, लेकिन इस मुकाम पर पहुंचने की कहानी जीवन के सार को साकार कर देती है। यह मुकाम उन्हें इसलिए हासिल हुआ क्योंकि उनमें अपार धैर्य है। ऊबड़-खाबड़ रास्तों से चलकर वह प्रशस्त राजमार्ग पर पहुंचे हैं। सिर्फ पाने की ही चाह नहीं रखते, खोने का हौसला भी उनमें भरा है। भरोसा हासिल करना उन्हें आता है और आरोप की कालिख से बचने के लिए अवसरों को गंवाना उन्हें ज्यादा भाता है। सोच हमेशा बड़ी रही और छवि को लेकर सतर्कता जीवन का ध्येय रहा।

इसकी एक यादगार कहानी मीरजापुर के चुनाव की है। आदित्य नारायण राजकीय इंटर कॉलेज चकिया, चंदौली में हाईस्कूल की पढ़ाई के दौरान ही आरएसएस से जुड़े राजनाथ को जनसंघ ने 1977 के लोकसभा चुनाव में मीरजापुर से उम्मीदवार बना दिया। तब विपक्ष के गठबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने फाकिर अली को वहां का टिकट थमा दिया। कुछ दिनों तक असमंजस का माहौल रहा लेकिन, चरण सिंह के सम्मान में तय हुआ कि राजनाथ चुनाव मैदान से हटेंगे। तब तक नाम वापसी की तारीख बीत गई थी और ऐसे में बैलेट पेपर में राजनाथ का नाम होना तय था। आपातकाल में कारावास भुगत चुके राजनाथ की लोकप्रियता के चलते वोटों के बिखराव का खतरा बढ़ गया। राजनाथ ने हर मंच से कहा, 'मेरे नाम पर एक भी मुहर लगी तो मुझ पर कलंक लगेगा।' फाकिर चुनाव जीते तो राजनाथ का नाम चौधरी के भरोसे की सूची में था। फिर विधानसभा चुनाव में चौधरी ने पहल कर राजनाथ को मीरजापुर से टिकट दिलवाया और वह जीते। राजनाथ से जुड़ा दूसरा वाकया भी कम दिलचस्प नहीं है। वह मीरजापुर के एक डिग्री कॉलेज में प्रवक्ता थे। यूजीसी से चार वर्ष का अवकाश लेकर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर एलएन त्रिपाठी के निर्देशन में पीएचडी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया। राजनाथ ने अपनी पीएचडी पूरी कर ली लेकिन, तब तक वह प्रदेश सरकार में मंत्री बन गये। उन्होंने पीएचडी अवार्ड कराने से मना कर दिया। तर्क दिया कि आरोप लगेंगे कि मंत्री बनते ही पीएचडी ले ली।

**मां का अंतिम दर्शन न कर पाने का दर्द :** राजनाथ जब आपातकाल के दौरान जेल में बंद थे उसी बीच उनकी मां का निधन हो गया। अन्त्येष्टि में शामिल होने के लिए अनुरोध किया लेकिन, अनुमति नहीं मिली। अंतिम दर्शन न कर पाने की टीस उठती रही। इस दर्द से उन्हें ताकत मिली। फिर कभी विचलित नहीं हुए। यह जरूर है कि बड़ा बनने का सपना राजनाथ ने बचपन से ही देखा। कक्षा पांच से इंटरमीडिएट तक राजनाथ के साथ पढ़े बिजली विभाग से सेवानिवृत्त सहायक अभियंता प्यारेलाल श्रीवास्तव बताते हैं कि पढ़ाई के दौरान ही एक समारोह में शिक्षामंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी आये थे और तभी मुझसे राजनाथ ने कहा, 'लाला! देखना एक दिन मैं भी शिक्षा मंत्री बनूंगा।' कल्याण सरकार में राजनाथ शिक्षा मंत्री बने तो यह याद दिलाने के लिए प्यारेलाल लखनऊ आये थे। राजनाथ अपने बचपन के सपनों को भी नहीं भूले। हाई स्कूल की परीक्षा के दौरान एक सहपाठी को नकल के लिए जियोमेट्री बाक्स के पीछे कुछ नोट करते देखे तो बिगड़ गये। नकल रोकना उनका तबका संकल्प था जिसे शिक्षामंत्री होते ही पूरा किया। परिस्थितियों को अनुकूल करने का भी हुनर उन्हें मालूम है।

**राजनाथ की धोती और देशी खाना :** राजनाथ ने दुर्गादास की किताब 'फ्राम कर्जन टू नेहरू' कई बार पढ़ी है। वह मौका मिलते ही कोई न कोई किताब जरूर पढ़ते है। इस दौर में जब धोती पहनने वाले गिनती के नेता बचे हैं तब उनका धोती-कुर्ता लोगों को आकर्षित करता है। वह देशी खाना खाते हैं। गुलाब जामुन और जलेबी उन्हें पसंद है। रात को दूध जरूर पीते हैं। इसके लिए वह गाय पालते हैं। सभी कहते हैं कि जब विरोधाभासी माहौल आता तो समन्वय बनाने के लिए राजनाथ का नाम सबसे पहले आता है। बीते लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा अध्यक्ष अमित शाह लखनऊ में राजनाथ का प्रचार करने आये तो उनकी प्रशंसा में तो कई बातें याद दिलाई लेकिन, यह कहना भी नहीं भूले कि विरोधी दल के लोग भी राजनाथ का सम्मान करते हैं। राजनाथ के सहपाठी और उनके गांव के ही शकील अहमद बताते हैं, 'किसी को भी अपना बनाने की कला उनमें भरी है। जनसंघ से विधानसभा चुनाव लड़ रहे थे और मेरे चचेरे भाई मोहम्मद अख्तर घर-बार छोड़कर तीन माह तक उनके साथ प्रचार में रह गये।'

### फिराक गोरखपुरी के मुरीद

राजनाथ फिराक गोरखपुरी के मुरीद हैं। गोरखपुर विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान वह बुद्धा छात्रावास में रहते थे। तब उन्होंने फिराक को आमंत्रित किया था। राजनाथ उनकी यह रचना कभी नहीं भूलते :

**बहुत पहले से उन कदमों की आहट जान लेते हैं,**
**तुझे ऐ जिंदगी! हम दूर से पहचान लेते हैं।**
**खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता,**
**उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं।**

# मीडिया के सामने ही ममता से बात करेंगे डॉक्टर

**सुलह के आसार** ▶ पशिचम बंगाल की मुख्यमंत्री से स्थान तय करने को कहा, आज बैठक होने की उम्मीद

## सीएम ने रविवार को सचिवालय में बैठक के लिए डॉक्टरों को किया था आमंत्रित

जागरण संवाददाता, कोलकाता

पश्चिम बंगाल के हड़ताली जूनियर डॉक्टर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से वार्ता को तैयार हो गए हैं, लेकिन उनकी शर्त है कि यह बातचीत बंद कमरे में न होकर सार्वजनिक स्थल पर मीडिया के सामने होगी। रविवार को नील रतन सरकार (एनआरएस) मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में जनरल बाडी की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया। जनरल बॉडी की बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आंदोलन को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी भ्रामक है। फिर भी वे बातचीत को तैयार हैं। मुख्यमंत्री स्थान तय करें।

इस बैठक में राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रतिनिधि दलों को बुलाया जाए। यह बैठक मीडिया की मौजूदगी में होगी। बता दें कि मुख्यमंत्री ने रविवार को प्रदर्शनकारियों को सचिवालय में बैठक के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन उन्होंने उनकी इस पेशकश को ठुकरा दिया था। वहीं, स्वास्थ भवन के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक डॉक्टरों के प्रस्ताव को लेकर स्वास्थ सचिव मुख्यमंत्री से बातचीत करेंगे। इस मसले को लेकर सोमवार को बैठक होने की उम्मीद जताई जा रही है।

यहां चार घंटे तक चली जनरल बॉडी की बैठक के बाद मीडिया से मुखातिब प्रदर्शनकारियों ने कहा कि आंदोलन को लेकर मुख्यमंत्री द्वारा की गई टिप्पणी भ्रामक है, लेकिन वह बातचीत करने को तैयार हैं। मुख्यमंत्री स्थान तय करें, लेकिन यह बातचीत बंद कमरे में नहीं बल्कि सार्वजनिक तौर पर होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम लोग इस गतिरोध को दूर करने के इच्छुक हैं। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने जोर दिया था कि मुख्यमंत्री एनआरएस मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल आएं और उनसे माफी मांगे। उन्होंने कहा कि आम जनता के बेहतर हित के लिए हम लोग भी जल्द से जल्द ड्यूटी पर लौटना चाहते हैं, बशर्ते पर्याप्त एवं तर्कपूर्ण चर्चा के माध्यम से हमारी सभी मांगों को पूरा किया जाए। गौरतलब है कि राज्य में जारी गतिरोध के दूर होने के आसार तब नजर आए थे जब आंदोलन कर रहे डॉक्टरों ने कहा था कि वे प्रदर्शन खत्म करने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बातचीत को तैयार हैं, लेकिन मुलाकात की जगह वे बाद में तय करेंगे।

### छठे दिन भी खत्म नहीं हुआ गतिरोध, परेशान रहे मरीज

राज्य भर में जूनियर डाक्टरों की हड़ताल रविवार को छठे दिन भी जारी रही। हड़ताल की वजह से सरकारी अस्पतालों और कॉलेजों में चिकित्सा सेवाएं बाधित रहीं लेकिन इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है। जूनियर डाक्टरों की हड़ताल की वजह से राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है। कई अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड और जांच इकाइयां बुरी तरह प्रभावित हैं।

**डॉक्टरों की हड़ताल से मरीज बेहाल :** कोलकाता में रविवार को एनआरएस मेडिकल कॉलेज में हड़ताल की वजह से इलाज के इंतजार में स्ट्रेचर पर तड़पता मरीज। एएफपी

### आइएमए की देशव्यापी हड़ताल आज

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** कोलकाता के एनआरएस मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टरों के साथ मारपीट की घटना के बाद देशभर के डॉक्टर लामबंद हो गए हैं। डॉक्टरों के सबसे बड़े संगठन इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) ने प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों की मांगें पूरी नहीं होने के कारण सोमवार को देशव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। आइएमए ने देशभर के सरकारी व निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों व नर्सिंग होम में ओपीडी सेवा ठप रखने की अपील की है। हालांकि, अस्पतालों में इमरजेंसी सेवा जारी रहेगी। मरीजों के लिए थोड़ी राहत की बात यह है कि एम्स में सोमवार को हड़ताल नहीं होगी। हालांकि, एम्स के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने अभी इसकी घोषणा नहीं की है, लेकिन बताया जा रहा है कि स्वायत्तशासी संस्था होने के नाते एम्स प्रबंधन इस बार सख्त है। इसलिए हड़ताल की संभावना नहीं है।

# मध्य प्रदेश में चार महीनों में 24 तेंदुओं की मौत

▶ बाघ प्रबंधन में व्यस्त प्रदेश सरकार का तेंदुओं पर ध्यान नहीं

**नईदुनिया, भोपाल :** बाघ के प्रति जनता के आकर्षण को देखते हुए मध्य प्रदेश सरकार का वन्यप्राणी प्रबंधन भी बाघों तक सिमट कर रह गया है। इस कारण शेड्यूल-वन के प्राणियों में दूसरे नंबर पर गिने जाने वाले तेंदुओं पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा। ऐसे में प्रदेश में हर साल अलग-अलग कारणों से 40 से ज्यादा तेंदुओं की मौत हो रही है। 2019 के शुरुआती चार महीनों (जनवरी से अप्रैल) में 24 तेंदुओं की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद उनकी सुरक्षा के लिए किसी स्तर पर कोई उपाय देखने को नहीं मिले हैं।

तेंदुए जंगल और जंगल से बाहर, कहीं भी सुरक्षित नहीं हैं। इन चार माह में जंगल के अंदर बाघों ने चार तेंदुओं को मारा है, तो गांवों के नजदीक पहुंचे तीन तेंदुओं की कुओं में डूबने से मौत हो गई। दो तेंदुए ट्रेन दुर्घटना में भी मारे गए हैं और पांच तेंदुओं की मौत का कारण ही पता नहीं चल पाया है। तेंदुओं की मौत के आंकड़े साल दर साल बढ़ रहे हैं, लेकिन वन विभाग और सरकार के तेंदुआ संरक्षण को लेकर प्रयास नहीं दिखाई दे रहे हैं।

> तेंदुआ जंगल और आबादी के बीच रहता है। उसकी इसी आदत की वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ रहा है। हमने मैदानी अफसरों को तेंदुओं की विशेष निगरानी करने को कहा है।
> -यू. प्रकाशम, चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन, मप्र

**खाने की तलाश में गांव चले जाते हैं तेंदुए :** तेंदुओं का जंगल में बाघों से टकराव बढ़ रहा है। असुरक्षा और खाना नहीं मिलने की स्थिति में वे रिहायशी क्षेत्रों की ओर जाते हैं, लेकिन यहां तेंदुआ-मानव संघर्ष की स्थिति बनती है। कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें लोगों ने पीट-पीटकर तेंदुओं को मारा है। वन विभाग ऐसी घटनाओं को रोकने में भी नाकाम साबित हुआ है।

### शेर की दहाड़ से गूंजा चित्रकूट का रानीपुर जंगल

**जागरण संवाददाता, चित्रकूट :** रानीपुर वन्य जीव विहार मानिकपुर से सटे मध्यप्रदेश के सरभंग आश्रम जंगल में रविवार को शेर की दहाड़ से आसपास के इलाके गूंज उठे। हालांकि, सेंसर हंटिंग कैमरों में बाघ की तस्वीरें कैद हुईं, लेकिन आश्रम समेत कुछ जगहों पर बिल्ली प्रजाति के पैरों के निशान मिले हैं, जो बाघ के पैरों के निशानों से बड़े हैं। वन विभाग के मुताबिक, ये शेर के पदचिह्न हैं। इससे नेशनल पार्क बनाने की दिशा में नई कड़ी जुड़ी है।

## आजम बोले, प्रधानमंत्री कहें तो इस्तीफा दे दूंगा

**जागरण संवाददाता, रामपुर :** समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद आजम खां ने एक बार फिर पुलिस प्रशासन पर हमला बोला। कहा कि रामपुर में मतदान से एक दिन पहले पुलिस ने आतंकी हमला किया था। लोगों को बुरी तरह मारा-पीटा और दुकानों में लूटपाट की। यह सब कराने की क्या जरूरत थी। प्रधानमंत्री हम से कहें तो इस्तीफा दे देंगे।

आजम ने कहा कि रविवार को बमनपुरी स्टेडियम के सामने चाय की दुकान चलाने वाला शाह आलम मिला। उसने बताया कि मतदान से एक दिन पहले 22 अप्रैल को पुलिस ने उनकी दुकान पर जाकर तोड़फोड़ की और मारपीट की। उनके गल्ले से सात-आठ हजार रुपये निकाल लिए, कोल्ड ड्रिंक की बोतलें भी लूट लीं। गंज कोतवाल नरेंद्र त्यागी और 15-20 पुलिस वालों ने उन्हें धमकाया कि शिकायत की तो चरस की तस्करी में फंसाकर जेल भेज देंगे। इसके बाद उसने 24 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस पर उसने कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया, जिस पर सुनवाई के लिए 18 जून की तिथि निर्धारित की गई। इससे पहले ही 12 जून को गंज कोतवाल उसे उठाकर थाने ले गए और मारपीट की। चरस की तस्करी में फंसाने की धमकी दी।

# रामपुर में सामूहिक दुष्कर्म के बाद वीडियो किया वायरल

▶ पति को बंधक बनाकर दिया गया घटना को अंजाम

▶ चार के खिलाफ रिपोर्ट, गिरफ्तारी के लिए बनीं चार टीमें

जागरण संवाददाता, रामपुर

उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के मिलक कोतवाली क्षेत्र में पति के सामने महिला से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपितों ने दुष्कर्म का वीडियो भी वायरल कर दिया। एसपी के आदेश पर पुलिस ने चार अज्ञात आरोपितों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना 11 जून की है।

मिलक क्षेत्र के एक गांव की महिला घटना के दिन पति के साथ दवा लेने मिलक जा रही थी। दोपहर डेढ़ बजे गंगापुर शर्की गांव से कुछ दूरी पर बाइक सवार चार लोगों ने पति-पत्नी को रोक लिया। दोनों को जंगल के अंदर ले गए, जहां पहले उनकी पिटाई की। बाद में पति को पेड़ से बांध दिया और फिर चारों ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और वीडियो क्लिप बनाई। लोकलाज के भय से दुष्कर्म की घटना के विषय में पीड़ित ने न तो किसी को बताया और न ही पुलिस में शिकायत की।

मामला तब उजागर हुआ, जब आरोपितों ने दुष्कर्म की घटना का वीडियो वायरल कर दिया। वीडियो पीड़ित दंपती तक भी पहुंचा, जिसे देख उनके होश उड़ गए। शनिवार रात पति पुलिस अधीक्षक के पास पहुंचा। पीड़िता के पति ने एसपी को घटना की जानकारी दी। एसपी के आदेश पर पुलिस ने शनिवार रात में ही अज्ञात लोगों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म एवं वीडियो वायरल करने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने महिला के बयान दर्ज किए। चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया है।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। वीडियो के आधार पर तीन की पहचान हो गई है। चार टीमें गठित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए भेजी गई हैं। वायरल वीडियो में महिला के साथ मारपीट और छेड़छाड़ की पुष्टि हो रही है। हालांकि, महिला ने अपने बयान में सामूहिक दुष्कर्म से इन्कार कर दिया है। पांच दिन पुराने मामले में दुष्कर्म की पुष्टि नहीं होती है।

### जवानों ने किया योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। दक्षिण ओडिशा के नक्सल प्रभावित मल्कानगिरी जिले में योगाभ्यास करते सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान। एएनआइ

### थाइलैंड में योग

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सिलसिले में रविवार को थाइलैंड के चुलांगकॉर्न यूनिवर्सिटी के विशाल मैदान में योगाभ्यास करते लोग। दुनियाभर में 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है। एएफपी

## काशी विश्वनाथ का वीडियो कांफ्रेंसिंग से करा सकेंगे रुद्राभिषेक

**जागरण संवाददाता, वाराणसी :** श्रीकाशी विश्वनाथ दरबार में श्रद्धालु अब वीडियो कांफ्रेंसिंग से रुद्राभिषेक करा सकेंगे। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद ने ऐसी सुविधा देने पर मुहर लगा दी है। रविवार को न्यास परिषद की बैठक में निर्णय हुआ कि श्रीकाशी विश्वनाथ के वर्चुअल दर्शन व सजीव प्रसारण के लिए उच्च स्तरीय गुणवत्तायुक्त व्यवस्था की जाए। इससे श्रद्धालुओं को सहूलियत के साथ मंदिर के राजस्व में बढ़ोतरी होगी।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद के अलावा श्रीकाशी विश्वनाथ विशिष्ट क्षेत्र विकास परिषद की भी बैठक हुई। न्यास परिषद की आचार्य अशोक द्विवेदी व विशिष्ट क्षेत्र परिषद की अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने अध्यक्षता की। अपर मुख्य सचिव ने मंदिर परिसर व एप्रोच एरिया में विशेष साफ-सफाई पर जोर दिया। आवश्यकतानुसार आउट सोर्सिंग से यह कार्य का सुझाव दिया। चंदौली के सकलडीहा स्थित कालेश्वरनाथ मंदिर के सुंदरीकरण का प्रस्ताव पारित हुआ। बैठक में श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर के वित्तीय वर्ष 2018-19 चालू वर्ष 2019-20 की आय-व्यय पर चर्चा व अनुमोदन की कार्यवाही हुई।

**सहेज रहीं विरासत**

विलुप्त हो चले इन गीत-कविताओं को समेटने का कार्य कर रही हैं डीयू की पूर्व प्रो. अंजली कपिला, उत्तराखंड से जुड़ी अपनी तीसरी पुस्तक 'गंगा की आवाज-गंगा के गीत' में किया है इन्हें संग्रहीत

# पहाड़ के सुख-दुख का हिस्सा हैं गंगा के गीत

शैलेंद्र गोदियाल, उत्तरकाशी

गंगा घाटी में पीढ़ियों से ऐसे अनेक गीत, कविताएं व स्तुतियां रची जाती रही हैं, जिनमें गंगा के प्रति अगाध स्नेह स्पष्ट झलकता है। यह स्वाभाविक भी है। असल में गंगा महज एक नदी नहीं, बल्कि यहां के बाशिंदों के सुख-दुख का अटूट हिस्सा है, लेकिन आधुनिकता का चोला ओढ़ने के साथ ये गीत-कविताएं भी विलुप्त होते चले गए। बीते दो वर्षों से इन्हीं गीत-कविताओं को समेटने और सहेजने का कार्य कर रही हैं प्रो. अंजली कपिला। इस अवधि में अपने शोध कार्य के लिए उन्होंने न केवल गंगोत्री से लेकर हरिद्वार तक सैकड़ों ग्रामीणों व गाने-बजाने वाले समुदाय के लोगों से बातचीत की, बल्कि पारंपरिक मेलों व गंगा से जुड़े उत्सवों का भी हिस्सा बनीं। इन गीत-कविताओं को अंजली ने उत्तराखंड से जुड़ी अपनी तीसरी पुस्तक 'गंगा की आवाज-गंगा के गीत' में संग्रहीत किया है। इस पुस्तक का विमोचन जुलाई में प्रस्तावित है।

लेडी इरविन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) की सेवानिवृत्त प्रोफेसर अंजली कपिला बताती हैं कि वर्ष 2016 में गंगा को लेकर उन्होंने एक सपना देखा था। बस उसी दिन तय कर लिया कि गंगा की संस्कृति एवं संरक्षण के लिए काम करेंगी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र ने भी उनके इस प्रोजेक्ट में सहयोग किया। वर्ष 2017 में उन्होंने गंगा के गीत व कविताओं पर काम करना शुरू किया, जो स्थानीय मेलों के अलावा गंगा उत्सवों में भी गाए जाते हैं। इन गीतों के संकलन को उन्होंने गंगोत्री से लेकर हरिद्वार तक कई लोगों से मुलाकात की। उत्सवों का हिस्सा बनकर उन्होंने संबंधित क्षेत्र में गाए जाने वाले लोकगीत व स्तुतियों का संकलन कर उन्हें पुस्तक का आकार दिया। गोमुख से लेकर हरिद्वार तक उन्होंने गंगा से जुड़े जिन 50 गीतों, कविताओं व स्तुतियों को संग्रहीत किया, उनमें से अधिकांश गढ़वाली बोली में हैं। इसलिए उन्होंने इन गीत-कविताओं की व्याख्या भी है, ताकि उनके भाव की अभिव्यक्ति हो सके।

**गीत खींच लाए उत्तराखंड :** प्रो. अंजली कपिला बताती हैं कि 'वर्ष 1992 में केदारनाथ जाते हुए मैं गुप्तकाशी में रुकी। वहां सड़क के पास कुछ महिलाएं घास काटते हुए गीत गुनगुना रही थीं। मैं उन्हें काफी देर तक सुनती रही। जब महिलाएं सड़क पर आईं तो मैंने जिज्ञासावश पूछा, 'दीदी! यह गीत क्या था।' इस पर महिलाएं बोलीं, 'आप कहां से आई हो।' मैंने जब दिल्ली से आने की बात कही तो उनमें से एक महिला बोली, 'तुम तो दिल्ली से आई हो, तुम्हें क्या मतलब हमारे गीत से।' बस! मैंने तभी तय कर लिया कि मैं इन गीतों का संकलन करूंगी। वर्ष 2001 में मैंने 'गढ़वाल हिमालय में महिलाओं के गीत' नाम से किताब लिखी। इसके अलावा 'कुमाऊं की महिलाओं की पारंपरिक चिकित्सा पद्धति' मेरी दूसरी पुस्तक है। अब मेरी तीसरी पुस्तक 'गंगा की आवाज-गंगा के गीत' जल्द आ रही है। इसमें गंगा के चलन-पूजन, गंगा तट के त्योहार, महिलाओं का पानी से संबंध, गंगा की सहायक नदियां, जंगल, हिमालय, बांध व पलायन के गीत शामिल हैं।'

### महिलाओं का गंगा से सबसे अधिक जुड़ाव

प्रो. अंजली कपिला ने बताया कि गोमुख से लेकर हरिद्वार तक गंगा के लोकगीतों पर उन्होंने जो शोध किया है, उसमें यह बात सामने आई कि गंगा से सबसे अधिक जुड़ाव महिलाओं का है। महिलाएं जानती हैं कि गंगा घाटी के जंगलों में पेड़ से कैसे चारा-पत्ती काटनी है। पेड़ को किस तरह से बचाना है। पहाड़ में चौका-चूल्हा से लेकर घास, चारा, लकड़ी, पानी आदि की जिम्मेदारी महिलाओं पर ही है। प्रो. अंजली के अनुसार इन महिलाओं से बेहतर गंगा एवं पर्यावरण संरक्षण का कार्य कोई और नहीं कर सकता।

प्रो. अंजली कपिला। जागरण

# न कमल है हमारा राष्ट्रीय फूल और न ही हॉकी राष्ट्रीय खेल

▶ आरटीआइ में केंद्रीय मंत्रालयों का चौंकाने वाला रहस्योद्घाटन

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

अब तक हम यही पढ़ते आए हैं कि कमल राष्ट्रीय पुष्प है और हॉकी राष्ट्रीय खेल। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी ऐसे सवाल पूछे जाते रहे हैं, लेकिन सूचना का अधिकार (आरटीआइ) के तहत एक जवाब में केंद्र सरकार ने चौंकाने वाला रहस्योद्घाटन किया है कि कमल और हॉकी राष्ट्रीय महत्व से नहीं जुड़े हैं। सरकार का उद्देश्य सभी लोकप्रिय खेलों को बढ़ावा देना है। इसलिए किसी भी खेल को राष्ट्रीय खेल के रूप में घोषित नहीं किया गया है।

यह आरटीआइ बिहार के मधुबनी (रामपट्टी) के शिक्षक कृष्ण कुमार ने लगाई थी। उन्होंने बच्चों को राष्ट्रीय पशु बाघ व पक्षी मोर के बारे में विस्तृत जानकारी देने के बाद राष्ट्रीय पुष्प और खेल के बारे में तथ्यात्मक जानकारी नहीं मिलने पर केंद्र सरकार का दरवाजा खटखटाया था। पहली आरटीआइ राष्ट्रीय पुष्प को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में लगाई थी, जिसे पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजा गया। वहां से इसी वर्ष 29 मार्च को केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआइओ) कार्यालय से उनके पास जवाब आया। सीपीआइओ व केंद्रीय अवर सचिव गीता भटनागर ने लिखित जवाब में बताया कि उनके पास इसे लेकर कोई आदेश या नोटिफिकेशन जारी किए जाने की जानकारी नहीं है। इस जवाब से कृष्ण कुमार संतुष्ट नहीं हुए। दोबारा आरटीआइ लगाई तब भी यही जवाब आया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय खेल को लेकर भी आरटीआइ लगाई, जिसमें केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के अवर सचिव (खेल समन्वय) राज के गुप्ता से उन्हें 11 अप्रैल को जवाब आया कि सरकार ने किसी भी खेल को देश के राष्ट्रीय खेल के रूप में घोषित नहीं किया है।

**160** श्रीलंकाई सैनिक परिवार के साथ बोध गया की यात्रा पर आए हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट कर यह जानकारी दी है। भारत और श्रीलंका ने पिछले कई वर्षों में सैनिक संबंध विकसित किए हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 17 जून 2019

## न्यूज गैलरी

### अलीगढ़ में चार बच्चों को बंधक बना प्राइवेट पार्ट में डाली मिर्च

**अलीगढ़ :** 55 वर्षीय महिला का कृत्य देख अलीगढ़ स्थित कस्बा खैर के लोग हैरान रह गए। नातिन से छेड़छाड़ का आरोप लगाकर महिला ने रविवार सुबह छह से नौ वर्ष के बीच के चार बच्चों को घर में बंधक बनाकर पीटा। उनके प्राइवेट पार्ट में मिर्च भर दी। करीब 10 घंटे बंधक रहे बच्चों की चीख पुकार सुनकर परिजनों ने पुलिस बुला ली। पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर बच्चों की मेडिकल जांच कराई। खैर के एक इलाके में मजदूर वर्ग के कुछ परिवार रहते हैं। पुलिस के मुताबिक सुबह कुछ बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। चार बच्चों ने नौ साल की लड़की से कुछ कह दिया। इससे लड़की की दादी नाराज हो गई और छेड़छाड़ का आरोप लगाकर चारों बच्चों को घर बुलाकर बंधक बना लिया। इन्हें मारने, पीटने के साथ प्राइवेट पार्ट में मिर्च भर दी। लोगों को पता चला तो कंट्रोल रूम में सूचना दे दी गई। शाम छह बजे पहुंची पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर बच्चों को मुक्त कराया। (जासं)

### बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता ने की आत्महत्या

**बदायूं :** उत्तर प्रदेश के बदायूं में सामूहिक दुष्कर्म के आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई न होने से आहत पीड़िता ने रविवार को खुदकशी कर ली। उसने सुसाइड नोट भी छोड़ा है। एक माह से मामले को टरकाती आ रही पुलिस ने घटना के बाद आनन-फानन में तीन आरोपितों पर दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। घटना दातागंज कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की है। सुसाइड नोट के मुताबिक गांव निवासी उक्त महिला दवा लेने के लिए 15 मई को शहर आई थी। जहां उसे समीर, जोएब व अरबाज नाम के तीन लोग मिले। समीर ने महिला से कहा कि दिल्ली में नौकरी करने वाले तुम्हारे पति की तबीयत बहुत खराब है, तो वह तीनों के साथ दिल्ली रवाना हो गई। तीनों ने बुलंदशहर के सिकंदराबाद में एक कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। (जासं)

### आतंकी हमले में घायल पुलिस निरीक्षक की मौत

**नई दिल्ली :** जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में बुधवार को हुए आतंकी हमले में घायल पुलिस निरीक्षक अरशद अहमद खान की रविवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मौत हो गई। 40 वर्षीय खान की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें रविवार दोपहर में एयर एंबुलेंस से एम्स लाया गया था। जहां उनका उपचार चल रहा था। बुधवार को जैश-ए-मोहम्मद ने अर्धसैनिक बल की एक टुकड़ी को निशाना बनाया था। इस हमले में सीआरपीएफ के पांच जवान शहीद हो गए थे। इस दौरान आतंकियों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी थीं, जिससे वह गंभीर घायल हो गए थे। (जासं)

# पाक ने दी आतंकी हमले की सूचना, अलर्ट

**बढ़ाई सतर्कता** ▶ पहली बार पाकिस्तान ने साझा की जानकारी, कश्मीर में सुरक्षाबल चौकन्ना

### पड़ोसी की कूटनीतिक चाल या भारत का दबाव दोनों तरह से देख रहे हैं विशेषज्ञ

**राज्य ब्यूरो, जम्मू**

आतंकी कश्मीर को एक बार फिर से दहलाने की साजिश रच रहे हैं। आतंकी कुछ दिन पहले मुठभेड़ में मारे गए अंसार-गजावत-उल-हिंद के कमांडर जाकिर मूसा की हत्या का बदला लेना चाहते हैं। सूत्रों के अनुसार यह जानकारी भारत को पाकिस्तान की ओर से मुहैया कराई गई है। इसके बाद पूरे कश्मीर में सुरक्षा और कड़ी करने के साथ सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया है। यह पहली बार है जब पाकिस्तान ने इस तरह की जानकारी भारत के साथ साझा की है। माना जा रहा है कि यह पाकिस्तान की नई कूटनीतिक चाल भी हो सकती है। इस अलर्ट के बारे में जम्मू कश्मीर पुलिस के महानिदेशक दिलबाग सिंह ने कुछ भी कहने से इन्कार कर दिया है।

श्री अमरनाथ यात्रा एक जुलाई से शुरू हो रही है। यह यात्रा दक्षिण कश्मीर और उत्तरी कश्मीर से होकर गुजरती है। अमरनाथ यात्रा के दौरान पवित्र गुफा तक जाने वाला मार्ग अनंतनाग और अवंतीपोरा से होकर गुजरता है, जहां आतंकी सबसे ज्यादा सक्रिय रहते हैं। 12 जून को इस मार्ग पर आतंकी सीआरपीएफ पर हमला भी कर चुके हैं, जिसमें पांच जवान और एक थाना प्रभारी शहीद हो गए थे।

जम्मू-कश्मीर में रविवार को सुरक्षा के मद्देनजर वाहनों को चेक करते सुरक्षा बल। एएनआइ

**पहले से अलर्ट पर हैं सुरक्षाबल :** कश्मीर में अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षाबल पहले से ही अलर्ट पर हैं। अब बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ने कश्मीर में हमले का अलर्ट भारत और अमेरिका के साथ साझा किया है। सूत्रों के अनुसार, इसमें कहा गया है कि आतंकी अमरनाथ यात्रा से पहले या यात्रा के दौरान अपने मंसूबों को अंजाम दे सकते हैं। अलकायदा से प्रभावित आतंकी दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में किसी बड़े हमले को अंजाम दे सकते हैं। हमले का अलर्ट उस जगह का भी है, जहां 14 फरवरी को सुरक्षाबलों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था। अलर्ट में यह भी कहा गया है कि आतंकी जाकिर मूसा की हत्या का बदला लेना चाहते हैं।

पाकिस्तान के इस इनपुट को सेना, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आइटीबीपी, एसएसबी और राज्य पुलिस के साथ साझा किया गया है। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के लिए सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की लगभग 450 अतिरिक्त कंपनियां सुरक्षा के लिए तैनात की जा रही हैं।

**पाकिस्तान की साजिश या संबंध सुधारने का प्रयास :** पाकिस्तान की हमले की सूचना साझा करने को विशेषज्ञ कई तरह से देख रहे हैं। सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार के सख्त रवैये के बाद पाकिस्तान लगातार भारत के साथ संबंध सुधारने का प्रयास कर रहा है। पहले उसने आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाया और अब अगर भारत के साथ आतंकी हमले की सूचना साझा की है तो यह अच्छा है। पाकिस्तान ने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने एयर स्पेस का इस्तेमाल करने को भी कहा था। पाकिस्तान यह जानता है कि भारत के साथ अगर बातचीत शुरू नहीं होती तो उसके अर्थव्यवस्था और खराब होगी। हालांकि उनका यह भी मानना है कि पाकिस्तान पर जल्द विश्वास नहीं किया जा सकता। वह सूचना देकर अपने आप को बचाना भी चाहता है। अगर आतंकी हमला करते हैं तो पाकिस्तान कहेगा कि उसका कोई हाथ नहीं है। उसने तो पहले से ही जानकारी दे दी है।

# भारत और म्यांमार सेना ने उग्रवादियों पर कार्रवाई की

▶ **आपरेशन सनराइज-2 के तहत पूर्वोत्तर में सक्रिय उग्रवादी संगठनों को निशाना बनाया**

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारत और म्यांमार की सेनाओं ने 16 मई से तीन सप्ताह तक अपने सीमा क्षेत्रों में समन्वित तरीके से पूर्वोत्तर में सक्रिय उग्रवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई की। मणिपुर, नगालैंड और असम में सक्रिय विभिन्न उग्रवादी समूहों को दोनों देशों की सेना ने निशाना बनाया।

तीन महीने पहले भारत-म्यांमार सीमा पर 'ऑपरेशन सनराइज' चलाया गया था। इस दौरान उत्तर-पूर्व में स्थित उग्रवादी संगठनों के कई शिविर ध्वस्त किए गए थे। म्यांमार भारत के रणनीतिक पड़ोसी देशों में से एक है और उग्रवाद प्रभावित मणिपुर तथा नगालैंड सहित पूर्वोत्तर राज्यों से इसकी 1,640 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। भारत सीमा रक्षा के लिए दोनों देशों की सेनाओं के बीच गहरे समन्वय पर जोर देता रहा है।

सूत्रों ने बताया कि 'ऑपरेशन सनराइज-2' के दौरान उग्रवादी समूहों के शिविरों को नष्ट करने के लिए दोनों देशों की सेनाओं ने एक-दूसरे का सहयोग किया। जिन उग्रवादी संगठनों को निशाना बनाया गया, उनमें कामतापुर लिबरेशन ऑर्गेनाइजेशन (केएलओ), एनएससीएन (खापलांग), उल्फा (1) और नेशनल डेमोक्रेटिक फ्रंट ऑफ बोडोलैंड (एनडीएफबी) शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान कम से कम छह दर्जन उग्रवादियों को दबोच लिया गया और उनके कई ठिकाने तबाह कर दिए गए। सूत्रों ने बताया कि दोनों देश खुफिया सूचनाओं और जमीनी स्थिति के आधार पर अभियान का तीसरा चरण भी शुरू कर सकते हैं। अभियान में भारतीय सेना के साथ ही असम राइफल्स के जवान भी शामिल थे। जून 2015 में भारतीय सेना, असम राइफल्स के दस्ते ने एनएससीएन (के) के उग्रवादियों के खिलाफ भारत-म्यांमार सीमा के समीप क्षेत्र में अभियान चलाया था। आपरेशन सनराइज के पहले चरण में भारतीय सेना ने म्यांमार में सक्रिय उग्रवादी संगठन अराकान आर्मी के सदस्यों को निशाना बनाया था। यह संगठन कालादान परिवहन परियोजना का विरोध कर रहा है। इस परियोजना को दक्षिण पूर्व एशिया में भारत के प्रवेशद्वार के रूप में देखा जाता है। भारत ने म्यांमार के साथ अप्रैल 2008 में परियोजना लागू करने के संबंध में ढांचा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके पूरा होने पर मिजोरम म्यांमार के रखाइन में सिटवे बंदरगाह से जुड़ जाएगा।

# नाबालिग प्रेमिका ने बेवफा प्रेमी के चेहरे पर डाला तेजाब

**जागरण संवाददाता, बुलंदशहर**

महिलाओं पर तेजाब फेंकने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, लेकिन रविवार को इस सिलसिले में इससे अलग सनसनीखेज अध्याय जुड़ गया। उप्र के बुलंदशहर शहर के एक मोहल्ला निवासी युवक के चेहरे पर रविवार तड़के उसकी नाबालिग प्रेमिका ने तेजाब डाल दिया। रविवार को ही युवक की बरात जानी थी। परिजनों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी को गिरफ्तार कर लिया। उधर, किशोरी के परिजनों ने भी युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

मोहल्ला निवासी युवक का पड़ोस की ही किशोरी से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच युवक की शादी कहीं और तय हो गई। इस पर किशोरी ने युवक से विरोध भी जताया, लेकिन युवक नहीं माना। रविवार तड़के चार बजे किशोरी युवक के घर पहुंच गई। युवक अपने कमरे में सोया हुआ था, जहां किशोरी ने उसके चेहरे पर तेजाब डाल दिया और भाग गई। उधर, घटना को लेकर किशोरी और युवक के परिजनों में तनाव व्याप्त हो गया। मामले में थाना प्रभारी ने बताया कि लड़की को गिरफ्तार कर मेरठ स्थित नारी निकेतन भेज दिया गया है। साथ ही लड़की के परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच भी पुलिस कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान अधिकांश सवालों के जवाब में किशोरी खामोश ही रही। उसने युवक पर धोखा देकर दूसरी जगह शादी करने का आरोप लगाया। इसी कारण घटना को अंजाम देना बताया।

### कम तीव्रता का था तेजाब

बरात ले जाने पर दिन भर संशय बना रहा। साथ ही होने वाली वधू के परिजन भी घटना के संबंध में जानकारी लेते रहे। बाद में शाम के समय बरात ले जाने का निर्णय किया गया, लेकिन कुछ घंटों पहले दूल्हा बनकर घोड़ी चढ़ने का सपना देख रहे युवक को जरा भी इल्म नहीं था कि उसके साथ ऐसा हो जाएगा। उपचार करने वाले चिकित्सक ने बताया कि युवक के चेहरे पर डाला गया पदार्थ कम तीव्रता का था, जिस कारण चेहरे और आंखों को अधिक नुकसान नहीं पहुंचा। चेहरे की त्वचा पर ही पदार्थ का असर हुआ और चेहरा काला हो गया। उधर, चर्चा है कि किशोरी ने शौचालय साफ करने वाले तेजाब को युवक के चेहरे पर डाला था।

## बिजली 'लापता', चार्जिंग का धंधा चमका...

उलझे तारों की श्रृंखला से जुड़े सैंकड़ो मोबाइल फोन वाली ये तस्वीर देखने में भले ही टेलीफोन एक्सचेंज या सर्वर रूम के किसी नेटवर्क यूनिट जैसी लग रही हो, लेकिन यह झारखंड के गिरिडीह जिले के घोड़थंबा गांव की एक दुकान है, जहां बिजली संकट से जूझ रहे लोगों के पास इस दुकान में 10 रुपये देकर मोबाइल चार्ज कराने के अलावा कोई चारा नहीं। जेनरेटर से मोबाइल चार्ज करने की यह व्यवस्था ग्रामीणों को राहतभरी भी लगती है, क्योंकि कम से कम इस तरीके से उनका मोबाइल चल जाता है। खास बात यह है कि यहां मोबाइल चार्ज कराने मीलों दूर से लोग पैदल चलकर भी आते हैं। आसपास के दर्जनों गांवों से लोगों के पहुंचने के कारण कई बार मोबाइल को नंबर में लगाना पड़ता है। यह हालत तब है जब दुकान में एकसाथ 200 मोबाइल चार्ज करने की सुविधा है। मोबाइल फोन को जिंदा रखने के लिए चार्जिंग की व्यवस्था उपलब्ध करानेवाली यह दुकान मोबाइल के आइसीयू की तरह है। विवेक आर्यन।

# भारत को मैच में हावी देख पाकिस्तान ने की गोलाबारी

**जागरण संवाददाता, पुंछ :** क्रिकेट विश्वकप में भारत-पाकिस्तान मैच का तनाव सीमा पर भी हावी रहा। रविवार शाम को भारत के बल्लेबाजों को हावी देख सीमा पार पाक सेना ने पुंछ के शाहपुर किरनी सेक्टर में भारतीय ठिकानों और रिहायशी क्षेत्रों में गोलाबारी शुरू कर दी। इसमें तीन आम नागरिक घायल हो गए, जिनमें दो युवतियां शामिल हैं। वहीं, भारतीय सेना ने गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया है। देर रात तक गोलाबारी जारी रही। सीमांत क्षेत्रों में दहशत का माहौल है।

बताया जाता है कि शाम करीब छह बजे पाकिस्तान सेना ने शाहपुर किरनी सेक्टर में अचानक गोलाबारी शुरू कर दी। पहले भारतीय सेना ने संयम रखा, लेकिन मोर्टार शेल सीमा से सटे गांव शाहपुर कीरनी सेक्टर दागे जाने लगे तो भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई शुरू कर दी। पाक गोलाबारी में रजिया बी पुत्री नजीर हुसैन, मरियम पुत्री मोहम्मद बशीर, मोहम्मद अकबर घायल हो गए।

गोलाबारी के बीच तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। सैन्य ठिकानों को भी सीमा पार से निशाना बनाया गया। जिला आयुक्त पुंछ राहुल यादव के अनुसार गोलाबारी में तीन लोग घायल हुए हैं। सभी का इलाज जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

# कुपवाड़ा से गायब युवक हिजबुल में शामिल

**राज्य ब्यूरो, जम्मू :** कश्मीर के कुपवाड़ा जिले से गायब हुआ युवक आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन में शामिल हो गया है। उसकी एक फोटो एके-47 के साथ इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हालांकि यह फोटो सही है या नहीं, पुलिस इसकी जांच में जुट गई है। युवक कुपवाड़ा जिले के गुलगाम क्षेत्र के अजहराबाद का रहने वाला है। वह फोटोस्टेट की दुकान चलाता है। इस महीने 11 जून को वह घर से दुकान के लिए सामान लेने के लिए रवाना हुआ, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। वह घर से जाते समय अपना फोन भी लेकर नहीं गया।

अपनी मां को बोलकर गया कि उसे कुछ सामान खरीदना है। उसके पिता गुलाम नबी पीएचई विभाग में काम करते हैं। उनके अनुसार जब बेटा घर वापस नहीं लौटा तो उन्हें इसकी चिंता हुई और उन्होंने उसे पूरे कस्बे में दोस्तों व रिश्तेदारों के घरों में भी ढूंढा। जब उसका कुछ भी पता नहीं चला तो 13 जून को कुपवाड़ा पुलिस स्टेशन में उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई। अब उसकी फोटो एके-47 के साथ वायरल हो रही है। कुपवाड़ा के डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस का कहना है कि उन्होंने भी फोटो देखी है और इसकी जांच करने में जुट गए हैं।

# पहले धर्म छिपाकर रचाई शादी, फिर तीन तलाक दे घर से निकाल दिया

**जागरण संवाददाता, हजारीबाग**

▶ **उप्र के आजमगढ़ की है युवती, युवक ने पहले खुद को हिंदू बता की थी शादी**

झारखंड में हजारीबाग के चरही थाना क्षेत्र में एक मुस्लिम युवक ने पहले खुद को हिंदू बताकर एक हिंदू युवती से शादी की और बाद में असलियत बता युवती का धर्म परिवर्तन करा दिया। अब पांच साल बाद युवक ने तीन तलाक देकर उक्त महिला को दो बच्चों समेत घर से बाहर निकाल दिया है। घर से निकाले जाने के बाद दर-दर की ठोकरें खा रही महिला उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ की मनीषा यादव है। वह इन दिनों रांची में एक लॉज में रह रही है और पुलिस से पूरे मामले की मौखिक शिकायत की है।

पुलिस से मौखिक शिकायत में मनीषा यादव ने कहा है कि पांच साल पहले चरही के पिपरा का रहने वाला ट्रक ड्राइवर रमजान अंसारी ट्रक में कोयला लेकर आजमगढ़ जाता था। वहां दोनों में जान-पहचान हुई और रमजान ने मुझे धोखे में रखते हुए खुद को हिंदू और अपना नाम अखिलेश यादव बताया। झांसे में आकर उसने एक मंदिर में अखिलेश से प्रेम विवाह कर लिया।

बाद में पता चला कि अखिलेश यादव ने झूठ बोलकर शादी की है। उसका असली नाम रमजान अंसारी मुस्लिम है और वह पहले से भी शादीशुदा था। मनीषा ने बताया कि मुझे आजमगढ़ से लाने के बाद रमजान ने मुझे चरही न ले जाकर रांची में रखा। यहां लाने के बाद उसने मुझे अपने मुस्लिम होने की बात बताई और पुनः मुस्लिम रीति-रिवाज से निकाह कराया गया। मेरा नाम मनीषा से बदलकर शबनम कर दिया गया। निकाह में रमजान अंसारी के मौसा-मौसी शामिल थे। मैं विवश होकर मुस्लिम धर्म अपनाकर रह रही थी। यहां उसने भाड़े पर कमरा लिया था। इस बीच एक बेटी का जन्म हुआ जो अभी तीन वर्ष की है। दूसरा बच्चा जब पेट में था, इसी बीच मेरे साथ मारपीट व बदसलूकी शुरू कर दी गई और तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाने लगा। विरोध करने पर एक साथ तीन तलाक बोलकर घर से निकाल दिया गया।

**पुलिस ने बस से भेजा, आरोपित ने करा दी रास्ते में पिटाई :** मनीषा यादव ने बताया कि जब पति का कोई पता नहीं चल रहा था तो मजबूरन पुलिस का सहारा लिया। मेरे पास चरही से रांची जाने का भाड़ा नहीं था। इसलिए पुलिस ने भाड़े देकर बस से भेजा। जिस बस से जा रही थी उस बस को मेरे पति द्वारा भेजे गए कुछ गुंडों ने एक चार पहिया वाहन से ओवरटेक करते हुए रोककर मुझसे बुरी तरह मारपीट की।

> महिला ने सारी कहानी बताई, लेकिन वह कोई लिखित शिकायत करने को तैयार नहीं है। वह अपने पति से सहानुभूति भी रखती है। वह अंसारी से प्रति माह तीन हजार रुपये गुजारा भत्ता व कमेटी के 40 हजार रुपये मांग रही है, जिसे देने को लेकर रमजान ने मौखिक सहमति जताई है। इस कारण मुकदमा दर्ज नहीं किया जा रहा।
>
> **दिनेश्वर प्रसाद, थानेदार, चरही, हजारीबाग**

> मामला गंभीर है, मै व्यक्तिगत रूप से मामले की छानबीन करने चरही जाऊंगा। पीड़ित महिला से बातचीत कर उसे न्याय दिलाया जाएगा।
>
> **-शाहदेव साव, एसडीपीओ, विष्णुगढ़, हजारीबाग**

# अमेरिका और फ्रांस से हुए समझौतों से नौसेना को अभियानों में लाभ

**नई दिल्ली, एएनआइ :** अमेरिका और फ्रांस के साथ हुए समझौतों से भारतीय नौसेना को हाल के वर्षों में काफी लाभ हुआ है। इन समझौतों से भारतीय नौसेना को हिंद महासागर के दूरस्थ इलाकों और अदन की खाड़ी में ईंधन, सूचनाएं और अन्य तरह का सहयोग हासिल होने लगा है।

वरिष्ठ नौसेना अधिकारी के अनुसार दोनों देशों के साथ हुए समझौतों से भारतीय युद्धपोत हिंद महासागर, अदन की खाड़ी और फारस की खाड़ी में आसानी से अपने मिशन पूरे कर रहे हैं। इस सिलसिले में ताजा उदाहरण समुद्री डाकुओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए तैनात भारतीय युद्धपोतों को दूर समुद्र में मिला सहयोग है। अदन की खाड़ी में साथी देशों के नौसैनिक अड्डों से मिली मदद से भारतीय नौसेना की कार्रवाई काफी आसान हो गई। इससे पहले भारतीय युद्धपोतों को अदन की खाड़ी में गश्त के दौरान जरूरी वस्तुओं के लिए नजदीक के बंदरगाह में जाना होता था। लेकिन अमेरिका से समझौते के बाद भारतीय युद्धपोत इलाके में तैनात अमेरिकी तेल टैंकरों से जरूरत के मुताबिक ईंधन ले लेते हैं। इन्हें तत्काल भुगतान भी नहीं करना पड़ता। जिबूती और रीयूनियन स्थित फ्रांस के नौसैनिक अड्डों से भी कई बार मदद मिली है।

# बादल पिता-पुत्र के दबाव में दी गई थी राम रहीम को माफी

**राजीव शर्मा, फरीदकोट**

▶ **श्री पटना साहिब के तत्कालीन जत्थेदार ज्ञानी इकबाल सिंह खालसा का पत्र चार्जशीट में शामिल**

▶ **सितंबर, 2015 में एसआइटी के सदस्य आइजी कुंवर विजय प्रताप सिंह को लिखा गया था पत्र**

▶ **पत्र में दावा-बैठक का विषय बिना बताए बुलाया, धमकी दे जबरन हस्ताक्षर कराए**

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का स्वरूप धारण करने के मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल व उनके पुत्र व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल के दबाव में माफी दी गई थी। वर्ष 2015 के बहिबल कलां व कोटकपूरा गोलीकांड की घटनाओं की जांच करने वाली स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआइटी) की चार्जशीट में शामिल श्री पटना साहिब के तत्कालीन जत्थेदार ज्ञानी इकबाल सिंह खालसा के पत्र में यह दावा किया गया है।

एसआइटी गोलीकांड की घटनाओं को राम रहीम को श्री अकाल तख्त साहिब से मिली माफी से जोड़ रही है। वह रोहतक की सुनारिया जेल में बंद डेरा प्रमुख से पूछताछ करने की कोशिश भी कर रही है। उसने फरीदकोट की अदालत में पेश चार्जशीट में ज्ञानी इकबाल सिंह का एक पत्र भी शामिल किया है, जिसमें उन्होंने एसआइटी के सदस्य आइजी कुंवर विजय प्रताप सिंह को लिखा था। इसमें उन्होंने 24 सितंबर, 2015 को श्री अकाल तख्त साहिब पर डेरा प्रमुख को माफी देने के मामले को उजागर किया है।

सात पेज के पत्र में ज्ञानी इकबाल सिंह ने कहा है कि 23 सितंबर, 2015 को वह श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी गुरबचन सिंह के बुलावे पर बैठक के लिए अमृतसर पहुंचे थे। उन्हें बैठक का विषय नहीं बताया गया था। अगले दिन 24 सितंबर को वह तय समय पर श्री अकाल तख्त साहिब पहुंच गए, जहां पर वह ज्ञानी गुरबचन सिंह से मिले और वहां तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार ज्ञानी गुरमुख सिंह, तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार ज्ञानी मल सिंह व तख्त श्री हजूर साहिब के जत्थेदार ज्ञानी राम सिंह भी हाजिर थे। पत्र के अनुसार ज्ञानी इकबाल सिंह को जब बैठक का विषय पता चला, तो उन्होंने डेरा प्रमुख को माफी देने का विरोध किया। उनके बार-बार विरोध करने पर ज्ञानी गुरबचन सिंह ने उनसे कहा कि डेरा प्रमुख को माफी देनी ही पड़ेगी, क्योंकि प्रकाश सिंह बादल व सुखबीर सिंह बादल ने इच्छा जताई है।

**डेरा प्रमुख के पत्र में नहीं था माफी का जिक्र, बैठक में खुद ही क्षमा शब्द जोड़ा :** पत्र में ज्ञानी इकबाल सिंह ने दावा किया कि जब उन्होंने माफीनामे के लिए आई डेरा प्रमुख की चिट्ठी मांगी तो उसमें माफी जैसी कोई बात ही नहीं थी। इस पर भी उन्होंने आपत्ति जताई। उनके विरोध के बाद चिट्ठी में बाद में खुद ही 'क्षमा याचना' शब्द जोड़ा गया और उन्हें धमकियां देते हुए जबरन हस्ताक्षर करवाए गए। पत्र में यह भी दावा किया है कि माफीनामे को लेकर बैठक में ज्ञानी गुरबचन सिंह व ज्ञानी गुरमुख सिंह के पास बार-बार सुखबीर सिंह बादल का फोन आ रहा था। बैठक में सुखबीर बादल के धार्मिक मामलों के पीए अवतार सिंह भी थे। बाद में विश्वव्यापी विरोध के बाद 16 अक्टूबर, 2015 को श्री अकाल तख्त साहिब पर बैठक बुलाकर डेरा प्रमुख के माफीनामे को वापस ले लिया गया। इस बैठक में तख्त श्री हजूर साहिब से कोई सिंह साहिब नहीं पहुंचे, तो श्री हरमंदिर साहिब के ग्रंथी ज्ञानी रघुबीर सिंह को बुलाकर कोरम पूरा करके माफीनामे को रद किया गया।

### दलजीत सिंह चीमा ने भी निभाई अहम भूमिका

ज्ञानी इकबाल सिंह का आरोप है कि डेरा प्रमुख को माफी देने के फैसले में पार्टी के महासचिव दलजीत सिंह चीमा की भी भूमिका थी। कुछ समय ज्ञानी इकबाल सिंह को यह भी पता चला था कि माफी देने से पहले ज्ञानी गुरबचन सिंह, ज्ञानी गुरमुख सिंह व ज्ञानी मल सिंह को प्रकाश सिंह बादल के सरकारी आवास पर बुलाया गया था। पत्र में ज्ञानी इकबाल सिंह ने लिखा है कि वह बेअदबी व गोलीकांड के दोषियों को सजा दिलवाने की मंशा से यह बयान पूरी जिम्मेदारी के साथ एसआइटी के पास दे रहे हैं।

**उत्साहजनक**

दुनियाभर में विलुप्तप्राय बटागुर प्रजाति के कछुओं से चंबल गुलजार, हैचिंग पीरियड में जन्मे 5,792 कछुए पहुंच रहे नदी में

# चंबल के पालने में खिलखिलाए कई प्रजातियों के कछुए

**सोहम प्रकाश, इटावा**

घड़ियाल और डॉल्फिन के लिए जीवनदायी साबित हो रहा चंबल सेंचुरी क्षेत्र अब कछुओं का भी पालना बन गया है। इस बार हैचिंग पीरियड में पांच हजार से ज्यादा कछुओं ने जन्म लिया है, जो चंबल नदी की शोभा बढ़ा रहे हैं। इनमें शेड्यूल-1 की श्रेणी में आने वाली बटागुर और ढोंड प्रजाति के कछुए भी शामिल हैं। इन कछुओं की बढ़ रही आबादी वन्यजीव प्रेमियों के लिए सुखद खबर है।

चंबल सेंचुरी से कई वर्षों बाद खुशखबरी आई है। घड़ियाल और डॉल्फिन के बाद इस बार चेहरे पर मुस्कान लाने का कारण कछुए बने हैं। फरवरी और मार्च में मादा कछुओं ने चंबल नदी के किनारे बालू में अंडे दिए थे। तब से चंबल सेंचुरी विभाग इनकी मॉनीटरिंग कर रहा था।

मई माह के दूसरे पखवाड़े में अंडों की हैचिंग शुरू हुई। गढ़ायता, हरलालपुरा, पिनाहट, मऊ, मुकुटपुरा हैचरी क्षेत्र में नन्हें मेहमानों ने जन्म लिया और बालू पर सरकते हुए नदी में पहुंचना शुरू हो गए। पहले दौर में बटागुर प्रजाति और उसके बाद अन्य प्रजातियों की हैचिंग की गई। अच्छी बात यह है कि इस बार 5,792 कछुए जन्मे, जबकि पिछले साल यह संख्या सिर्फ 1,824 पर सिमट गई थी।

**300** घोंसले रखे थे इस बार चंबल सेंचुरी में

**5,792** शिशु कछुओं की गिनती की गई हैचिंग के बाद

**6,085** अंडों की गिनती की थी कर्मचारियों ने

**95** प्रतिशत रहा घोंसले रखने से हैचिंग तक, जीवन प्रत्याशा परिणाम

**1,824** कछुए ही जन्म ले सके थे पिछले साल

चंबल नदी के किनारे विचरण करते कछुए। जागरण

> विभागीय टीम ने चंबल नदी पर सतर्कता बढ़ा दी है। जन्म लेने वाले कछुओं के मूवमेंट की निगरानी की जा रही है। चम्बल नदी में सात प्रकार की दुर्लभ प्रजातियों के कछुओं का संरक्षण हो रहा है।
>
> **-आनंद कुमार श्रीवास्तव, डीएफओ चंबल सेंचुरी**

**एक मादा देती है एक से 30 अंडे :** मादा कछुआ मिट्टी या बालू खोदकर एक से 30 अंडे देती है। सामान्यतः यह रात का वक्त होता है। अंडे देने के बाद मादा गड्ढे एवं अंडे को मिट्टी या बालू से ढक देती है।

विभिन्न प्रजातियों के अंडों से निकलने का समय भिन्न-भिन्न होता है। अंडे से निकलने में बच्चों को 60 से 120 दिन का समय लगता है। फिलहाल चंबल का इलाका इनके लिए मुफीद साबित हो रहा है।

**27** सदस्यीय दल ने 82 किमी लंबे सबसे दुर्गम नंदीकुंड-पांडव सेरा ट्रैक को पार करने में सफलता प्राप्त की है। यह अभियान उत्तराखंड में चमोली जिले की उर्गम घाटी से छह जून को शुरू हुआ था। ट्रैक के बड़े हिस्से में अभी भी भारी-भरकम हिमखंड मौजूद हैं।



## न्यूज गैलरी

### कभी सिर से जुड़े जग्गा और बलिया अब घर जाने को तैयार

**नई दिल्ली :** ओडिशा के जग्गा और बलिया के परिजनों का इंतजार खत्म होने जा रहा है। डॉक्टरों के करीब दो साल के प्रयास के बाद यह दोनों मासूम अब स्वस्थ हैं और जल्द ही घर पहुंच सकते हैं। उम्मीद है कि 22 जून को एम्स से छुट्टी मिल जाएगी। उन्हें कुछ दिन भुवनेश्वर एम्स में भर्ती रखा जा सकता है, जहां फिजियोथेरेपी कराई जाएगी। सिर से जुड़े ये दोनों भाई 14 जुलाई 2017 को एम्स में भर्ती कराए गए और 25 अक्टूबर सर्जरी कर उन्हें एक दूसरे से अलग किया गया। अब वे करीब चार साल दो माह के हो चुके हैं। बेहद जटिल और दुर्लभ सर्जरी से गुजरने के बाद जग्गा चलने लगा है। वह बातें भी करता है। बलिया भी काफी हद तक ठीक है, हालांकि वह अभी बेड पर ही रहता है। एम्स प्रशासन कई माह से दोनों भाइयों को ओडिशा स्थानांतरित करने के लिए कह रहा था। वहां के डॉक्टरों की टीम ने कई बार एम्स का दौरा भी किया पर वे उन्हें वापस ले जाने को तैयार नहीं हो रहे थे। (राब्यू)

### नक्सलियों ने गोली मारकर की युवक की हत्या

**सुकमा :** छत्तीसगढ़-तेलांगना राज्य की सीमा पर सुकमा जिले के मराईगुड़ा गांव में नक्सलियों ने रविवार रात करीब एक बजे मड़कम नंदा (28) की गोली मारकर हत्या कर दी। रविवार रात को करीब आठ से 10 की संख्या में नक्सली मराईगुड़ा वन थाना क्षेत्र के बोनकामड़गु गांव में आ धमके और ग्रामीण युवक के घर को घेर लिया फिर नंदा को नक्सलियों ने घर से बाहर निकाला और मुखबिरी का आरोप लगाकर गोली मारकर हत्या कर दी। बताया जाता है कि नक्सलियों ने तीन से चार गोली युवक को मारी है जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। एसपी शलभ सिन्हा ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि गांव से अभी तक कोई भी सूचना देने नहीं आया है। (नईदुनिया)

### निजी कंपनी के महाप्रबंधक की गंगा में डूबकर मौत

**हरिद्वार :** कुमाऊं के ऊधमसिंहनगर जिले में रुद्रपुर से गंगा स्नान के लिए हरिद्वार आए एक निजी कंपनी के महाप्रबंधक की गंगा में डूबने से मौत हो गई। काफी देर की मशक्कत के बाद गोताखोरों ने उनका शव नदी से निकाल लिया। वह फरीदाबाद के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक रुद्रपुर के पंतनगर स्थित इंडोरेंस टेक्नोलॉजी कंपनी से पांच अफसर गंगा स्नान के लिए शनिवार देर शाम हरिद्वार पहुंचे। दल में कंपनी के महाप्रबंधक फरीदाबाद निवासी प्रदीप त्यागी व चार सहायक प्रबंधक रजनीश कुमार, मनीष, धीरज मित्तल और भूपेश शामिल थे। चारों लोग हरकी पैड़ी पर स्नान कर रहे थे। इसी दौरान प्रदीप त्यागी तेज बहाव की चपेट में आ गए। साथियों ने शोर मचाया जल पुलिस के गोताखोर पहुंचे और तलाश शुरू कर दी। (जासं)

# एईएस ने 15 और बच्चों की जान ली

**थम नहीं रहा कहर** ▶ बिहार में अब तक 120 बच्चों की मौत, सिवान तक पहुंची महामारी

## 49 नए मरीजों को भर्ती किया गया, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने किया दौरा

**जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर**

बिहार में मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, पूर्वी चंपारण और वैशाली के अलावा अब एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) का दायरा सिवान तक पहुंच गया है। इस भयंकर बीमारी से बिहार में रविवार को 15 और बच्चों की मौत हो गई।

मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में रविवार को आठ और केजरीवाल अस्पताल में एक यानी कुल नौ और बच्चों की मौत हो गई। दोनों जगह 49 नए मरीजों को भर्ती किया गया। शनिवार को 18 बच्चों की मौत हो गई थी। एईएस की भयावहता को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने एसकेएमसीएच का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

उत्तर बिहार में मुजफ्फरपुर के अलावा आसपास के जिलों में भी एईएस का कहर जारी है। रविवार को नौ नए मरीज मिले। दो जिलों में तीन की मौत की खबर है। इनमें पूर्वी चंपारण के एक और समस्तीपुर के दो बच्चे हैं।

**सिवान के महाराजगंज में भी एईएस फैला :** सिवान में शनिवार को महराजगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जिगरहवां गांव की एक वर्षीय बच्ची किरण की इस बीमारी से मौत हो गई। नर्सिंग होम में एईएस से आक्रांत दस बच्चों को भर्ती कराया गया था, जिनमें कुछ को पटना रेफर किया गया है। वैशाली जिले में 24 घंटे में दो और बच्चियों की मौत हो गई।

**स्वास्थ्य मंत्री ने सौ बच्चों का बीएचटी देखा :** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने एक चिकित्सक के रूप में सौ बच्चों के बीएचटी (बेड हेड टिकट) की भी पड़ताल की। बच्चों में क्या-क्या लक्षण थे। इसके बाद क्या किया। रात में क्या खाया था। दिन में कहां-कहां गए थे। ये सवाल बच्चों के परिजनों से पूछा।

**जांच के दौरान दौरान भी मासूम की मौत :** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जब एईएस पीड़ित बच्चों का हाल देख रहे थे, उस दौरान अस्पताल में एक बच्ची की मौत हो गई। उन्होंने तीन घंटे से अधिक समय तक एक-एक बच्चे की स्थिति का निरीक्षण किया। इसके बाद चिकित्सकों से भी बातचीत कर दिशा-निर्देश दिए।

बिहार के मुजफ्फरपुर में एसकेएमसीएच में रविवार को एक्यूट इंसेफलाइटिस सिंड्रोम(एईएस) के पीड़ित बच्चों की जांच करते केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्द्धन। साथ में स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनी चौबे। जागरण

- स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पतालों का निरीक्षण कर चिकित्सकों को दिए दिशा-निर्देश
- बच्चों में बीमारी के लक्षणों को परखा, परिजनों से भी की बातचीत

### मुजफ्फरपुर में बनेगा उच्चस्तरीय एईएस रिसर्च सेंटर : हर्षवर्धन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने रविवार को घोषणा की कि मुजफ्फरपुर में एक उच्चस्तरीय एईएस रिसर्च सेंटर बनेगा। मंत्री ने कहा कि बीमार बच्चों के बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच में अलग से सौ बेड की पीआइसीयू (शिशु गहन चिकित्सा इकाई) अगले वर्ष तक तैयार हो जाएगी। अब तक बच्चों का इलाज अस्पताल में तैयार अस्थायी पीआइसीयू में हो रहा है। यह सेंटर एईएस से बच्चों की मौत के कारणों की जांच करेगा। देश के सभी बड़े रिसर्च सेंटरों यथा एनआइवी पुणे, एनसीडीसी, नई दिल्ली, एम्स से भी मदद ली जाएगी। सेंटर के लिए तकनीकी व वित्तीय मदद केंद्र सरकार देगी। इससे पहले उन्होंन एसकेएमसीएच में एईएस पीड़ित करीब 100 बच्चों की स्थिति और इलाज की गहन जानकारी ली।

# दलित महिलाओं ने मत्था टेका तो मंदिर को अपवित्र बता रोका भंडारा

**संवाद सहयोगी, पाल्हावास (रेवाड़ी)**

- हरियाणा के रेवाड़ी जिले की घटना, पुलिस बल तैनात
- सामूहिक भंडारे को बीच में रोका, प्रसाद भी गोशाला भेजा

सिहास गांव के दादा भैया मंदिर में रविवार को जाति-पात की दीवार ढहने के बजाय विवाद की खाई और गहरी हो गई। अनुसूचित जाति की महिलाओं का मंदिर में मत्था टेकना ऊंची जाति के लोगों को इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने मंदिर को अपवित्र बता दिया। सामूहिक तौर पर आयोजित भंडारे को बीच में ही रोक दिया और प्रसाद गोशाला में भेज दिया। इतना ही नहीं, भंडारे के लिए दी राशि भी लौटा दी गई। गांव में स्थिति तनावपूर्ण होने के कारण पुलिस बल तैनात है।

नैनसुखपुरा गांव निवासी अनुसूचित जाति के परिवार ने मन्नत पूरी होने पर सिहास गांव स्थित दादा भैया के मंदिर में भंडारा लगाने की इच्छा जताई थी। गांव के ही ऊंची जाति के परिवार ने इसका विरोध करते हुए खुद भंडारा लगाने और अजा परिवार के मंदिर में घुसने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। मामला तूल पकड़ने लगा तो शनिवार को दोनों पक्षों की मौजूदगी में कोसली के डीएसपी अनिल कुमार की मौजूदगी में थाने में पंचायत हुई थी। पंचायत में दोनों गांवों के एक-एक मौजिज व्यक्ति को लेकर कमेटी बनी थी और प्रसाद चढ़ाने की जिम्मेदारी भी उसे सौंपी गई थी। दोनों पक्षों से पैसे लेकर सामूहिक भंडारा लगाने पर सहमति बन गई थी।

> गांव में पूरी तरह शांति है। अब किसी प्रकार का विवाद नहीं है। सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस की तैनाती की गई है। जो लोग हंगामा कर रहे थे उन्हें समझा दिया गया है। स्थिति नियंत्रण में है।
> **-अनिल कुमार, डीएसपी कोसली।**

रविवार को मंदिर में पहले हवन हुआ, जिसमें दोनों पक्षों के लोग मौजूद रहे। इसके बाद मंदिर के निकट ही भंडारा शुरू कर दिया गया। आसपास के ग्रामीण भी भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे थे। इसी दौरान पुलिस सुरक्षा में अजा समाज की महिलाओं को दादा भैया मंदिर के चबूतरे पर मत्था टेकने व प्रसाद चढ़ाने के लिए प्रवेश करा दिया गया। इस पर ऊंची जाति के लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। कोसली के डीएसपी अनिल कुमार भी पहुंच गए, लेकिन ऊंची जाति के लोग मानने को तैयार नहीं थे। मंदिर अपवित्र होना बता उन्होंने भंडारे को बीच में ही रोक दिया और प्रसाद को ट्रैक्टर में डालकर गोशाला भेज दिया गया। अजा परिवार द्वारा भंडारे के लिए दी गई 10 हजार की नकदी भी लौटा दी।

# युद्ध जैसी स्थिति में 2300 लोगों को भारत लाया था सुरक्षित

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारत वर्ष 2006 में पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति के दौरान नेपाल और श्रीलंका के कुछ नागरिकों सहित करीब 2,300 लोगों को सुरक्षित स्वदेश वापस लाया था। दरअसल, ये लोग इजराइल-लेबनान संघर्ष में फंस गए थे।

- पूर्व कैबिनेट सचिव बीके चतुर्वेदी ने अपनी पुस्तक में किया दावा
- वर्ष 2006 में पश्चिमी एशिया से स्वदेश वापस लाए गए थे नेपाल और श्रीलंका के नागरिक
- लेबनान-इजराइल के युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे लोगों को सहयोग मुहैया करने के लिए चलाया था बचाव अभियान

पूर्व कैबिनेट सचिव बीके चतुर्वेदी ने अपनी पुस्तक 'चैलेंजेज ऑफ गवर्नेंस : ऐन इनसाइडर्स व्यू' में शासन, गठबंधन राजनीति और आपात स्थिति से निपटने के मुद्दों तथा 13 साल पहले युद्ध प्रभावित स्थानों से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित वापस लाए जाने जैसे मुद्दों पर अपने अनुभव को साझा किया है।

उन्होंने बताया कि लेबनान-इजराइल के युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे लोगों को सहयोग मुहैया करने का यह एक बचाव अभियान था। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि उस वक्त लेबनान में 1200 भारतीय मौजूद थे। चतुर्वेदी उस वक्त इन घटनाक्रमों की नई दिल्ली से निगरानी कर रहे थे। उन्होंने पुस्तक में कहा है कि वहां सड़क मार्ग पर काफी खतरा था, इसलिए सरकार ने इन लोगों को साइप्रस में एक बंदरगाह तक लाने के लिए समुद्री मार्ग को चुना, जहां से उन्हें एयर इंडिया के विमान से दिल्ली लाया गया।

उन्होंने पुस्तक में लिखा, इसकी प्रवासी भारतीयों और पड़ोसी देश- नेपाल एवं श्रीलंका ने भी सराहना की, जिनके नागरिक भी एयर इंडिया की उड़ानों से वापस लाए गए थे। करीब 2300 लोगों को वापस लाया गया था। यह इस बात का संकेत देता है कि आपात स्थिति में हमारी प्रणाली कितनी प्रभावी है।

# निपाह वायरस की दहशत, मध्य प्रदेश के तीन जिलों में मरे हजारों चमगादड़

**नईदुनिया, भोपाल**

- वन विभाग ने मैदानी अफसरों को सचेत किया
- गुना, नरसिंहगढ़ और बालाघाट में मरे हजारों चमगादड़

मध्य प्रदेश के तीन जिलों गुना, नरसिंहगढ़ और बालाघाट में हजारों चमगादड़ों की अचानक मौत के बाद वन विभाग सक्रिय हो गया है। विभाग ने मैदानी अफसरों को सचेत रहने के निर्देश दिए हैं। उधर, चमगादड़ों की मौत के बाद से जिलों में निपाह वायरस को लेकर दहशत का माहौल है।

हालांकि गुना से जांच कर लौटे पशु चिकित्सकों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण हीट स्ट्रोक लगता है, लेकिन तीन संस्थानों को भेजे गए सैंपल की रिपोर्ट आने के बाद ही सही स्थिति पता चलेगी। फिलहाल सुरक्षा के सारे इंतजाम किए जा रहे हैं। निपाह वायरस को लेकर सभी को सूचित कर दिया गया है और लोगों के स्वास्थ्य की जांच शुरू कर दी गई है।

गुना के विजयपुर स्थित उर्वरक संयंत्र नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) में पिछले हफ्ते ढाई हजार से ज्यादा चमगादड़ों की मौत हुई है। ऐसे ही राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ कस्बे में सैकड़ों की संख्या में चमगादड़ मरे हैं। बालाघाट से भी ऐसी ही सूचना है। गुना में चमगादड़ों से फैलने वाले निपाह वायरस को लेकर दहशत का माहौल है।

इस स्थिति को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने हाई अलर्ट जारी किया है। साथ ही एनएफएल परिसर में रहने वाले 700 परिवार और आसपास के 10 गांवों के निवासियों के स्वास्थ्य की जांच शुरू कर दी है। वायरस के खतरे को देखते हुए पशु चिकित्सा विभाग ने भोपाल से पांच पशु चिकित्सकों की टीम भेजी थी, जिसने मौके की पड़ताल की है। वरिष्ठ पशु चिकित्सक डॉ. जयंत तपासे कहते हैं कि चमगादड़ों की मौत का कारण डिहाईड्रेशन या हीट स्ट्रोक हो सकता है। वे कहते हैं कि पिछले दिन प्रदेश के कई शहरों में तापमान काफी रहा है। इससे ऐसी स्थिति बन सकती है, लेकिन मौत की असल वजह तीनों संस्थानों से रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगी।

> बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मौत का मामला सामने आया है। इसे देखते हुए मैदानी अफसरों को ऐसी घटनाओं पर नजर रखने को कहा है।
> **- यू. प्रकाशम्, चीफ वाइल्ड लाइफ वॉर्डन**

### हाई सिक्योरिटी लैब टेस्ट के लिए भेजे सैंपल

निपाह वायरस की मौजूदगी का पता लगाने के लिए मृत चमगादड़ों का पोस्टमार्टम कर सैंपल राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भोपाल भेजे गए हैं। लैब सोमवार या मंगलवार तक रिपोर्ट दे सकता है। वहीं चमगादड़ों की मौत जहर या किसी अन्य दवा के कारण तो नहीं हुई है, इसका पता लगाने के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली भी सैंपल भेजे गए हैं। इसके अलावा स्टेट डिसीज इन्वेस्टीगेशन लैब में भी सैंपलों की जांच की जा रही है।

# सो रहे थे माता-पिता, मासूम बाथरूम में रखी बाल्टी में डूबी

**नईदुनिया, भोपाल :** मध्य प्रदेश के भोपाल में मिसरोद थाना क्षेत्र में तीन साल की बच्ची की मौत बाथरूम में रखी पानी की बाल्टी में डूबने से हो गई। घटना के वक्त माता-पिता गहरी नींद में थे। बच्ची बिस्तर से कब उतरकर बाथरूम में पहुंच गई, किसी को पता नहीं चला। पुलिस के मुताबिक, घटना शनिवार सुबह की है। तबीयत ठीक न होने के कारण बच्ची के माता-पिता दवाई लेकर सो रहे थे।

बच्ची के पिता सुरेंद्र रघुवंशी व्यापारी हैं। बच्ची आध्या मां के साथ सो रही थी। दवा के असर के कारण माता-पिता को गहरी नींद लग गई, जबकि बच्ची जाग रही थी। वह पलंग से उतरकर घर के बाथरूम में पहुंच गई। जहां पानी से भरी बाल्टी में वह मुंह के बल गिर गई। काफी देर तक वह पानी से भरी बाल्टी में डूबी रही। जब परिजन जागे तो वे बच्ची को लेकर अस्पताल पहुंचे। जहां डेढ़ घंटे चले इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, सुरेंद्र ने बताया कि बच्ची तीन दिन पहले भी बिस्तर से इसी तरह से उतरकर बाथरूम तक पहुंच गई थी। तब उन्होंने देख लिया था और वह बच गई थी।

# यमुना एक्सप्रेस वे पर तेज रफ्तार से हुए तीन हादसे, 10 लोगों की गई जान

**जागरण संवाददाता, मथुरा**

- बलदेव क्षेत्र में आगे चल रहे ट्रक से कार टकराई, आठ लोगों की मौत
- सुरीर क्षेत्र में कंटेनर ने रौंदा बाइक सवार, खंदौली में हादसे में युवक की मौत

रविवार को यमुना एक्सप्रेस वे पर काल ने फर्राटा भरा। तीन हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। बलदेव क्षेत्र में हादसे में तो आठ जिंदगियां ही खत्म हो गईं। ये लोग ताजमहल देखने आ रहे थे। इसके साथ ही सुरीर क्षेत्र में कंटेनर ने बाइक सवार को रौंद दिया, तो खंदौली में कार पलटने से एक युवक की मौत हो गई।

डेयरी कारोबारी प्रेमचंद्र शर्मा निवासी समसम नगर (श्याम नगर) थाना जेवर, गौतमबुद्ध नगर के परिवार के लोग और रिश्तेदार रविवार सुबह ताजमहल देखने यमुना एक्सप्रेस वे पर होकर आगरा जा रहे थे। वैगन-आर कार में आठ लोग सवार थे। कार को विष्णु निवासी भूड़ खिल्ला, पलवल चला रहा था। सुबह करीब नौ बजे बलदेव क्षेत्र में माइल स्टोन 140 के समीप कार आगे चल रहे ट्रक में घुस गई। भिड़ंत इतनी भीषण थी कि कार में बैठे लोग बुरी तरह से फंस गए। हादसे की खबर पर दौड़े बचाव दल ने इन लोगों को जैसे-तैसे बाहर निकाला।

कार सवार नीरज (28) पत्नी प्रेमचंद शर्मा, अनीता (30) पत्नी शिवकुमार निवासी श्याम नगर (समसम नगर) थाना जेवर गौतमबुद्ध नगर, विष्णु (23) पुत्र सुरेश चंद निवासी गांव भूड़ खेड़ली, घोड़ी चाट, पलवल, हरियाणा, संतोषी (19) पुत्री भीमसेन निवासी मोहल्ला ब्रह्मपुरी, थाना सुरीर मथुरा एवं शालू (20) पुत्री जयप्रकाश निवासी गांव बनैल थाना पहासू, बुलंदशहर दम तोड़ चुके थे। जबकि अंजली (11) पुत्री शिवकुमार निवासी समसम नगर (श्याम नगर) थाना जेवर, करुणा (21) पुत्री जयप्रकाश निवासी छपरावत थाना गुलावठी, जिला बुलंदशहर एवं गब्बर (24) पुत्र बिरम सिंह निवासी फेबाबाद, खेड़ली, थाना बल्लभगढ़ हरियाणा गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल में उपचार के दौरान इन तीनों की भी मौत हो गई।

एक अन्य घटना सुरीर क्षेत्र में रात दो बजे हुई। कंटेनर ने बाइक सवार पंकज (24) निवासी रमचेला, सादाबाद और हरेंद्र निवासी गांव तुला बुर्ज (अकोस), मथुरा को रौंद दिया। इसमें पंकज की मौत हो गई। एक अन्य घटना में खंदौली में कार पलटने से दिल्ली के राजा गार्डन, दिल्ली निवासी पवन बम्वानी की मौत हो गई जबकि इनके तीन दोस्त घायल हो गए।

### मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक

**राब्यू, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा जिले में यमुना एक्सप्रेस-वे पर रविवार को हुई सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत पर दुख प्रकट किया है। शोक संतप्त परिवारीजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराई जाए। घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए उनके समुचित इलाज के भी निर्देश दिए।

# नदी में जादू दिखाने के दौरान जादूगर 'गायब', तलाश जारी

**जागरण संवाददाता, हावड़ा**

यहां चंचल लाहिरी नामक एक जादूगर ने जीवन को दांव पर लगा एक खतरनाक करतब करने की योजना बनाई। खुद को जंजीर में बांधकर गंगा नदी में डुबकी लगाने के बाद सकुशल नदी से बाहर निकलने के खतरनाक करतब दिखाने की बात थी। योजना के अनुसार रविवार की दोपहर चंचल ने गंगा नदी में डुबकी भी लगाई। हालांकि घंटों बीत जाने के बाद भी उनका कोई सुराग नहीं है। उसे ढूंढने के लिए रिवर पुलिस गंगा नदी में तलाश अभियान में जुटी है। बता दें कि चंचल इससे पहले भी दो बार इस प्रकार के खतरनाक करतब दिखा चुके हैं। हालांकि दोनों बार वह सकुशल जल से बाहर निकल आए हैं।

**जादू के प्रति प्रोत्साहन को दांव पर लगाया जीवन :** पेशे से जादूगर चंचल पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में रहते हैं। जादू के प्रति आमजन में कम होती रुचि को प्रोत्साहित करने व कुछ नया करने की सोच ने चंचल को इस स्तर के खतरनाक करतब दिखाने को विवश किया। बेहद खतरनाक इस करतब के लिए चंचल ने प्रशासनिक अनुमति भी ली। योजना के अनुसार रविवार सुबह दो जलयान (वाटर वेसेल) मंगवाए गए। हावड़ा ब्रिज के ठीक नीचे इस करतब को दिखाने की योजना बनी। एक जलयान पर जादूगर चंचल और उनके सहयोगी सवार थे। वहीं दूसरे जलयान में दूसरी टीम थी, जो इस पूरे दृश्य को कैमरे में कैद कर रही थी। वहीं ब्रिज पर एक क्रेन को स्थापित किया गया, जिससे रस्सी के सहारे चंचल को गंगा नदीं के जल में उतारने की योजना थी। चंचल के सहयोगियों ने लोहे की जंजीर व मोटी रस्सी से उनके हाथ और पैर समेत पूरे शरीर को बांध दिया। शरीर को चारों ओर से जंजीर से कसकर बांधने के बाद दो ताले जड़े गए। इसके बाद क्रेन की मदद से उन्हें गंगा नदी के जल में उतारा गया। नदी के जल में उतरने के बाद चंचल का देर तक कोई सुराग नहीं मिला। पहले तो लगा कि वह थोड़ी देर में नदी के जल से बाहर दिखाई देंगे। हालांकि काफी देर बीत जाने पर जब ऐसा नहीं हुआ, तो चिंता बढ़ने लगी और बाद में पुलिस को इसकी सूचना दी गई। उनका अभी तक तक कोई सुराग नहीं मिला है।

> जादू अपने आप में अद्भुत व अनोखा है। हालांकि हाल के दिनों में इसके प्रति लोगों की रूचि में कमी आई है। लोगों में इसके प्रति रूचि बढ़ाने के उद्देश्य से इस खतरनाक करतब को करने की सोची है। उम्मीद है इस करतब के बाद लोगों में जादू के प्रति खिचाव बढ़ेगा।
> **-चंचल लाहिरी, जादूगर**

जीवन दांव पर लगाकर जादू का खतरनाक करतब दिखाने की कोशिश के दौरान गंगा में डुबकी से पूर्व और डुबकी के दौरान जंजीर में बंधे हुए जादूगर चंचल लाहिरी। असीम पाल

## मान्यता

लोग हर साल आस्थावश झील के हवाले करते हैं आभूषण, महाभारत काल से जुड़ा है देव कमरुनाग का इतिहास

# कमरुनाग झील के गर्भ में छिपा है अरबों का खजाना

**हंसराज सैनी, मंडी**

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक ऐसी झील है, जिसके गर्भ में अरबों का खजाना छिपा है। रहस्यमयी कमरुनाग झील में यह खजाना किसी ने छिपाया नहीं है। इसे आस्था के चलते लोगों ने झील के हवाले किया है। मंडी जिला के नाचन विधानसभा क्षेत्र में महाभारतकालीन कमरुनाग मंदिर से सटी पुरातन झील में कितना सोना-चांदी जमा है। इसकी सही जानकारी किसी को भी नहीं है। झील में सदियों से सोना-चांदी चढ़ाने की परंपरा आज भी जारी है।

**सोने-चांदी के जेवर झील को अर्पित :** आषाढ़ माह के पहले दिन कमरूनाग मंदिर में सरानाहुली मेले का आयोजन होता है। मेले के दौरान मंडी जिला के बड़ादेव कमरुनाग के प्रति आस्था का महाकुंभ उमड़ता है। दूर-दूर से लोग मनोकामना पूरी होने पर झील में करंसी नोट चढ़ाते हैं। महिलाएं अपने सोने-चांदी के जेवर झील को अर्पित कर देती हैं। देव कमरुनाग के प्रति लोगों की आस्था इतनी गहरी है कि झील में सोना-चांदी और मुद्रा अर्पित करने की यह परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह झील आभूषणों से भरी है। स्थानीय लोग कहते हैं कि झील में अरबों के जेवर हैं। समुद्रतल से 9000 फीट की ऊंचाई पर स्थित झील में अरबों की दौलत होने के बावजूद सुरक्षा का कोई खास प्रबंध नहीं है। यहां पर सामान्य स्थितियों जितनी सुरक्षा भी नहीं है। लोगों की आस्था है कि कमरुनाग इस खजाने की रक्षा करते हैं। देव कमरुनाग मंडी जिला के सबसे बड़े देवता हैं। उनके प्रति आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके मंडी नगर में पहुंचने के बाद ही अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेले का शुभारंभ होता है।

**खजाने को लूटने की हो चुकी हैं कोशिशें :** कमरुनाग झील में खजाने को लूटने की कोशिशें हो चुकी हैं। लेकिन हर बार लुटेरों को खाली हाथ जाना पड़ा।

**महाभारत से जुड़ा है देव कमरुनाग का इतिहास :** देव कमरुनाग का इतिहास महाभारत से जुड़ा हुआ है। महाभारत का युद्ध शुरू होने से पहले श्रीकृष्ण ने भीम के पौत्र बर्बरीक कमरुनाग का सिर मांगने के बाद जिस पहाड़ पर पूरा युद्ध देखने के लिए रखवाया था। युद्ध के बाद पांडवों ने उसी जगह पर कमराव पहाड़ी में कमरुनाग की स्थापना की।

कमरुनाग मंदिर के साथ सटी झील में अर्पित किए गए रुपये व आभूषण। जागरण

> झील में सोना-चांदी अर्पित करने की परंपरा है। झील के गर्भ में अरबों का खजाना है। ऐसा बताया जाता है। मन्नत पूरी होने पर लोग आषाढ़ माह के पहले दिन आयोजित होने वाले सरानाहुली मेले में ही आभूषणों का विसर्जन करते हैं।
> **-रेवती सैनी, जिला भाषा अधिकारी मंडी**

> देव कमरुनाग जिले के आराध्य देव हैं। लोगों में देवता के प्रति गहरी आस्था है। झील में करंसी और आभूषण विसर्जित करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। जो आज भी कायम है। हिमाचल देवभूमि है। ऐसे में परंपराओं में हस्तक्षेप करना उचित नहीं है।
> **-ऋग्वेद ठाकुर, उपायुक्त मंडी**

# निर्मल अखाड़ा के संतों के गुटों में घमासान, हुई मारपीट

**जागरण संवाददाता, हरिद्वार**

निर्मल अखाड़े की हरिद्वार के पास एक्कड़ गांव स्थित प्रापर्टी को लेकर विवाद थमता नहीं दिख रहा है। शनिवार देर रात यहां दो गुटों में फिर से घमासान हुआ। इनमें से एक गुट ने दूसरे के कुछ संतों को जबरन बाहर कर दिया। मारपीट में दो संत चोटिल हो गए। इसके बाद जिला प्रशासन ने यहां एहतियान पुलिस बल तैनात कर दिया है। एसडीएम और तहसीलदार एक्कड़ गांव पहुंच कर घटना की जानकारी जुटाई।

श्री पंचायती निर्मल अखाड़ा की एक्कड़ गांव स्थित शाखा की संपत्ति को लेकर पिछले लगभग एक महीने से श्रीमहंत ज्ञानदेव और महंत प्रेमदास पक्ष के बीच विवाद चला रहा है। दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। एक्कड़ शाखा के अधीन बाग, खेत आदि की रखवाली कई साल से महंत प्रेमदास करते आ रहे थे। श्रीमहंत ज्ञानदेव पक्ष का आरोप है कि पावर ऑफ अटॉर्नी रद होने के बाद भी महंत प्रेमदास ने जबरन कब्जा जमाया हुआ है। मामले को लेकर दस दिन पहले दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इसके मद्देनजर एहतियातन अखाड़े में पीएसी तैनात कर दी गई थी। मामले को अखाड़े की आमसभा में रखने पर दोनों पक्षों में सहमति बनने के बाद पीएसी हटा ली गई।

शनिवार देर रात करीब डेढ़ बजे श्रीमहंत ज्ञानदेव के पक्ष ने अखाड़े में मौजूद महंत प्रेमदास के समर्थकों को बाहर खदेड़ दिया। उनके बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। नाराज गुट के संतों ने वहां खड़े एक वाहन में तोड़फोड़ कर दी। मारपीट में दो संतों को चोटें आई हैं। जिस वक्त विवाद हुआ, वहां दो पुलिसकर्मी भी तैनात थे लेकिन संतों की संख्या ज्यादा होने के कारण उनकी एक न चली। उन्हीं की सूचना पर पथरी थाने की पुलिस कुछ देर बाद अखाड़ा पहुंची। हालांकि, तब तक महंत प्रेमदास के समर्थक संतों को बाहर निकाला जा चुका था। श्रीमहंत ज्ञानदेव के समर्थकों की पुलिस के साथ तीखी नोंकझोंक भी हुई। बताते चलें कि महंत प्रेमदास एक-दो दिन से बाहर गए हैं।

Downloaded from: www.iascgl.com

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 17 जून 2019

दैनिक जागरण
कामयाबी के शिखर पर कुशलता के सोपानों से चढ़ा जाता है

# संसद का पहला सत्र

नई लोकसभा के गठन के बाद आयोजित संसद का पहला सत्र यह प्रदर्शित करेगा कि संसदीय कामकाज के तौर-तरीकों में कोई बुनियादी बदलाव आने वाला है या नहीं? इस सत्र के पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में पक्ष-विपक्ष के नेताओं की ओर से भले ही चाहे जैसी उम्मीद जताई गई हो, अब तक का अनुभव कोई बहुत अच्छा नहीं रहा है। संसद के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने के मामले में इस तरह की सर्वदलीय बैठक नाकाम ही अधिक सिद्ध हुई हैं। बेहतर हो कि इस बार नाकामी के इस सिलसिले को तोड़ा जाए। इसके लिए यह आवश्यक है कि सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों ही सकारात्मक रवैये का परिचय दें और यह ध्यान रखें कि देश उनकी ओर निगाहें लगाए हुए है। राजनीतिक दलों को यह ध्यान रखना चाहिए कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव के नतीजे उन्हें यही संदेश दे रहे हैं कि अब चीजें बदलनी चाहिए। अच्छा यह होगा कि इस संदेश को दोनों ही पक्ष और खासकर विपक्ष सही तरह से ग्रहण करे। कई विपक्षी दलों की ओर से यह जो प्रकट करने की कोशिश हो रही है कि जनता ने एक बार फिर गलती कर दी है अथवा सत्तापक्ष उसे बरगलाने में सफल रहा वह सच्चाई से मुंह मोड़ने की कसरत तो है ही, जनता के प्रति अविश्वास का परिचायक भी है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से चुनाव नतीजों की जैसी व्याख्या की जा रही है वह हास्यास्पद है। कांग्रेस जनादेश की मनचाही व्याख्या करने को स्वतंत्र है, लेकिन उससे यही अपेक्षित है कि वह संसद में एक जिम्मेदार विपक्षी दल की भूमिका का निर्वाह करे।

एक बड़ी हद तक यह सही है कि लोकतंत्र में विपक्ष को भी सशक्त होना चाहिए, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विपक्ष की ताकत संख्या बल से कम उसके तार्किक रवैये से अधिक निर्धारित होती है। अतीत में ऐसा कई बार हो चुका है और विशेष रूप से जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में जब विपक्ष संख्या बल के लिहाज से तो कमजोर था, लेकिन अपने जिम्मेदार व्यवहार के चलते वह कहीं अधिक प्रभावी था। निःसंदेह विपक्ष का काम सत्तापक्ष की कमजोरियों को उजागर करना और जरूरत पड़ने पर उसे कठघरे में खड़ा करना भी होता है, लेकिन इसी के साथ उसका एक दायित्व सरकार को रचनात्मक सहयोग देना भी होता है। बीते कुछ समय से तो ऐसी प्रतीति हो रही है कि विपक्ष ने यह समझ लिया है कि उसका मुख्य काम विरोध के लिए विरोध करना हो गया है। दुर्भाग्य से विपक्ष अपने ऐसे रवैये का प्रदर्शन लोकसभा के साथ-साथ राज्यसभा में भी करने लगा है। व्यर्थ का हो-हल्ला संसद की गरिमा ही नहीं गिराता, बल्कि राजनीतिक दलों की छवि पर भी बुरा असर डालता है। इससे भी खराब बात यह होती है कि जब संसद सही तरह से कार्य नहीं करती तो देश के काम प्रभावित होते हैं। संसद का काम देश को दिशा दिखाना है। संसद के इस सत्र में राष्ट्रीय महत्व के अनेक विधेयक लंबित हैं। इन विधेयकों पर सार्थक चर्चा करके समुचित निर्णय लिए जाने की जरूरत है न कि सरकार की राह रोकने की।

# उत्तराखंड की पैरवी

उत्तराखंड को पर्यावरणीय सेवाओं के लिए वित्तीय प्रोत्साहन मिलना ही चाहिए। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में एक बार फिर राज्य की ओर से पुरजोर तरीके से इसे उठाया गया। उम्मीद की जानी चाहिए कि नीति आयोग और केंद्र सरकार इस मामले में उत्तराखंड की आवाज को सुनेंगे। वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिकीय संतुलन को किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्रत्येक राज्य को इस दिशा में जागरूक और प्रतिस्पर्धी होने की जरूरत है। देखने में आ रहा है कि पर्यावरण संरक्षण को लेकर ज्यादा जिम्मेदारी हिमालयी राज्यों की झोली में डाल दी गई है। हिमालयी राज्यों में भी उत्तराखंड को कई मोर्चों पर पर्यावरणीय बंदिशों से जूझना पड़ रहा है। 71 फीसद वन भूभाग, बड़ी संख्या में वन्यजीव अभ्यारण्य, गंगा एवं यमुना जैसी राष्ट्रीय नदियों और उनकी सहायक नदियों की अविरलता की अहम जिम्मेदारी को उत्तराखंड बखूबी निभा रहा है। जाहिर है कि इसकी कीमत प्रदेश के बड़े भू-भाग को विकास से दूरी बनाए रखने के तौर पर अदा करनी पड़ रही है। खासतौर पर हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से उक्त वजह से भी पलायन की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री ने नीति आयोग में राज्य को ग्रीन बोनस देने की मांग पुरजोर तरीके से बुलंद की। आयोग में अब हिमालयी स्टेट रीजनल काउंसिल का गठन भी किया जा चुका है। ऐसे में हिमालयी राज्यों के लिए अलग से नीति नियोजन और विकास की उनकी जरूरतों को राज्यों के नजरिये से समझने में आयोग को मदद मिल सकेगी। राज्य ने आयोग से चार धाम ऑल वेदर रोड, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे परियोजना और केदारनाथ पुनर्निर्माण जैसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल योजनाओं को जारी रखने पर जोर दिया है। इन योजनाओं को राज्य की आर्थिकी में आमूलचूल बदलाव के लिए अहम माना जा रहा है। योजनाएं पूरी होने पर भविष्य में पर्वतीय क्षेत्रों में रिवर्स पलायन के हालात बनते दिख सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कृषि में व्यापक बदलाव और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनाने के लिए रूरल ग्रोथ सेंटर्स को विकसित करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का जिक्र भी करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव भी नीति आयोग को दिए हैं।

# खुद को खत्म करते वामदल

ए. सूर्यप्रकाश

**दुनिया भर में सियासी दल स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए नए तौर-तरीके अपना रहे वहीं भारत में वामदल पुरानी सोच और अतीत के नारों से चिपके हैं**

फ्रेडरिक एंगेल्स ने कहा था कि राज्य नामक संस्था का पराभव सर्वहारा क्रांति का मुख्य परिणाम होगा। अगर 2019 के चुनाव बाद की तस्वीर देखें तो भारत में राज्य बहुत शक्तिशाली बनकर उभरा है। इतना ताकतवर जितना पहले कभी नहीं हुआ जबकि वामपंथी दल रसातल में चले गए। हालांकि लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद अधिकांश विश्लेषण मुख्य रूप से कांग्रेस की करारी हार पर केंद्रित रहे हैं, मगर विलुप्त होते वामपंथी दलों की कहानी भी इसका उतना ही खास पहलू है। स्वतंत्रता के बाद शुरुआती तीन दशकों के दौरान देश के तमाम राज्यों में वाम दलों की ठीकठाक मौजूदगी रही। वर्ष 1951-52 के पहले आम चुनाव में अविभाजित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी यानी भाकपा ने 16 सीटें जीती थीं। वर्ष 1962 के चुनाव में उसकी सीटों की संख्या बढ़कर 29 हो गई और उसे नौ प्रतिशत मत हासिल हुए। फिर पार्टी में विभाजन हुआ और भाकपा के अलावा भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) यानी माकपा अस्तित्व में आई। दोनों ने 1967 में कुल 42 सीटें हासिल कीं, लेकिन उनका मत प्रतिशत नौ फीसद के स्तर पर रहा। तीन दशकों तय यही सिलसिला कायम रहा। उनका सबसे शानदार सम्मिलित प्रदर्शन 2004 में रहा जब दोनों ने मिलकर लोकसभा की 53 सीटें अपने नाम कीं। हालांकि उनका वोट प्रतिशत घटकर सात फीसद रह गया। उसके बाद उनके सितारे गर्दिश में जाते रहे। वर्ष 2014 में दोनों पार्टियों ने केवल दस सीटें हासिल कीं और उनका वोट प्रतिशत और छिटककर महज चार फीसद रह गया। इस बार वे खतरे के निशान पर पहुंच गए और केवल पांच सीटें जीत पाए। राष्ट्रीय स्तर पर उनका वोट प्रतिशत भी दो फीसद रह गया।

इन दोनों वामपंथी दलों और वाम मोर्चे के उनके अन्य साथियों की जमीन उनके मजबूत माने जाने वाले किलों में ही दरकती जा रही है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा से उनका तंबू उखड़ चुका है। केरल में भी उनकी नैया हिचकोले खा रही है। उनका सबसे बड़ा नुकसान पश्चिम बंगाल में दिखता है जहां 2004 में वाम दलों को 57.70 प्रतिशत मतों के साथ 32 सीटें हासिल हुई थीं जो आंकड़ा 2019 में सिमटकर 6.28 प्रतिशत मतों का रह गया और राज्य में वाम मोर्चे का खाता तक नहीं खुल पाया। जहां दुनिया भर के राजनीतिक दल स्वयं को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए नए तौर-तरीके अपना रहे हैं वहीं भाकपा और माकपा पुरानी सोच-सिद्धांतों और अतीत के नारों से चिपकी हुई हैं। कामकाजी वर्ग, संगठित श्रम और पूंजीवाद को लेकर उनकी सोच में कोई बदलाव नहीं हुआ जबकि दुनिया बदल रही है। खुद मैंने पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान देखा कि माकपा कार्यकर्ता इंकलाब जिंदाबाद का पुराना नारा लगा रहे थे। बाजार अर्थव्यवस्था के चरम वाले दौर में आखिर वे किस तरह की क्रांति का राग अलापते रहते हैं। ये दोनों दल मौजूदा वास्तविकता से किस कदर कटे हुए हैं इसका सबसे बढ़िया उदाहरण उन सरकारी योजनाओं के गरीबों को पहुंचे लाभ को स्वीकार करने से इन्कार में दिखता है। वे यह महसूस नहीं करते कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, जन धन और डीबीटी जैसी योजनाएं जरूरतमंदों के जीवन में कितने सार्थक बदलाव ला रही हैं। मुद्रा पीएम मोदी की ऐसी अनूठी योजना है जिसका मकसद समाज के गरीब तबके में उद्यमिता को बढ़ावा देना है जिससे उनके सामाजिक एवं आर्थिक हालात में सुधार हो सके।

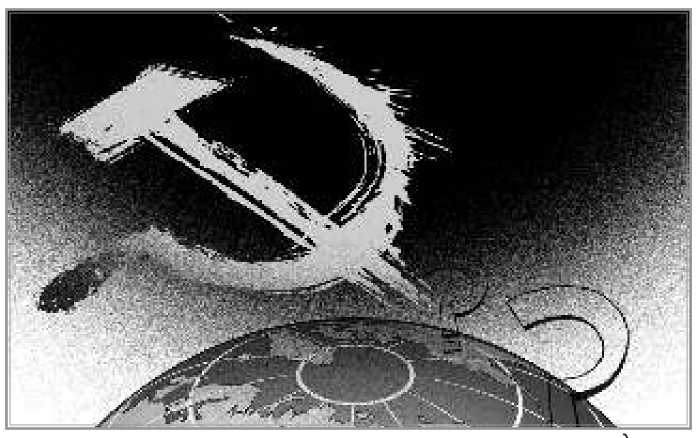

अवधेश राजपूत

इस योजना के तहत सरकार गरीबों को उद्यम स्थापित करने के लिए कर्ज मुहैया कराती है। इसके पीछे विचार वित्त की पहुंच से दूर संभावित उद्यमियों को वित्त की धारा से जोड़ना है। इसके अंतर्गत 50,000 से दस लाख रुपये तक की राशि का ऋण मिलता है। इससे स्थापित उद्यम भले ही कितना छोटा हो, लेकिन उससे कम से कम पांच-दस लोगों को रोजगार अवश्य मिलता है। देश भर में मुद्रा योजना के लाभार्थी हैं। इस योजना में वंचित वर्ग के लोगों का जीवन सुधारने की भरपूर संभावनाएं हैं। कई राज्यों की यात्राओं के दौरान मैं ऐसे तमाम लाभार्थियों से मिला हूं। मुद्रा योजना के आंकड़े बहुत सुकून पहुंचाने वाले हैं। महिला उद्यमियों को मुद्रा योजना का सबसे अधिक लाभ पहुंचा है। कुल लाभार्थियों में उनकी तादाद 70 प्रतिशत है। साल की शुरुआत में सरकार ने बताया था कि मुद्रा योजना में उसने 7.23 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बांटे हैं। उज्ज्वला योजना के तहत सरकार ने गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन मुफ्त उपलब्ध कराया है। इसके तहत अभी तक सात करोड़ परिवारों को ये कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह गरीबों के लिए घर और शौचालय बनाने वाली योजनाएं भी दूरगामी प्रभाव वाली साबित हो रही हैं। हालांकि इनमें से कुछ योजनाओं का खाका पिछली सरकारों ने खींचा था, लेकिन प्रोत्साहन और प्रतिबद्धता के अभाव में उनका क्रियान्वयन बहुत सुस्त था। वर्ष 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इन योजनाओं के काम में तेजी आई और परिणाम सामने हैं। इन योजनाओं के लक्ष्य एकदम स्पष्ट हैं। नारी गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करना हो या महिलाओं और बच्चों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य में सुधार, ये इन योजनाओं के मूल में हैं।

ऐसे कार्यक्रमों को देखकर यही अपेक्षा की जाती है कि सभी वर्गों द्वारा उनकी सराहना की जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोनों वाम दलों के प्रवक्ता मुद्रा और ऐसी अन्य योजनाओं को लगातार खारिज करते रहे जबकि ये योजनाएं गरीबों के जीवन का कायाकल्प करने वाली साबित हो रही हैं। उनके विरोध की इकलौती वजह यही है कि यह सब पीएम मोदी के दौर में हो रहा है जिन्होंने बेहद कम समय में इसे संभव कर दिखाया। चुनावी नतीजों ने दर्शाया कि इसे लेकर नकारात्मक प्रचार लोगों को रास नहीं आया।

इन दोनों कम्युनिस्ट पार्टियों के अलोकप्रिय होने के और भी तमाम कारण हैं। इसमें सबसे पहले तो सेक्युलरिज्म को लेकर उनके नजरिये की बारी आती है। दोनों दल शाहबानो मामले के दौर से काफी आगे बढ़ चुके हैं जब सोमनाथ चटर्जी, सैफुद्दीन चौधरी और तमाम अन्य नेता मुस्लिम कट्टरपंथियों से भिड़ गए थे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार मुस्लिम महिला को तलाक के बाद मिलने वाले गुजारा भत्ते के निर्णय के खिलाफ राजीव गांधी सरकार के कानून का विरोध किया। वह 1986 की बात थी। बीते तीन दशकों में वामदल छद्म धर्मनिरपेक्षता के ध्वजवाहक बन गए हैं। हिंदू बहुसंख्यक उनकी आंखों में चुभते हैं और उन्हें इस्लामिक चरमपंथ कोई मुद्दा ही नहीं लगता। हिंदू भावनाओं को भड़काने की हालिया मिसाल सबरीमाला मामले में देखने को मिली जहां वाम दलों ने हिंदू मान्यताओं पर प्रहार के लिए लोगों को उकसाया। वाम दलों की आगे की राह क्या होगी? क्या वह ब्रिटिश लेबर पार्टी की तर्ज पर कुछ करेंगे जिसने कुछ दशक पहले अपनी सोच और कार्यशैली में बदलाव किया था। अगर वे और वामोन्मुखी होते हैं तो फिर उनका अंत निश्चित है। अगर वे कुछ दक्षिणोन्मुखी होते हैं तो अस्तित्व बचने की कुछ संभावना बची रह सकती हैं। वे आखिर किस राह जा रहे हैं? देश यह जानना चाहता है?

(लेखक प्रसार भारती के चेयरमैन एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

# भारत के भविष्य का आधार बने नई शिक्षा नीति

सृजन पाल सिंह

**स्कूलों को सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया के लिए सभ्य नागरिक भी तैयार करने हैं**

वर्ष 2014 में केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नई शिक्षा नीति लाने का वादा किया था। चूंकि पिछली शिक्षा नीति तीन दशक पहले आई थी इसलिए इस घोषणा से पूरे देश को काफी उम्मीदें थीं। इन उम्मीदों के बीच 2015 में टीएस सुब्रमण्यम के नेतृत्व में एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया। उसने नई शिक्षा नीति का एक मसौदा पेश किया, लेकिन किसी कारण उसे अनुकूल नहीं पाया और 2016 में एक नई समिति गठित कर उसकी बागडोर अंतरिक्ष वैज्ञानिक के. कस्तूरीरंगन को दी गई। नई सरकार बनते ही समिति की ओर से तैयार नई शिक्षा नीति का मसौदा मंत्रालय पहुंच गया। नई शिक्षा नीति का मसौदा सार्वजनिक होते ही सारा विवाद भाषा पर केंद्रित हो गया। इसके चलते प्रस्तावित नीति में अन्य महत्वपूर्ण तथ्य गौण हो गए, जबकि देश के करीब 30 करोड़ छात्र और लगभग एक करोड़ शिक्षकों के भविष्य का निर्धारण इस नीति के तहत ही होना है। भारत में सरकारी स्कूल, जो कि संख्या में तीन-चौथाई हैं, में शिक्षकों की नियुक्ति स्थाई रूप से होती है। इन शिक्षकों पर भविष्य के नागरिकों को बनाने की जिम्मेदारी तो डाल दी गई है, मगर उनकी उपयुक्त ट्रेनिंग पर ध्यान नहीं दिया जाता। आज सबसे ज्यादा जरूरी शिक्षकों को भविष्य की तकनीक की जानकारी देना और उसमें उन्हें माहिर बनाना है।

नई शिक्षा नीति में पहली बार हर वर्ष 50 घंटे की ट्रेनिंग की बात पर जोर दिया गया है। ऐसी ट्रेनिंग को शिक्षकों तक ले जाने के लिए तकनीक का प्रयोग किया जा सकता है। इस ट्रेनिंग व्यवस्था को सुचारू और सुदृढ़ बनाने के लिए जिला स्तर पर शिक्षकों के प्रोत्साहन और सम्मान की व्यवस्था की जा सकती है। शिक्षकों की ट्रेनिंग आधुनिक विषय जैसे नैनो टेक्नोलॉजी, ऑटोमेशन, मशीन लर्निंग और अंतरिक्ष विज्ञान जैसे विषयों में भी किए जाने की आवश्यकता है। हालांकि इन नए आयामों को हम बीएड से लेकर मध्य-करियर ट्रेनिंग तक कैसे लेकर जाएंगे, इस संदर्भ में नई नीति का मसौदा ज्यादा कुछ नहीं कहता। कई अन्य देश इस संदर्भ में आगे बढ़ चुके हैं। उदाहरण के लिए स्कॉटलैंड में 'दूसरे ग्रहों में जीवन' के बारे में शिक्षकों और छात्रों दोनों को पाठ्यक्रम के तहत बताया जा रहा है। इसके पीछे तर्क यह है कि अगले दो दशकों में हम मंगल और अन्य ग्रहों पर मानव सभ्यता को ले जाएंगे और जो बच्चे आज स्कूलों में हैं वही भविष्य के 'मंगल यात्री' बनेंगे। ऐसी आशावादी और भविष्य की ओर अग्रसर शैक्षिक सोच यदि 50 लाख की आबादी वाला स्कॉटलैंड रख सकता है तो फिर भारत को पीछे नहीं रहना चाहिए। हमें शिक्षा के क्षेत्र में अल्पावधि सेवा के तहत भी शिक्षकों को लाना होगा। भारत में हर वर्ष 15 लाख नए इंजीनियर बनते हैं, जो नौकरी की तलाश में रहते हैं। इसके साथ ऐसे हजारों विशेषज्ञ हैं जो सीमित समय के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं देने के लिए तत्पर हैं। क्या इस विशाल अप्रयुक्त प्रतिभा का प्रयोग हम शैक्षिक बदलाव के लिए कर सकते हैं? इसके लिए आवश्यक है कि हम नई शिक्षा नीति में चार साल तक की अल्पावधि के लिए शिक्षक बनने के अवसर खोलें जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ और तकनीकी शिक्षा प्राप्त ग्रेजुएट योगदान दे सकें। ऐसी व्यवस्था को सफल बनाने के लिए हर स्कूल में लगभग एक तिहाई शिक्षक अल्पावधि व्यवस्था से आने चाहिए, जिससे आधुनिक ज्ञान और उद्योग स्तर की टेक्नोलॉजी क्लासरूम तक पहुंचे सके।

यह भी समय की मांग है कि शिक्षा व्यवस्था की संपूर्ण बागडोर शिक्षकों के हाथों में दी जाए। वर्तमान में एक शिक्षक दो-तीन दशक की सेवाओं के बाद भी अधिकतम हेड मास्टर या प्रिंसिपल बनने का ही लक्ष्य रख सकता है। नई नीति में भी वरिष्ठ शिक्षकों को जिला स्तर तक कुछ पद देने की बात कही गई है, परंतु हमें इससे कहीं आगे जाने की आवश्यकता है। इस पद पर भी वह अपने से बीस साल कम अनुभवी व्यक्ति द्वारा चलाए जा रहे शासन और नौकरशाही व्यवस्था के अधीन रहेगा। उसे ऐसे लोगों को अपने कार्य का विवरण देना होगा, जिनका स्कूल और क्लासरूम चलाने का अनुभव लगभग नगण्य होता है। शिक्षकों का पाठ्यक्रम निर्धारित करने में भी योगदान सीमित होता है। कोई भी संस्था प्रगति तब करती है जब उसका नेतृत्व उस क्षेत्र के विशेषज्ञ करते हैं। इसका उदाहरण हम इसरो, डीआरडीओ, दिल्ली मेट्रो और अन्य अनेक सफल संस्थाओं में देख सकते हैं। डॉ. कलाम ने अपनी पुस्तक एडवांटेज इंडिया में इस पहलू पर एक विचार रखा था। हमने भारतीय शैक्षिक सेवा (आइटीएस) का सुझाव रखा था। इस सेवा के तहत शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने वाले प्रतिभाशाली युवाओं तथा शिक्षकों को संपूर्ण शिक्षा प्रणाली की रचना, नियंत्रण और प्रशासन का उत्तरदायित्व दिया जा सकता है। शिक्षा क्षेत्र के बजट, पाठ्यक्रम, स्कूल निर्माण तथा सभी उपकरणों की व्यवस्था इन्हीं प्रतिभाशाली शिक्षकों के हाथ में होनी चाहिए।

आज के समय में हमें पाठ्यक्रम को हर दो वर्ष में संशोधित करने की नीति बनानी होगी। हर महीने मैं भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए हजारों छात्रों से मिलता हूं और वे अक्सर कहते हैं कि विशेषकर गणित और विज्ञान की पढ़ाई 'उबाऊ' है। उन्हें यह समझ में नहीं आता कि कठिन फॉर्मूले याद रखने की क्या जरूरत है? क्या शिक्षा का पैमाना याद्दाश्त है या फिर जटिल समस्याओं का समाधान निकालना? नई शिक्षा नीति पर अमल करते समय इस सवाल पर विचार करना होगा। क्यों न हम खुली किताब परीक्षा के तहत छात्रों की परख उनकी समझदारी और अन्वेषण के आधार पर करें। शिक्षा में एक छात्र को आनंद का अनुभव होना चाहिए, भय का नहीं।

यूरोप के कई देशों विशेषकर जर्मनी से हम व्यावसायिक शिक्षा को स्कूलों में लागू करने के बारे में सीख सकते हैं। हमें याद रखना है कि स्कूलों को सिर्फ इंजीनियर और डॉक्टर ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर के कारपेंटर, प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और अन्य प्रकार के नागरिक देश और दुनिया के लिए बनाने हैं। इसके अलावा हर एक स्कूल के पास छात्रों के करियर प्लानिंग की सुविधा देने वाले केंद्र होने भी आवश्यक हैं, जिससे प्रतिभा, अवसर और रुचि के हिसाब से छोटी उम्र से ही छात्र और उनके अभिभावक भविष्य के लक्ष्य निर्धारित कर सकें। चूंकि शिक्षा और स्कूल एक समृद्ध भारत का प्रवेश द्वार हैं इसीलिए इस क्षेत्र पर हमारा अधिकतम ध्यान देना आवश्यक है। इस प्रकार से नई शिक्षा नीति भारत के भविष्य का कर्णधार बन सकती है।

(पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सहयोगी रहे लेखक कलाम सेंटर के सीईओ हैं)

response@jagran.com

## ऊर्जा

### पवित्रता

मनुष्यता के मूल गुण सदाचार, संयम, संतोष, दया, उपकार आदि हैं। इन गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करना पवित्रता है और इन्हें त्यागना अपवित्रता है। ज्यादातर लोग अपने शरीर को शुद्ध करने में लगे रहते हैं, लेकिन वे मन की पवित्रता के बारे में नहीं सोचते हैं, जबकि मन की पवित्रता ही सर्वश्रेष्ठ है। लोग अक्सर किसी भी व्यक्ति की बाहरी सुंदरता या पहनावे को ज्यादा महत्व देते हैं और भीतरी गुणों को नजरअंदाज कर देते हैं। किसी को आंकने का यह नजरिया बिल्कुल गलत है, क्योंकि बाहरी सुंदरता समय के साथ मिटती जाती है, लेकिन हम अपने मन की सुंदरता को हमेशा बढ़ा सकते हैं।

मन की पवित्रता से शरीर की पवित्रता संभव है। शरीर की सुंदरता तात्कालिक, लेकिन मन की पवित्रता पूर्णकालिक होती है। हमारा शरीर अपवित्र भी हो तो धर्म हो सकता है, लेकिन अपवित्र मन से किए गए धर्म का कोई औचित्य नहीं होता है। इसलिए हमें अपने जीवन में प्रेम, दया, कृपा, विश्वास, नम्रता, संयम जैसे ईश्वरीय गुणों पर अमल करना चाहिए। शास्त्र कहते हैं कि यदि अपने जीवन में वास्तविक उन्नति चाहते हो तो अपने भीतर के सभी बुरे विचारों और दुर्गुणों का त्याग करो, जिससे हमारा मन पवित्र हो जाए। मनुष्य की सोच अच्छी एवं बुरी दोनों हो सकती हैं, लेकिन अच्छे-खराब का निर्णय हमारा मन-मस्तिष्क करता है। हम फिर उसी के अनुरूप कर्म करते हैं और उसी से हमें फल प्राप्त होता है। यदि हम पवित्र विचारों से प्रेरित होकर और किसी के प्रति दुर्भावना न रखते हुए कर्म करेंगे तो हमें यश एवं सम्मान प्राप्त होगा। मन और विचारों की पवित्रता से ही मनुष्य सदकर्म करता है और उसी से जीवन का कल्याण होता है। संत रविदास जी कहते हैं कि निर्मल मन में ही भगवान वास करते हैं। यदि मन में किसी के प्रति बैर भाव नहीं है, कोई लालच या द्वेष नहीं है तो आपका मन ही भगवान का मंदिर, दीपक और धूप है। ऐसे पवित्र विचारों वाले मन में प्रभु सदैव निवास करते हैं। हर मनुष्य के जीवन में समस्याएं और परेशानियां आती हैं। यदि मनुष्य साहस, धैर्य और ईमानदारी से इनका मुकाबला करे तो वह न सिर्फ अपनी परेशानियों से मुक्ति पाता है, बल्कि सफलता भी अर्जित करता है। ऐसे में उसका चरित्र और अधिक निखर जाता है।

शंभूनाथ पांडेय (पूर्व नौसैनिक)

# बाल विवाह का दुष्परिणाम

देवेंद्रराज सुथार

**बाल विवाह न केवल बालिकाओं की सेहत के लिहाज से, बल्कि उनके व्यक्तिगत विकास के लिहाज से भी खतरनाक है**

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (यूनिसेफ) ने फैक्टशीट चाइल्ड मैरिजेज-2019 नामक एक रिपोर्ट में कहा है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल विवाह की दर में कमी आई है, लेकिन बिहार, बंगाल और राजस्थान में यह प्रथा अब भी जारी है। इस रिपोर्ट के अनुसार बिहार, बंगाल और राजस्थान में बाल विवाह की यह कुप्रथा आदिवासी समुदायों और अनुसूचित जातियों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बालिका शिक्षा की दर में सुधार, किशोरियों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किए गए निवेश एवं कल्याणकारी कार्यक्रम और इस कुप्रथा के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रभावी संदेश देने जैसे कदमों के चलते बाल विवाह की दर में कमी देखने को मिली है, लेकिन अब भी पूर्णरूप से कामयाबी नहीं मिली है। रिपोर्ट के अनुसार 2005-2006 में जहां 47 फीसद लड़कियों की शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी, वहीं 2015-2016 में यह आंकड़ा 27 फीसद था। यूनिसेफ के अनुसार अन्य राज्यों में बाल विवाह की दर में गिरावट की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है, किंतु कुछ जिलों में बाल विवाह का प्रचलन अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।

यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्याह पहलू की ओर इशारा करती है, जिसे अक्सर हम रीति-रिवाज एवं परंपरा के नाम पर अनदेखा करते हैं। तीव्र आर्थिक विकास, बढ़ती जागरूकता और शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद भी अगर यह हाल है तो जाहिर है कि बालिकाओं के अधिकारों और कल्याण की दिशा में अभी काफी कुछ किया जाना शेष है। बाल विवाह न केवल बालिकाओं की सेहत के लिहाज से, बल्कि उनके व्यक्तिगत विकास के लिहाज से भी खतरनाक है। शिक्षा, जो कि उनके भविष्य का उज्ज्वल द्वार है, वह हमेशा के लिए बंद भी हो जाता है। शिक्षा से वंचित रहने के कारण वे अपने बच्चों को शिक्षित नहीं कर पातीं और फिर कच्ची उम्र में गर्भधारण के चलते उनकी जान को भी खतरा बना रहता है। कच्ची उम्र में मां बनने वाली ये बालिकाएं न तो परिवार नियोजन के प्रति सजग होती हैं और न ही नवजात शिशुओं के उचित पालन पोषण में दक्ष। कुल मिलाकर बाल विवाह का दुष्परिणाम व्यक्ति, परिवार को ही नहीं, बल्कि समाज और देश भी भोगना पड़ता है। जनसंख्या में वृद्धि होती है जिससे विकास कार्यों में बाधा पड़ती है।

बाल विवाह एक ऐसी कुरीति जिसमें दो अपरिपक्व लोगों को जबरन जिंदगी भर साथ रहने के लिए एक बंधन में बांध दिया जाता है। दरअसल कुछ लोग अपनी लड़कियों की शादी कम उम्र में सिर्फ इसलिए कर देते हैं कि उनके ससुराल चले जाने से दो जून की रोटी बचेगी। यूनिसेफ की रिपोर्ट के अनुसार गरीबी, लड़कियों की शिक्षा का निम्न स्तर, लड़कियों को आर्थिक बोझ समझना, सामाजिक प्रथाएं एवं परंपराएं बाल विवाह के प्रमुख कारण हैं। वहीं कुछ लोग अंधविश्वास के चलते भी अपनी लड़कियों की शादी कम उम्र में कर रहे हैं। हमें समझना होगा कि बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है। अतः इसका निदान सामाजिक जागरूकता से ही संभव है। लिहाजा समाज को आगे आना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

# मेलबाक्स

### जल की बूंदों को संभालना जरूरी

कठिन लक्ष्य है हर घर को नल से जल शीर्षक से लिखे अपने लेख में संजय गुप्त ने मोदी सरकार की घर-घर नल द्वारा जल पहुंचाने के लक्ष्य में देश की नदियों के दिन-प्रतिदिन सिकुड़ने को बाधा माना है। देश की प्यास बुझाने और सिंचाई के लिए मोदी सरकार की नई नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश के पंचायत प्रधानों को खत लिखकर अनुरोध करना कि वे बरसात के मौसम में जल संग्रहण करें बहुत प्रशंसनीय है। प्राकृतिक संसाधनों के सरताज देश भारत में आज बहुत से क्षेत्र पीने और सिंचाई के पानी के लिए तरस रहे हैं। जरूरी नहीं कि हर घर को नल से जल पहुंचाने के लिए नदियों का ही सहारा लिया जाए। हमारे देश में जल के प्राकृतिक स्रोत भी बहुत हैं और बरसात में बारिश भी खूब होती है। वर्षा के जल को संभाल कर देश की प्यास बुझाई और सिंचाई की जा सकती है। गिरते भूजल स्तर को सुधारने के लिए भी बारिश के पानी को संभालना बहुत जरूरी है। हमारे देश में जल संरक्षण के लिए सरकारें बातें तो बहुत करती हैं, लेकिन ये हकीकत की दुनिया से बहुत दूर होती हैं। जल संरक्षण के लिए वर्षा जल को संभालने के लिए भी सरकारें ढुलमुल रवैया अपनाती हैं। अगर वर्षा जल संरक्षण के लिए बने नियमों का वाकई पालन हो रहा होता तो आज आसमान से बरसने वाली अमृत की बूंदें सीवरेज या नालों-नालियों में बेकार न बहतीं, बल्कि लगभग हर घर, ऑफिस और फैक्ट्रियों मे रेनवाटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाकर लोग इन बूंदों को संभाल कर रखते।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

### डॉक्टरों की हड़ताल

पहले मौत के मुंह में जाते मरीजों को नवजीवन देकर बचा लेने वाले डॉक्टरों को मरीजों के परिजन व जनसामान्य में भी उनकी तुलना धरती के भगवान के रूप में की जाती थी। अब वर्तमान में स्वार्थ व पैसा दोनों डॉक्टरी पेशे में भी करुणा, दया, सेवाभाव आदि मानवीय गुणों पर भारी पड़ रहा है और ये दुर्गुण डॉक्टरी पेशे से जुड़े पंचतारा होटल संस्कृति के अस्पतालों में भी बहुत ही घिनौने रूप में दिखाई देने लगे हैं। यह कटु सत्य है कि अधिकतर डॉक्टरों और नर्सिंग होमों के लिए उनका प्रथम उद्देश्य मरीज की जान बचाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उनके परिजनों से किसी भी तरह ज्यादा से ज्यादा आर्थिक लाभ कमाना रह गया है। जरूरत से ज्यादा अनावश्यक टेस्ट कराना, महंगी और ज्यादा दवाओं को लिखना आज के कथित आधुनिक अस्पतालों के लिए आम हो चले हैं। अस्पतालों में दवा माफिया, डॉक्टरों और उसके संचालकों के बीच मरीजों को अधिक से अधिक लूटने के लिए बहुत जबर्दस्त गठबंधन है, जो गरीब मरीजों के परिजनों से भी अधिक मूल्य पर दवा खरीदने को बाध्य करते रहते हैं। डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार निंदनीय है, लेकिन डॉक्टरों और अस्पतालों को भी मरीजों के प्रति असंवेदनशीलता और क्रूरता भरे व्यवहार पर पुनर्विचार करना चाहिए। मरीजों की मौत की कीमत पर डॉक्टरों की हड़ताल किसी भी दृष्टिकोण से गरिमापूर्ण और मानवीय नहीं कही जा सकती है।

निर्मल कुमार शर्मा, गाजियाबाद

### नीति-अनीति का पाठ

कठुआ और अलीगढ़ की घटनाएं सभ्य कहे जाने वाले समाज के माथे पर कलंक हैं। इन घटनाओं से इंसानियत भी शर्मसार हुई है। इससे भी दुखद है कि कुछ लोग इसे धर्म के चश्मे से देखने में व्यस्त हैं। वैसे यह धर्म की नहीं, अपितु सामाजिक मूल्यों के निरंतर गिरते स्तर की समस्या है। संयुक्त परिवार प्रणाली टूट रही है जिसके कारण युवा पीढ़ी पारिवारिक मार्गदर्शन से वंचित हो भटकाव की ओर जा रही है। आखिर कब हम अपनी खुद की संतानों को नीति अनीति का पाठ पढ़ाएंगे? अब समय आ गया है कि समाज पल्ला झाड़ने के बजाय अपनी जिम्मेदारी को समझे।

सतीश त्यागी काकड़ा, इंदिरापुरम, गाजियाबाद

### समाज की भी जिम्मेदारी

भारत में तमाम ऐसी समस्याएं भी हैं जिनका कोई समाधान नहीं निकल पा रहा है। अशिक्षा, बेरोजगारी, महिला अपराध व भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं ने जड़ें जमा ली हैं। इनमें ज्यादातर समस्याएं अपने ही लोगों द्वारा उत्पन्न हैं। लोगों से ही देश और समाज बनता है, लेकिन जब हम खुद नागरिक कर्तव्य को भूल कर अपने स्वार्थ में लगे हैं तो समाज की चिंता कौन करेगा? हर समस्या का समाधान सरकार नहीं कर सकती है। समाज के लोगों को भी इसके समाधान के लिए आगे आना होगा।

nikitabedi1994@gmail.com

**इस स्तंभ** में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

**अपने पत्र इस पते पर भेजें :**
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 23359961-62, नोएडा कार्यालय : 0120-3915800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

**900** करोड़ रुपये की देनदारी से डिफॉल्ट की वजह से डीएचएफएल की रेटिंग का असर बाजार और अर्थव्यवस्था को व्यापक तौर पर प्रभावित कर सकता है।



आजकल

# आर्थिक चुनौतियां व आरबीआइ की मौद्रिक नीति

राहुल लाल
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भारतीय रिजर्व बैंक ने बीते दिनों रेपो रेट में 25 आधार अंक की कमी की है। हालांकि इसका मकसद अंतिम रूप से देश की अर्थव्यवस्था को तेजी प्रदान करने से जुड़ा हुआ है जो बीते कुछ समय से सुस्त पड़ी हुई है, लेकिन इस कदम के बाद अर्थव्यवस्था के उभार में कितनी तेजी आएगी इस बारे में अभी चीजें बहुत कुछ इस बात पर भी निर्भर करती हैं कि अगले माह पेश होने जा रहे बजट में केंद्र सरकार इस संबंध में किस तरह का प्रस्ताव लाती है। फिलहाल तो यह उम्मीद की ही जा सकती है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के प्रयासों से अर्थव्यवस्था को तेजी मिल सकती है। साथ ही इससे अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उभरती हुई विविध प्रकार की चुनौतियों से भी निपटा जा सकता है

बहुपक्षीय चुनौतियों से जूझ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी अल्पावधि उधारी दर अर्थात रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती कर दी है। रिजर्व बैंक ने लगातार तीसरी बार मानक रेपो रेट में 25 आधार अंक की कमी है। इस तरह अब रेपो रेट छह प्रतिशत से घट कर 5.75 प्रतिशत हो गया है। यह पिछले नौ साल में सबसे कम है। इससे पहले जुलाई 2010 में भी रेपो रेट 5.75 प्रतिशत था। इस पूरे मामले को विस्तार से समझने के लिए यह समझना आवश्यक है कि आखिर रेपो दर क्या है? रेपो वह दर है जिस पर देश के व्यावसायिक बैंक आरबीआइ से उधार लेते हैं। रेपो रेट घटने से बैंक सस्ते में उधार ले सकते हैं और ग्राहकों को भी सस्ते में उधार दे सकते हैं। आरबीआइ ने रिवर्स रेपो रेट भी 5.75 से घटाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। बैंक जब अपनी अतिरिक्त नकदी को आरबीआइ के पास जमा करते हैं, तो उन्हें रिवर्स रेपो की दर से ब्याज मिलता है।

## मौद्रिक समिति का एकमत निर्णय

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली मौद्रिक नीति की छह सदस्यीय समिति अर्थात एमपीसी ने एकमत होकर रेपो रेट को घटाने का निर्णय लिया। इस साल यह तीसरा मौका है, जब आरबीआइ ने रेपो दर घटाई है। इससे पहले फरवरी और अप्रैल में भी आरबीआइ रेपो रेट में इतनी ही कटौती कर चुका है। लेकिन फरवरी और अप्रैल में कटौती का निर्णय मौद्रिक नीति समिति में एकमत रूप से नहीं लिया जा सका था, वहीं वर्तमान निर्णय समिति ने एकमत से लिया है। इस तरह पांच माह में रेपो रेट 0.75 प्रतिशत कम हुई है।

भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने मौद्रिक नीति को लेकर नजरिया न्यूट्रल से बदलकर अकोमोडेटिव अर्थात उदार कर दिया है। यानी रेपो रेट में फिलहाल बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि इसका मतलब यह भी नहीं है कि अब ब्याज दरों में कटौती नहीं की जाएगी। मौद्रिक समिति की अगली बैठक अगस्त में होगी। उम्मीद की जा रही है कि इसमें मौद्रिक नीति के संबंध में ऐलान किया जाएगा।

## रेपो रेट घटाने का कारण

आरबीआइ ने अपने रुख में बदलाव ऐसे समय में किया है जब अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों से जूझ रही है। विकास दर पांच साल के न्यूनतम 5.8 फीसद पर आ गई है और बेरोजगारी दर 45 साल के उच्चतम 6.1 फीसद पर पहुंच गई है। पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में भी विकास दर केवल 6.8 प्रतिशत रही। विश्व बैंक को भले

> आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष 2019-20 में विकास दर का अनुमान घटाते हुए सात प्रतिशत कर दिया है

ही भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज विकास दर 7.5 प्रतिशत का भरोसा हो, लेकिन आरबीआइ ने चालू वित्त वर्ष 2019-20 में विकास दर का अनुमान घटाकर केवल सात प्रतिशत कर दिया है। इससे पूर्व आरबीआइ ने विकास दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था। निवेश की रफ्तार सुस्त है, ट्रेड वार के कारण निर्यात की गति थम गई है। विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर धीमी है, कृषि क्षेत्र खस्ताहाल है और ग्रामीण क्षेत्र में निजी उपभोग सुस्त पड़ा है। यही कारण है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक समिति ने कहा कि वित्त वर्ष 2018-19 के चौथी तिमाही के आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू निवेश की गतिविधियां सुस्त पड़ गई हैं और निर्यात की वृद्धि धीमी पड़ने से मांग भी कमजोर पड़ी है।

हालांकि भारत में इसमें होने वाली वृद्धि केवल उपभोग रूपी एक इंजन पर उड़ान भर रही है। अब यह इंजन भी धीरे-धीरे कमजोर होने लगा है। ग्रामीण उपभोग इसलिए प्रभावित हो रहा है, क्योंकि कृषि क्षेत्र पर असर डालने वाली वैश्विक कारोबार की स्थितियां 2018-19 में और भी बदतर हुई हैं।

## एनबीएफसी की ओर नजर

आरबीआइ गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के घटनाक्रमों पर करीबी नजर रख रहा है और वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता के हितों के लिए जरूरी कदम उठाने से परहेज नहीं करेगा। एनबीएफसी का संकट कितना गंभीर हो गया है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि मुख्य नीतिगत ब्याज दरों में कटौती के बावजूद एनबीएफसी से जुड़ी चिंता हावी होने के कारण बीते सप्ताह एक ही दिन में शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। आइएलएंडएफएस और डीएचएफएल में पैदा हुए आर्थिक संकट जैसे मुद्दों के कारण निकट भविष्य में नकदी का संकट पैदा होने और अन्य वित्तीय संस्थाओं पर इसके नकारात्मक असर पड़ने की आशंकाएं भी बनी हुई हैं। करीब 900 करोड़ रुपये की देनदारी से डिफॉल्ट की वजह से डीएचएफएल की रेटिंग का असर और व्यापक हो सकता है। अनुमान है कि डीएचएफएल अर्थात दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का यह डिफॉल्ट एक लाख करोड़ रुपये तक के उधारियों के लिए संकट का सबब बन सकता है। रेटिंग एजेंसी 'क्रिसिल' और 'इकरा' ने नॉन कन्वर्टिबल डिबेंचर के ब्याज का भुगतान नहीं करने की वजह से डीएचएफएल की रेटिंग को घटाकर 'डिफॉल्ट' की श्रेणी में डाल दिया है।

एनबीएफसी पिछले एक साल से भारी दबाव से गुजर रही है। इससे उनके ऋण बांटने में भारी कमी आई है, जिससे खपत में मंदी आई है। हालांकि ऐसे ऋण देने के लिए अब बैंक आगे आए हैं, लेकिन वे एनबीएफसी की पूरी भरपाई नहीं कर सकते। इसकी वजह यह है कि एनबीएफसी का कारोबारी मॉडल बहुत अलग है, जो अलग-अलग ग्राहकों को लक्षित करती है। हमें समझना होगा कि एनबीएफसी की समस्या केवल नकदी के कमी की नहीं है, अपितु ऋण जोखिम का भी मामला है। इसलिए एनबीएफसी की क्षमता में सुधार की भी आवश्यकता है।

## रिजर्व बैंक के समक्ष चुनौती

आरबीआइ के इस कदम के बाद कर्ज प्रवाह की वृद्धि तेज हो सकेगी, जो हाल के वर्षों में काफी नीचे आ गई थी। लेकिन रिजर्व बैंक के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि ब्याज दर में कटौती का लाभ सामान्य ग्राहकों तक कैसे पहुंचे? केंद्रीय बैंक फरवरी और अप्रैल में कुल मिलाकर 0.50 फीसद की कटौती कर चुका था। लेकिन केंद्रीय बैंक स्वयं स्वीकार कर चुका है कि 50 आधार अंक की पिछली दो कटौतियों में से केवल 21 आधार अंक की कटौती का लाभ ही नए सामान्य ग्राहकों तक पहुंच पाया, जबकि पुराने ऋण की ब्याज दर अब भी ऊंची बनी हुई है और इसमें औसतन चार आधार अंक का इजाफा हुआ है। ऐसे में अगर चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमानों को भी प्राप्त करना है तो मौद्रिक पारेषण की प्रक्रिया का तेज होना अत्यंत आवश्यक है।

इस संदर्भ में देखें तो बैंकिंग व्यवस्था में नकदी की उपलब्धता के अतिरिक्त अन्य कदम भी उठाने की आवश्यकता है। आरबीआइ के कदमों और बैंकों द्वारा इससे होने वाले लाभ को कर्जदारों तक नहीं पहुंचाना एक बड़ी समस्या है। जब आरबीआइ ब्याज दरों में वृद्धि करती है, तो यह वृद्धि बैंक त्वरित रूप से अपने ग्राहकों पर लागू कर देते हैं, परंतु ब्याज दर घटने पर ऐसा नहीं होता। ऐसा काफी हद तक इसलिए है, क्योंकि बैंक छोटी बचत योजनाओं से प्रतिस्पर्धा करते हैं, जो करीब 7.7 फीसद की ब्याज दर मुहैया कराती है। कई समूहों से यह सुझाव भी आ रहा है कि अल्प बचत दरों को 10 वर्ष के बॉन्ड के बजाय रेपो रेट से जोड़ दिया जाए। आरबीआइ गवर्नर ने कहा है कि ग्राहकों को दरों में कटौती का पूरा लाभ देने में चार-छह माह का वक्त लगता है, लेकिन इस बार इसका लाभ तेजी से दिया जाएगा। तरलता की स्थिति सहज बनी हुई है, जिससे इस कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

## ग्राहकों को लाभ की उम्मीद

भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों के बीच रिजर्व बैंक के रेपो रेट में कटौती अनिवार्य था। इसके साथ देश में डिजिटल लेन-देन में वृद्धि हेतु रिजर्व बैंक ने आरटीजीएस और एनईएफटी शुल्क को खत्म कर दिया और एटीएम शुल्क की समीक्षा के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की, जिससे एटीएम शुल्क को तार्किक बनाया जा सके। भुगतान के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करने और वित्तीय समावेशन में वृद्धि के संदर्भ में इसके महत्व को समझा जा सकता है। रिजर्व बैंक के गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। इन कदमों को अग्रसारित करने के लिए जुलाई में विश्वसनीय बजट लाना अहम है। एक भरोसेमंद बजट मौद्रिक नीति का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने में मदद करेगा। पहला, यह बॉन्ड प्रतिफल को कम करेगा और वित्तीय स्थितियों को आसान बनाएगा। दूसरा अगर बॉन्ड प्रतिफल घट जाता है, तो उससे जुड़ी लघु बजत दरें नीचे आएंगी। इससे बैंक जमाएं और आकर्षक हो जाएंगी, जमा वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा और बैंकिंग प्रणाली में मौद्रिक नीति का लाभ ग्राहकों को मिलेगा।

उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले माह जब मोदी सरकार-2 का पहला बजट पेश करेंगी, तो वह अर्थव्यवस्था की गति तेज करने, खासकर रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपायों का ऐलान कर सकती हैं। ऐसे में रिजर्व बैंक ने रेपो दर में कटौती करके निम्न ब्याज दरों का जो अनुकूल माहौल तैयार किया है, उससे अर्थव्यवस्था की चुनौतियां कुछ कम हो सकेगी।

## घरेलू खपत में कमी से अर्थव्यवस्था की धीमी रफ्तार

भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले पांच वर्षों में सबसे धीमी रफ्तार से बढ़ी है। सरकार की ओर से जारी किए गए हालिया आंकड़ों से ऐसा प्रतीत होता है। पिछले वित्तीय वर्ष अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक आर्थिक वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रही। वहीं जनवरी से मार्च तक की तिमाही में यह दर 5.8 प्रतिशत तक ही रही। यह दर पिछले दो साल में पहली बार चीन की वृद्धि की दर से भी पीछे रह गई है। इसका मतलब है कि भारत अब सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था नहीं रह गया है। ऐसे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के लिए यह बड़ी चुनौती साबित होगी। सरकार के सामने वर्तमान चुनौती अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों का भरोसा वापस लाने की है। नई जीडीपी दर से साफ है कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से नीचे की ओर गिर रही है। देखा जाए तो भारत की आर्थिक वृद्धि का सबसे बड़ा कारक यहां की घरेलू खपत है। पिछले डेढ़ दशक से घरेलू खपत ही अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में सबसे अहम भूमिका निभाता रहा है। लेकिन हालिया आंकड़े बताते हैं कि उपभोक्ताओं की खरीदने की क्षमता में कमी आई है।

कारों, एसयूवी आदि की बिक्री पिछले सात वर्षों के सबसे निचले पायदान पर पहुंच गई है। ट्रैक्टर, बाइक, स्कूटर की बिक्री में भी कमी हुई है। कुल मिलाकर उपभोक्ता की खरीदने की क्षमता में कमी आई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में सरकारी उद्यमों को बेचने की ओर धीमी गति से काम किया। एयर इंडिया काफी समय से कर्ज में डूबी हुई है। सरकार ने इसके शेयर बेचने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन कोई ग्राहक नहीं मिला और इसे बेचा नहीं जा सका। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इन सभी पहलुओं पर ध्यान देना होगा। उनके सामने भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती होगी। घटती जीडीपी को बढ़ाने के साथ बैंकिंग सेक्टर में बढ़ रहे एनपीए की समस्या का भी हल निकालना होगा। वित्त वर्ष 2018-19 में विकास दर घटकर 6.8 फीसद पहुंच गई। यह पिछले पांच वर्ष में सबसे कम है। वहीं एनपीए अभी भी बैंकिंग सिस्टम में नौ लाख करोड़ से ऊपर का बना हुआ है।

खरी-खरी

## बिजली पीड़ितों का आख्यान

आशीष दशोत्तर

बरसों से उपेक्षित और ठगा-सा महसूस करने वाले आज प्रफुल्लित दिखाई दे रहे थे। उनके चेहरे की मुस्कान, मन का उल्लास और भीतर का विश्वास उछाले मार रहा था। बरसों बाद हुई बिजली पीड़ितों की सभा में उजाले पर आख्यान हो रहा था। अपना दर्द निकालते हुए लालटेन ने कहा- हर उत्थान का पतन निश्चित है। जो आज ऊपर है, उसे कल नीचे आना ही है। मैं नहीं कहता था कि एक दिन फिर हमारी किस्मत बदलेगी। एक दिन फिर हमारी पूछ-परख होगी। एक दिन फिर लोग हमें हाथों में लिए घूमेंगे! देख लो, आज अपने अच्छे दिन लौट आए हैं।

वंचित वर्ग की प्रतिनिधि छोटी-सी ढिबरी ने कहा- सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं। हम हमेशा अंधेरे के खिलाफ आवाज मुखर करते रहे, लेकिन हालात ऐसे हो गए थे कि हमारी कोई पूछ ही नहीं रही थी। अब देखो, हमारे दिन फिर बदल गए हैं।

मंद-मंद मुस्करा रही चिमनी ने कहा- इसे नहले पर दहला कहते हैं। हम बरसों से इसी दिन के लिए प्रतीक्षारत थे। आज हमारी इच्छा पूरी हुई। लोग फिर बिजली की चकाचौंध से दूर हमारी शरण में आ गए हैं। हमें साफ कर रहे हैं, हमें दुलार रहे हैं और हमें सम्मान भी मिल रहा है। घर के किसी कोने में उपेक्षित सी रख दी गई मोमबत्ती ने चहक कर कहा- मुझ पर तो बरसों से धूल ही पड़ी थी। मगर आज देखो मुझे घर की मेज पर कितने सलीके से रखा गया है। मेरे साथ यह दियासलाई भी खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही है। इनके स्वर में स्वर मिलाते हुए टॉर्च बोल पड़ी- हां सच्ची, मुझे भी किसी ने बीते 15 बरस से चार्ज ही नहीं किया। डिस्चार्ज पड़े-पड़े मेरा तो खून ही सूखने लगा था। यह तो भला हो इस बदलते वक्त का, जिसने मेरी मार्केट वैल्यू फिर बढ़ा दी। नई पीढ़ी तो मुझे देख रोमांचित है। लोग बड़ी हसरत से मुझे देख रहे हैं। मुझे हाथों-हाथ ले रहे हैं।

इन सभी के संरक्षक इनवर्टर ने कहा- मैं कितने अरमान के साथ बाजार में आया था। लोगों के घर-घर की शोभा बना, पर पिछले बरसों में लगातार बिजली की आमद ने मेरी मेहनत पर पानी फेर दिया, लेकिन वक्त है बदलाव का कहने वालों ने मेरा वक्त ही बदल दिया। मैं फिर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

उजाले पर हो रहे इस आख्यान को बिजली भी सुन रही थी और मन ही मन सोच रही थी कि मेरे एक के न होने से कितने लोग खुश हैं।

ट्वीट-ट्वीट

अध्यक्ष कोई भी हो। कांग्रेस पार्टी की समस्या सिर्फ किसी के या किसी और के अध्यक्ष होने या न होने की नहीं है। पार्टी के अप्रोच की है। हर स्तर पर। गहरी बात है, पर सारे कांग्रेसी हल्के में खेल रहे हैं। यही हाल रहा तो वर्ष 2024 में बीजेपी को 404 सीट मिलेंगी।
उमाशंकर सिंह@umashankarsingh

मैं भारत के डॉक्टरों के समर्थन में हूं जो दुनिया में सबसे बेहतरीन डॉक्टरों में से एक हैं। हमारा स्वास्थ्य ढांचा कमजोर है जिसकी भरपाई वे अपनी अनथक मेहनत से करते हैं। फिर भी उन्हें निशाना बनाया जाता है। उनसे जुड़े असल मुद्दों पर सुनवाई नहीं होती।
चेतन भगत@chetan_bhagat

क्रिकेट मैच कमेंट्री इन दिनों किटी पार्टी जैसी बन गई है। लोग बस एक दूसरे के बारे में ही बातें करते रहते हैं और परस्पर तारीफों के पुल बांधते हैं। कोई उन्हें बताए कि इससे हमारे कान पनाह मांगने लगते हैं।
ट्रेंडुलकर@Trendulkar

जागरण जनमत — कल का परिणाम

**आप ई. श्रीधरन से सहमत हैं कि दिल्ली मेट्रो में सियासी दखल घातक होगा?**

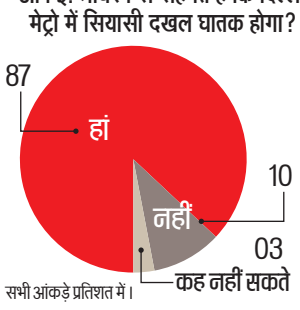


सभी आंकड़े प्रतिशत में।

**आज का सवाल**

**क्या भारतीय अर्थव्यवस्था अगले पांच साल में पांच लाख करोड़ डॉलर की बन सकती है?**

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
**Y** -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

तैयारी है चांद की मुट्ठी में स्पेस,
पर 'चमकी' के सामने हार रहा है देश।
हार रहा है देश मर रहे कितने बच्चे,
सोच रहे हम-आप यही हैं क्या दिन अच्छे!
माना पाकिस्तान समस्या सबसे भारी,
पर 'चमकी' पर जीत हेतु भी हो तैयारी!!
– ओमप्रकाश तिवारी

राज्यनामा — उत्तर प्रदेश

# कितना प्रभावी होगा मुख्यमंत्री का डोज!

सूबे में बच्चियों के साथ दरिंदगी की एक के बाद एक हुई घटनाओं से नाराज मुख्यमंत्री ने हाल ही में सभी कलेक्टर और जिलों के पुलिस कप्तानों को राजधानी तलब किया। कानून व्यवस्था को लेकर खाकी की लचर कार्यशैली को लेकर आईना भी दिखाया। सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री की कलेक्टर और पुलिस कप्तानों के साथ यह पहली साझा बैठक थी। मुख्यमंत्री भी पूरी रौ में थे, पूरे दो घंटे उन्होंने अफसरों को घुट्टी पिलायी। माना जा रहा था कि इतनी तगड़ी डोज का असर भले ही कुछ महीनों तक नहीं रहे, चंद दिनों तक तो रहेगा ही। बैठक के बाद भी जिलों के पुलिस कप्तान आपसी बातचीत में कई घंटों तक मुख्यमंत्री के कहे सुने पर मंथन करते रहे। रात को चीफ साहब ने अपने सरकारी बंगले पर अफसरों के लिए दावत आयोजित की थी। खाने की लज्जत के बीच भी तमाम अफसर दोपहर को मिली डोज का असर महसूस कर रहे थे। इसी बीच गायन का दौर शुरू हो गया और महफिल में मौजूद कई पुलिस अधिकारी तो तब हैरत में पड़ गए जब पुलिस के सूबाई कमांडर ने खुद माइक उठा लिया और आ गए तरन्नुम में। दरअसल उन्होंने उसी अंदाज में नगमा गाया जिसने उन्हें महकमे के किशोर कुमार की ख्याति दिलायी है। उन्हें गाते देख एक अफसर ने बगल में बैठे साथी से पूछ ही लिया कि दिन की बैठक के बाद शाम को ही सूबाई कमांडर बहुत रिलैक्स लग रहे हैं। इस पर दूसरे ने फौरन चुटकी ली। यह कहते हुए कि दोपहर की डोज तो हमारे-आपके लिए थी, बॉस के लिए नहीं।

**कौन सा किला जीता?**

पंजे वाली पार्टी में बड़ी विडंबना है। हार पर जवाब तलब के लिए बड़े नेताजी ने पार्टी वालों को तलब किया तो कई के पसीने छूट गए। सोच रहे थे कि दिल्ली की बड़ी गद्दी पर आसीन पड़ोसी सूबे के नेताजी आएंगे तो खूब खरी-खोटी सुनाएंगे। पूछेंगे कि हमारे प्रत्याशी हार क्यों गए? इधर, फिल्मी ग्लैमर से लबरेज नेता भी साथ आ रहे थे तो उनके कद से भी अच्छे-खासे खादी वाले घबराए से थे। मगर, यह क्या? बैठक के बाद निकले तो किसी के चेहरे पर शिकन नहीं। बहुतेरे होते हैं, जो जब तक कानाफूसी न कर लें, तब तक हाजमा

फिट नहीं होता। बैठक से निकले एक नेताजी से पूछ लिया- क्यों भाई, अंदर डांट तो नहीं पड़ी? अब हमारा नंबर आने वाला है। बैठक से निकले नेताजी ने ऐसा जवाब दिया कि साथ वाले ही मुस्कुराकर रह गए। नेताजी बोले कि अंदर बैठे दोनों साहब कौन सा किला जीतकर आए हैं। जैसे वह हारे, वैसे हम हारे। आखिर डांटते कैसे, वह तेवर लाते कहां से।

**तलाश कुर्बान गैंग की :** साइकिल वाली पार्टी में कभी 'ये जवानी है कुर्बान.... भैया तेरे नाम' जैसे नारे लगाने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी की करारी शिकस्त के बाद इन दिनों कार्यालय के इर्द-गिर्द भी नजर नहीं आते हैं। पार्टी के भैया भी इन मौकापरस्तों की तलाश में हैं और जानना चाह रहे हैं कि वे आजकल क्या कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि नारे लगाने वालों के न रहने से पार्टी को भारी नुकसान हो रहा हो, बल्कि देखना यह है कि सत्ता से हटने के बाद कुर्बान गैंग किस हाल में जी रहा है? उनके खाने पीने का जुगाड़ भी हो रहा या नहीं?

भैया ने कुर्बान गैंग की खोज खबर लेने के लिए अपने लोग दौड़ाए तो एक खबरची ने जानकारी दी कि नारे लगाने वाले इन दिनों पांच सितारा होटलों में अपनी महफिल जमाते हैं और बुरे दिनों से गुजर रही पार्टी का पोस्टमार्टम करते हैं। सुना है कि नाराज भैया के गुस्से की गाज खबरिया चैनलों पर बहस में चेहरा चमकाने वालों पर गिरी। अब देखना यह है कि कुर्बान गैंग वाले कुर्बानी देते हैं या उनकी कुर्बानी ली जाती है।

**चाचा की पोजीशन :** कहते हैं कि समय बदलते देर नहीं लगती। यही बात आजकल सूबे की राजनीति में चरितार्थ हो रही है। दरअसल चुनाव से पहले साइकिल वाले भतीजे ने जब समझौते को तैयार चाचा की कदर न करते हुए उन्हें बीच रास्ते उतार दिया था तो चाचा बड़े बेबस से नजर आ रहे थे। हालांकि चाचा ने पुराने दिनों की हिम्मत और लोगों को जोड़कर ताल ठोंकने का ऐलान कर दिया था लेकिन, किसी को उम्मीद नहीं थी कि चार दिनों की उनकी पार्टी चुनाव में कोई गुल खिला पाएगी। तब साइकिल वाला भतीजा तीखा तंज कसता था तो चाचा भी बैकफुट पर दिखते थे। इसके बाद भी चाचा डटे रहे। नतीजे आए तो साइकिल पंक्चर थी और लोग बताने लगे कि पहिये में एक कील चाचा की भी थी। अब तो तस्वीर उलट गई। जो चाचा चुनाव से पहले साइकिल पर बैठने के लिए विनय की मुद्रा में दिखते थे, वही अब लोगों की गलतफहमी दूर करते फिर रहे हैं कि उन्हें साइकिल पर बैठना ही नहीं है या यूं कहे कि उन्हें साइकिल की जरूरत ही नहीं है।

मुद्दा

# भ्रष्टाचार के खात्मे की ओर बढ़ते कदम

रमेश ठाकुर
स्वतंत्र टिप्पणीकार

भ्रष्टाचार आज देश की एक बड़ी समस्या बन गया है जिसे काबू में करना अब तक की सरकारों के लिए बड़ी चुनौती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे निपटने के लिए मोर्चा खोल दिया है। अब देखना है कि इसमें उन्हें कितनी कामयाबी मिलती है

भ्रष्ट नौकरशाहों पर की गई केंद्र सरकार की मौजूदा कार्रवाई निश्चित रूप से भ्रष्टाचार मुक्त मुहिम को संबल देगी। दागदार अधिकारियों पर मोदी सरकार द्वारा लिए गए फैसले की हर ओर प्रशंसा की जा रही है। यह एक ऐसा साहसिक निर्णय है जिसे लेने के लिए निडरता की जरूरत होती है। ऐसे निर्णय तब नहीं लिए जा सकते, जब उसमें प्रत्यक्ष रूप से खुद की भी भागीदारी हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दूसरे कार्यकाल में समूची सरकारी व्यवस्था में पारदर्शिता चाहते हैं। उनके रडार पर दो विभाग हैं- आयकर और सीबीआइ। इन दो विभागों का खौफ दिखाकर अधिकारी अभी तक मोटी कमाई करते रहे हैं। यही कारण है कि मोदी सरकार ने भ्रष्टतंत्र पर सीधी चोट मारते हुए आयकर विभाग में सालों से जमे करीब दर्जन भर वरिष्ठ अधिकारियों को समय से पहले ही रिटायर कर दिया।

भ्रष्टाचार मुक्त समाज के लिए ऐसे अधिकारियों का हटाया जाना पारदर्शिता को बेहतर बनाने जैसा होगा। खबरें ऐसे भी सुनने को मिली हैं कि हटाए गए अधिकारियों पर कांग्रेस के बड़े नेताओं की कृपा बनी हुई थी।

दरअसल उनके इस निर्णय ने यह संदेश देने की भी कोशिश की है कि भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ रुटीन कड़ी कार्रवाई यदा-कदा कभी भी की जा सकेगी। इससे अधिकारियों में भय का माहौल उत्पन्न होगा, साथ ही अधिकारी रिश्वत लेने से पहले अपनी नौकरी की चिंता जरूर करेंगे। हालांकि जबरन रिटायर किए कुछ अधिकारी कोर्ट आदि जाने की बात भी कर रहे हैं। लेकिन किसी बड़े अधिकार पर प्रधानमंत्री द्वारा इस तरह एक्शन लेना उनके विशेषाधिकार की श्रेणी में आता है। प्रधानमंत्री कानूनी रूप से ऐसे फैसले लेने के लिए स्वतंत्र होते हैं। दरअसल नियम 56 के मुताबिक सरकार ऐसे अधिकारियों पर निर्णय ले सकती है जो 50 या 55 साल की उम्र के हों और 30 वर्ष की अपनी सेवा पूरी कर चुके हों। उस स्थिति में केंद्र सरकार द्वारा ऐसे अधिकारियों को अनिवार्य रिटायरमेंट दिया जा सकता है। ऐसा करने के पीछे सरकार का मकसद बेहतर प्रदर्शन न करने वाले सरकारी कर्मचारी-अधिकारी को रिटायर करना होता है।

ऐसा नहीं है कि सरकार द्वारा इस तरह का पहला निर्णय लिया गया हो। अधिकारियों को अनिवार्य रिटायरमेंट दिए जाने का यह नियम काफी पहले से प्रभावी है। सरकार के इस निर्णय से सरकारी तंत्र में खलबली जैसा माहौल है। दरअसल मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरू में ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त फैसला लेते हुए आयकर विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारियों को नाप दिया। इनमें से कुछ अधिकारियों पर रिश्वत, जबरन वसूली तो एक पर महिला अधिकारियों का यौन शोषण करने के गंभीर आरोप लगे थे।

देश भर में आर्थिक अपराध बढ़ते जा रहे हैं। समय की मांग है कि इन्हें रोका जाए। यही वजह है कि केंद्र सरकार के निर्णय को स्वागत योग्य माना जा रहा है। बाहर किए गए अफसरों में शामिल एक जॉइंट कमिश्नर के खिलाफ भ्रष्टाचार और तांत्रिक चंद्रास्वामी की मदद करने वाले कारोबारियों से जबरन वसूली की गंभीर शिकायतें थीं। एक अधिकारी ऐसा भी था जिस पर विभाग की दो-तीन महिला अफसरों ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया हुआ था। लेकिन उच्च पहुंच के चलते वे बचे हुए थे। एक और चालबाज अफसर ने अपने और परिवार के दूसरे सदस्यों के नाम करोड़ों की चल-अचल संपत्तियां अर्जित की हुई थी। चल और अचल संपत्तियां उन्होंने कथित तौर पर अपने पद के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और गैर-कानूनी तरीके से जुटाई थी।

नौकरशाहों पर सख्त कार्रवाई करके नरेंद्र मोदी सरकार ने साफ संदेश दे दिया है कि उनकी भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस मुहिम जारी रहेगी। मोदी के प्रहार ने भ्रष्ट अधिकारियों की रातों की नींदे उड़ा दी हैं। कुछ अफसर भ्रष्टाचार के इस कदर आदी हो चुके थे कि बिना लिए-दिए काम करना उचित नहीं समझते थे। हालांकि कुछ और भ्रष्ट अफसरों की लिस्ट तैयार हो रही है जिन पर पर भी देर-सवेर कार्रवाई होनी निश्चित है।

केंद्र सरकार ने साफ तरीके से संदेश दे दिया है कि उनकी सरकार में दागियों के लिए जगह नहीं रहेगी। नौकर अगर भ्रष्ट हों, और सरकार ईमानदार हो तो माहौल को सुधारा जा सकता है। लेकिन यदि दोनों ही भ्रष्ट हों तो पारदर्शिता की कल्पना नहीं की जा सकती, और पहले की सरकारों के दौरान ऐसा गठजोड़ देखने को मिलता भी रहा है। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार ने बिगड़े माहौल में अब सुधार की तस्वीर पेश कर दी है।

भ्रष्टाचार एक ऐसा मुद्दा है जिस कारण कई सरकारें बदली। पूर्व में केंद्र की यूपीए सरकार को भी भ्रष्टाचार के कारण ही सत्ता से हाथ धोना पड़ा था जो हमारे लिए ताजा उदाहरण है। आम तौर पर सरकारी सत्ता और संसाधनों के निजी फायदे के लिए किए जाने वाले बेजा इस्तेमाल को भ्रष्टाचार कहा जाता है। एक दूसरी और अधिक व्यापक परिभाषा यह है कि निजी या सार्वजनिक जीवन के किसी भी स्थापित और स्वीकार्य मानक का चोरी-छिपे उल्लंघन भी भ्रष्टाचार माना जाता है। इन सभी कारणों का इस्तेमाल आज के भ्रष्ट अधिकारी करते हैं। कुछ समय से भ्रष्ट अधिकारियों ने रिश्वत लेने के तरीकों में बदलाव किया है। अधिकारी लेन-देन की डील किसी गुप्त स्थान पर करते हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस बारे में व्यापक जानकारी जुटाई है। सरकार की नजर हर छोटे-बड़े अधिकारी पर है। उनके कार्यकलापों की निगरानी की जा रही है। प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों के सचिवों को 100 दिन का एजेंडा तय करने का लक्ष्य दिया है। इससे कई अधिकारियों के हाथ-पांव फूले हुए हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि देश को भ्रष्टाचार से निजात मिल सकती है, लेकिन देखना यह होगा कि यह सब कैसे होता है और कब तक होता है।

## जुलाई से कारों का दाम बढ़ा सकती है होंडा

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** होंडा कार्स इंडिया (एचसीआइएल) ने अगले महीने से अपनी कारों के दाम में 1.2 फीसद तक की बढ़ोतरी का संकेत दिया है। कंपनी के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (सेल्स एंड मार्केटिंग) राजेश गोयल ने कहा कि होंडा पर कच्चे माल के बढ़ते दाम और कारों में नए सुरक्षा फीचर पेश करने के चलते बढ़ी लागत का दबाव है। गौरतलब है कि इससे पहले कंपनी ने इस वर्ष फरवरी में भी कारों के दाम में 10,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की थी।

भारत में 10-15 हजार रुपये की नौकरियां तो बहुत हैं। लेकिन ऊंची शिक्षा वालों के लिए उतने अवसर नहीं हैं। देश की समस्या कम वेतन की है, कम रोजगार की नहीं।

**— टीवी मोहनदास पई**
**पूर्व सीएफओ, इन्फोसिस**

# स्विस बैंक खाताधारकों पर शिकंजा, 50 भारतीयों को नोटिस

- स्विस अधिकारियों ने शुरू की खाते की जानकारी साझा करने की प्रक्रिया
- गैरकानूनी धन जमा करने वालों के खिलाफ नकेल कसने में जुटी एजेंसियां

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** स्विस अधिकारियों ने कम से कम 50 भारतीयों के स्विटजरलैंड के बैंकों में खाते की जानकारी साझा करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। दोनों देशों की नियामक एवं प्रवर्तन एजेंसियों ने गैरकानूनी धन जमा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ नकेल कसना शुरू कर दिया है।

ऐसे लोगों में ज्यादातर जमीन-जायदाद, वित्तीय सेवा, प्रौद्योगिकी, दूरसंचार, पेंट, इंटीरियर डेकोरेशन, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र के कारोबार से जुड़े कारोबारी और कंपनियां शामिल हैं। इनमें से कुछ डमी कंपनियां भी हो सकती हैं। दोनों देशों के बीच आपसी प्रशासनिक सहायता की प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

स्विटजरलैंड ने कालाधन की पनाहगाह की अपनी छवि सुधारने के लिए कुछ वर्षों में कई सुधार किए हैं। यह मुद्दा भारत सहित कई देशों में राजनीतिक रूप से संवेदनशील है। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने कालाधन के खिलाफ कठोर कार्रवाई शुरू की। इनमें स्विटजरलैंड के बैंकों में पैसा जमा करने वाले लोग भी शामिल हैं। तब से दोनों देशों ने अपना ढांचा मजबूत किया है और ग्लोबल आटोमेटिक एक्सचेंज आफ इंफार्मेशन पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछले कुछ सप्ताह में कम से कम 50 भारतीय खाताधारकों को नोटिस जारी कर उनकी सूचना भारतीय अधिकारियों को देने से पहले उन्हें अपील का एक अंतिम मौका दिया है।

कुछ संबंधित लोगों की प्रारंभिक अपील खारिज हो चुकी है। इसका कारण यह है कि उन्होंने पर्याप्त समर्थन साक्ष्य और दस्तावेज मुहैया नहीं कराए जिससे आगे की सुनवाई के योग्य नहीं पाया गया। पिछले एक वर्ष के दौरान 100 से ज्यादा भारतीय नागरिकों की जानकारी साझा की गई है। अधिकारियों ने कहा कि आने वाले महीनों में वर्तमान जो मामले नजर में हैं उन्हें प्रशासकीय सहायता के लिए मुहैया कराया जा सकेगा।

**स्विस कानून देता है अपील करने का मौका :** स्विस कानून के तहत स्विस बैंकों के विदेशी क्लाइंट को विवरण साझा करने से पहले अपील का मौका दिया जाता है। यह अवधि 30 दिनों की होती है कुछ मामलों में यह 10 दिनों की रहती है। विदेशी क्लाइंट को अपील का मौका देने के बाद स्विस सरकार संघीय गजट अधिसूचना सार्वजनिक की जाती है। कुछ ही मामलों में उनके पूरे नाम जारी किए जाते हैं। गोपनीयता व्यवस्था के कारण नाम के पहले अक्षर, जन्म तिथि और उनकी राष्ट्रीयता सार्वजनिक की जाती है।

**इनके पूरे नाम जारी किए गए :** हाल के सप्ताह में स्विस सरकार ने जिनके पूरे नाम जारी किए हैं उनमें कृष्ण भगवान रामचंद, पोटलुरी राजमोहन राव, कल्पेश हर्षद किनारीवाला, कुलदीप सिंह ढींगरा, भास्करन नलिनी, ललिताबेन चिमनभाई पटेल, संजय डालमिया, पंकज कुमार साराओगी, अनिल भारद्वाज, तरणी रेणु टीकमदास, महेश टीकमदास तरणी, सवानी विजय कनैयालाल, भास्करन तरुर, कल्पेशभाई पटेल महेंद्रभाई, अजय कुमार और दिनेश कुमार हिमतसिंगका, रतन सिंह चौधरी और कठोतिया राकेश कुमार

**कुछ के शुरुआती अक्षर ही जारी हुए :** कई मामलों में केवल नाम के शुरुआती अक्षर ही दिए गए हैं। ऐसे भारतीय नागरिक जिनके नाम के पहले अक्षर दिए गए हैं उनमें एनएमए, एमएमए, पीएएस, आरएएस, एबीकेआइ, एपीएस, एएसबीके, एमएलए, एडीएस, आरपीनए, एमसीएस, जेएनवी, जेडी, एडी, यूजी, वाईए, डीएम, एसएलएस, यूएल, एसएस, आरएन, वीएल, यूएल, ओपीएल, पीएम, पीकेके, बीएलएस, एसकेएल और जेकेजे शामिल हैं। इनमें शामिल लोग और उनकी कंपनियां कोलकाता, गुजरात, बेंगलुरु, दिल्ली और मुंबई की बताई जा रही हैं।

# क्या होता है ईटीएफ?

**हरिकिशन शर्मा, नई दिल्ली**

**जागरण पाठशाला**

अक्सर आप खबरों में ईटीएफ के बारे में पढ़ते होंगे। इस आर्थिक शब्दावली का आशय क्या है? निवेशकों के लिए इसका क्या मतलब है। 'जागरण पाठशाला' के इस अंक में हम यही समझने का प्रयास करेंगे।

ईटीएफ का मतलब है एक्सचेंज ट्रेडेड फंड। एक ऐसा फंड जो स्टॉक मार्केट में सूचीबद्ध है और जिसे एक स्टॉक (शेयर) की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है। एक प्रकार से यह अलग-अलग शेयरों का एक समूह है जिसमें वही शेयर शामिल होते हैं जो बीएसई सेंसेक्स या एनएसई निफ्टी में होते हैं। इसका मूल्य रियल टाइम में बदलता रहता है और आप इसे कारोबारी दिवस में किसी समय खरीद या बेच सकते हैं। म्युच्युअल फंड से यह इस मामले में भिन्न होता है क्योंकि इसे सिर्फ दिन में एक बार बाजार बंद होने के बाद खरीदा-बेचा जा सकता है। ईटीएफ में शेयर, वस्तु और बांड्स सहित कई प्रकार के निवेश हो सकते हैं। इस आधार पर ईटीएफ कई प्रकार के हो सकते हैं जैसे- बांड्स ईटीएफ जिसमें सरकारी बांड्स, कारपोरेट बांड्स और म्युनिसिपल बांड्स शामिल हैं। इसी प्रकार उद्योग आधारित ईटीएफ हो सकते हैं जो किसी एक उद्योग को ट्रैक करते हैं। इनमें बैंकिंग, प्रौद्योगिकी या तेल व प्राकृतिक गैस और उस क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों पर आधारित होते हैं। कमोडिटी ईटीएफ जो सोना या कच्चे तेल जैसी वस्तुओं में निवेश करते हैं। इसी तरह करेंसी ईटीएफ जो विदेशी मुद्रा में निवेश करते हैं। हालांकि निवेशकों को ईटीएफ के लिए ब्रोकरेज चार्ज देने होते हैं। ईटीएफ का सबसे अच्छा उदाहरण 'एसपीडीआर एसएंडपी 500' ईटीएफ है जो अमेरिकी शेयर बाजार के सूचकांक एसएंडपी500 इंडेक्स को ट्रैक करता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा और जाना-पहचाना ईटीएफ है। असल में ईटीएफ की शुरुआत ही अमेरिका से 1993 में हुई। शुरुआत में निवेशकों का रुझान ईटीएफ में निवेश की ओर नहीं था। लेकिन ईटीएफ ने दुनियाभर में व्यक्तिगत और संस्थागत निवेशकों के लिए निवेश का एक बड़ा अवसर प्रदान किया। ईटीएफ का मूल्य उसमें निहित शेयर या वस्तु के नेट एसेट वैल्यू यानी एनएवी पर आधारित होता है। हमने ऊपर पढ़ा कि ईटीएफ एक प्रकार का इंडेक्स फंड होता है। इसलिए यहां इंडेक्स फंड का मतलब भी समझना जरूरी है। एक इंडेक्स फंड एक प्रकार का म्युच्अल फंड है जो बिल्कुल शेयर बाजार के सूचकांक जैसा दिखता है। ईटीएफ के फंड मैनेजर शेयर बाजार के सूचकांक में शामिल शेयरों के अनुपात में निवेश करते हैं ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव की स्थिति में निवेशकों का जोखिम कम रहे। यह निवेशकों के लिए कई मायनों में फायदेमंद होता है। निवेशक का पहला फायदा यह होता है कि वह परोक्ष रूप से उन ब्लूचिप कंपनियों के शेयरों में निवेश करता है जिन्हें मिलाकर शेयर बाजार का सूचकांक बना है। चूंकि शेयर बाजार के सूचकांक में शामिल कंपनियां कम से कम 20 से 25 सेक्टर की होती हैं, इसलिए उनके निवेश में विविधता होती है।

**मंसूबे** ▸ कृषि और वित्तीय क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का खाका पेश करने की तैयारी

# दूसरे चरण के आर्थिक सुधारों का मजबूत आगाज करेगा आम बजट

**बजट से आस**

### श्रम सुधारों पर अभी भी असमंजस, लेकिन नाकाम सार्वजनिक उपक्रमों पर लगेगा विराम

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली**

आगामी बजट में भी अगले पांच वर्षों की आर्थिक नीतियों की झलक दिख सकती है। प्रतीकात्मक

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने जैसे ही भारी बहुमत से सत्ता में वापसी, वैसे ही अर्थशास्त्रियों ने यह कयास लगाना शुरू कर दिया था कि दूसरे दौर के आर्थिक सुधारों को लागू करने का इससे माकूल वक्त नहीं आ सकता है। अभी तक वित्त मंत्रालय में बजट-पूर्व बैठकों और दूसरे मंत्रालयों से चल रहे विमर्श से जो संकेत सामने आ रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि विशेषज्ञों की बात सही साबित होगी। पांच जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से पेश होने वाला आम बजट वित्तीय और कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी नतीजों वाला हो सकता है। सरकार की मंशा अब बेकार पड़े और नाकाम साबित हो चुके सरकारी उपक्रमों को आगे ले जाने की बिल्कुल भी नहीं है। दूसरी तरफ, सरकारी क्षेत्र के बैंकों में एकीकरण को लेकर अब सरकार खुलकर अपने एजेंडा को लागू करने को भी तैयार है।

वित्त मंत्री सीतारमण और उनके आला अधिकारियों के साथ पिछले एक हफ्ते के दौरान बजट-पूर्व बैठकों में भाग लेने वाले उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों और अर्थशास्त्रियों के मुताबिक सरकार ने अपनी मंशा बता दी है कि बजट एक तरह से अगले पांच वर्षों की आर्थिक नीतियों की नींव रखेगी। सरकार को अर्थव्यवस्था के समक्ष मौजूदा चुनौतियों का पूरा आभास है। इसलिए सुधारों को लेकर कोई भी हिचकिचाहट नहीं होगी। वित्त मंत्रालय का आकलन है कि पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए देश के वित्तीय क्षेत्र के मौजूदा स्वरूप में बड़े बदलाव करने होंगे। वित्तीय क्षेत्र में सुधार को लेकर सरकार के एजेंडे में सरकारी बैंकों में विलय व एकीकरण सबसे उपर है। इस बारे में एक प्रस्ताव पहले ही तैयार हो चुका है। कॉरपोरेट बांड बाजार को बढ़ावा देने को लेकर भी हाल ही में वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) में विमर्श हुआ है। इस बारे में बजट मे भी कदम उठाया जाएगा और उसके बाद आरबीआइ की तरफ से भी कुछ घोषणाएं होंगी। संकट से जूझ रही गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को अतिरिक्त फंड जुटाने की व्यवस्था संबंधी एलान भी आगामी बजट में हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने शनिवार को नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की बैठक में कृषि सुधार पर एक उच्चस्तरीय समिति बनाने का एलान किया है। इस समिति को कृषि क्षेत्र में सुधारों के नए दौर को लेकर सुझाव देने को कहा गया है। यह एक तरह से सुधारों को लेकर सरकार की मंशा को दर्शाता है। इस समिति की सिफारिशें तो बाद में लागू की जाएगी, लेकिन उससे पहले आम बजट में कृषि क्षेत्र को सुधारों की एक और खुराक दी जाएगी।

मंडियों में सुधार और अनाज भंडारण को लेकर सरकार बजट बढ़ाने जा रही है। इसी तरह से सरकारी क्षेत्र की कंपनियों को लेकर सरकार का नया रूप देखने को मिलेगा। खासतौर पर वैसे उपक्रम जिन्हें लगातार सरकारी खजाने से मदद दी जा रही है, उन पर सरकार अब पूरी तरह से पर्दा गिराने का मूड बना चुकी है। सरकार का विनिवेश कार्यक्रम पहले की तरह ही मजबूती से आगे बढ़ेगा और अपनी उपयोगिता खो चुके सार्वजनिक उपक्रमों को बंद करने का दो टूक फैसला भी होगा।

## सरकारी बैंकों को मिल सकती है 30,000 करोड़ रुपये की मदद

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** वित्त मंत्रालय सरकारी बैंकों की पूंजीगत जरूरतों का आकलन कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि चालू वित्त वर्ष (2019-20) में न्यूनतम नियामकीय जरूरतें पूरी करने के लिए सरकार बजट में चुनिंदा सरकारी बैंकों के लिए कुल 30,000 करोड़ रुपये का प्रावधान कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट पांच जुलाई को पेश होना है। देश की पहली पूर्णकालिक महिला वित्त मंत्री के रूप में निर्मला सीतारमण के लिए भी यह पहला बजट होगा। वे ऐसे समय में बजट पेश करने वाली हैं, जब आर्थिक विकास की दर पांच वर्षों के निचले स्तर पर है।

सूत्रों के मुताबिक बैंकों को विभिन्न सेक्टरों को कर्ज देने के लिए भी पूंजी की जरूरत है। जो पांच बैंक प्रांप्ट करेक्टिव एक्शन (पीसीए) के दायरे में हैं, उन्हें भी बासेल-3 नियमों के पालन के लिए न्यूनतम पूंजीगत स्तर बरकरार रखना है। इसके अलावा सरकारी क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में तीन-चार छोटे बैंकों के विलय का भी प्रस्ताव है, जिसके लिए सरकार को अतिरिक्त पूंजी निवेश करना होगा। पिछले वर्ष सरकार बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में देना बैंक और विजया बैंक का विलय कर चुकी है। बीओबी का पूंजी आधार बढ़ाने के लिए सरकार ने उसमें 5,042 करोड़ रुपये का निवेश किया। पिछले वित्त वर्ष (2018-19) में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सरकार ने रिकॉर्ड 1.06 लाख करोड़ रुपये की वित्तीय मदद दी। इस मदद के चलते ही बैंक ऑफ इंडिया, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, इलाहाबाद बैंक और कॉरपोरेशन बैंक पीसीए के दायरे से बाहर आने में सफल रहे।

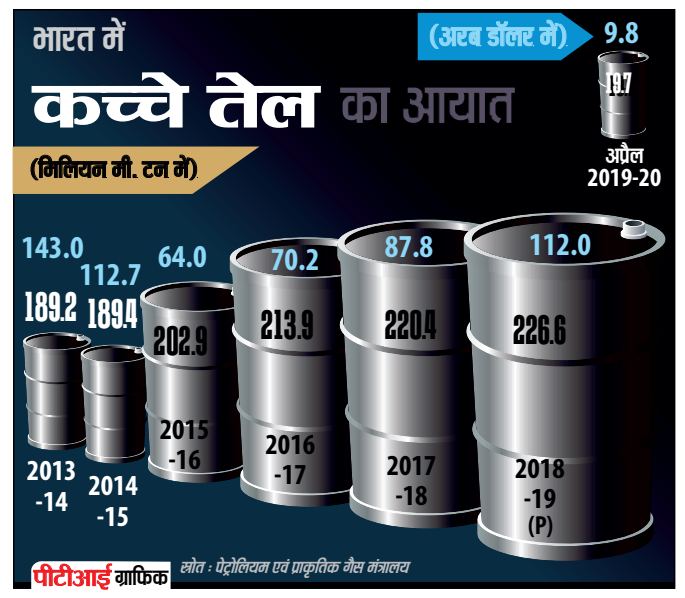


# कृषि सुधार की पहल में अड़चनें अपार

**सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली**

कई चुनौतियों से जूझ रहा कृषि क्षेत्र। फाइल

- किसानों को संपन्न बनाने के लिए कृषि क्षेत्र में कानूनी सुधार सबसे बड़ी चुनौती
- केंद्रीय सुधारों को लागू करने में राज्यों का लचर प्रदर्शन भी बड़ी बाधा

नीति आयोग की बैठक में कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने के लिए उसमें ढांचागत सुधार पर जोर दिया गया। लेकिन इन सुधारों में राज्यों का साथ बहुत अहम है, जो केंद्र को अब तक नहीं मिल पाया है। खेती को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और किसानों को संपन्न बनाने के लिए इसमें कानूनी सुधार सबसे बड़ी चुनौती है। बुनियादी सुविधाओं में निवेश, सिंचाई सुविधा मुहैया कराने, उपज के रखरखाव, प्रोसेसिंग और लाभकारी मूल्य दिलाने की राह बहुत आसान नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर नीति आयोग के वाइस चेयरमैन तक ने कृषि की चुनौतियों से पार पाने के उपाय सुझाए हैं। राज्यों को साथ लेने के उद्देश्य से ही कृषि सुधार के लिए कारगर पहल करते हुए मुख्यमंत्रियों की एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित करने का फैसला किया है। इससे राज्यों के साथ मिलकर कृषि क्षेत्र में कानूनी सुधार करने में मदद मिल सकती है। नीति आयोग की बैठक में जिन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई, उनमें कृषि में निवेश को बढ़ाने पर जोर दिया गया।

**कृषि क्षेत्र में निवेशकों का आना जरूरी :** कृषि में ढांचागत विकास के लिए निवेश की महती जरूरत है, जिसमें सरकार के साथ निवेशकों का आना आवश्यक माना गया है। कृषि मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कानूनी सुधार में भूमि पट्टेदारी कानून, ठेके पर खेती, मार्केट सुधार, आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन अथवा समाप्त करने और जिंसों की आवाजाही की पूरी तरह छूट शामिल हैं।

**उत्पादन के मुकाबले कम खपत से भी दिक्कत :** कमोडिटी बाजार के विशेषज्ञ संजीव गर्ग के मुताबिक देश में कृषि फसलों के साथ अन्य उपज के उत्पादन के मुकाबले घरेलू खपत कम है। इसका विपरीत असर जिंस बाजार पर पड़ता है और कीमतें कई बार लागत से भी कम हो जाती हैं। दूसरी ओर, प्रतिस्पर्धी मूल्य नहीं होने से वैश्विक बाजार में जिंस टिक नहीं पाती हैं। गर्ग के मुताबिक खाद्यान्न प्रबंधन पर सरकार को विशेष जोर देना होगा। कृषि उपज के मूल्यवर्धन के लिए प्रोसेसिंग उद्योग को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

हर खेत को पानी पहुंचाने की नीति पर अमल शुरू कर दिया गया है, लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी है। कृषि क्षेत्र में कानूनी सुधार होने के साथ ही निवेशकों का रुझान इस ओर हो सकता है। देश में भूमिहीन किसानों का एक बड़ा तबका है, जिसे कानूनी सुधार न होने की वजह से सुविधाएं नहीं मिल पाती है। ठेके पर खेती को लेकर पिछले दो दशकों से राज्यों को अपने कानून में संशोधन करने के लिए केंद्र उन्हें मॉडल कानून भेजता रहा है। लेकिन कुछ राज्यों को छोड़कर ज्यादातर राज्यों ने उस पर अमल नहीं किया है।

**जिंसों की बेरोकटोक आवाजाही बेहद जरूरी :** किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने और उनके नजदीक मंडी की सुविधा मुहैया कराने के फौरी प्रयास तो किए गए, लेकिन कुछ कानूनी अड़चनें अभी भी कायम हैं। एक राज्य से दूसरे राज्य में जिंसों की बेरोकटोक आवाजाही नहीं हो पाना बड़ी बाधा है। आवश्यक वस्तु अधिनियम जैसे कानूनों का औचित्य समाप्त हो गया है, फिर भी वे कायम हैं।

# स्वतंत्र निदेशक, ऑडिटर्स पर सेबी की पैनी नजर

**आइएलएंडएफएस मामला**

- सेबी को इन इकाइयों पर डिस्क्लोजर और कॉरपोरेट गवर्नेंस मानकों के उल्लंघन का है शक
- दोषी इकाइयों को आंशिक शेयरधारकों और सकल बाजार के हितों की अनदेखी की मिलेगी सजा

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** कर्ज के बोझ तले दबे इन्फ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज (आइएलएंडएफएस) ग्रुप के मामले में पूंजी बाजार नियामक सेबी की नजर अब व्यक्तियों और इकाइयों के एक बड़े वर्ग पर है। इनमें ग्रुप की कई कंपनियों और कई के स्वतंत्र निदेशकों, पूर्व शीर्ष प्रबंधन, रेटिंग एजेंसियां और उनके ऑडिटर्स तक शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) इन पर जल्द कार्रवाई शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना था कि आइएलएंडएफएस मामले में सेबी कई इकाइयों और व्यक्तियों की भूमिका की गहरी पड़ताल में जुटा है। सेबी को इन पर डिस्क्लोजर और कॉरपोरेट गवर्नेंस मानकों के उल्लंघन का शक है। अधिकारी के मुताबिक शक के दायरे में आए अधिकारियों और कंपनियों पर आंशिक शेयरधारकों के हितों के साथ खिलवाड़ करने के आरोप में जल्द कठोर कार्रवाई की जाएगी। इन्होंने आइएलएंडएफएस के आंशिक शेयरधारकों को ही नहीं, बल्कि अपनी गतिविधियों से शेयर बाजारों को नुकसान पहुंचाया है।

दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई के मूड में है पूंजी बाजार नियामक। फाइल

अधिकारी के मुताबिक सेबी उन सूचीबद्ध कंपनियों की भी पहचान में जुटा है, जो पिछला कर्ज चुकाने में विफल रहे थे, लेकिन उन्हें बार-बार ताजा कर्ज दिया जाता रहा। पिछले वर्ष जब आइएलएंडएफएस का मामला सामने आया था, उसके तुरंत बाद सेबी ने अपनी जांच शुरू कर दी थी। आइएलएंडएफएस ग्रुप और उसकी सहायक कंपनियों पर 90,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की देनदारी है और उसकी कई कंपनियां एक के बाद एक अपनी देनदारियों के भुगतान में विफल रही हैं।

मामला सामने आने और उसमें आइएलएंडएफएस ग्रुप के पूर्व प्रबंधन की भूमिका पर शक के बाद सरकार ने ग्रुप के निदेशक बोर्ड को निलंबित कर दिया। उसके बाद सरकार ने शीर्ष बैंकर उदय कोटक की अध्यक्षता में आइएलएंडएफएस के लिए एक नए निदेशक बोर्ड का गठन किया। यह बोर्ड पूर्व प्रबंधन की धोखाधड़ी की वजह से हुए नुकसान की वसूली और ग्रुप व उसकी सहायक कंपनियों को पटरी पर लाने में जुटा है।

गौरतलब है कि सेबी और गंभीर अपराध जांच कार्यालय (एसएफआइओ) की जांच में यह सामने आया है कि आइएलएंडएफएस ग्रुप की कई कंपनियां घपले में संलिप्त रही हैं। इनमें से कुछ ने कई कर्जदारों को पहले का कर्ज चुकाए बिना नए कर्ज की स्वीकृति दी। इन कंपनियों का शीर्ष प्रबंधन भी किसी न किसी तरह इन घपलों में शामिल था। रेटिंग एजेंसियों ने भी ग्रुप की कई कंपनियों की रेटिंग बढ़ा-चढ़ाकर पेश की और उसके बदले एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों को कई तरह से उपकृत किया गया। इतना ही नहीं, कई कर्जदारों को तो देर से कर्ज चुकाने तक के लिए कहा गया। बाद में जब उन्होंने कर्ज नहीं चुकाए, तो उनके लोन को फंसे कर्ज (एनपीए) में डाल दिया गया। इस तरह आइएलएंडएफएस का एनपीए लगातार बढ़ता गया।

**संकेत**

फेडरल रिजर्व का फैसला और अंतरराष्ट्रीय तनाव से भी प्रभावित होगा बाजार, अमेरिकी उत्पादों पर भारत का जवाबी शुल्क भी निवेशकों को जोखिम लेने से रोकेगा

# मानसून के हाल से तय होगी शेयर बाजार की चाल

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** मानसून की प्रगति, अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति समीक्षा और अंतरराष्ट्रीय तनाव जैसे मसले इस सप्ताह शेयर बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों के मुताबिक सरकार द्वारा 29 अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने से संबंधित घटनाक्रम पर भी निवेशक नजर टिकाए रहेंगे।

अमेरिका द्वारा कुछ खास स्टील और अल्यूमिनियम उत्पादों पर शुल्क बढ़ाने के बाद भारत ने 21 जून 2018 को अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का फैसला किया था। हालांकि इसे लागू करने की समय सीमा को सरकार ने कई बार आगे बढ़ाया, क्योंकि उसे उम्मीद थी कि इस मुद्दे पर कोई हल निकल जाएगा।

रेलिगेयर ब्रोकिंग के रिटेल डिस्ट्रीब्यूशन के प्रेसिडेंट जयंत मांगलिक ने कहा कि बाजार इन दिनों विदेशी संकेतों पर प्रतिक्रिया कर रहा है। इस स्थिति में निकट अवधि में बदलाव नहीं होगा, क्योंकि घरेलू स्तर पर बाजार को प्रभावित करने वाले बड़े कारकों का अभाव है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ऑयल टैंकर पर हमले को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप, अमेरिका व चीन की व्यापार वार्ता से संबंधित घटनाक्रम, 19 जून को फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति से संबंधित घोषणा और मानसून की प्रगति पर निवेशकों का ध्यान लगा रहेगा।

मानसून की अब तक की चाल बहुत उत्साहजनक नहीं रही है। प्रतीकात्मक

पिछले सप्ताह ओमान की खाड़ी में दो ऑयल टैंकर्स पर हुए हमले के बाद मध्यपूर्व में तनाव बढ़ गया और इसका असर दुनियाभर के शेयर बाजारों पर दिखा। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल और विदेशी पूंजी की दिशा भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। कैपिटलएम के रिसर्च प्रमुख रोमेश तिवारी ने कहा कि कर्ज भुगतान को लेकर वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों से आ रही नकारात्मक खबरें भी निवेशकों को बेचैन कर रही हैं। ये बाजार में गिरावट का एक बड़ा कारण बन सकती हैं।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि पिछली कुछ तिमाहियों के आर्थिक संकेतक उत्साहवर्धक नहीं हैं, फिर भी चुनाव के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में फिर से राजग की सरकार बनना अर्थव्यवस्था के कुछ प्रमुख क्षेत्रों के लिए शुभ दिख रहा है।

**पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट रही :** पिछले सप्ताह उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच बाजार में गिरावट रही। दो कारोबारी सत्र में बाजार में तेजी रही, दो अन्य सत्रों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि एक सत्र में बाजार सपाट स्तर पर बंद रहे। सप्ताहभर के कारोबार में बीएसई के सेंसेक्स में कुल 163.83 अंकों और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में कुल 47.35 अंकों की गिरावट रही।

## छह ब्लूचिप कंपनियों का एमकैप पिछले सप्ताह 34,250 करोड़ रुपये बढ़ा

**नई दिल्ली :** देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) पिछले सप्ताह कुल 34,250.18 करोड़ रुपये बढ़ा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का एमकैप सर्वाधिक 27,523.74 करोड़ रुपये बढ़ा। आइटीसी का एमकैप 2,513.02 करोड़ रुपये, एसबीआइ का 1,963.42 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआइएल) का 1,045.95 करोड़ रुपये, आइसीआइसीआइ बैंक का 745.32 करोड़ रुपये और इन्फोसिस का एमकैप 458.73 करोड़ रुपये बढ़ा। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, एचडीएफसी और कोटक महिंद्रा बैंक के एमकैप में गिरावट रही। टीसीएस सर्वाधिक एमकैप के साथ देश की सबसे बड़ी कंपनी रही।

## एफपीआइ ने जून में अब तक 11,132 करोड़ रुपये लगाए

**नई दिल्ली :** विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने जून में अब तक भारतीय पूंजी बाजारों (शेयर व डेट बाजार) में 11,132 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। डिपॉजिटरी के ताजा आंकड़ों के मुताबिक तीन से 14 जून तक एफपीआइ ने शेयर बाजारों में 1,517.12 करोड़ रुपये का और डेट बाजार में 9,615.64 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। इससे पहले एफपीआइ ने मई में 9,031.15 करोड़ रुपये, अप्रैल में 16,093 करोड़ रुपये, मार्च में 45,981 करोड़ रुपये और फरवरी में 11,182 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश भारतीय पूंजी बाजारों में किया था।

## एनएए को एक वर्ष का विस्तार संभव

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** नेशनल एंटी-प्रॉफिटियरिंग अथॉरिटी (एनएए) के कार्यकाल में एक वर्ष का विस्तार हो सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) काउंसिल की 21 जून को होने वाली बैठक में इस बारे में विचार किया जा सकता है। नवंबर, 2017 में गठित इस अथॉरिटी का कार्यकाल सिर्फ दो साल का है, जो इस वर्ष नवंबर के आखिर में खत्म हो जाएगा। अथॉरिटी को अभी भी बहुत सी शिकायतें मिल रही हैं और इसके पास लंबित मामले भी हैं। ऐसे में वित्त मंत्रालय का मानना है कि इसे एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया जाना चाहिए। अधिकारी का कहना था कि काउंसिल की 21 जून को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी जा सकती है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एक तथा सभी केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक अन्य अपीलीय प्राधिकरण के गठन के प्रस्ताव पर भी चर्चा हो सकती है। इसके अलावा शराब उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले एक्स्ट्रा-न्यूट्रल अल्कोहल (ईएनए) पर भी जीएसटी लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा संभव है।

**10** सदस्य भारतीय चालक दल के बचाए गए हैं ओमान में एक डूबती नौका से। इंजन में तकनीकी खराबी के कारण धल्कुट बंदरगाह शहर के समीप नौका डूब गई। यह जानकारी मस्कट में भारतीय दूतावास ने दी है।

# प्रत्यर्पण कानून पर चीन के पीछे हटने के मायने

हांगकांग को चीन के प्रत्यर्पण कानून के खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत हासिल हुई है। चीन के अधिकारियों के साथ लंबी चली बैठक के बाद हांगकांग की चीफ एक्जीक्यूटिव कैरी लैम ने कहा कि सरकार ने इस कानून को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया है। चीन ने भी उनका समर्थन किया। पिछले कुछ सालों में चीन के पीछे हटने का शायद यह पहला मौका है। साल 2012 में शी जिनपिंग के हाथों में चीन की कमान आने के बाद राजनीतिक स्तर पर पहली बार चीन अपने कदम रोकता हुआ नजर आ रहा है।

### कई मोर्चों पर लड़ रहा लड़ाई

चीन इस समय कई मोर्चों पर लड़ाइयां रहा है। अमेरिका के साथ जारी कारोबारी जंग, देश की धीमी पड़ती अर्थव्यवस्था और तेजी से बढ़ती मुद्रास्फीति दर चीन के सामने बड़ी चुनौती पेश कर रही है।

### अंतरराष्ट्रीय दबाव

9 जून को कानून के खिलाफ हांगकांग की सड़कों पर लोग बेहद शांति पूर्ण तरीके से निकले और प्रदर्शन करने लगे। लेकिन 12 जून को अचानक यह प्रदर्शन हिंसक हो उठा, जब प्रदर्शनकारियों द्वारा पत्थर फेंकने का जवाब सुरक्षा कर्मियों ने आंसू गैस और स्प्रे के इस्तेमाल से दिया। लेकिन बीजिंग की ओर झुकाव रखने वाली लैम ने इस कार्रवाई को जरूरी और जिम्मेदार कदम बताया। इस तरह की कार्रवाई करने पर सिर्फ स्थानीय व्यवसायी ही नहीं बीजिंग भी लैम के खिलाफ हो गया। चीन नहीं चाहता की वह प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पेपर स्प्रे, आंसू गैस छोड़ने जैसी कार्रवाई दोहराता

रहे। क्योंकि साल 2014 में हुआ अंब्रेला मूवमेंट हांगकांग की जनता ने अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ा था। 79 दिन तक चले इस प्रदर्शन में जनता वोट देने और अपना नेता चुनने की मांग लेकर सड़कों पर डटी रही। प्रदर्शन कर रहे नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया और आंदोलन को कुचल दिया गया। इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में आज भी चीन की आलोचना होती है।

### खत्म की आजादी

1997 में जब ब्रिटेन ने चीन को हांगकांग सौंपा था तो इस शहर की स्वतंत्रता बनाए रखने को लेकर कुछ शर्तें रखी गई थीं। जैसे हांगकांग के पास अपने अलग चुनाव, अपनी मुद्रा, प्रवासियों से जुड़े नियम और अपनी न्यायिक प्रणाली होगी। लेकिन बीते 20 साल में हांगकांग की चीन समर्थित असेंबली ने न सिर्फ इसकी इस आजादी को खत्म करने की कोशिश की है बल्कि काफी हद तक उसे सफलता भी मिली है।

### नसीब नहीं है लोकतंत्र

हांगकांग को स्वायत्तता तो दी गई है और चुनाव भी कराने का अधिकार है, लेकिन पूर्ण लोकतंत्र यहां लोगों को नसीब नहीं है। यहां के नागरिक असेंबली में बैठे 50 फीसद सदस्यों के लिए वोट कर सकते हैं। लेकिन बाकी के सदस्यों का फैसला इस क्षेत्र के बिजनेस सेक्टर का प्रतिनिधित्व करने वाले लोग ही करते हैं, जो जाहिर तौर पर बीजिंग के साथ खास व्यापारी रिश्ते रखते हैं। यहां चुनाव समिति में 1200 सदस्य हैं और ज्यादातर का झुकाव बीजिंग की नीतियों की ओर होता है। ऐसे में हांगकांग का चीफ एक्जीक्यूटिव वही बनता है, जिसे बीजिंग का समर्थन प्राप्त होता है।

## न्यूज गैलरी

### यूएई में स्कूल बस में सो गया बच्चा, दम घुटने से मौत

**दुबई** : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में रहने वाले एक भारतीय परिवार का छह साल का बच्चा अपनी स्कूल बस में मृत मिला। बताया जा रहा है कि स्कूल जाते वक्त बच्चा बस में सो गया था और कई घंटे तक बस में बंद रहने से दम घुटने के कारण उसकी मौत हो गई। केरल के कारोबारी परिवार का बच्चा मुहम्मद फरहान फैसल दुबई के अल कौज स्थित इस्लामिक सेंटर स्कूल का छात्र था। शनिवार सुबह स्कूल जाते वक्त बस में बैठते ही उसे नींद आ गई। आठ बजे स्कूल पहुंचने पर सारे बच्चे बस से उतर गए लेकिन फैसल अपनी सीट पर ही सोता रह गया। दुबई पुलिस के अनुसार, दोपहर तीन बजे बच्चों को वापस घर ले जाते वक्त ड्राइवर ने फैसल को बस में मृत पाया। मौत की वजह दम घुटना बताया जा रहा है। फैसल तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था। (प्रेट्र)

### लेफ्टिनेंट जनरल हमीद बने आइएसआइ प्रमुख

इस्लामाबादः पाकिस्तानी सेना ने रविवार को लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को खुफिया एजेंसी आइएसआइ का प्रमुख नियुक्त किया है। सेना के कई अन्य शीर्ष पदों पर भी बदलाव किए गए हैं। हमीद को लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर की जगह पर इंटर सर्विस इंटेलीजेंस (आइएसआइ) का महानिदेशक बनाया गया है। मुनीर को स्थानांतरित करते हुए गुजरावाला का कमांडर नियुक्त किया गया है। नावीद मुख्तार की सेवानिवृत्ति के बाद गत वर्ष अक्टूबर में मुनीर को आइएसआइ प्रमुख बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना ने 12 अप्रैल को हमीद को प्रोन्नति देते हुए जनरल हेडक्वार्टर में तैनाती दी थी। जियो न्यूज के अनुसार, वह पहले आइएसआइ में काउंटर इंटेलीजेंस विंग प्रमुख रह चुके हैं। (प्रेट्र)

# टैंकर विस्फोट मामले में अब सऊदी ने भी ईरान को घेरा

**आरोप** ▸ एबी शिंजो के स्वागत में जापान के ही टैंकर पर किया हमला

### सऊदी की सुरक्षा और संप्रभुता पर खतरे से निपटने के लिए उठाएंगे हर संभव कदम : प्रिंस सलमान

**दुबई, एएफपी** : ओमान की खाड़ी में गुरुवार को दो तेल टैंकरों पर हुए हमले को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर थमता नहीं दिख रहा है। अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बाद अब सऊदी अरब ने भी इसमें ईरान का हाथ होने की बात कही है। सऊदी के क्राउन प्रिंस मुहम्मद बिन सलमान ने कहा कि जापान के प्रधानमंत्री एबी शिंजो के स्वागत में ईरान ने जापान के ही टैंकर पर हमला कर दिया।

क्राउन प्रिंस मोहम्द बिन सलमान। रायटर

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने की कोशिश में एबी शिंजो बीते हफ्ते ईरान की राजधानी तेहरान पहुंचे थे। इसी दौरान टैंकरों पर हमले का मामला सामने आया। सऊदी प्रिंस ने कहा, 'हम क्षेत्र में युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अपने लोगों, अपनी संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और हितों पर कोई खतरा दिखा, तो हम उससे निपटने में हिचकेंगे नहीं।' इससे पहले अमेरिका भी इस हमले में ईरान का हाथ बता चुका है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि यह सब ईरान की सोची-समझी साजिश है। अमेरिका के सुर में सुर मिलाते हुए यूएई ने भी हमले में ईरान की भूमिका बताई है। ब्रिटेन ने भी हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेरेमी हंट ने कहा, 'मैंने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप से बात की। यह स्पष्ट है कि अमेरिका चाहता है कि इस मसले का हल बातचीत से निकल जाए। देखना है कि ईरान शांति की दिशा में कदम कब उठाएगा।'

दुनिया के सबसे व्यस्त जलमार्गों में से एक ओमान की खाड़ी में बीते गुरुवार को पेट्रोलियम पदार्थों से लदे दो जहाजों पर हमला कर दिया गया। इससे एक जहाज में आग लग गई थी। फाइल

**ईरान ने अमेरिका पर साधा निशाना** : चारों तरफ से घिरे ईरान ने अब अमेरिका पर पलटवार किया है। हमले में अपनी भूमिका से इन्कार करते आ रहे ईरान ने इसमें अमेरिका का हाथ होने की बात कही है। ईरान की संसद के अध्यक्ष अली लारीजानी ने कहा, 'अमेरिका को ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध से कोई परिणाम नहीं मिला है। टैंकरों पर यह संदिग्ध हमला इस प्रतिबंध को सही ठहराने की कोशिश का हिस्सा लग रहा है। अमेरिका पहले भी ऐसा कर चुका है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान उसने पक्ष मजबूत करने के लिए जापान के नजदीक अपने ही जहाजों को निशाना बना लिया था।'

**सुरक्षित जगह पहुंचे टैंकर** : हमले के शिकार हुए जापान के टैंकर कोकुका करेजियस और नार्वे के टैंकर फ्रंट अल्टेयर को सुरक्षित जगह पर पहुंचा दिया गया है। जापानी टैंकर का प्रबंधन संभालने वाली सिंगापुर की कंपनी बीएसएम शिप मैनेजमेंट ने बताया कि टैंकर पहुंच गया है और इस पर सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। दूसरे टैंकर को भी सुरक्षित तरीके से यूएई के फुजैरा बंदरगाह तट की ओर पहुंचा दिया गया है।

## इजरायल के पीएम की पत्नी सरकारी धन के दुरुपयोग की दोषी

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी सारा रविवार को यरुशलम स्थित मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश हुईं। रायटर

**यरुशलम, एएफपी** : इजरायल की एक अदालत ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी सारा को सरकारी धन के दुरुपयोग का दोषी ठहराया है। लेकिन अदालत ने सारा (60) पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप रद कर दिए। उन पर 2800 डॉलर (करीब दो लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। सारा (60) पर सरकारी धन का इस्तेमाल कर रेस्तरां से एक लाख डॉलर (करीब 70 लाख रुपये) का खाना मंगाने का आरोप था। उन पर यह झूठा बयान देने का भी आरोप था कि प्रधानमंत्री आवास में बावर्ची नहीं होने के कारण उन्हें ऐसा करना पड़ा था। इस मामले में उनके खिलाफ पिछले साल जून में धोखाधड़ी और विश्वासघात का केस दर्ज किया गया था। सारा को दोषी करार देने के बाद यरुशलम मजिस्ट्रेट कोर्ट के जज अविताल चेन ने उन्हें सरकारी खजाने में 12,500 डॉलर (करीब आठ लाख रुपये) का हर्जाना भरने का भी आदेश दिया। सारा यह रकम नौ किस्तों में भर सकती हैं। फैसला सुनाते हुए जज ने कहा कि अपराध की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए ही सजा सुनाई गई है।

# ऊंट बेचने वाले ने सूडान की सत्ता पर बनाई पकड़

न्यूयॉर्क टाइम्स से

**खारतूम** : कभी ऊंट का व्यापार करने वाले लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद हमदान ने अब सूडान की सत्ता पर पकड़ बना ली है। दारफूर में हिंसक विद्रोही संगठन की कमान भी कथित तौर पर हमदान के हाथ में ही थी। अब उनके नेतृत्व में ही राजधानी खारतूम में लोकतंत्र समर्थकों के खिलाफ रैपिड सपोर्ट फोर्सेज की हिंसक कार्रवाई जारी है। बीते तीन जून से शुरू हुई कार्रवाई में 100 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। नील नदी से 40 से ज्यादा शव बरामद किए गए हैं। कई महिलाओं ने सैनिकों पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। इन सब आरोपों से परे हमदान अपने रुतबे का आनंद ले रहे हैं। राजधानी में वर्चस्व के चलते सूडान पर अघोषित रूप से उनकी सत्ता कायम है।

सेना ने 30 साल तक सत्ता में रहे राष्ट्रपति उमर अल-बशीर का अप्रैल में तख्तापलट कर दिया था। उसके बाद सत्ता सेना के हाथ में चली गई थी और आधिकारिक तौर पर जनरल अब्देल फतह-अल बुरहान उसके नेता हैं। हालांकि, राजधानी खारतूम में हमदान की पकड़ को देखते हुए कई लोग उन्हें ही सूडान का अघोषित शासक मान रहे हैं। महज प्राथमिक स्कूल तक पढ़े और बिना किसी सैन्य प्रशिक्षण के हमदान अपनी अघोषित सत्ता का आनंद उठा रहे हैं। उनकी चार पत्नियां हैं। सैन्य मुख्यालय में स्थापित उनके कार्यालय में लोगों को तांता लगा रहता है। पूर्व सैन्य अधिकारियों को मिले पदक और सुनहरी तलवारें हमदान के आसपास सजी हैं। अपने खिलाफ उठने वाली आवाजों को लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद हमदान विपक्षियों की साजिश बताकर खारिज कर देते हैं।

▸ विद्रोही संगठन की कमान संभल चुके लेफ्टिनेंट हमदान की सूडान में अघोषित सत्ता

लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद हमदान। फाइल

### पूर्व राष्ट्रपति बशीर का दायां हाथ रहे हैं हमदान

हमदान जिन्हें हेमेती के नाम से भी जाना जाता है, कई वर्षों तक पूर्व राष्ट्रपति बशीर का दायां हाथ रहे थे। अप्रैल में हुए आंदोलन में उन्होंने खुद को बशीर से अलग करते हुए कहा था कि वह भी आंदोलन के पक्ष में है।

### खुद को बताते हैं सूडान का संरक्षक

हमदान और उनके लड़ाकों पर लोकतंत्र समर्थकों की हत्या और दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। हालांकि, हमदान खुद को सूडान का संरक्षक बताते हैं। उनका कहना है कि यदि उन्होंने परिस्थिति ना संभाली होती, तो सूडान नष्ट हो गया होता।

# नेपाल में एवरेस्ट के प्रवेश द्वार पर भारत ने मनाया योग दिवस

**काठमांडू, प्रेट्र** : पांचवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर देश-विदेश में तैयारियां जोरों पर हैं। इसी सिलसिले में नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को त्यांगबोचे में योग कार्यक्रम का आयोजन किया। त्यांगबोचे को दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत शिखर (8848 मीटर) माउंट एवरेस्ट का प्रवेश द्वार कहा जाता है। इस कार्यक्रम में नेपाल में भारत के राजदूत मंजीव सिंह पुरी के अलावा स्थानीय लोगों, विभिन्न महिला व युवा संगठनों के सदस्यों, सागरमाथा राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारियों और विदेशी पर्यटकों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि 27 सितंबर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग दिवस मनाने का प्रस्ताव दिया था। यूएन ने इसे स्वीकृति दे दी थी जिसके बाद से हर साल 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।

**एवरेस्ट आधार शिविर में योगाभ्यास** : पहली बार माउंट एवरेस्ट के आधार शिविर में भी योग दिवस मनाया गया है। गुजरात के पर्वतारोही भरत शर्मा ने अन्य पर्वतारोहियों के साथ समुद्रतल से 17,600 फीट की ऊंचाई पर योगाभ्यास कर इतिहास रचा। उधर, भारत में दक्षिण ओडिशा के नक्सल प्रभावित मल्कानगिरी जिले में सीमा सुरक्षा बल(बीएसएफ) के जवानों ने योगा कर अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के सिलसिले में रविवार को थाइलैंड के चुलांगकॉर्न यूनिवर्सिटी के विशाल मैदान में भी योगाभ्यास किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले एवरेस्ट के प्रवेश द्वार पर योग करते भारतीय दूतावास के कर्मचारी।

## अगले सप्ताह दोहा में फिर बात करेंगे अमेरिका-तालिबान

**काबुल, आइएएनएस** : अफगानिस्तान में वर्षों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका और आतंकी संगठन तालिबान के प्रतिनिधि अगले सप्ताह कतर की राजधानी दोहा में फिर वार्ता करेंगे। दोनों पक्षों में सातवें दौर की इस शांति वार्ता के दौरान एक या दो मुद्दों पर सहमति बनने की संभावना जताई जा रही है।

अफगानिस्तान में अमेरिका के विशेष दूत जालमे खलीलजाद तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ अब तक छह बैठकें कर चुके हैं। युद्धविराम, अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी और वार्ता में अफगान सरकार को भी शामिल किए जाने की शर्तें दोनों पक्षों के बीच समझौते में अड़ंगा बनी हुई हैं। माना जा रहा है कि अगले हफ्ते होने वाली वार्ता में कुछ शर्तों पर सहमति बनाने के लिए तालिबान को कई सहूलियतें दी जा सकती हैं।

वार्ता के लिए दोहा जाने से पहले खलीलजाद ने यहां अफगान सरकार में शीर्ष पदों पर बैठे लोगों से मुलाकात की। मई में हुई पिछली वार्ता के बाद खलीलजाद ने कहा था कि तालिबान के साथ बातचीत की रफ्तार धीमी जरूर है लेकिन उसमें लगातार प्रगति हो रही है। बता दें कि अभी तक अमेरिका तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ अब तक छह बैठकें कर चुका है। कई मुद्दों पर समझौतों में सहमति नहीं बन पाने से मामला अधर में लटका पड़ा है।

### पाकिस्तान में महंगाई के खिलाफ गुस्सा

खाद्य वस्तुओं और अन्य जरूरत की चीजों के दामों में बेतहाशा वृद्धि को लेकर पाकिस्तान की इमरान खान सरकार को लेकर गुस्सा फूट पड़ा है। लाहौर में रविवार को जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया। राजनीतिक और सुरक्षा कारणों की वजह से देश में निवेश लगभग थम गया है। इससे आर्थिक स्थिति की सेहत बिगड़ गई है। इसका सर्वाधिक असर कीमतों पर पड़ रहा है। एपी

## 'रोहिंग्या संकट नहीं सुलझा तो अस्थिर हो सकता है क्षेत्र'

**ढाका, एएनआइ** : बांग्लादेश के राष्ट्रपति अब्दुल हामिद ने रोहिंग्या संकट को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस मसले को अगर नहीं सुलझाया गया तो इससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो सकता है। बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित एक सम्मेलन में शनिवार को यह बात कही। एशियाई देशों में आपसी विश्वास और परस्पर संपर्क विकसित करने के उपाय विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में हामिद ने कहा, 'म्यांमार से पलायन को मजबूर हुए 11 लाख रोहिंग्या शरणार्थी अब भी बांग्लादेश में रह रहे हैं। नस्ली संघर्ष, शरणार्थियों की समस्या, नशीले पदार्थों की तस्करी, आर्थिक दिक्कतें और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दे एशियाई सुरक्षा को कमजोर कर रहे हैं।' बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने सम्मेलन के दौरान अन्य देशों से रोहिंग्या मुसलमानों को म्यांमार के रखाइन प्रांत वापस भेजने में सहयोग की अपील भी की।

अब्दुल हामिद। फाइल

## विरोध

लाखों लोग सड़क पर उतरे, प्रत्यर्पण कानून के खिलाफ की नारेबाजी, हांगकांग की मुख्य कार्यकारी लैम ने मांगी माफी, इस्तीफे से किया इन्कार

# कैरी लैम के इस्तीफे की मांग, ठप हुआ हांगकांग

**हांगकांग, एएफपी** : हांगकांग में दूसरे रविवार को भी लाखों प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर आकर महानगर की गतिविधियों को ठप कर दिया। ये प्रदर्शनकारी उस प्रत्यर्पण कानून का विरोध कर रहे हैं जिसमें चीन में ले जाकर मुकदमा चलाए जाने का प्रावधान है। प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए हांगकांग की मुख्य कार्यकारी कैरी लैम ने माफी मांगी है लेकिन उन्होंने इस्तीफे से इन्कार कर दिया है। प्रदर्शनकारी चीन समर्थक कैरी के इस्तीफे से कम पर तैयार नहीं हैं। अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने कहा है कि हांगकांग में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई के मसले पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसी महीने होने वाले जी 20 सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से बात करेंगे।

रविवार को दिन भर प्रदर्शनकारी पूरे शहर में मार्च कर नारेबाजी करते रहे और कैरी लैम के मुख्य कार्यकारी पद से इस्तीफे की मांग करते रहे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने हिंसा तो नहीं की लेकिन सार्वजनिक यातायात पूरी तरह से ठप रहा। यह कुछ वैसा ही प्रदर्शन था, जैसा कि पिछले रविवार को हुआ था जब दस लाख से ज्यादा लोग विभिन्न सड़कों के जरिये संसद तक पहुंचे थे और वहां पर उन्होंने प्रत्यर्पण कानून के प्रति विरोध व्यक्त किया था।

प्रदर्शनकारियों का मानना है कि हांगकांग में दर्ज मुकदमों की सुनवाई अगर चीन की अदालतों में हुई तो वहां पर उनके साथ न्याय नहीं हो सकेगा। वहां पर राजनीति से प्रेरित अदालतें आरोपियों के खिलाफ सरकार के इशारे पर फैसले देंगी। मुख्य कार्यकारी के कार्यालय ने फिलहाल यह कानून लागू करने से टाल दिया है। इस लिहाज से प्रदर्शनकारियों की जीत हुई है लेकिन पूर्व में शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में पुलिस की बर्बर कार्रवाई के विरोध में लोग कैरी लैम के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

हांगकांग में विवादित प्रत्यर्पण कानून स्थगित किए जाने के बावजूद प्रदर्शनकारी अपने कदम पीछे खींचने को तैयार नही हैं। रविवार को प्रस्तावित बिल वापस लिए जाने की मांग को लेकर लाखों लोग सड़क पर उतरे। रायटर

## प्लास्टिक प्रदूषण कम करने के समझौते पर जी-20 सहमत

**टोक्यो, एएफपी** : दुनिया की 20 बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों (जी-20) ने जापान में रविवार को समाप्त हुई बैठक में समुद्र में प्लास्टिक के कचरे की मात्रा में कमी लाने के लिए एक समझौते को लेकर सहमति जताई है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि वह इस कवायद को किस प्रकार अंजाम देंगे। एक स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह स्वैच्छिक कदम होगा और इस कार्य की प्रगति की वार्षिक रिपोर्ट जारी होगी।

समाचार पत्र योमिउरी शिंबुन ने बताया है कि जापान सरकार इस मुद्दे पर नवंबर में बैठक आयोजित किए जाने को लेकर आशान्वित है। जी-20 देशों के पर्यावरण व ऊर्जा मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक के बाद जापानी पर्यावरण मंत्री योशियाकी हरादा ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात रही कि हम उभरते और विकासशील के साथ-साथ सभी देशों के लिए नियम बनाने में सक्षम थे।खासतौर पर चीन और अन्य देशों द्वारा प्लास्टिक कचरे के आयात पर लगाए गए प्रतिबंध के बाद यह चिंता और बढ़ गई है।

## ब्रिटेन में मेन्सा स्कोर में टॉप पर रही भारतीय मूल की लड़की

**लंदन, प्रेट्र** : भारतीय मूल की 11 वर्षीया लड़की ने ब्रिटिश मेन्सा टेस्ट में सबसे ज्यादा अंक हासिल किए हैं। उसे बच्चों के मेन्सा मेंबरशिप क्लब में आमंत्रित किया गया है।हाल ही में कैटेल 3 पेपर में जिया वाडुचा ने सर्वाधिक संभव 162 अंक हासिल किए हैं। पेशे से अकाउंटेंट जया की मां बीजल अपने पति जिग्नेश के साथ साफ्टवेयर कंसल्टेंसी स्कनेल साल्यूशन लिमिटेड चलाती हैं। उनका पूरा परिवार मुंबई में रहता है।

बीजल ने कहा, 'माता-पिता के रूप में जया की उपलब्धि पर हम गर्व करते हैं। अत्यंत कम उम्र में उसने 162 अंक हासिल कर प्रतिभा प्रदर्शित की है। उसने हमें पूरी तरह से हैरत में डाल दिया है। अब हमारे लिए उसे वहां अवसर दिलाने की असली परीक्षा शुरू होती है जहां वह अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने में सक्षम हो सके।'इस महीने के शुरू में जब परिणाम सामने आया तो जया एक मिनी सेलेब्रिटी में बदल गई। परिवार और मित्रों ने बधाई दी। यहां तक कि उसके सहपाठियों ने उसके आटोग्राफ लिए।

**ये भी जानिए**

140 का स्कोर रोहित शर्मा ने पाक के खिलाफ बनाया। यह विश्व कप में पाक के खिलाफ बनाया गया दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। सर्वश्रेष्ठ स्कोर एंड्रयू साइमंड्स (143*) ने 2003 में बनाया था।

**शानदार** ▶ मैच के दौरान हावी रही विराट की टीम, बेदम नजर आए पाकिस्तान के गेंदबाज, 89 रन से जीता भारत

# पूरी तैयारी के साथ आई थी टीम इंडिया

अभिषेक त्रिपाठी ● मैनचेस्टर

विश्व कप के सबसे बड़े मुकाबले के लिए भारतीय टीम पूरी तैयारी के साथ आई थी और उसने पाकिस्तान की खराब गेंदबाजी का फायदा उठाते हुए पूरे मैच में खुद को विपक्षी टीम पर हावी रखा। भारत ने तो इस दौरान शानदार बल्लेबाजी की ही, राहुल और विजय शंकर ने भी इस हाईप्रोफाइल मैच में मिले मौकों को भुनाया। भारतीय बल्लेबाजी का डर इतना था कि तीन तेज गेंदबाजों मुहम्मद आमिर, वहाब रियाज और हसन अली को लेकर खेल रही पाकिस्तानी टीम ने नौवें ओवर में ही स्पिनर इमाद को लगाया, लेकिन उन्हें कोई फायदा नहीं मिला। मुहम्मद आमिर ने अपने पहले स्पैल में रोहित को सात गेंद फेंकीं, लेकिन उसमें से कोई भी फुल गेंद नहीं थी। पाकिस्तान ने इस मैच में शादाब खान और इमाद वसीम के तौर पर दो स्पिनर खिलाए। पिछले मैच में यह दोनों नहीं खेले थे। जवाब में बारिश होने पर पाकिस्तान को संशोधित लक्ष्य मिला। आखिरी पांच ओवरों (40 ओवर) में 302 रन बनाने थे, लेकिन पाकिस्तान की टीम इस लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई और यह मुकाबला 89 रन से हार गई।

**राहुल ने धवन की कमी नहीं खलने दी :** राहुल को शिखर धवन के चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ ओपनिंग करने का मौका मिला। 17वां वनडे खेल रहे राहुल ने इस मौके को भुनाया ही। वह भारत के लिए ओपनिंग करते हुए इससे पहले ज्यादा रन नहीं बना पाए थे, इसलिए उन्हें मध्य क्रम में भेजा जा रहा था, लेकिन धवन के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में चोटिल हो जाने के कारण उन्हें फिर ओपनिंग का मौका मिला। हालांकि, वह घरेलू क्रिकेट में जीवन भर ओपनिंग ही करते आए हैं। उन्होंने इस मैच में मुहम्मद आमिर के खिलाफ सधी शुरुआत की और पहली छह की छह गेंद आराम से खेलीं। यह ओवर मेडन गया। उन्होंने 22वें ओवर में शोएब मलिक की गेंद पर मिडविकेट पर छक्का मारकर अपने वनडे करियर का तीसरा अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने हफीज के अगले ओवर में ही बाहर निकलते हुए मिडविकेट पर फिर एक बेहतरीन छक्का लगाया। हालांकि, वह वहाब के ओवर में 57 रन बनाकर आउट हो गए।

**पाकिस्तान ने रन आउट का मौका गंवाया :** मैच के 10वें ओवर में ही पाकिस्तान के पास रोहित को आउट करने का मौका था, लेकिन सरफराज की टीम ने उसे गंवा दिया। राहुल ने शॉट मारा और रोहित दूसरे रन की ओर भागे। वह आधी क्रीज पार कर गए थे, लेकिन पाकिस्तान क्षेत्ररक्षक ने बल्लेबाजी छोर की जगह गेंदबाजी छोर की तरफ थ्रो किया, जिससे रोहित बच गए और उसके बाद उन्होंने विपक्षी टीम की बखिया उधेड़ दीं। रोहित के आउट होने के बाद पिछले मैच की ही तरह इस बार भी हार्दिक को चौथे नंबर पर उतारा गया। उन्होंने दो चौके और एक छक्का मारा। भारत ने 40 ओवर में 248 रन बना लिए थे। 42.2 ओवर में पांड्या का ऊपरी किनारा लगकर गेंद छक्के के लिए विकेट के पीछे गई। पांड्या इतनी तेज शॉट मारते हैं कि गेंद किनारा लेकर भी छक्के के लिए चली जाती है। उन्होंने इसी ओवर की चौथी गेंद पर फाइन लेग पर चौका लगाया। हालांकि, वह आमिर की गेंद पर हेलीकॉप्टर शॉट मारने के चक्कर में लांग ऑन में लपके गए। गेंद उनके बल्ले में ढंग से आई नहीं।

### वनडे में सबसे ज्यादा रन

| खिलाड़ी | देश | पारी | रन |
|---|---|---|---|
| सचिन तेंदुलकर | भारत | 452 | 18426 |
| कुमार संगकारा | श्रीलंका | 380 | 14234 |
| रिकी पोंटिंग | ऑस्ट्रेलिया | 365 | 13704 |
| सनथ जयसूर्या | श्रीलंका | 433 | 13430 |
| महेला जयवर्धने | श्रीलंका | 418 | 12650 |
| इंजमाम उल हक | पाकिस्तान | 350 | 11739 |
| जैक कैलिस | दक्षिण अफ्रीका | 314 | 11579 |
| सौरव गांगुली | भारत | 300 | 11363 |
| विराट कोहली | भारत | 222 | 11020 |
| राहुल द्रविड़ | भारत | 318 | 10889 |

### वनडे क्रिकेट में सबसे तेज रन

| रन | खिलाड़ी | पारी |
|---|---|---|
| 1000 | फखर जमां | 18 |
| 2000 | हाशिम अमला | 40 |
| 3000 | हाशिम अमला | 57 |
| 4000 | हाशिम अमला | 81 |
| 5000 | हाशिम अमला | 101 |
| 6000 | हाशिम अमला | 123 |
| 7000 | हाशिम अमला | 150 |
| 8000 | विराट कोहली | 175 |
| 9000 | विराट कोहली | 194 |
| 10000 | विराट कोहली | 222 |

### स्कोर बोर्ड

टॉस : पाकिस्तान (गेंदबाजी) — मैन ऑफ द मैच : रोहित शर्मा

भारत **336/5** (50 ओवर)

| | रन | गेंद | चौके | छक्के |
|---|---|---|---|---|
| लोकेश राहुल का . बाबर बो . रियाज | 57 | 78 | 03 | 02 |
| रोहित शर्मा का . रियाज बो . हसन | 140 | 113 | 14 | 03 |
| विराट कोहली का . सरफराज बो . आमिर | 77 | 65 | 07 | 00 |
| हार्दिक पांड्या का . बाबर बो . आमिर | 26 | 19 | 02 | 01 |
| धौनी का . सरफराज बो . आमिर | 01 | 02 | 00 | 00 |
| विजय शंकर नाबाद | 15 | 15 | 01 | 00 |
| केदार जाधव नाबाद | 09 | 08 | 01 | 00 |

अतिरिक्त : (बा-1, लेबा-1, वा-9) 11

कुल : 50 ओवर में पांच विकेट पर 336 रन

विकेट पतन : 1-136 (राहुल, 23.5), 2-234 (रोहित, 38.2), 3-285 (हार्दिक, 43.5), 4-298 (धौनी, 45.1), 5-314 (कोहली, 47.4)

गेंदबाजी :
मुहम्मद आमिर 10-1-47-3
हसन अली 9-0-84-1
वहाब रियाज 10-0-71-1
इमाद वासिम 10-0-49-0
शादाब खान 9-0-61-0
शोएब मलिक 1-0-11-0
मुहम्मद हफीज 1-0-11-0

परिणाम : 89 रन से जीता भारत (डीएल)

### विराट बनाम आमिर

**मैनचेस्टर :** आमिर ने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में विराट को दो बार आउट किया था, जिसमें से एक नो बॉल थी। उस मैच में विराट को पहले ओवर में ही उतरना पड़ा था, लेकिन यहां पर विराट इस गेंदबाज के सामने परेशान नहीं हुए। 29वें ओवर में दोनों का आमना-सामना हुआ। हालांकि, इस ओवर में एक गेंद विराट के बल्ले के पास से निकली जिसके बाद आमिर ने उनसे हंसते हुए कुछ कहा, लेकिन उन्होंने 31वें ओवर की दूसरी गेंद पर आमिर पर कवर और मिड ऑफ के बीच में चौका मारा। 44वें ओवर में विराट ने आमिर पर मिड ऑफ पर एक और चौका मारा। विराट आउट थे या नहीं : हालांकि 48वें ओवर की चौथी गेंद पर वह इसी गेंदबाज का शिकार हुए। आमिर ने विराट को एक तेज बाउंसर मारी। विराट इसे फाइन लेग पर मारना चाह रहे थे, लेकिन गेंद विकेटकीपर के हाथ में चली गई। विराट अंपायर के इशारे से पहले ही पवेलियन की ओर चल दिए। हालांकि वह आउट नहीं थे।

### आमिर को मिली अंपायर से चेतावनी

**मैनचेस्टर :** इस मैच में सबकी निगाहें सट्टेबाजी में पांच साल का प्रतिबंध झेलने वाले पाकिस्तानी गेंदबाज आमिर पर थीं। हालांकि उन्हें अपने दूसरे और पारी के तीसरे ओवर में ही अंपायर ऑक्सनफोर्ड की तरफ से डेंजर एरिया में पैर रखने के कारण चेतावनी मिली। आमिर को उनके तीसरे ओवर में फिर अंपायर से चेतावनी मिली। अगर उन्हें तीसरी चेतावनी मिलती तो वह मैच में गेंदबाजी नहीं कर पाते, लेकिन उन्होंने बाद में खुद को इससे बचा लिया। इसके बाद पाकिस्तान के दूसरे तेज गेंदबाज वहाब रियाज को भी पिच के डेंजर एरिया में कदम रखने के लिए चेतावनी मिली। पिच के बीच में गेंदबाज के जाने से पिच खराब होती है। हालांकि, वहाब ने इसके बाद ओवर द विकेट की जगह राउंड द विकेट गेंदबाजी की और एक गेंद बाद ही उन्हें केएल राहुल का विकेट मिल गया।

**02** लगातार मैचों में शतकीय साझेदारी निभाई भारत ने पहले विकेट के लिए। विश्व कप में यह पहला मौका है जब भारतीय ओपनरों ने लगातार दो मैचों में शतकीय साझेदारी की

**07** वां मैच है यह भारत और पाकिस्तान के बीच विश्व कप में, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ जब टॉस जीतने वाले कप्तान ने गेंदबाजी चुनी

- पहली गेंद मैच की आमिर ने केएल राहुल को फेंकी
- पहला रन मैच का नौवीं गेंद पर रोहित ने चौका मारकर बनाया
- पहला छक्का रोहित ने छठे ओवर की आखिरी गेंद पर हसन अली पर मारा
- पहला अर्धशतक रोहित ने 12वें ओवर की पांचवीं गेंद पर लगाया
- पहला विकेट मैच का 23.5 ओवर में वहाब रियाज ने लिया। भारत ने इस समय तक 136 रन बनाए थे
- पहला शतक मैच का रोहित ने 29.6 ओवर में पूरा किया

रोहित शर्मा। एपी

# 'शर्मा जी' का जवाब नहीं

**अद्भुत बल्लेबाज** ▶ रोहित शर्मा का विश्व कप में दूसरा शतक

अभिषेक त्रिपाठी, मैनचेस्टर

'शर्मा जी' जब बल्लेबाजी करते हैं तो बड़े-बड़े गेंदबाज कांपने लगते हैं और कुछ ऐसा ही मैनचेस्टर में देखने को मिला। अपने फेवरिट पार्टनर शिखर धवन की जगह केएल राहुल के साथ ओपनिंग करने उतरे रोहित शर्मा ने पाकिस्तान के खिलाफ भी 'अपने कानून' के हिसाब से ही बल्लेबाजी की। शर्मा जी का कानून कहता है कि शुरुआत में थोड़ा संभलकर खेलो और बाद में बैंड बजा दो। इस मैच में भी उन्होंने ऐसा ही किया। उन्हें दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर अंदरूनी किनारे के जरिये चौका मिला। उन्होंने आमिर के अगले ओवर की तीन गेंद आसानी से खेलीं और चौथी गेंद में एक रन लेकर स्ट्राइक राहुल को सौंप दी। इसके बाद जब उनको समझ में आ गया कि पिच से गेंदबाजों को कोई मदद नहीं मिल रही और गेंद स्विंग नहीं कर रही तो उन्होंने पाकिस्तान की बखिया उधेड़ दीं और इस टूर्नामेंट में दूसरा शतक बनाकर ही दम लिया।

**चौथे ओवर में बदली चाल :** रोहित ने मैच के चौथे ओवर में हसन की गेंद पर स्ट्रेट ड्राइव के जरिये चौका लगाया। हसन के अगले ओवर में ही उन्होंने एक चौके के बाद काऊ कॉर्नर पर छक्का लगाया। पहले परिवर्तन के तौर पर आए बायें हाथ के गेंदबाज वहाब रियाज पर फाइन लेग पर चौका लगाया। उन्होंने 10वां ओवर फेंक रहे वहाब की आखिरी गेंद पर स्लाइस करके थर्ड मैन पर चौका लगाया। 12वें ओवर में शादाब पर एक चौका और एक छक्का लगाकर उन्होंने सिर्फ 34 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाया था।

23वें ओवर की पहली गेंद पर रोहित ने हफीज पर जो स्ट्रेट ड्राइव के जरिये चौका लगाया वह पाकिस्तान का दिमाग खोलने के लिए काफी था। 27वें ओवर में उन्होंने हसन की बाहर जाती शॉर्ट गेंद पर कट शॉट के जरिये छक्का मारा तो 2003 विश्व कप में सचिन का शोएब की गेंद पर मारा छक्का याद आ गया। उन्होंनें 29वें ओवर में शादाब की गेंद पर एक रन लेकर 85 गेंद पर अपने करियर का 24वां शतक पूरा किया। वह 39वें ओवर में लेग स्लिप के ऊपर से मारने के चक्कर में हसन अली की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 113 गेंदों में 14 चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 140 रन की पारी खेली।

**अपना काम किया :** रोहित न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच में क्रमशः दो और 19 रन पर आउट हो गए थे, जिसके बाद उनके ऊपर बेहतर करने का दबाव था और उन्होंने विश्व कप के पहले ही मुकाबले में नाबाद 122 रनों की पारी खेलकर खुद को तो दबाव से निकाल लिया था और उसके बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली। न्यूजीलैंड का मैच बारिश के कारण धुल गया। वह अब तक इस टूर्नामेंट में 319 रन बना चुके हैं। शुरू से यह कहा जा रहा था कि अगर भारत को यह विश्व कप जीतना है तो उसके शुरुआती तीन बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे और उन्होंने, खासतौर पर रोहित ने ऐसा किया भी। रोहित ने अभ्यास मैच की पारियों से सबक लेते हुए इंग्लैंड में वेंगसरकर स्टाइल में खेल दिखाया। वेंगसरकर और रोहित का स्टाइल लगभग एक जैसा है। दोनों ही शुरुआत में थोड़ा धीमे खेलते हैं और मैदान पर जमने की कोशिश करते हैं। जब दोनों जम जाते हैं तो फिर उन्हें कोई नहीं रोक सकता है।

**इंग्लैंड में शानदार रिकॉर्ड :** रोहित ने अपना पहला वनडे शतक 42वें वनडे में मारा था और उसके बाद वह रुके नहीं। वह वनडे में तीन दोहरे शतक लगाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं। रोहित ने इंग्लैंड में 17 वनडे खेले हैं और 71.85 से ज्यादा के औसत से 1006 रन बनाए हैं।

### भारतीय का विश्व कप में सबसे तेज शतक

| गेंद | खिलाड़ी | बनाम |
|---|---|---|
| 81 | वीरेंद्र सहवाग | बरमूडा |
| 83 | विराट कोहली | बांग्लादेश |
| 84 | शिखर धवन | आयरलैंड |
| 85 | रोहित शर्मा | पाकिस्तान |

### भारतीयों के विश्व कप में तीन लगातार 50 से ज्यादा स्कोर

| खिलाड़ी | वर्ष | स्कोर |
|---|---|---|
| नवजोत सिंह सिद्धू | 1987 | 4 |
| सचिन तेंदुलकर | 1996 | 4 |
| युवराज सिंह | 2011 | 3 |
| रोहित शर्मा | 2019 | 3 |

**319** रन बना चुके हैं रोहित इस विश्व कप में

**24** वां शतक वनडे करियर का लगाया रोहित शर्मा ने

**5** पिछली पारियों में 95, 56, 122 नाबाद, 57, 140 रन बनाए हैं रोहित ने

**15** बार वनडे में 125 से ज्यादा का स्कोर किया है रोहित ने। विश्व क्रिकेट में उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर (19) हैं

## बांग्लादेश और वेस्टइंडीज में सामना आज

**टांटन, प्रेट्र :** बांग्लादेश की टीम जब सोमवार को यहां वेस्टइंडीज का सामना करने उतरेगी तो वह मनोवैज्ञानिक फायदे की स्थिति में होगी। हालांकि, जहां तक दोनों ही टीमों के विश्व कप में अभियान की बात है तो दोनों ही टीमें एक ही कश्ती में सवार नजर आ रही हैं।

विश्व कप से पहले आयरलैंड में हुई त्रिकोणीय सीरीज में बांग्लादेश ने वेस्टइंडीज को तीन बार हराया था। भले ही क्रिस गेल और आंद्रे रसेल जैसे सितारे खिलाड़ी वेस्टइंडीज की उस टीम का हिस्सा नहीं थे, लेकिन फिर भी जेसन होल्डर की टीम को पिछले महीने मिली लगातार तीन हार की वजह से सचेत रहना होगा। दोनों ही टीमों के चार-चार मैचों में तीन-तीन अंक हैं। दोनों टीमों को दो-दो मैचों में शिकस्त मिली है और दोनों का एक-एक मैच बारिश की वजह से धुल गया है।

बांग्लादेश ने अपना पिछला मैच आठ जून को खेला था, जिसमें उसे इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। श्रीलंका के खिलाफ मैच बारिश की वजह से धुलने के कारण बांग्लादेश को एक सप्ताह का ब्रेक लेने पर मजबूर होना पड़ा था। ऐसे में बांग्लादेश की टीम मैदान पर उतरने को उत्सुक होगी। उसके पास श्रीलंका के खिलाफ दो अंक हासिल करने का मौका था, लेकिन मौसम ने उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मशरफे मुर्तजा की अगुआई वाली टीम ने अभी तक टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी की है, लेकिन उसे गेंदबाजी विभाग में काम करने की जरूरत है। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज को बल्लेबाजी में अपना नजरिया बदलने की जरूरत है। 50 ओवर के प्रारूप में खेलने के बावजूद उसके अधिकार खिलाड़ी टी-20 मोड में ही नजर आ रहे हैं। दोनों ही टीम इस मुकाबले को जीतने की कोशिश करेंगी। वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल भी अब तक अच्छी फॉर्म में नजर नहीं आए हैं। वह भी इस मैच में धमाका करने का पूरा प्रयास करेंगे। वहीं बांग्लादेश को शाकिब से उम्मीद होंगी।

# पाकिस्तानी कप्तान सरफराज ने नहीं मानी अपने प्रधानमंत्री की बात

अभिषेक त्रिपाठी, मैनचेस्टर

**विश्व कप डायरी**

पाकिस्तान को इकलौता विश्व कप दिलाने वाले कप्तान और इस समय पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने रविवार को टॉस से पहले अपनी टीम को पहले बल्लेबाजी करने की सलाह दी थी। उन्होंने ट्वीट किया कि अगर पाकिस्तान टॉस जीतता है तो उसे पहले बल्लेबाजी करनी चाहिए, लेकिन पाकिस्तानी कप्तान सरफराज अहमद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, कोहली भी पहले गेंदबाजी करना चाहते थे।

इससे पहले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और कमेंट्रेटर माइकल क्लार्क ने कहा था कि पिच अंदर से सूखी है, लेकिन ऊपर से उसमें कुछ नमी है। आसमान में बादल और पिच को देखकर तेज गेंदबाज फायदा उठा सकते हैं। हालांकि, पाकिस्तान के तीन तेज गेंदबाजों को पहले पावरप्ले में आजमाया गया, लेकिन वे फायदा नहीं उठा पाए और उसके बाद धूप निकल आई। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने दो साल पहले ओवल क्रिकेट मैदान में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया था और भारतीय टीम को करारी हार झेलनी पड़ी थी। उनके उस निर्णय की कड़ी आलोचना हुई थी। आम प्रशंसक तक कह रहे थे कि इतने बड़े मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी कौन करता है।

**ओल्ड ट्रैफर्ड में मोदी :** भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का क्रेज मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में भी देखने को मिला। स्टेडियम के अंदर और बाहर भारतीय प्रशंसक मोदी के मास्क लगाकर आए थे। एक भारतीय प्रशंसक ने तो बाकायदा कुर्ता-पैजामा और मोदी जैकेट पहनी थी। इसके साथ ही मोदी मास्क लगाया था। जब उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा कि जिस तरह हमने (मोदी ने) भारत में सरकार बनाई है, उसी तरह हम यहां मैच जीतेंगे।

पाक के कप्तान सरफराज अहमद। एपी

**मैदान के साथ सड़कें भी हाउसफुल :** भारत और पाकिस्तान मैच क्या होता है, उसका अंदाजा तीसरे देश इंग्लैंड में देखने को मिला। आइसीसी को भी पता है कि यह मैच कितना महत्वपूर्ण है। यह मैच यहां के लोकल समय 10.30 पर शुरू होना था, लेकिन सुबह आठ बजे से ही लोग मैदान के बाहर डटे थे। मैदान के बाहर की सड़कों पर दोनों देशों के प्रशंसकों का हुजूम नजर आ रहा था। कोई भारत माता की जय बोल रहा था तो कोई जीवे-जीवे पाकिस्तान। रोड में समूह में बैंड-बाजा, भोंपू, झंडे, अपने देश की टोपी के साथ प्रशंसक घूम रहे थे। ऐसा लग रहा था कि यह मैच इंग्लैंड में नहीं ,भारत या पाकिस्तान में हो रहा हो।

**भारतीय प्रशंसकों ने पाकिस्तान को हराया :** भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच मैच शुरू होने से पहले ही मैदान के बाहर दोनों देशों के प्रशंसकों में प्रतिद्वंद्विता शुरू हो गई। पाकिस्तान का एक ग्रुप अपनी टीम और देश का विजय गान कर रहा था और वहां भारत के कुछ समर्थक ही थे। भारत के समर्थक कमजोर पड़ रहे थे तभी सामने से भारत आर्मी का हुजूम आ गया और उसके आगे पाकिस्तानी समर्थकों की आवाज दब गई। पाकिस्तानी समर्थकों को वहां से भागना पड़ा। यही नहीं, मैदान के अंदर भी चारों तरफ तिरंगा लिए नीली जर्सी में भारतीय समर्थक ही नजर आ रहे थे। पाकिस्तानी समर्थकों की संख्या काफी कम थी, जबकि मैनचेस्टर में काफी पाकिस्तानी रहते हैं। जर्मनी से यहां मैच देखने आए भारतीय प्रशंसक जीतन शाह ने कहा कि भारतीय टीम मैदान के अंदर विपक्षी टीम को हराएगी और हम मैदान के बाहर पाकिस्तानी दर्शकों को मात देंगे। हम अपनी टीम के समर्थन में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

**पूरे विश्व से आए भारतीय समर्थक :** इस मैच में भारतीयों की एकता देखने को मिली। भारत के विभिन्न हिस्सों से ही नहीं, बल्कि अमेरिका, जर्मनी, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में रहने वाले भारतीय यहां मैच देखने आए। ऑस्ट्रेलिया से आए आनंद शंकर ने कहा कि हमने तीन मैचों के टिकट लिए थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हमने मैच जीत लिया, लेकिन न्यूजीलैंड वाला मुकाबला बारिश से खराब हो गया। पाकिस्तान के खिलाफ मैच देखने का हमारा सपना था जो आज पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि हम भले ही विदेश में रहते हैं, लेकिन जहां भी रहते हैं, अपने देश और अपनी टीम का समर्थन करते हैं। सिर्फ समर्थक ही नहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच इस मैच को देखने और भारतीय टीम का समर्थन करने के लिए बोमन इरानी, नीता अंबानी, ब्रायन लारा, बीसीसीआइ कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी, बीसीसीआइ सचिव अमिताभ चौधरी, आइपीएल चेयरमैन राजीव शुक्ला जैसी हस्तियां भी पहुंचीं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी भी मैच देखने पहुंचे।

# विज्ञापन से लगी पीसीबी को मिर्ची, आइसीसी से शिकायत

विशेष संवाददाता, मैनचेस्टर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मेजबान प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स के विज्ञापन (टीवीसी) को लेकर आइसीसी के पास शिकायत दर्ज कराई है, जिसे उसने 'आपत्तिजनक' करार दिया है। आइसीसी अधिकारियों ने भी इस संबंध में प्रसारक से बातचीत की है और उन्हें पीसीबी की आपत्ति से अवगत कराया है। यहां तक कि बीसीसीआइ अधिकारी भी इस मामले से अवगत हैं, लेकिन उन्होंने इससे दूर रहना उचित समझा क्योंकि यह उनसे जुड़ा नहीं है।

बीसीसीआइ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अहसान मनी ने पीसीबी की तरफ से आइसीसी के पास आपत्ति दर्ज कराई है। मैं पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि मनी ने पत्र लिखा है या उन्होंने टेलीफोन पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन हमें पता चला है कि आपत्ति दर्ज कराई गई है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच से पहले स्टार स्पोर्ट्स ने एक विज्ञापन तैयार किया, जिसमें भारतीय प्रशंसक खुद को पाकिस्तानी समर्थक का बाप कह रहा है। यह विज्ञापन इस संदर्भ में तैयार किया गया है क्योंकि पाकिस्तान ने विश्व कप में भारत से सभी मैच गंवाए हैं। विज्ञापन में एक बांग्लादेशी प्रशंसक रविवार के मुकाबले के बारे में पाकिस्तानी प्रशंसक से पूछ रहा है। पाकिस्तानी प्रशंसक कहता है कि उसके अब्बू ने कहा कि कोशिश जारी रखनी चाहिए और तभी भारतीय प्रशंसक कहता है कि मैंने कब कहा।

पता चला है कि आइसीसी पहले ही इस संबंध में स्टार स्पोर्ट्स से बात कर चुका है। इस बीच एक भारतीय चैनल के प्रतिनिधियों का मान्यता कार्ड (एक्रीडेशन कार्ड) रद कर दिया गया है क्योंकि उन्होंने आइसीसी नियमों का उल्लंघन किया। इस चैनल के रिपोर्टर और कैमरामैन ने भारतीय कप्तान विराट कोहली के संवाददाता सम्मेलन का सीधा प्रसारण कर दिया, जिसकी सख्त मनाही है। एक अन्य सीनियर भारतीय पत्रकार ने भी फेसबुक पर कोहली की पत्रकार वार्ता लाइव कर दी थी जिसके लिए उन्हें चेतावनी दी गई है।

**तिरंगा ऊंचा रहे हमारा...**

भारत और पाकिस्तान के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में आइपीएल की टीम मुंबई इंडियंस की मालकिन नीता अंबानी भी भारतीय टीम का हौसला बढ़ाने के लिए स्टेडियम में मौजूद रही। नीता के साथ ही बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान भी मौजूद रहे। ट्विटर

# बहुत आगे की नहीं सोचें द. अफ्रीका के कप्तान डुप्लेसिस

**जैक कैलिस**
**ऑलराउंडर**

दक्षिण अफ्रीका के लिए यह मुश्किल समय है। चार लगातार मैच अगर वह जीत जाते तो वह खुद की जगह सेमीफाइनल में देख सकते थे। कप्तान फाफ डुप्लेसिस बहुत आगे तक सोचने का जोखिम नहीं उठाएं। वह एक समय में एक मैच, एक ओवर बल्कि एक गेंद के बारे में सोचें।

मैंने अपने करियर में कई छोटी टीमों के खिलाफ मैच खेले हैं और कभी भी उनसे जीतना आसान नहीं रहा है। मैं आश्वस्त नहीं हूं कि अफगानिस्तान को छोटी टीम कहना चाहिए। विश्व कप में 10 टीमों के बीच आप आसान मैच नहीं देख सकते और यही होना चाहिए। डिविलियर्स की विश्व कप से पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी को लेकर खबरें चल रही थीं और ऐसे में दक्षिण अफ्रीकी टीम को मैदान से बाहर चल रही इस खबर से निपटना पड़ा था। मेरा मानना है कि यह मीडिया और प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर थी और इसके साथ कप्तान और टीम के लिए भी थी। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका छोड़ने से पहले इन हालात के बारे में बात भी की थी। डिविलियर्स को विश्व कप की टीम में देखना अच्छा रहता, लेकिन उन्होंने देर कर दी थी, क्योंकि टीम का चयन इस टूर्नामेंट के लिए पहले ही हो गया था।

सेमीफाइनल के लिए मेरी तीन टीमें तय हैं। इंग्लैंड और भारत की टीमें अच्छी दिख रही हैं और ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के खिलाफ करीबी मुकाबले जीतकर इस स्थान के लिए अपना दावा मजबूत किया है। अभी तक की स्थिति में सेमीफाइनल के लिए चौथी टीम न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज में से हो सकती है। मैं दक्षिण अफ्रीका को भी सेमीफाइनल में खेलते हुए देखना पसंद करूंगा। अब देखना होगा कि कौन सी चार टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब हो पाती हैं।

मैच हारने में आपसे जो गलतियाँ हुई है उसमें से सकारात्मक चीजें ढूंढ़नी होगी। हमें जल्द ही दोबारा उठने के बारे में सोचना होगा। हमारे पास अभी भी क्वालीफाई करने के केई मौके हैं।
– लियोन मैसी, कप्तान अर्जेंटीना फुटबॉल टीम

## अदिति संयुक्त 38वें स्थान पर खिसकी

**ग्रैंड रैपिड्स (अमेरिका) :** भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक ने यहां मेजर एलपीजीए क्लासिक टूर्नामेंट के तीसरे दिन दो ओवर 74 का स्कोर बनाया जिससे वह संयुक्त 38वें स्थान पर खिसक गई। अदिति ने दूसरे दौर में सात अंडर 65 का कार्ड खेला था। वह 36 होल के बाद आठ अंडर के कुल स्कोर से संयुक्त पांचवें स्थान पर चल रही थीं। लेकिन, अब वह 74 के कार्ड से संयुक्त 38वें स्थान पर खिसक गईं। (प्रेट्र)

**फुटबॉल डायरी** ▸ ग्रुप-बी में 0-2 से हारी लियोन मेसी की टीम, हार के बाद निराश हुए अर्जेंटीनी कप्तान

# कोपा अमेरिका में कोलंबिया ने अर्जेंटीना को हराया

### मार्टिनेज और जपाटा ने कोलंबिया के लिए किए गोल

**साल्वाडोर (ब्राजील), एएफपी :** रोजर मार्टिनेज और डुवान जपाटा के गोल की बदौलत कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट में शनिवार को कोलंबिया ने अर्जेंटीना को 2-0 से हरा दिया। इस हार के साथ अपनी राष्ट्रीय टीम अर्जेंटीना के साथ पहला अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतने की लियोन मेसी की उम्मीदों को झटका लगा।

ग्रुप-बी में खेले गए इस मुकाबले में स्थानापन्न मार्टिनेज ने खेल के 72वें मिनट में गोल करके कोलंबिया को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद अर्जेंटीना के दबदबे के वाले दूसरे हाफ में निर्धारित समय से तीन मिनट पहले स्थानापन्न जपाटा ने गोल करके कोलंबिया की जीत सुनिश्चित कर दी। इससे पहले 20 साल पहले कोलंबिया ने अर्जेंटीना को कोपा अमेरिका में हराया था। विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली कोलंबियाई टीम के लिए ग्रुप स्तर पर यह सबसे कठिन मुकाबला माना जा रहा था। अब उसे पराग्वे और एशियन चैंपियन कतर से भिड़ना है।

अर्जेंटीना की टीम 26 साल से कोई बड़ा खिताब नहीं जीत पाई है। उसे इस टूर्नामेंट के पिछले दो आयोजन में फाइनल में हार मिली थी। साथ ही अर्जेंटीना को 2014 के फीफा विश्व कप के फाइनल में भी शिकस्त झेलनी पड़ी थी। इस मुकाबले में अर्जेंटीना और कोलंबिया के अग्रिम पंक्ति के खिलाड़ियों के लिए रोचक भिड़ंत की उम्मीद की जा रही थी। अर्जेंटीना के पास जहां पांच बार के बैलन डि ओर विजेता मेसी, सर्जियो अग्यूरो और एंजेल डि मारिया जैसे धाकड़ स्ट्राइकर थे तो वहीं कोलंबिया में जेम्स रॉड्रिगेज, रेडमेल फल्काओ और जुआन कुआड्रेडो मौजूद थे, लेकिन बेंच पर बैठकर मुकाबले की शुरुआत करने वाले दो खिलाड़ी सुर्खियां बटोर ले गए। कोलंबिया के खिलाफ हार पर लियोन मेसी ने निराशा जाहिर की है। मेसी इस हार से बेहद निराश दिखे। मेसी के मुताबिक वह ऐसी शुरुआत नहीं चाहते थे।

**वेनेजुएला-पेरू मैच ड्रॉ :** वहीं, ग्रुप-ए में वेनेजुएला और पेरू के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित (0-0) समाप्त हुआ। हालांकि, इस दौरान वेनेजुएला द्वारा किए गए दो गोल को रेफरी ने वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वार) की मदद से आयोग्य करार दिया। दोनों टीमों ने ही मैच के दौरान गोल करने की पूरी कोशिश की, लेकिन इसमें पूरी तरह से विफल रही।

### पोग्बा ने युनाइटेड को छोड़ने के दिए संकेत

**टोक्यो, रायटर :** मैनचेस्टर युनाइटेड के मिडफील्डर पॉल पोग्बा ने रविवार को इसके संकेत दिए कि वह अपने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब को छोड़कर किसी और क्लब में जाने को तैयार हैं। पोग्बा ने कहा कि पिछले तीन साल से मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ मेरा साथ शानदार रहा है और सभी कि तरह यहां मेरे भी कुछ अच्छे और कुछ अच्छे समय रहे हैं। जो भी इस सत्र में हुआ उसके बाद मुझे लगता है कि कहीं और नई चुनौतियों को लेना मेरे लिए अच्छा रहेगा। पोग्बा के स्पेनिश क्लब रीयल मैड्रिड और इटालियन क्लब जुवेंटस में जाने की बात चल रही हैं।

गोल करने के बाद जश्न मनाते कोलंबिया के रोजर मार्टिनेज। एपी

# ताहिर ने अकेले हमें मजबूत किया है : फाफ डुप्लेसिस

**विश्व कप डायरी**

**कार्डिफ, प्रेट्र :** इमरान ताहिर के शानदार प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने विश्व कप की अपनी पहली जीत दर्ज की। शनिवार को दक्षिण अफ्रीका ने अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराया। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने मैच के बाद ताहिर की खूब प्रशंसा की। ताहिर ने 29 रन देकर चार विकेट चटकाए। उनके अलावा क्रिस मॉरिस को भी तीन विकेट मिले। डुप्लेसिस ने मैच के बाद कहा कि शनिवार का दिन हमारे लिए अच्छा रहा। हमने इस बारे में बहुत बात की थी और हमने अच्छा प्रदर्शन किया। विकेट सीम गेंदबाजों के लिए अच्छी थी और हमें चुनौती मिल सकती थी। अच्छी शुरुआत करना जरूरी था, विकेट स्पिन के मुताबिक नहीं थी। गेंदबाजों की तारीफ करते हुए डुप्लेसिस ने कहा कि मॉरिस और ताहिर ने बीच के ओवरों में दमदार गेंदबाजी करते हुए विकेट लिए। ताहिर ने बीच के ओवरों में विकेट लेने की अपनी क्षमता के कारण अकेले अपने दम पर पिछले दो वर्षों में हमें मजबूत टीम बनाया है। दक्षिण अफ्रीका का अगला मैच 19 जून को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा।

फाफ डुप्लेसिस। फाइल फोटो

### करुणारत्ने ने हार के लिए मध्य क्रम को दोषी ठहराया

**लंदन, प्रेट्र :** श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हार के लिए टीम के मध्य क्रम को दोषी ठहराया। करुणारत्ने ने मैच के बाद कहा कि विकेट बहुत अच्छी थी। उस पर सीम मूवमेंट भी थी, लेकिन बल्लेबाजी के लिए विकेट फिर भी अच्छी थी। हमने पहले 25 ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की, फिर फिंच और स्मिथ ने बेहतरीन बल्लेबाजी की, लेकिन अंतिम ओवरों में हम वापसी करने में कामयाब रहे। करुणारत्ने ने कहा कि हमने बल्ले से अच्छी शुरुआत की, लेकिन हम उसका फायदा नहीं उठा पाए और जब मध्य क्रम आया तो वो भी बेहतरीन शुरुआत का लाभ नहीं उठा पाया। वे दबाव नहीं झेल पाए। इस बीच, करुणारत्ने ने ऑस्ट्रेलिया की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पास शीर्ष स्तरीय गेंदबाज हैं। हम पहले भी उनका सामना कर चुके हैं और हमारे पास इस बार गेम प्लान नहीं था। हमें बारिश के कारण भी कुछ मैच खोने पड़े। ऑस्ट्रेलिया अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगी जबकि श्रीलंका का मुकाबला मेजबान इंग्लैंड से होगा।

### हम हर मैच से साथ मजबूत हो रहे हैं : आरोन फिंच

**लंदन, प्रेट्र :** श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि उनकी टीम हर मैच के साथ बेहतर हो रही है। पांच बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया आठ अंकों के साथ विश्व कप की तालिका में पहले पायदान पर मौजूद है। उसने पांच में से चार मुकाबलों में जीत दर्ज की है। श्रीलंका के खिलाफ मिशेल स्टार्क ने दमदार गेंदबाजी करते हुए 55 रन देकर चार विकेट लिए। फिंच ने कहा कि स्टार्क जैसे ही नए बल्लेबाज को भाप लेते हैं वैसे ही उन पर हावी हो जाते हैं। वह एक विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और फिर एक आइसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। फिंच ने कहा कि हम हर मैच के साथ बेहतर हो रहे हैं। जिस तरह से हमने बीच के ओवर में प्रदर्शन किया, वो शानदार रहा। हमें स्थिति का जायजा लेना होगा और अगले मैच के लिए सबसे बेहतर संयोजन के बारे में सोचना होगा। हमने समय-समय पर अच्छी क्रिकेट खेली है और कई क्षेत्रों में सुधार भी कर सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगी जबकि श्रीलंका का मुकाबला मेजबान इंग्लैंड से होगा।

# भारत की पुरुष रिकर्व टीम ने रजत पदक जीता

**डेन बोश, प्रेट्र :** भारतीय पुरुष रिकर्व टीम रविवार को चीन के खिलाफ दबाव में आ गई और उसे तीरंदाजी विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप में पहले स्वर्ण की कोशिश में जुटी भारतीय टीम पहले सेट में 27-26 से बढ़त बनाए थी, लेकिन तरुणदीप राय, अतानु दास और प्रवीण जाधव की तिकड़ी इस मौके को गंवा बैठी।

डिंग यिलियांग, वेई शाओजुआन और फेंन ह्याओ की तिकड़ी की चीन की टीम ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए 6-2 से जीत हासिल की। भारत ने इस तरह अभियान का अंत एक रजत और दो कांस्य पदक से किया। महिलाओं की कंपाउंड टीम और महिला वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धा में दो कांस्य मिले थे। पुरुष की रिकर्व टीम 14 साल के अंतर के बाद विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में खेल रही थी। यह विश्व चैंपियनशिप में भारत का छठा रजत पदक था जिसमें देश ने अभी तक स्वर्ण पदक नहीं जीता है। ऐसे में भारतीय टीम का इस प्रतियोगिता में बेहद ही शानदार प्रदर्शन रहा है।

### गुरजीत के दो गोल से भारत ने पोलैंड को हराया

**हिरोशिमा :** गुरजीत के दो गोल की मदद से भारतीय टीम ने एफआइएच महिला सीरिज फाइनल्स में पोलैंड को 5-0 से करारी शिकस्त दी। मैच की शुरुआत से ही भारत ने आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया, जिसका उन्हें फायदा भी हुआ। पहला क्वार्टर गोलरहित रहने के बाद दूसरे क्वार्टर में नवजोत कौर के पास को ज्योति ने गोल में बदलकर 21वें मिनट में भारत का खाता खोला। भारत के लिए दूसरा गोल वंदना ने 26वें मिनट में दागा। इसके दो मिनट बाद ही गुरजीत के गोल से टीम 3-0 से आगे हो गई। हाफ समय के बाद मैच के 35वें मिनट में गुरजीत ने पेनाल्टी स्ट्रोक की मदद से अपना दूसरा गोल किया जिससे भारतीय टीम ने 4-0 से बढ़त बनाई।

# मीडिया के सामने नहीं आई श्रीलंका की टीम आइसीसी कर सकती है कठोर कार्रवाई

▸ ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद श्रीलंकाई खिलाड़ी नहीं गए थे पत्रकार वार्ता में

**लंदन, प्रेट्र :** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां 87 रन की हार के बाद मीडिया प्रतिबद्धता पूरी नहीं करने पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) श्रीलंका पर जुर्माना लगा सकता है। शनिवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार से निराश कप्तान दिमुथ करुणारत्ने और श्रीलंका के अन्य खिलाड़ियों ने अनिवार्य पत्रकार वार्ता और मिक्स्ड जोन के लिए नहीं आने का फैसला किया।

श्रीलंका को अब आइसीसी की कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। यह पूछने पर कि क्या पत्रकार वार्ता में नहीं आने पर श्रीलंका को सजा का सामना करना पड़ सकता है, आइसीसी के प्रवक्ता ने कहा कि हां, श्रीलंका ने हमें कहा कि वे इसे नहीं करना चाहते। आइसीसी उनसे बात करेगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से पहले श्रीलंका के टीम मैनेजर असंथा डि मेल ने सौतेले व्यवहार के लिए आइसीसी को फटकार लगाई थी। डि मेल ने मौजूदा विश्व कप में श्रीलंका की टीम को मुहैया कराई जा रही पिचों, अपर्याप्त ट्रेनिंग और परिवहन सुविधाओं के अलावा निम्न स्तर की रहने की सुविधा की शिकायत की थी। डि मेल ने कहा कि यह विश्व कप है जहां शीर्ष 10 देश हिस्सा ले रहे हैं और मुझे लगता है कि सबके साथ बराबरी का व्यवहार होना चाहिए। डि मेल ने उनके खिलाड़ियों को मिली टीम बस की भी आलोचना करते हुए कहा था कि यह छोटी और कम जगह वाली है, जबकि अन्य टीमों को डबल डेकर गाड़ी मुहैया कराई गई हैं। उन्होंने कार्डिफ में ट्रेनिंग सुविधाओं की कमी और ब्रिस्टल में टीम होटल में स्विमिंग पूल नहीं होने का भी मुद्दा उठाया।

**इंग्लैंड की परिस्थितियों से खुश नहीं हैं कुमार संगकारा**

**नई दिल्ली, आइएएनएस :** श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा विश्व कप में उपयोग की जा रहीं पिचों की विविधता से खुश नहीं हैं। इस विश्व कप में बारिश ने भी खलल डाली है और विकेट में बदलाव का यह भी एक कारण हो सकता है। बारिश की वजह से कई मैच रद भी हुए जिसमें भारत और न्यूजीलैंड का भी मुकाबला शामिल है। संगाकारा ने कहा कि ऐसे बड़े टूर्नामेंट में एकसमान विकेट की जरूरत होती है और दुर्भाग्यवश ऐसा नहीं हो पाया है। टीमों को इसके अनुकूल होना पड़ेगा, लेकिन कुछ टीमों को इस चीज को लेकर जा बातें हो रही हैं, उसे समझा जा सकता है।

संगकारा ने कहा कि श्रीलंका में पूरे मैदान पर ढकने का चलन है, लेकिन यहां ऐसा नहीं है। इसके लिए बहुत लोगों की आवश्यकता होती है, लेकिन हमारे लिए यह एक कला की तरह है और इससे हमें मानसून में होने वाली बारिश से क्रिकेट को बचाने में मदद मिलती है। 41 वर्षीय संगकारा ने ड्रेनेज सिस्टम को लेकर भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह जाहिर है कि विभिन्न मैदानों का ड्रेनेज अलग है। ब्रिस्टल में हमने देखा कि धूप खिली हुई थी, लेकिन मैदान गीला होने के कारण मैच नहीं हो पाया।

## विविध

# नसीमा से जानें तालीम के मायने

### लोगों के घरों में काम कर पांच बेटियों को पढ़ा-लिखाकर बनाया काबिल

**वरुण शर्मा, ग्वालियर**

▸ एक कमरे के मकान में बेटियों के लिए कंप्यूटर जैसी सुविधाएं

▸ बड़ी बेटी को कराया ग्रेजुएशन, पढ़ाई के साथ पढ़ा रही दो बेटियां

छोटी-मोटी मुसीबतों से हारने और जिंदगी को बोझ समझने वालों को नसीमा बेगम से सीख लेनी चाहिए। खुद अंगूठा टेक, पति दिहाड़ी मजदूर। सुबह रसोई बनी तो शाम का कोई भरोसा नहीं, लेकिन शिक्षा पर पूरा इल्म। तय किया कि बेटियों को हर हाल में पढ़ाएंगी। लोगों के घरों में काम किए, मुसीबत उठाई, लेकिन पीछे नहीं हटीं। पांच-पांच बेटियों को पढ़ा-लिखाकर काबिल बना दिया। ग्रेजुएशन कराकर बड़ी बेटी की शादी कर दी। दो बेटियां अपनी पढ़ाई के साथ स्कूल में पढ़ा भी रही हैं।

**सुशिक्षित समाज**

शिंदे की छावनी के पास लक्ष्मण तलैया पर रहने वाली नसीमा बेगम जिस समाज से हैं, उसमें बेटियों को पढ़ाने का रिवाज नहीं है। कोई चिंता भी नहीं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा भी यहां कोई खास असर नहीं कर सका है। खुद नसीमा को न लिखना आता, न ही पढ़ना। पति इब्राहिम खान दिहाड़ी मजदूरी करते हैं। कमाई का कोई ठिकाना नहीं। कभी कई दिन तक घर में एक पैसा नहीं आता, लेकिन नसीमा ने हार नहीं मानी, न ही किस्मत को कोसा। जो कर सकती थीं, वह किया। यह जरूर तय कर लिया कि बेटियों को कमजोर नहीं होने देंगी। लोगों के घरों में काम किए, परेशानियां उठाईं, लेकिन बेटियों की पढ़ाई से कोई समझौता नहीं किया। सात जनों के रहने के लिए एक कमरे का मकान और उसमें भी सुविधाओं के नाम पर कंप्यूटर। ऐसी हैं नसीमा। सबसे बड़ी बेटी तरन्नुम को ग्रेजुएशन कराकर शादी कर दी। दूसरे नंबर की तबस्सुम बीकॉम के बाद बैचलर ऑफ एजुकेशन कर रही है। तीसरे नंबर की शाहीन ने केआरजी कॉलेज से बीकॉम किया है। चौथे नंबर की मुस्कान उसी कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष में है। सबसे छोटी बेटी खुशबू ने इस साल 12वीं की परीक्षा पास की है और अब कॉलेज में प्रवेश लेगी।

ग्वालियर में एक कमरे के अपने घर में परिवार के साथ नसीमा बेगम। नई दुनिया

### तबस्सुम और शाहीन बन गईं टीचर

नसीमा की दो बेटियां तबस्सुम और शाहीन अपनी पढ़ाई के साथ-साथ घर से थोड़ी दूरी पर स्थित एक स्कूल में बच्चों को पढ़ाती भी हैं। मां नसीमा उनकी तनख्वाह नहीं लेतीं। यही कहती हैं कि जो भी कमा रही हो उसे अपनी पढ़ाई में ही लगाओ।

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें www.jagran.com/topics/positive-news

# बेसहारा मवेशियों से खेत बचाएगा 'फसल गार्ड'

**प्रशांत कुमार, कन्नौज :** उप्र के कन्नौज जिले के ठठिया कस्बा निवासी इनोवेटर जीतू शुक्ला उर्फ अवनि ने ऐसी डिवाइस बनाई है जो मवेशियों से फसल को बर्बाद होने से बचाएगी। उन्होंने इसे 'फसल गार्ड' नाम दिया है। इस डिवाइस को उन्होंने पेटेंट भी करा लिया है। इसके प्रयोग से किसानों को रातभर जागकर खेतों में खड़ी फसल की रखवाली नहीं करनी पड़ेगी।

**सौर ऊर्जा से चलेगी डिवाइस :** सोलर ऊर्जा से चलने वाली यह डिवाइस खेत के पास लगाई जाएगी। इसमें सेंसर और कैमरा भी लगा है। थ्री-डी मैपिंग के तहत काम करने वाली इस डिवाइस में पहले से ही उन जानवरों की इमेज अपलोड कर दी गई है, जो फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं।

डिवाइस लगाने के दौरान किसान इसमें फसल का क्षेत्रफल मार्क करेगा। मार्क क्षेत्रफल में जैसे ही मवेशी घुसने का प्रयास करेगा, वैसे ही डिवाइस से कुछ किरणें और आवाज निकलेगी, जो थ्री-डी इफेक्ट देंगी और जानवर भयभीत होकर भाग जाएगा। उसे भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। इस डिवाइस के रडार पर 50 बीघा तक का क्षेत्रफल रहेगा। इसे फसल के हिसाब से ऊंचाई पर लगाना होगा। इसे चोरी भी नहीं किया जा सकेगा।

**प्रदेश सरकार ने देखा डेमो :** जीतू ने बताया कि परिवहन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर इसका डेमो दिखाया। मुख्यमंत्री ने इसे चोरी से बचाने की तकनीक जोड़ने का सुझाव दिया। जीतू ने इसे भी बना लिया है। अब फिर मुख्यमंत्री के समक्ष पेश किया जाएगा। वहां से हरी झंडी के बाद केंद्र सरकार के सामने पेश किया जाएगा।

# कुंवर सुरेश सिंह के लिए जेल बन गया था दूसरा ठिकाना

**अखिलेश मिश्र, वाराणसी**

▸ लोहिया को आदर्श मान आपातकाल में सत्ता विरोधी जंग में कूद पड़ा था बीए प्रथम वर्ष का एक छात्र

'समय नहीं ठहरता, लेकिन कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं जो जेहन में पूरे जीवन बनी रहती हैं। उनकी जब भी याद आती है तो कुछ कर गुजरने का जज्बा उफान मारने लगता है। ऐसा ही होता है आपातकाल के दौर को याद करने पर।' यह कहना है उन दिनों सेंट्रल हिंदू स्कूल में संचालित बीएचयू के इवनिंग कालेज के बीए प्रथम वर्ष के छात्र रहे कुंवर सुरेश सिंह का। डॉ. राममनोहर लोहिया को आदर्श मान राजनीति का ककहरा सीखते सुरेश सिंह का दायरा भी बढने लगा था। देश में आपातकाल घोषित (जून 1975 से मार्च 1977 तक) हुआ तो सत्ता विरोधी जंग में वह भी उतर पड़े थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ हमउम्र युवाओं के साथ बड़े-बुजुर्गों को भी लामबंद करने की मुहिम में जुट गए। भूमिगत रहकर भी संघर्ष को आगे बढ़ाना कम चुनौतीपूर्ण नहीं था। आपातकाल लगने के बाद इसी चुनौती का सामना करते हुए 22 सितंबर 1975 को दोपहर वाराणसी में संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के गैर शिक्षण कर्मचारी व समाजवादी विचारधारा से जुड़े सोमनाथ त्रिपाठी के आवास पर युवा एकत्र होकर आंदोलन की रणनीति बना रहे थे। इसकी भनक प्रशासन को लगी और पुलिस ने छापा मारा। अन्य लोगों के साथ कुंवर सुरेश भी भागे और एक दीवार की आड़ में छुप गए, लेकिन पड़ोस के मकान के बरामदे से यह सब देख रहे एक व्यक्ति ने पुलिस को इशारा कर दिया। फिर क्या था कुंवर सुरेश को गिरफ्तार कर सेंट्रल जेल भेज दिया गया। महीने भर बाद उन्हें रिहा तो किया गया, लेकिन पुलिस ने फिर गिरफ्तार कर लिया। उन्हें कुल तीन बार जेल जाना पड़ा। उस दौर की चर्चा करने पर कुंवर सुरेश की आंखों में चमक बढ़ जाती है और 67 की उम्र में भी भुजाएं फड़कने लगती हैं।

आपबीती बताते कुंवर सुरेश सिंह। जागरण

**...और गिड़गिड़ाने लगे डिप्टी जेलर :** दशाश्वमेध निवासी अशोक पांडेय उन दिनों उनके दोस्त हुआ करते थे। कुंवर बताते हैं कि रात में हमलोग गलियों व घाटों पर सरकार विरोधी पोस्टर चिपकाते थे। जेल में अशोक पांडेय के लिए डिप्टी जेलर ने आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। जुलाई 1977 का महीना था। एक दिन वही जेल अधिकारी गोदौलिया क्षेत्र में रिक्शे से जाते दिख गए तो हमलोगों ने घेर लिया। इससे घबराकर वह हाथ जोड़ गिड़गिड़ाने लगे।

**लोकनायक से हुई मुलाकात :** कुंवर सुरेश सिंह ने बताया कि आपातकाल में एक बार लोकनायक जयप्रकाश नारायण अचानक वाराणसी आए। कैंट स्टेशन पर तमाम रोकटोक के बावजूद स्वागत के लिए लोग पहुंच गए। खुफिया तंत्र को भनक लग चुकी थी। हमलोगों ने सरकार के विरोध मे नारे लगाए, लेकिन प्रशासनिक अमला कुछ नहीं कर सका। लोकनायक उस रात राजघाट स्थित गांधी विद्या संस्थान में रुकने के बाद अगले दिन रवाना हो गए। उनके संग हम युवाओं की टीम भी पुलिस से बचने के लिए मुगलसराय तक गई। इस दौरान लोकनायक ने हम लोगों को पटना बुलाया और कहा, वहां एक पुस्तिका देंगे। जिसकी प्रतियां हमें छपवाकर हमें वितरित करनी थी। लोकनायक से पुस्तिका लेने के बाद उनके निर्देश पर हम लोग पटना जेल में शिवानंद तिवारी से मिले। वाराणसी लौटकर लोकनायक की पुस्तिका छपवाकर बांटने का भी काम शुरू हो गया। इसकी राशि एक रुपये थी, लेकिन लोग दस-दस रुपये तक दे देते थे। पुस्तिका के अंत में लोकनायक ने लिखा-'इंदिरा जी आप रहें या न रहें, लेकिन यह देश रहेगा और आपने जो किया है उसका परिणाम भी राष्ट्र आपको देगा।'

**लोकतंत्र के प्रहरी**
**आपातकाल के 44 साल**

# बस्तर में है लौह अयस्क का विशाल भंडार

**जेएनएन, जगदलपुर**

▸ दुनिया के सबसे बड़े लौह अयस्क भंडार क्षेत्र में शामिल है बैलाडीला, जहां हैं 14 डिपॉजिट

▸ संभाग में है 215 करोड़ टन लौह अयस्क का भंडार

दुनिया के सबसे बड़े लौह अयस्क भंडार क्षेत्रों की शीर्ष-10 सूची में शामिल बैलाडीला में छत्तीसगढ़ का 70 फीसद लौह अयस्क का भंडार है। यह भंडार कुल 14 डिपॉजिट में है। प्रदेश के दूसरे बड़े भंडार क्षेत्र रावघाट को भी मिला लिया जाए तो यह आंकड़ा 80 फीसदी से अधिक पहुंच जाता है।

बस्तर संभाग के चार जिलों दंतेवाड़ा, कोंडागांव, कांकेर और नारायणपुर में कुल मिलाकर 215 करोड़ टन लौह अयस्क मौजूद है। यहां के लौह अयस्क पर सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों की हमेशा से नजर रही है। दक्षिण बस्तर स्थित बैलाडीला में जहां केन्द्र सरकार की नवरत्न कंपनी एनएमडीसी का अभी तक एकाधिकार है वहीं उत्तर बस्तर के रावघाट में एक अन्य सरकारी कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) जल्द खनन के लिए अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करेगी। बैलाडीला में 134 करोड़ टन और रावघाट में 73 करोड़ टन से ज्यादा का भंडार मौजूद है।

उत्तर बस्तर के भानुप्रतापपुर क्षेत्र में हाहालद्दी, आरीडोंगरी आदि लौह अयस्क भंडार क्षेत्र में निजी कंपनियां लौह अयस्क का खनन कर रही हैं। लौह अयस्क भंडार के दोहन के लिए हमेशा से निजी कंपनियों में ललक देखी गई है। बस्तर के अलावा बहुत थोड़ी मात्रा में राजनांदगांव, दुर्ग, बालोद, कवर्धा जिले में भी लौह अयस्क के भंडार हैं। छग शासन के खनिज विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट में बस्तर संभाग को खनिज संपदा के मामले में पूरे प्रदेश में सबसे समृद्ध बताया गया है।

### 50 से 68 फीसद तक है लौह तत्व

बस्तर संभाग में मिलने वाले लौह अयस्क में 50-68 फीसद तक लौह तत्व की मात्रा पाई गई है। अयस्क में लौह तत्व की मात्रा के मामले में बैलाडीला और रावघाट लगभग बराबर की स्थिति में हैं। रावघाट में सेल को 2,028 हेक्टेयर क्षेत्र में माइनिंग लीज मिली है। वहां से भिलाई स्टील प्लांट के लिए अयस्क की आपूर्ति की जाएगी। बैलाडीला में अभी अकेले एनएमडीसी खनन कर रही है।

### कैलास-मानसरोवर यात्रा का पहला दल नाबी पहुंचा

**जागरण संवाददाता, हल्द्वानी :** कैलास मानसरोवर यात्रियों का पहला दल पैदल यात्रा के दूसरे पड़ाव नाबी पहुंच गया है, जबकि दूसरे दल के यात्री काठगोदाम पहुंचे। दूसरे दल में कुल 45 श्रद्धालु शामिल हैं। 21 दिवसीय यात्रा के दौरान यात्री 13 दिन भारतीय व आठ दिन चीन क्षेत्र में रहेंगे। कैलास मानसरोवर यात्रा का पहला दल रविवार को गुंजी से से दो किलोमीटर दूर नाबी पहुंचा। दल में 58 यात्री शामिल हैं। रविवार को यात्री नाबी में ही रात्रि विश्राम करेंगे। सोमवार को दल वापस गुंजी पहुंचेगा। यहां आइटीबीपी के चिकित्सक उनका स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। स्वास्थ्य परीक्षण में यात्री ही मंगलवार को अगले पड़ाव कालापानी रवाना किए जाएंगे।

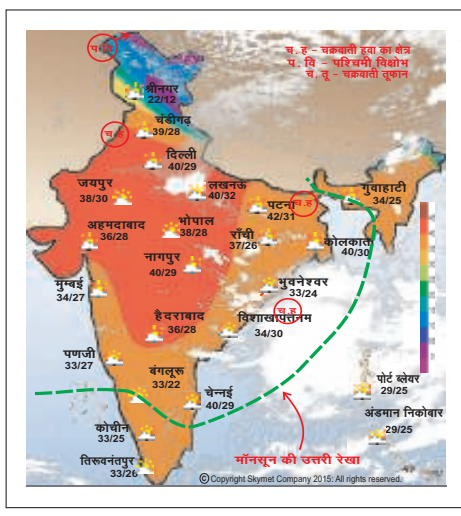


### मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में मौसम गर्म व आरामदायक रहेगा। कुछ स्थानों पर गरज और तेज हवाओं के साथ वर्षा होगी। दिल्ली सहित मैदानी भागों में मौसम काफी गर्म रहेगा। पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में गरज और तेज हवाओं के साथ धूलभरी आंधी और वर्षा होगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

| शहर | | शहर | |
|---|---|---|---|
| मुम्बई | 32/26/व | अहमदाबाद | 40/28/व |
| कोलकाता | 39/30/व | बड़ोदा | 39/28/आंबा |
| चेन्नई | 40/29/व | नागपुर | 42/28/व |
| हैदराबाद | 34/29/व | इन्दौर | 39/26/सा |
| बंगलूरू | 33/23/सा | रांची | 40/28/व |
| त्रिवेन्द्रम | 31/27/व | पटना | 42/31/सा |
| गुवाहाटी | 33/28/आंबा | जमशेदपुर | 39/27/आंबा |
| गंगटोक | 17/08/आंबा | पुणे | 25/23/व |

## अमेरिका के न्यूयॉर्क हार्बर पर पहुंची स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी

1885 में आज ही दुनिया की सबसे मशहूर प्रतिमाओं में से एक स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी को न्यूयॉर्क हार्बर पहुंचाया गया था। यह मूर्ति अमेरिका और फ्रांस की दोस्ती की प्रतीक है। जमीन से इसकी ऊंचाई 305 फीट है और वजन 225 टन है।

## पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया

1950 में आज ही अमेरिका के शिकागो में दुनिया का पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण किया गया था। इसके तहत रूथ टकर नामक 44 वर्षीय महिला की किडनी बदली गई थी, जिसके बाद वे पांच साल और जीवित रही थीं।

## मशहूर टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस को जन्मदिन मुबारक

टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस का जन्म 1973 में आज ही गोवा में हुआ था। 1996 में अटलांटा ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। 1996-97 में भारतीय खेल जगत का सबसे बड़ा पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न दिया गया। 2001 में पद्मश्री और 2014 में पद्म भूषण से सम्मानित हुए। 1989 में पहली बार आइटीएफ जूनियर रैंकिंग जीती। अबतक वह 55 खिताब अपने नाम कर चुके हैं। 2003 में पहली बार मिक्स डबल्स में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और विंबलडन खिताब जीता। 17 बार ग्रैंड स्लैम जीत चुके हैं।

## इधर-उधर की

### पिकनिक मनाकर किया विरोध प्रदर्शन

**जेनेवा, एजेंसी :** स्विट्जरलैंड में महिलाएं पुरुषों के मुकाबले कम वेतन मिलने के खिलाफ अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। सरकार से पुरुषों के समान वेतन की मांग के लिए महिलाएं सीटी बजाकर, सड़कों पर पिकनिक मनाकर और बर्तन पीटकर अपना रोष प्रकट कर रही हैं। यही नहीं, प्रदर्शनकारियों ने पुरुषों के नाम वाली सड़कों का नाम बदलकर महिलाओं के नाम पर रख दिया है। महिलाओं ने 14 जून से यहां विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। यह विरोध स्विट्जरलैंड के हालिया इतिहास में सबसे बड़ी राजनीतिक घटना मानी जा रही है। यहां की महिलाएं अब भी पुरुषों की तुलना में 20 फीसद कम पैसे कमाती हैं। हालांकि वेतन की यह विसंगति वैश्विक है, लेकिन यहां की महिलाओं ने इसे दूर करने के लिए अगर यह कदम उठाया है तो इसे दुनिया उनकी जागरूकता से जोड़कर देख रही है।

## शोध अनुसंधान

### कृत्रिम नाक से कैंसरग्रस्त ऊतकों की पहचान होगी

वैज्ञानिकों ने एक ऐसी कृत्रिम नाक विकसित की है, जिसकी मदद से ब्रेन सर्जरी के दौरान कैंसरग्रस्त ऊतकों (टिश्यू) की पहचान की जा सकेगी। ऐसा होने से कैंसर की गांठ को ज्यादा सटीक तरीके से काटकर हटाना संभव होगा। आजकल न्यूरोसर्जरी में इलेक्ट्रिक चाकू या डायथर्मी ब्लेड की मदद से ऑपरेशन की तकनीक लोकप्रिय हो रही है। इस तकनीक में जब ऊतक जलते हैं, तो एक धुआं उठता है। वैज्ञानिकों ने ऐसा उपकरण बनाया है, जो इस धुएं की मदद से कैंसर ऊतकों व स्वस्थ ऊतकों में फर्क कर सकता है। अभी सर्जरी के दौरान गांठ का एक हिस्सा काटकर जांच के लिए भेजा जाता है। इस तकनीक में सर्जरी करते समय ही इस बात का पता चल जाएगा ऊतक कैंसरग्रस्त है या नहीं। साथ ही गांठ के हर हिस्से का सैंपल भी जांच जा सकता है। 694 ऊतकों के सैंपल पर प्रयोग के दौरान डिवाइस को 83 फीसद तक कारगर पाया गया। - प्रेट्र

### दिव्यांग लोगों को चलने में मदद करेगा खास उपकरण

वैज्ञानिकों ने ऐसा नरम और पहनने लायक उपकरण बनाया है, जो बड़ी उम्र के लोगों और दिव्यांगों को आसान और सुरक्षित तरीके से चलने में मदद करेगा। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल के वैज्ञानिकों का कहना है कि इस डिवाइस की मदद से हजारों ऐसे लोगों को फायदा होगा, जिन्हें चलने में परेशानी होती है। इस प्रोजेक्ट को फ्रीहैब नाम दिया गया है। इस उपकरण को तैयार करने में विशेष इलेक्ट्रोएक्टिव जेल का प्रयोग किया गया है। यह आसानी से व्यक्ति की जरूरत के मुताबिक मुड़ने और वजन सहने में सक्षम है। वैज्ञानिक डिवाइस को इस तरह तैयार करने की कोशिश में है, जिससे थेरेपिस्ट की अनुपस्थिति में भी व्यक्ति आसानी से शारीरिक गतिविधियों को अंजाम दे सके। इसकी मदद से व्यक्ति व्यायाम भी कर सकता है। - प्रेट्र

# सेहत से दूर ना कर दे रिश्तों को करीब ला रहा स्मार्टफोन

न्यूयॉर्क टाइम्स से

- अपनों से संपर्क का माध्यम बन रही वीडियो कॉलिंग
- बच्चों में फोन की लत का कारण भी बन रहा यह तरीका

दूरियां भी मिटाती है वीडियो कॉलिंग। प्रतीकात्मक

**वाशिंगटन :** स्मार्टफोन ने उम्र की सीमा पार कर ली है। बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई किसी ना किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ा है। मैसेज और चैटिंग से लेकर वीडियो कॉलिंग तक फोन के इस्तेमाल ने दूरियों को मिटाने में भी भूमिका निभाई है। आज सैकड़ों मील दूर बैठे दादा-दादी से भी पलक झपकते ही बात हो जाती है। दादा-दादी के बीच स्मार्टफोन की बढ़ती उपस्थिति ने सवाल भी खड़े किए हैं। विशेषज्ञों के बीच अब यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि अगर परिवार के बड़े लोग ही स्मार्टफोन के इस्तेमाल में इतने खो जाएंगे, तो बच्चों को कौन संभालेगा? कहीं रिश्तों को पास लाने की कोशिश बच्चों को उनकी सेहत से दूर ना कर दे।

**घर के बुजुर्ग भी हुए टेक्नोलॉजी के दीवाने :** आज की तारीख में स्मार्टफोन की टेक्नोलॉजी ने घर के बुजुर्गों को भी अपना दीवाना बना लिया है। ऐसा होने की वजह भी है, क्योंकि इस टेक्नोलॉजी ने उन्हें अपनों के करीब आने में मदद की है। स्मार्टफोन पर अंगुलियां फेरकर पलक झपकते ही कहीं दूर देश बैठे पोते-पोतियों से आमने-सामने बैठकर बात करने का सुख मिल जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में करीब 38 फीसद दादा-दादी कभी ना कभी वीडियो कॉलिंग पर पोते-पोतियों से बात कर चुके हैं। भारत में इस संबंध में भले ही कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं हो, लेकिन ऐसे लोगों की तादाद यहां भी लगातार बढ़ रही है।

**करीबी का विकल्प बनता जा रहा फोन :** दादा-दादी और पोते-पोतियों के बीच का संबंध पूरी दुनिया में सबसे करीबी रिश्तों में माना जाता है। आजकल पेशेवर मजबूरियों के कारण अक्सर परिवारों को दूर रहना पड़ता है। ऐसे में पोते-पोतियों को देखने और उनकी करीबी को महसूस करने में स्मार्टफोन विकल्प के रूप में सामने आए हैं। जब दो साल की पोती अपनी अंगुली में लगी चोट वीडियो कॉलिंग पर दादी को दिखाती है, तो वह पल अपने आप बहुमूल्य हो जाता है। स्मार्टफोन ऐसे कई बहुमूल्य पलों का गवाह बन रहा है।

**खुशी में छिपी खतरे की आहट :** चेहरे पर खुशी के पल ला रहे स्मार्टफोन अपने साथ कुछ खतरे भी लेकर चलते हैं। विशेषज्ञ अक्सर इस बात को लेकर चेताते रहे हैं कि बच्चों को फोन के ज्यादा इस्तेमाल से बचाना चाहिए। फोन पर ज्यादा वक्त बिताना उनकी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की सेहत के लिए अच्छा नहीं है। ज्यादा स्क्रीन टाइम यानी स्मार्टफोन पर ज्यादा वक्त बिताने से उनकी आंखों को नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा अगर फोन की लत लग जाए तो बच्चों की सेहत को और भी नुकसान पहुंच सकते हैं। यह लत उनके मानसिक विकास में भी बाधक हो सकती है।

**विशेषज्ञों के मतों में भी भेद :** वीडियो कॉलिंग को स्क्रीन टाइम माना जाए या नहीं, इस बात पर विशेषज्ञ एकमत नहीं हैं। कुछ जानकार मानते हैं कि वीडियो कॉलिंग के दौरान भी बच्चा स्मार्टफोन की ओर ही देखता है, इसलिए इसका भी दुष्प्रभाव उतना ही है, जितना फोन पर कोई वीडियोगेम खेलने का। वहीं, एक वर्ग का मानना है कि वीडियो कॉलिंग पर बात करना स्क्रीन टाइम नहीं माना जा सकता।

# राजस्थान की सुमन राव बनीं मिस इंडिया 2019

मुंबई में आयोजित सौंदर्य प्रतियोगिता में चुनी गईं राजस्थान की मिस इंडिया सुमन राव (मध्य में), बिहार की श्रेया शंकर मिस इंडिया यूनाइटेड कांटिनेंट (बाएं) और छत्तीसगढ़ की शिवानी जाधव मिस ग्रांड इंडिया बनीं। (ट्विटर से साभार)

- छत्तीसगढ़ की शिवानी जाधव मिस ग्रांड इंडिया और बिहार की श्रेया शंकर मिस इंडिया यूनाइटेड कांटिनेंट बनीं

**मुंबई, एएनआइ/आइएएनएस :** फेमिना मिस इंडिया प्रतिस्पर्धा में इस बार अपेक्षाकृत पिछड़ा माने जाने वाले राज्यों का दबदबा रहा। शायद ऐसा पहली बार हुआ है कि रनर अप और पहले के तीन स्थानों पर किसी महानगर की बाला का कब्जा नहीं है। राजस्थान की तपती माटी में पैदा हुई सुमन राव जहां फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2019 चुनी गईं। वहीं, छत्तीसगढ़ की बेटी और पेशे से इंजीनियर शिवानी जाधव को फेमिना मिस ग्रांड इंडिया 2019 और मैनेजमेंट की छात्रा और बिहार की बेटी श्रेया शंकर को फेमिना मिस इंडिया यूनाइटेड कांटिनेंट 2019 के खिताब से नवाजा गया। तेलंगाना की संजना विज मिस इंडिया रनर अप 2019 रहीं।

यहां के सरदार वल्लभभाई पटेल इंडोर स्टेडियम में शनिवार को आयोजित एक रंगारंग कार्यक्रम में इन खूबसूरत बालाओं को खिताब से नवाजा गया तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस साल सात दिसंबर को थाईलैंड के पटाया में आयोजित होने वाले मिस वर्ल्ड 2019 प्रतिस्पर्धा में 22 वर्षीय सीए की छात्रा सुमन राव भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। सुमन राव राजस्थान के राजसमंद जिले के आईडाणा गांव की हैं। सुमन के जीतने पर गांव में लोगों ने मिठाइयां बांटकर खुशी मनाई। सुमन राव ने कहा कि वह गर्व और खुशी का अनुभव कर रही हैं। उन्हें लगता है कि वो जिस समाज से आती हैं उस समाज की युवा लड़कियों के लिए वह उम्मीद की किरण बन गई हैं। प्रसिद्ध डिजाइनर फाल्गुनी शाने पीकॉक, मिस वर्ल्ड 2018 वैनिसा पोंका डी लियोन, अभिनेत्री हुमा कुरेशी, चित्रांगदा सिंह, आयुष शर्मा, कोरियोग्राफर रेमो डीसूजा, धावक दुत्ती चंद और फुटबाल खिलाड़ी सुनील छेत्री के पैनल ने विजेताओं का चयन किया। फिल्म निर्माता करण जौहर और अभिनेता मनीष पॉल ने मिस वर्ल्ड 2017 मानुषी छिल्लर के साथ कार्यक्रम का संचालन किया। जबकि, कैटरीना कैफ, विक्की कौशल और मौनी रॉय ने अपने डांस से कार्यक्रम में समां बांध दिया।

### फादर्स डे पर बेटी श्रेया ने बेहतरीन तोहफा दिया

मिस बिहार श्रेया शंकर को फेमिना मिस इंडिया यूनाइटेड कांटिनेंट चुने जाने पर उनके घरवाले बहुत खुश हैं। श्रेया के पिता बिग्रेडियर अचलेश शंकर ने दैनिक जागरण को बताया कि फादर्स डे पर इससे बेहतरीन तोहफा नहीं हो सकता। वे श्रेया के मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब जीतने की उम्मीद कर रहे थे मगर यह भी एक बड़ा उपहार है।

# लोगों की मौजूदगी का अहसास करेंगे रोबोट

**आसान होगी राह** ▸ मशीन के साथ सुरक्षित रूप से काम कर सकेंगे कर्मचारी

### अमेरिका की मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने विकसित की नई एल्गोरिद्म

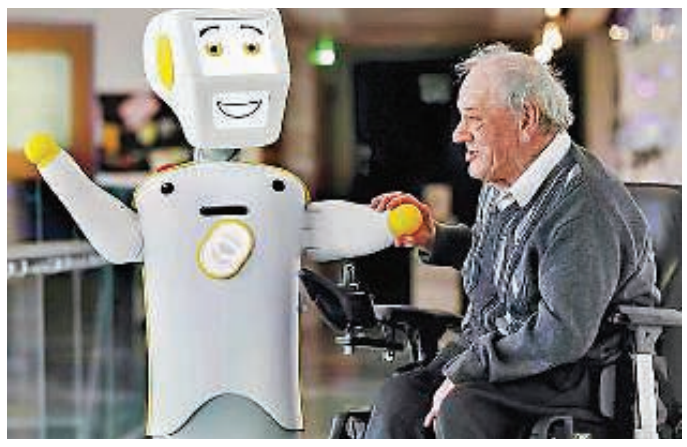

हर काम में हाथ बंटा सकते हैं बेहतर समझ वाले रोबोट। प्रतीकात्मक

**बोस्टन, प्रेट्र :** कारखानों में काम के दौरान रोबोटिक मशीनें अक्सर लोगों को गंभीर रूप से घायल कर देती हैं, कई बार चोट इतनी गंभीर होती है कि लोग अपनी जान भी गवां देते हैं। चीन में रोबोट की वजह से कर्मचारियों की मौत के कुछ ऐसे मामले सामने भी आए हैं। मनुष्यों और रोबोट में होने वाले इस टकराव को ध्यान में रखते हुए अब वैज्ञानिकों ने एक नई एल्गोरिद्म विकसित की है, जिसकी मदद से रोबोट मनुष्य की मौजूदगी का अहसास कर सकेंगे। उन्हें आसानी से पता लग जाएगा कि मनुष्य आने-जाने के लिए किस रास्ते का प्रयोग कर रहे हैं। इस एल्गोरिद्म की मदद से कारखानों में लोग मशीन के साथ सुरक्षित रूप से काम कर सकेंगे।

अमेरिका की मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआइटी) के शोधकर्ताओं ने यह एल्गोरिद्म बनाई है जो यह पता लगाने में सक्षम है कि सामने से आ रहे व्यक्ति की गति क्या है और उससे बचने के लिए उसे कितनी देर में किस दिशा में मुड़ना है।

एमआइटी की एसोसिएट प्रोफेसर जूली शाह ने कहा कि यह एल्गोरिद्म उन घटकों का निर्माण करता है जो एक रोबोट को यह समझने और मॉनीटर करने में मदद करते हैं कि कब उसे रुकना है कब चलना है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक उन तरीकों में से एक है जिससे और बेहतर समझ वाले रोबोट तैयार किए जा सकते हैं। साथ ही लोगों के साथ काम करने में भी इन्हें आसानी होगी। रोबोट को मनुष्यों की गतिविधियों की पहचान कराने के लिए शोधकर्ताओं ने इस एल्गोरिद्म में डाटा के रूप में मनुष्य की भिन्न-भिन्न प्रकार की चालों, यहां तक की डांस की गतिविधियों का भी इस्तेमाल किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि हर मनुष्य के चलने-फिरने का अपना एक तरीका होता है। कुछ लोग सीधे चलते हैं, कुछ झूमकर। नई एल्गोरिद्म के जरिए रोबोट में ऐसी क्षमता विकसित होती है कि वह गतिविधियों को आसानी से भांप सकता है।

### परीक्षण के दौरान आए सटीक परिणाम

एल्गोरिद्म के परीक्षण के लिए शोधकर्ताओं ने एक फैक्टरी के रोबोट में इसे इंस्टॉल किया और पाया कि किसी भी रास्ते पर लोगों के आने से पांच सेकेंड पहले ही रोबोट ने अपना रास्ता बदल लिया। काम के दौरान किसी मनुष्य के बीच में आने पर रोबोट अपने आप रुक गया। एमआइटी की एसोसिएट प्रोफेसर जूली शाह ने कहा कि भविष्य में इस एल्गोरिद्म के जरिये रोबोट कारखानों के साथ-साथ घरों में भी कई कामों में हाथ बंटा सकते हैं।

### बेल्जियम का प्रसिद्ध डोडो उत्सव

दुनिया में तरह-तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक उत्सवों का बोलबाला है। ऐसा ही एक डोडो लोककथा उत्सव पर बेल्जियम के मॉन्स में 'ल्यूमकॉन' अनुष्ठान के अवसर पर सेंट जॉर्ज और ड्रैगन के बीच का द्वंद्व यहां की सामाजिक व धार्मिक मान्यताओं का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होते हैं। डोडो को 2005 में यूनेस्को ने अमूर्त विरासत की मानवता की उत्कृष्ट कृतियों के रूप में मान्यता दी थी। रायटर

### समुद्र में चलेगी मोटरबाइक

ब्रिटेन की कंपनी ने 'सब सी स्कूटर' के नाम से एक ऐसी मोटरबाइक तैयार की है, जिसे समुद्र के अंदर आरामदायक तरीके से चलाया जा सकता है। यह स्कूटर उन लोगों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया है जो गोता नहीं लगा पाते। ब्रिटेन में इसकी कीमत 17,000 पाउंड (करीब साढ़े तेरह लाख) है। यह 'मोटरबाइक' एक मोटर से संचालित होती है और इसका नियंत्रण काफी आसान है। राइडर्स को 'बबल हेलमेट' पहनना पड़ता है, जो उन्हें सांस लेने में सक्षम बनाता है। पानी के भीतर अधिकतम दो लोग एक बार में ढाई घंटे तक इससे सफर कर सकते हैं। एएफपी

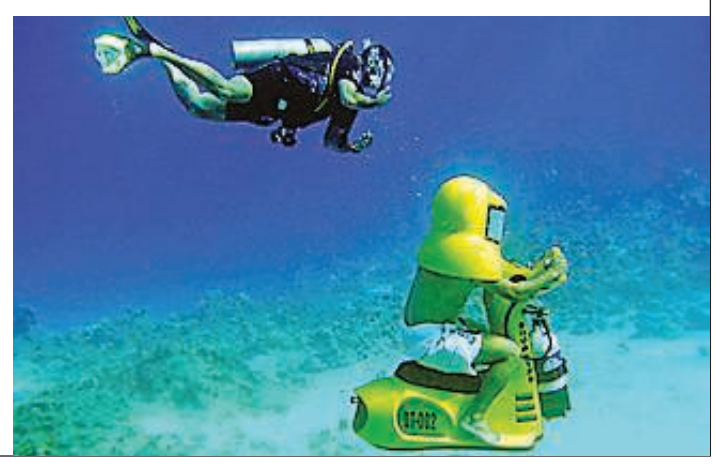

## स्क्रीन शॉट

### 'द लॉयन किंग' की हिंदी डबिंग करेंगे शाह रुख और उनके बेटे आर्यन

एनिमेटेड फिल्म 'द लॉयन किंग' एक शेर की कहानी है। यह 1994 में रिलीज इसी नाम की एनीमेटेड फिल्म का रीमेक है। 1994 में सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्मों में शुमार 'द लॉयन किंग' की कहानी शावक शेर सिंबा पर है। उसे अपने पिता मुफासा का उत्तराधिकारी घोषित किया जाता है, लेकिन मुफासा के भाई के षड्यंत्र के चलते सिंबा को घर छोड़कर जाना पड़ता है। कुछ समय बाद सिंबा लौटता है और अपना राज्य हासिल करता है। इस बार डिजनी इस फिल्म को 3डी एनिमेशन में लेकर आ रहा है। 19 जुलाई को रिलीज होने वाली इस फिल्म के हिंदी वर्जन में मुफासा की डबिंग बॉलीवुड के बादशाह शाह रुख खान करेंगे। जबकि उनके रील बेटे सिंबा की डबिंग उनके रीयल बेटे आर्यन करेंगे। बकौल शाह रुख, 'द लॉयन किंग मेरे पूरे परिवार की पसंदीदा फिल्म है। बतौर पिता मैं मुफासा और उसके बेटे के साथ रिलेट करता हूं। इस आइकॉनिक फिल्म का हिस्सा बनना और अपने बेटे के साथ उसकी कल्पना करना इसे मेरे लिए खास बनाता है। हम सबसे ज्यादा एक्साइटेड इसलिए हैं, क्योंकि अबराम उसे देखेगा।' 'आयरन मैन' व 'द जंगल बुक' का निर्देशन कर चुके जॉन फेवरु इसके निर्देशक हैं। भारत में यह फिल्म हिंदी के अलावा तमिल और तेलुगु में डब होकर प्रदर्शित होगी।

### सलमान पर बरसीं प्रियंका

जब से सलमान खान की फिल्म 'भारत' से प्रियंका चोपड़ा ने अपना नाम वापस लिया है, तब से लेकर अब तक जब भी मौका मिलता है, सलमान खान प्रियंका की खिल्ली उड़ाने का कोई मौका नहीं चूक रहे थे। लेकिन अब तक प्रियंका ने इस मामले पर एक शब्द नहीं कहा था। वह चुपचाप सब देख और सुन रही थीं। पर, पिछले दिन अपनी फिल्म 'द स्काई इज पिंक' की रैपअप पार्टी में प्रियंका चुप नहीं रहीं। उन्होंने कई सारी बातें कीं और इसी दौरान फिल्म 'भारत' को लेकर सलमान द्वारा जो कुछ भी कहा जा रहा है, उसका जवाब भी दिया। प्रियंका ने कहा कि सलमान बेवजह मेरा नाम घसीट रहे हैं। मैं पहली अभिनेत्री नहीं हूं, जिसने कोई फिल्म छोड़ी है। इससे पहले काजोल ने 'हिचकी' छोड़ी थी। इसी तरह पहले भी कई कलाकारों ने कई फिल्में छोड़ी हैं, क्योंकि उन्हें लगा कि वह उस फिल्म में काम नहीं कर पाएंगे। प्रियंका ने आगे कहा, 'सलमान मामले को बढ़ा रहे हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया।'

## कला के जरिए उठाया जा सकता है सवाल : जीशान अयूब

सात सवाल

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जी 5 पर '377 अब नॉर्मल' फिल्म के बाद अभिनेता मुहम्मद जीशान अयूब फिल्म 'आर्टिकल 15' में अहम भूमिका निभा रहे हैं। अनुभव सिन्हा निर्देशित इस फिल्म में वह पहली बार आयुष्मान खुराना के साथ काम कर रहे हैं। उनसे हुई बातचीत के प्रमुख अंश...

**फिल्म '377 अब नॉर्मल' के बाद 'आर्टिकल 15' में अभिनय करने का ख्याल कैसे आया?**

- फिल्म की स्क्रिप्ट अच्छी थी। मुझे देश और राजनीति में दिलचस्पी है। जब भी देश के संविधान से जुड़ी कोई जरूरी बात कहनी हो और मुझे लगे कि मैं उसमें काम आ सकता हूं, तो जरूर आगे बढ़कर उसका हिस्सा बनता हूं।

**आर्टिकल 15 के बारे में आप पहले से कितना जानते थे? फिल्म को लेकर आपने किस तरह की रिसर्च की थी?**

- इसके बारे में पढ़ने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं इसके बारे में पहले से जानता था। मैं वकील नहीं हूं, इसलिए चीजें याद नहीं थीं, लेकिन जब फिल्म की स्क्रिप्ट मेरे सामने आई, तो वे चीजें दोबारा ताजा हो गईं।

**यह फिल्म कैसे मिली?**

- मुझे अनुभव सिन्हा सर के ऑफिस से फोन आया था। मैं जब उनसे मिलने पहुंचा, तब उन्होंने कहा कि कुछ किरदार हैं, एक बार स्क्रिप्ट पढ़ो फिर हम बात करेंगे। स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद उन्होंने मुझसे पूछा कि कौन-सा किरदार करना चाहोगे? मुझे निषाद का किरदार बहुत पसंद आया, जो एक युवा दलित नेता है। उसका अपना एक अलग नजरिया है। वह फिल्म का अहम किरदार है।

**आपको लगता है कि इस तरह की फिल्में समाज में कोई बदलाव ला सकती हैं?**

- कला बदलाव नहीं ला सकती। अगर ऐसा संभव होता तो एक अच्छी फिल्म बनती और समाज बदल जाता। कला के जरिए सवाल जरूर उठाया जा सकता है। यह फिल्म समाज को आईना दिखाने जैसी होगी।

**ट्रेलर रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर विवाद शुरू हो गए हैं। विवादों से अभिनेता को कितना फर्क पड़ता है?**

- यह बात समझनी पड़ेगी कि यह फिल्म किसी घटना या जाति को लेकर नहीं है। लेखकों ने मात्रा एक घटना से प्रेरणा लेकर फिल्म की कहानी गढ़ी है। 'आर्टिकल 15' एक काल्पनिक फिल्म है, जो एक समस्या को दर्शाती है। हमारा समाज एक अलग विचार को अपनाने के लिए जल्दी तैयार नहीं होता है। केवल ट्रेलर को देखकर आवाज उठाने का कोई अर्थ नहीं है।

**आयुष्मान खुराना के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?**

-वह बहुत ही सहज कलाकार हैं। हम दोनों एक-दूसरे को बहुत पहले से जानते थे। दोनों ही साथ में काम करना चाहते थे। इस फिल्म से वह मौका मिल गया।

**क्या आपने कभी अपने आसपास भेदभाव देखा है? ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में क्या स्थिति है?**

- शहरों में ज्यादा भेदभाव है। गांवों में यह भेदभाव प्रत्यक्ष रूप से दिख जाता है, क्योंकि वे इस बात को स्वीकारते हैं कि भेदभाव है। लेकिन शहरों में लोग ढोंगी हैं। वे घर में काम करने वालों के बर्तन अलग रखते हैं, उन्हें सोफे या बेड पर बैठने नहीं देते।

प्रियंका सिंह

## अध्ययन

लक्ष्मीपत सिंहानिया हृदय रोग संस्थान ने पांच वर्ष तक किया अध्ययन, दुष्प्रभाव के रूप में सामने आ रही है वेरीकोज वेन्स की समस्या

# सीजेरियन प्रसव से सूज रहीं पैर की नसें

ऋषि दीक्षित, कानपुर

सीजेरियन प्रसव को प्राथमिकता देना वेरीकोज वेन्स (पैरों के नसों के गुच्छे बनना) के दुष्प्रभाव के रूप में सामने आ रहा है। इसमें पैर की नसों के वाल्व में खराबी आती है। नसें सूजने से गुच्छे जैसे बनने लगते हैं। इसका पता लक्ष्मीपत सिंहानिया हृदय रोग संस्थान (कार्डियोलॉजी) में पांच वर्षों तक हुए अध्ययन में चला है।

कुछ वर्षों से महिलाओं में वेरीकोज वेन्स की समस्या तेजी से बढ़ने पर हृदय रोग संस्थान के कार्डियक वेस्कुलर एवं थेरोसिक सर्जरी (सीवीटीएस) के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश वर्मा आश्चर्य में पड़ गए। तेजी से यह समस्या बढ़ने की वजह जानने के लिए जनवरी 2015 को अध्ययन शुरू हुआ। वेरीकोज वेन्स की समस्या लेकर आए 3162 मरीजों में से 218 आपरेशन के लिए चिह्नित किए गए। इनमें 126 महिलाएं और 92 पुरुष थे।

**35 वर्ष से ऊपर की महिलाएं अधिक :** दो तिहाई यानी 84 महिलाएं सीजेरियन प्रसव कराने वाली थीं। उनकी उम्र 35 वर्ष से अधिक थी। इसी तरह एक तिहाई यानी 42 महिलाएं 35 वर्ष से कम उम्र की थीं। उनका भी सीजेरियन प्रसव हुआ था।

**बच्चेदानी में रहता है हाई प्रेशर :** बच्चेदानी में ब्लड का हाई प्रेशर रहता है। सीजेरियन प्रसव के लिए चीरा लगाकर पेट फैलाने से पैर में रक्त आपूर्ति की मुख्य नस सेफलस वेन पर दबाव पड़ता है और सेफलस फ्यूमोरल जंक्शन का वाल्व लीक कर जाता है। ऐसे में पैर की तरफ से हृदय की ओर रक्त आपूर्ति नहीं होती जिससे नसें फूलने लगती हैं और नसों के वाल्व खराब हो जाते हैं।

**लेजर तकनीक से सर्जरी :** वेरीकोज वेन्स यानी नसों के गुच्छे को लेजर तकनीक से जलाया जाता है। उसके बाद सेफलस फ्यूमोरल जंक्शन की वेन को कस दिया जाता है। महिलाएं ही नहीं लंबे समय से खड़े होकर काम करने वालों जैसे ट्रैफिक सिपाही, पुलिसकर्मी, किसान, मजदूर एवं सर्जन पैर की नसों में सूजन की समस्या से जूझ रहे हैं।

**वेरीकोज वेन्स क्या है:** शरीर की शिराएं ऊतकों से रक्त को हृदय की ओर ले जाती हैं। शिराओं को गुरुत्वाकर्षण के विपरीत रक्त को टांगों से हृदय में ले जाना पड़ता है। ऊपर की ओर के इस प्रवाह की सहायता करने के लिए शिराओं के भीतर वाल्व होते हैं। वाल्व रक्त को केवल ऊपर की ही ओर जाने देती हैं। जब वाल्व दुर्बल हो जाते हैं, तो रक्त ठीक तरह से ऊपर को चढ़ नहीं पाता और कभी-कभी नीचे की ओर बहने लगता है। ऐसी दशा में शिराएं फूल जाती हैं और टेढ़ी-मेढ़ी भी हो जाती हैं।

> अध्ययन में सीजेरियन प्रसव से महिलाओं के पैरों की नसों के वाल्व का खराब होना पाया गया। इससे उनके पैरों की नसें सूज जाती हैं। शोध पत्र अंतरराष्ट्रीय जनरल में प्रकाशन के लिए भेजा गया है।
>
> - प्रो. राकेश वर्मा, विभागाध्यक्ष, सीवीटीएस, लक्ष्मीपत सिंहानिया हृदय रोग संस्थान।